3 | राजधानी
अब युवाओं को पढ़ाई पूरी करते ही मिलेगी नौकरी

8 | अभिमत
भयावह नरसंहार की अमिट स्मृतियां

13 | विदेश
जरदारी ने मांगी स्वास्थ्य के आधार पर जमानत

14 | स्पोर्ट्स
मेसी बने रिकॉर्ड छठी बार फीफा के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 32
नई दिल्ली, बुधवार, 4 दिसंबर, 2019
पृष्ठ 16 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

अब ऑनस्क्रीन मिताली राज बनेंगी तापसी

विविध-16

मौसम

अधिकतम 24.4°C (-1)
न्यूनतम 9.1°C (0)

बाजार

सेंसेक्स	40,675	↓ 126	
निफ्टी	11,994	↓ 54	
सोना	38,789	↑ 80	/10g
चांदी	45,826	↑ 101	/kg

क्विक न्यूज

सीबीआई ने पोंजी कंपनी के सीएमडी और निदेशक को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने पश्चिम बंगाल में एक कंपनी के मुख्य प्रबंध निदेशक और एक निदेशक को 78 करोड़ रुपए की पोंजी स्कीम के निवेशकों को धोखा देने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि अजय चक्रवर्ती जुगांतर रियलिटी, जुगांतर स्वर्ण और आभूषण कंपनी का चेयरमैन और प्रबंध निदेशक है और संजीत चक्रवर्ती कंपनी का निदेशक है। सीबीआई प्रवक्ता नितिन वाकणकर ने कहा कि कंपनी ने कथित रूप से अवैध रूप से 78 करोड़ रुपए निवेशकों से जमा कराए। उन्होंने कहा कि आरोपियों ने कंपनी बंद कर पैसे की धांधली की।

लालू जेल में रहते हुए फिर राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने

पटना। चारा घोटाला मामलों में सजा काट रहे राजद के संस्थापक लालू प्रसाद मंगलवार को लगातार 11वीं बार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। पटना स्थित राजद मुख्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय निर्वाचन पदाधिकारी चित्तरंजन गगन ने मंगलवार की शाम लालू को राजद का फिर से राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध निर्वाचित किए जाने की घोषणा की। गगन ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए लालू जी की ओर से उनके दोनों पुत्रों द्वारा संयुक्त रूप से चार सेट में नामांकन दाखिल किया गया। हर सेट में 10-10 यानि कुल 40 पार्टी नेताओं ने प्रस्तावक के तौर पर हस्ताक्षर किया था। जांच के बाद सारे सेट सही पाए गए। राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद के लिए मात्र एक नामांकन होने के कारण लालू प्रसाद के निर्विरोध चुने जाने की अधिसूचना जारी की गई।

पाकिस्तानी गोलाबारी में दो नागरिकों की मौत, नौ घायल

जम्मू। पाकिस्तान की सेना ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास स्थित अग्रिम चौकियों और गांवों पर मंगलवार को गोलाबारी की जिसमें एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि शाहपुर और किरनी सेक्टरों में सीमा पार से गोलीबारी और गोलाबारी का भारतीय सेना ने करारा जवाब दिया। प्रवक्ता ने बताया, दोपहर बाद करीब 2.30 बजे, पाकिस्तान ने दो सेक्टरों में बिना किसी उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी करके और मोर्टार से गोले दागकर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया।

नासा द्वारा जारी किया गया चित्र जिसमें चंद्रयान-2 के लैंडर विक्रम के टुकड़े दिखाई दे रहे हैं

चंद्रयान-2 के लैंडर विक्रम का मलबा मिला

चेन्नई के मैकेनिकल इंजीनियर सुब्रमण्यन ने की नासा की मदद

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा को चंद्रमा पर भारत के महत्वकांक्षी चंद्रयान-2 के विक्रम लैंडर का मलबा मिला है, और एजेंसी ने इसका श्रेय चेन्नई के मैकेनिकल इंजीनियर षनमुगा सुब्रमण्यन को दिया, जिन्होंने इसे खोजने में मदद की। लैंडर विक्रम सितंबर में चंद्रमा की तहत पर उतरते दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। नासा ने मलबे की तस्वीर भी साझा की है।

विक्रम लैंडर की सात सितंबर को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने की भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की कोशिश नाकाम रही थी और लैंडिंग से कुछ मिनट पहले लैंडर

षनमुगा सुब्रमण्यन

का इसरो से सम्पर्क टूट गया था। नासा ने अपने लूनर रिकॉनाइसां ऑर्बिटर (एलआरओ) से ली गई तस्वीर में अंतरिक्ष यान से टक्कर स्थल को और उस स्थान को दिखाया है जहां मलबा हो सकता है। लैंडर के हिस्से कई किलोमीटर क्षेत्र तक लगभग दो दर्जन स्थानों पर बिखरे हुए हैं।

नासा ने एक बयान में कहा कि उसने स्थल की एक तस्वीर 26 सितम्बर को साझा की और लोगों से उस तस्वीर में लैंडर के मलबे को पहचानने की अपील की। नासा ने कहा कि षनमुगा सुब्रमण्यन ने एलआरओ परियोजना से संपर्क किया और मुख्य दुर्घटनास्थल से लगभग 750 मीटर उत्तर पश्चिम में पहले टुकड़े की पहचान की। नासा ने कहा, यह जानकारी मिलने के बाद, एलआरओसी दल ने पहले की और बाद की तस्वीरें मिला कर इसकी पुष्टि की। पहले की तस्वीरें जब मिलीं थी तब खराब रोशनी के कारण प्रभावित स्थल की आसानी से पहचान नहीं हो पाई थी। नासा ने कहा कि इसके बाद 14 -15 अक्टूबर और 11 नवम्बर को दो तस्वीरें हासिल की गईं। एलआरओसी दल ने इसके आसपास के इलाके में छानबीन की और उसे प्रभावित स्थल (अक्षांश: 70.8810 डिग्री, देशांतर: 22.7840 डिग्री) तथा मलबा मिला।

नासा के अनुसार नवम्बर में मिली तस्वीर के बेहतरीन पिक्सल स्केल (0.7 मीटर) और रोशनी की स्थिति (72 डिग्री इंसिडेंस एंगल) सबसे बेहतर थी। भारत का यह अभियान सफल हो जाता तो वह अमेरिका, रूस और चीन के बाद चांद पर पहुंचने वाला चौथा देश बन जाता।

नौसेना के बजट में कटौती पर नेवी प्रमुख ने जताई चिंता

- कहा-नौसेना की योजना है कि उसके पास तीन विमानवाहक पोत हों

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

चीन द्वारा आक्रामक तरीके से नौसेना का विस्तार किए जाने की पृष्ठभूमि में नौसेना प्रमुख एडमिरल करमबीर सिंह ने मंगलवार को अपने बल के लिए ज्यादा बजटीय आवंटन की आवाज उठाते हुए रक्षा आवंटन में नौसेना की हिस्सेदारी 2012-13 के 18 फीसद से घटकर 2018-19 में 13 फीसद रह जाने पर चिंता जताई।

भारतीय नौसेना द्वारा सितंबर में भारत के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र से चीनी पीएलए के पोतों को खदेड़े जाने के संदर्भ में नौसेना प्रमुख ने जोर देकर कहा कि ऐसी गतिविधियों से सख्ती से निपटा जाएगा। नौसेना की दीर्घकालीन योजना है कि उसके पास तीन विमानवाहक पोत हों जिससे दो पोत हिंद महासागर में तैनाती के लिए हमेशा तैयार रहें। नौसेना दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में नौसेना प्रमुख ने कहा कि स्वदेश में विकसित पहला विमानवाहक पोत 2022 तक पूरी तरह परिचालन में आ जाएगा और उस पर मिग-29 के विमानों का बेड़ा तैनात होगा। उन्होंने कहा कि योजना के मुताबिक दूसरा स्वदेशी विमानवाहक पोत 65 हजार टन कोटाबार

नई दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान नौसेना अध्यक्ष एडमिरल करमबीर सिंह

भारतीय नौसेना ने चीन के पोत को लौटने पर मजबूर किया

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने अंडमान सागर में भारत के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र में प्रवेश करने वाले चीन के पीपुल्स लिब्रेशन आर्मी (पीएलए) के पोत को लौटने पर मजबूर किया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। चीन का यह पोत सितंबर में भारतीय क्षेत्र में घुस आया था। संवाददाता सम्मेलन के दौरान घटना के बारे में पूछे जाने पर नौसेना प्रमुख एडमिरल करमबीर सिंह ने कहा कि हमारे क्षेत्र में गतिविधि करने वाले किसी को भी, भारतीय नौसेना को इसकी जानकारी देनी होगी। अधिकारियों ने कहा कि चीन की नौसेना के अनुसंधान पोत को इलाके से वापस जाने पर मजबूर किया गया क्योंकि पोत ने वहां जाने की अनुमति नहीं ली थी।

विमानवाही पोत होगा जिसमें इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन होगा तथा जल्द ही इस परियोजना की मंजूरी के लिए नौसेना सरकार से मंजूरी के लिए संपर्क करेगी। नौसेना फिलहाल रूसी मूल के आईएनएस विक्रमादित्य का संचालन कर रही है जो भारत का एक मात्र विमान वाहक पोत है। हिंद महासागर क्षेत्र में चीनी घुसपैठ पर एडमिरल सिंह ने कहा कि किसी भी समय सात से आठ चीनी पोत आम तौर पर क्षेत्र में मौजूद रहते हैं। यह पूछे जाने पर कि मिलन नौसैनिक अभ्यास के लिए 41 अन्य देशों के साथ चीन को आमंत्रित क्यों नहीं किया गया, उन्होंने कहा कि समान विचार वाले राष्ट्र इसका हिस्सा होंगे। एडमिरल सिंह ने राष्ट्र को यह भी आश्वस्त किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए नौसेना पूरी तरह तैयार है। प्रस्तावित चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) पर उन्होंने कहा कि रणनीतिक योजनाओं को लागू करने के लिए उसके पास पर्याप्त शक्तियां होनी चाहिए।

नौसेना के आधुनिकीकरण योजना के संदर्भ में एडमिरल सिंह ने कहा कि यह तथ्य है कि पिछले पांच वर्षों में नौसेना का वार्षिक बजट आवंटन 18 प्रतिशत से घटकर 13 प्रतिशत पर आ गया है। उन्होंने कहा, उम्मीद है कि हमें कुछ और रकम मिलेगी। माना जा रहा है कि बल के आधुनिकीकरण के लिए पर्याप्त रकम की आवश्यकता को लेकर नौसेना पहले ही प्रधानमंत्री कार्यालय को संदेश भेज चुकी है। पड़ोस की चुनौतियों के संदर्भ में उन्होंने कहा कि क्षेत्र में किसी दूसरे देश की कार्रवाई का भारत पर असर नहीं पड़ना चाहिए, और अगर असर पड़ता है तो सुरक्षा बल उससे उचित तरीके से निपटेंगे।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिति के बारे में पूछे जाने (शेष पेज 10)

कारोबारी ने बेटा-बेटी की हत्या कर पत्नी व महिला समेत की खुदकुशी

- इंदिरापुरम 8वीं मंजिल से कूदे, बच्चों के साथ खरगोश, चूहे व तोते का भी मरोड़ा गला
- दीवार पर चिपकाए सुसाइड नोट में साढ़ू को बताया मौत का जिम्मेदार, दो करोड़ रुपये को लेकर था विवाद

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

राजधानी दिल्ली से सटे गाजियाबाद के इंदिरापुरम में कारोबारी ने अपने बेटा-बेटी की हत्या कर पत्नी और एक अन्य महिला के साथ आठवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या करने से पहले उसने घर में पल रहे पालतू खरगोश, तोते व सफेदचूहे को भी मार डाला। उद्यमी ने दीवार पर सुसाइड नोट लिखा है, जिसमें पांचों की मौत के लिए अपने साढ़ू को जिम्मेदार बताया है। इसमें यह भी लिखा है कि पूरे परिवार का अंतिम संस्कार एक साथ किया जाए। मरने से पहले परिवार ने दाह संस्कार के लिए उन्होंने दीवार पर 500 के कई नोट चिपकाए थे।

मृतकों का फाइल फोटो

गाजियाबाद के एसपी मनीष मिश्रा ने बताया कि मृतकों की पहचान जींस के कारोबारी गुलशन वासुदेवा (45), उनकी पत्नी परवीन वासुदेवा (38), बेटा रितिक (14) व बेटी रितिका (17) के रूप में हुई है। साथ में आत्महत्या करने वाली महिला गुलशन की बिजनेस पार्टनर संजना (36) हैं। यह परिवार दिल्ली के झिलमिल कालोनी का रहने वाला था और करीब डेढ़ महीने पहले ही इंदिरापुरम के वैभव खंड के कृष्णा अपरा गार्डन सोसायटी में रहने आया था। यहां आठवीं मंजिल के फ्लैट में रहते थे। बेटा रितिक नौवीं का छात्र था जबकि रितिका फैशन डिजाइनिंग का कोर्स कर रही थी। घटना मंगलवार तड़के 5 बजे की है। एसपी के अनुसार (शेष पेज 10)

बुलेट ट्रेन परियोजना की समीक्षा कर रही है महाराष्ट्र सरकार

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

महाराष्ट्र सरकार के मंत्री जयंत पाटिल ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि राज्य पर 4 लाख 71 हजार करोड़ रुपए के कर्ज को देखते हुए क्या बुलेट ट्रेन जैसी परियोजनाओं को टाला जा सकता है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन समेत राज्य में जारी सभी विकास परियोजनाओं की समीक्षा करने का आदेश दिया है। पाटिल का यह बयान इसके बाद आया है। पाटिल ने एक टीवी चैनल से कहा, राज्य पर चार लाख 71 हजार करोड़ रुपए का कर्ज है। हमलोग इस बात की समीक्षा कर रहे हैं कि राज्य के विकास के लिए कौन सी परियोजना महत्वपूर्ण है और क्या बुलेट ट्रेन जैसी परियोजनाओं को बाद के चरण के लिए रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना की व्यवहार्यता तथा राज्य सरकार को इसके लिए कितने पैसे चुकाने होंगे इस पर विचार करने के लिए सरकार ने एक बैठक बुलाई है। बुलेट ट्रेन परियोजना को किसानों और आदिवासियों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा है क्योंकि उसके लिए उनकी भूमि का अधिग्रहण होना है।

नोएडा के सेक्टर 71 से नॉलेज पार्क तक मेट्रो का रास्ता साफ

- यूपी कैबिनेट ने दी मंजूरी, पहले चरण में नौ किमी लाइन होगी तैयार, बनेंगे पांच एलिवेटेड स्टेशन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा एक्सटेंशन होते हुए नोएडा सेक्टर 71 से ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क तक मेट्रो का रास्ता हो गया है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने मंगलवार को कैबिनेट की बैठक में इसे मंजूरी दे दी। दो चरणों में बनने वाली इस 15 किमी परियोजना का निर्माण और संचालन नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) करेगी।

पहले चरण में नौ किमी रूट तैयार होगा जिस पर पांच स्टेशन होंगे। पूरी परियोजना पर करीब 2682 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है। इस परियोजना को मार्च 2022 तक पूरा करने की योजना है। सेक्टर-51 मेट्रो स्टेशन से जोड़ते हुए सेक्टर-71 से ग्रेटर नोएडा वेस्ट तक मेट्रो चलाई जाएगी। सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क-5 तक करीब 15 किलोमीटर लंबा रूट होगा। पहले चरण में सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा वेस्ट (नोएडा एक्सटेंशन) के सेक्टर-2 तक करीब 9 किलोमीटर लंबे रूट पर मेट्रो चलाई जाएगी। दूसरे चरण में शेष छह किमी ट्रैक बनेगा।

इसमें सभी स्टेशन ओवरहेड होंगे। गौतमबुद्धनगर में मेट्रो के लगातार विस्तार से वहां व आसपास के लोगों को इससे खासी सहूलियत होगी। एनएमआरसी की प्रबंध निदेशक रितु माहेश्वरी ने कहा कि लखनऊ में मंगलवार को कैबिनेट बैठक में मेट्रो रेल लाइन के विस्तार को मंजूरी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि नए रेल संपर्क से गौर सिटी और नोएडा (शेष पेज 10)

ड्यूटी घोटाले में बड़ी कार्रवाई, डीजी होमगार्ड हटाए गए

- उत्तर प्रदेश के नोएडा और लखनऊ सहित कई जिलों में होमगार्ड के जवानों की फर्जी ड्यूटी दिखाकर किया गया था करोड़ों रुपयों का भारी भरकम घोटाला

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश सरकार ने होमगार्ड ड्यूटी घोटाले में पहली बड़ी कार्रवाई करते हुए मंगलवार को डीजी होमगार्ड जीएल मीणा को हटाकर प्रतीक्षारत कर दिया। उनके स्थान पर डीजी कारागार आनंद कुमार को होमगार्ड महकमे का भी अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। प्रदेश के नोएडा और लखनऊ सहित तमाम जिलों में होमगार्ड जवानों की फर्जी ड्यूटी दिखाकर करोड़ों के वारे-न्यारे किए गए थे। जिसमें अभी तक एक डिवीजनल कमांडेंट और एक कमांडेंट सहित नौ लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि डीजी होमगार्ड जीएल मीणा को उनके पद से हटाकर बाध्य प्रतीक्षारत कर दिया गया। डीजी कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं आनंद कुमार को वर्तमान पद के साथ ही डीजी होमगार्ड के पद का भी अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। दो सप्ताह पहले नोएडा में होमगार्ड विभाग में अधिकारियों की मिलीभगत से होमगार्ड जवानों की ड्यूटी का खेल सामने आया था। इसके बाद जब विस्तृत जांच शुरू हुई तो परत-दर-परत घोटाले की परतें खुलना शुरू हो गयीं। सबसे पहले एसएसपी नोएडा की जांच में पता चला था कि जिले के थानों में होमगार्ड जवानों की फर्जी तैनाती दिखाकर करोड़ों रुपए की हेराफेरी की गयी। थानों पर तैनात होने वाले होमगार्ड जवानों की तैनाती कम संख्या में होती थी जबकि कागजों पर अधिक संख्या दिखाकर वेतन भुगतान की बंदरबांट होती थी। मामला संज्ञान में आने के बाद एसएसपी नोएडा की ओर से इस संबंध में डीजी होमगार्ड को अपनी रिपोर्ट भेजकर इस संबंध में एफआईआर दर्ज कराने और कार्रवाई की मांग की गयी थी लेकिन आरोप है कि एसएसपी की रिपोर्ट पर डीजी की ओर से कोई एक्शन नहीं लिया गया। बाद में जब मामले ने तूल पकड़ा तो डीजी होमगार्ड ने अपने स्तर से जांच कराने के लिए कमेटी गठित कर दी। इस कमेटी की जांच में भी आरोप सही पाए गए। जिसके बाद पांच अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की और होमगार्ड मंत्री चेतन चौहान द्वारा राज्य के सभी जिलों में इस तरह की अनियमितता की जांच के आदेश दिए गए। इसके अगले ही दिन 18 नवंबर को संदेह के दायरे में आए नोएडा के जिला होमगार्ड कमांडेंट कार्यालय के उस कमरे में आग लग गयी जहां कथित घोटाले से संबंधित दस्तावेज रखे हुए थे। इस घटना को मुख्यमंत्री ने गंभीरता से लिया और आनन फानन गिरफ्तारी और कार्रवाई के आदेश हुए। जिसके बाद मंडलीय कमांडेंट सहित पांच अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया।

हालांकि बाद में पुलिस ने राजीव कुमार नाम के प्लाटून कमांडर को गिरफ्तार कर खुलासा किया कि आग इसी ने लगायी थी। राजीव ने ही ड्यूटी घोटाले की शिकायत भी की थी। सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से पता चला कि आग भी उसी ने लगायी थी। नोएडा का घोटाला सामने आने के बाद शुरू हुई जांच में लखनऊ में भी इसी प्रकार का गड़बड़झाला सामने आया जहां गुडम्बा और गोमती नगर थाने में होमगार्ड की ड्यूटी के नाम लाखों रुपयों का घालमेल किया गया। इस संबंध में लखनऊ के जिला कमांडेंट सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। नोएडा और लखनऊ की तरह ही प्रदेश के कई जिलों में इस तरह के घोटाले सामने आने के बाद शासन ने पूरे प्रदेश में इसकी जांच के आदेश दिए। पूरे प्रदेश में होमगार्ड जवानों की ड्यूटी सत्यापन नए सिरे से कराई जा रही है।

प्रियंका की सुरक्षा सेंध मामले में तीन निलंबित

- गृहमंत्री शाह ने दी सदन में जानकारी, उच्च स्तरीय जांच के आदेश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रियंका गांधी वाड्रा की सुरक्षा में सेंध मामले में उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए गए हैं और तीन सुरक्षा कर्मियों को निलंबित कर किया गया है। यह जानकारी गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को दी।

राज्यसभा में स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान गृहमंत्री ने कहा कि प्रियंका गांधी के आवास पर सुरक्षा में चूक एक इत्तेफाक है। हालांकि ऐसा नहीं होना चाहिए था। लेकिन वहां मौजूद सुरक्षा कर्मियों को बताया गया था कि काली टाटा सफारी में राहुल गांधी अपनी बहन प्रियंका गांधी से मिलने आने वाले हैं।

राज्य सभा में बोलते गृह मंत्री अमित शाह

उन्होंने बताया कि राहुल गांधी और प्रियंका के पति राबर्ट वाड्रा के वाहनों की आवश्यक जांच आम तौर पर नहीं होती। शाह ने कहा कि यह एक संयोग ही था कि उसी वक्त मेरठ की कांग्रेस की एक महिला नेता चार अन्य कार्यकर्ताओं के साथ काली सफारी में प्रियंका के आवास पर पहुंच गईं और सुरक्षा कर्मियों ने राहुल गांधी का वाहन समझकर उनके वाहन की जांच नहीं की। उन्होंने कहा कि इन लोगों का काले रंग के सफारी वाहन में वहां पहुंचना महज (शेष पेज 10)

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 4 दिसंबर 2019

भू उपयोग बदलने पर दोषी मिले 21 अधिकारी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

- अर्जेंसी क्लॉज लगा औद्योगिक विकास के लिए ली थी जमीन
- नोटिस मिलने के बाद एक सप्ताह के अंदर देना होगा जवाब

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में भू उपयोग बदलने के मामले में प्राधिकरण और आवास विकास परिषद के 21 अधिकारी दोषी पाए गए हैं। इसमें जीएम स्तर तक के अफ सर हैं। शासन ने इन अफसरों को पक्ष रखने के लिए अंतिम मौका दिया है जिसमें एक सप्ताह में जवाब मांगा है। इसके बाद शासन कार्रवाई पर फैसला लेगा।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट के 12 गांवों में 2008-9 में अर्जेंसी क्लॉज लगाकर जमीन अधिग्रहण किया था। इनमें पतवाड़ी, हैवतपुर, इटैड़ा, शाहबेरी, बिसरख, रोजा जलालपुर, मिलक लच्छी, एमनाबाद, तुस्याना, सैनी, रोजा याकूबपुर आदि गांव शामिल हैं। यह जमीन औद्योगिक विकास के लिए ली गई थी, लेकिन 2010 में खरीदी गई जमीन का भू उपयोग बदलकर आवासीय कर दिया गया। करीब 89 लाख वर्ग मीटर जमीन का भू उपयोग बदला गया। भू उपयोग बदलने में नियमों की अनदेखी की गई।

बताया जाता है कि किसानों को 800 रुपये,वर्ग मीटर की दर से मुआवजा दिया गया और बिल्डरों को करीब 10 हजार रुपये वर्ग मीटर की दर से जमीन आवंटित कर दी गई। इसके खिलाफ किसान हाईकोर्ट चले गए। इसके बाद अदालत ने अपने फैसले में भू उपयोग बदलने वाले अधिकारियों की जांच के आदेश दिए। फिर शासन ने तत्कालीन स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव संजय अग्रवाल से जांच कराई और जनवरी 2012 में जांच रिपोर्ट शासन को सौंप दी गई। शासन के आदेश पर आरोपी अधिकारियों के खिलाफ नोटिस जारी कर दिए गए।

जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने 2017 में विधानसभा में इस मामले को उठाया था। सरकार ने तत्कालीन एसीईओ विभा चहल को जांच सौंपी, लेकिन कार्रवाई पूरी होने से पहले ही उनका तबादला हो गया। जून 2019 में एसीईओ केके गुप्त को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया। उन्होंने अगस्त में जांच रिपोर्ट शासन को भेज दी। दोषी पाए गए अफ सरों में 19 ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और 2 आवास विकास के हैं। ये दोनों प्रतिनियुक्ति पर आए थे। अब शासन में उप सचिव अनिल कुमार की तरफ से सभी नोटिस भेजा गया है। इनको अपना पक्ष रखने का यह अंतिम मौका है। नोटिस तामील होने की तिथि से 7 दिन के भीतर जवाब देना है।

झूठे मुकदमे में फंसाने की आशंका पर एसएसपी से की शिकायत

नोएडा। गजियाबाद स्थित सेंटर फॉर ह्यूमनराइटस के निदेशक राजहंश बंसल ने नोएडा एसएसपी को लिखित शिकायत देकर अपनी रक्षा की गुहार लगाई है। बंसल ने एसएसपी को दी शिकायत में बताया है कि गाजियाबाद की एक सैक्स माफिया उन्हें बहुत दिनों से परेशान कर रही है।

उक्त महिला ने अब उनकी संस्था में पूर्व काम कर चुके नोएडा निवासी जेके शेरवाल नामक व्यक्ति को बहलाकर उनके खिलाफ भढ़काया है और उससे मेरे खिलाफ नोएडा में झूठा मुकदमा दर्ज कराकर मुझे जेल में जान से मरवाने का साचिश रची है।

इसकी भनक बंसल को वहाटसएप के माध्यम से लग गई। जिसके बाद उन्होने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गौतमबुद्धनगर वैभव कृष्ण को लिखित शिकायत देकर अपनी रक्षा की गुहार लगाई है।

कर्ज-धोखाधड़ी से उजड़ गया परिवार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

- धार्मिक प्रवृत्ति के थे गुलशन, दो दिन पहले ही बांटे थे कंबल-स्वेटर

इंदिरापुरम में कर्ज के जाल और करीबी रिश्तेदार की धोखाधड़ी की वजह से एक हंसता-खेलता परिवार पूरी तरह उजड़ गया। कृष्णा अपरा गार्डन सोसायटी में बच्चों की हत्या कर पत्नी व सहयोगी के साथ आत्महत्या करने वाले कारोबारी गुलशन वासुदेवा इस कदर टूट चुके थे कि उन्हें जिंदगी का हर रास्ता बंद दिखा। उनके भाई रुंधे गले से कहते हैं कि किस पर भरोसा करें।

रिपोर्टों के मुताबिक जब गुलशन को कोलकाता में बिजनेस पार्टनर द्वारा 60 लाख रुपये हड़प लिए जाने की खबर मिली तो वह बुरी तरह बिखर गए। क्योंकि पहले ही वह अपने साढ़ू राकेश वर्मा द्वारा धोखा खा चुके थे और बुरी तरह कर्ज व देनदारी के जाल में उलझते जा रहे थे। कोलकाता में स्थित सिटी लाइफ फर्म में गुलशन ने 65 लाख में माल बेचा था। फर्म की तरफ से सिर्फ पांच लाख रुपये ही मिले थे। बाकी बकाया था। वे सोमवार रात को फ्लाइट से कोलकाता जाने वाले थे। लेकिन इससे पहले ही उन्हें सूचना दी गई कि उनका पैसा डूब चुका है। वे दबंग लोग हैं और उनका पैसा नहीं लौटाएंगे।

गुलशन के बारे में सोसायटी के सुपरवाइजर ने बताया कि पूरा परिवार धार्मिक प्रवृत्ति का था। अक्सर भंडारे और अन्य समाज सेवा के कामों को अंजाम देता रहता था। दो दिन पहले ही गुलशन ने दोनों महिलाओं के साथ सोसाइटी के गार्ड और सर्वेंट एवं वहां साफ-सफाई करने वाली महिलाओं को कंबल और नए कपड़े भी बांटे थे। किसी को उम्मीद नहीं थी कि वह इतना बड़ा कदम उठा लेंगे। सोसायटी में साफ-सफाई करने वाली एक कर्मचारी के अनुसार परिवार में उन्होंने कभी कोई असामान्य बात नहीं देखी। यह परिवार बेहद सीधे-सादे तरीके से रहता था। यही बात वहां के गार्ड ने भी कही और बताया कि कभी लगा ही नहीं कि यह परिवार इतना बड़ा कदम उठा सकता है।

पुलिस सूत्र यह भी बता रहे हैं कि यह मामला विवाहेत्तर संबंधों से भी जुड़ा हो सकता है। मरने वाली दोनों महिलाओं का नाम परवीन वासुदेवा और संजना है। परवीन गुलशन की पत्नी थी और संजना बिजनेस पार्टनर के साथ साथ मैनेजर भी बताई जा रही है जबकि संजना को गुलशन की दूसरी पत्नी भी बताया जा रहा है।

महिला सुरक्षा को लेकर धरने पर बैठी युवती

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा के सेक्टर-18 में अकेले धरने पर बैठी युवती।

हैदराबाद कांड ने पूरे देश को झकझोर दिया है। खासकर आधी आबादी बेहद गुस्से में है और इस घटना को लेकर अंदर तक आहत है। बड़े शहरों में महिलाओ का हुजूम सड़कों पर है और महिला सुरक्षा की मांग कर रहा है। सड़क से लेकर संसद तक हैदराबाद कांड को लेकर गुस्सा है। इसी गुस्से का इजहार मंगलवार को नोएडा के सेक्टर 18 में दीक्षा गौड़ ने अकेले धरने पर बैठ कर किया।

दीक्षा ने भावुक शब्दों में मीडिया से कहा कि हैदराबाद में हुए प्रियंका रेड्डी की घटना से आहत वह सुरक्षा मांग रही है। मैं पुलिस प्रशासन की बेटी हूं और मैं सुरक्षित नही हूं। उसका कहना है कि बेटी सुरक्षित करो। हमें इंसाफ नहीं, सुरक्षा चाहिए। कैंडल जलाने से हमें न्याय नहीं मिलेगा। दीक्षा ने मोदी सरकार से अपील कि है अगर सुरक्षा नहीं दे सकते हो तो जन्म से पहले बेटियों को मार दो। उसका कहना है कि उसके भाई और पिता पुलिस में होने के बाद भी वह अपने आपको सुरक्षित नहीं महसूस करती। दीक्षा बीआर एम इंटरनेशनल कंपनी में एक्सक्यूटिव डेवलपमेंट के पद पर कार्यरत है।

बता दें कि तीन दिन पहले जंतर-मंतर पर भी एक युवती अनु दुबे ने इसी तरह गुस्से का इजहार किया तो पुलिस उसे वहां से उठा कर थाने ले आई थी।

सिंचाई विभाग की लापरवाही से जलमग्न हुई कॉलोनी

गाजियाबाद। बेहटा हाजीपुर नहर में सोमवार देर रात सिंचाई विभाग द्वारा बिना सूचना दिए पानी छोड़े जाने के दौरान हुए कटान से नहर के पास स्थित संगम विहार कॉलोनी जलमग्न हो गई। कॉलोनी की गलियों और मकानों में जलभराव के चलते लोगों को पूरी रात मकानों की छतों और कमरों में बेड़ के ऊपर बैठकर गुजरानी पड़ी। वहीं जलभराव से लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया साथ ही फर्श पर रखे विद्युत उपकरण खराब हो गए।

देर रात सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों ने जेसीबी मशीन की सहायता से नहर का कटान बंद कराकर नगर पालिका द्वारा लगवाए गए दस पंपिंग सेट से पानी की निकासी कराई।

साथी कर्मचारियों की सेवा समाप्ति के विरोध में कार्य बहिष्कार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

अपने तीन साथी कर्मचारियों की सेवा समाप्ति के विरोध में वाणिज्यकर कार्यालय में कार्य बहिष्कार कर प्रदर्शन करते कर्मचारी।

- पीड़ितों का पक्ष नहीं सुन रहे अधिकारी

तीन कर्मचारियों की सेवा समाप्ति के विरोध में उत्तर प्रदेश वाणिज्यकर मिनिस्ट्रयल स्टाफ एसोसिएशन की जोनल इकाई ने मंगलवार को कार्य बहिष्कार किया। कर्मचारियों ने मांग की है कि जब तक तीनों कर्मचारियों की सेवा बहाली नहीं की जाएगी तब तक वे कामकाज नहीं करेंगे।

शाखा अध्यक्ष प्रदीप कुमार ने बताया कि पिछले कुछ समय में विभाग ने एक के बाद एक तीन कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर दी। जबकि तीनों कर्मचारियों पर भ्रष्टाचार का कोई आरोप भी नहीं था। जानबूझ कर विभागीय अधिकारियों द्वारा उनका उत्पीडन् किया जा रहा है।

प्रदीप ने बताया कि उन्होंने सोमवार को इस मामले में एडिश्नल कमिश्नर ग्रेड-1 अरविंद कुमार को ज्ञापन देकर कर्मचारियों को बहाल करने की मांग की थी, लेकिन अधिकारियों ने कोई आश्वासन नहीं दिया। मंगलवार सुबह को भी अधिकारियों से मुलाकात की गई थी लेकिन, बात नहीं बनी। इसके बाद कर्मचारियों ने कार्य बहिष्कार कर दिया।

कर्मचारियों का आरोप है कि ज्वाइंट कमिश्नर कार्यपालक द्वारा जानबूझकर कर्मचारियों पर लगातार कार्यवाही की जा रही है। उनके द्वारा हमारा पक्ष नहीं सुना जा रहा है। कर्मचारियों ने मांग की है कि दोषी अधिकारी पर कार्यवाही की जाए। इस दौरान चन्द्रपाल, हरिकिशन, कुंवरजीत, अमित, मोहित, सतेन्द्र, साजिद आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

डीएम अजय शंकर पांडे को पैगाम-ए-मोहब्बत सम्मान से सम्मानित करते विभिन्न सामाजिक संगठनों के लोग।

पैगाम-एम-मोहब्बत सम्मान से डीएम सम्मानित

गाजियाबाद। कई संगठनों के पदाधिकारियों ने अयोध्या के फैसले के दौरान जिले की कानून व्यवस्था पुख्ता रखने और आम लोगों की शिकायतों को समयबद्ध तरीके से हल करने के लिए डीएम अजय शंकर पांडे को पैगाम-ए-गाजियाबाद के आयोजकों ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इनमें संयुक्त व्यापार मंडल, प्रबुद्ध नागरिक मंच, वैश्य अग्रवाल सभा अग्रसेन भवन, पंजाबी एकता समिति और अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण सभा के पदाधिकारी शामिल थे। संगठन के पदाधिकारियों ने डीएम के अद्भुत प्रशासकीय दक्षता से परिपूर्ण, सहज सुलभ, दूरदर्शी और प्रयोगशील कार्यशैली, जनपद के विकास और स्वच्छता के क्षेत्र में लगातार प्रयास और ईमानदार छवि होने के कारण उन्हें सम्मानित किया। इनमें पैगाम-ए-गाजियाबाद समन्वय समिति के बालकिशन शर्मा, सुभाष गर्ग, अशोक भारतीय, राकेश बाटला, राकेश शर्मा, प्रवीण बत्रा, राजीव खन्ना, रमन, अशोक आदि शामिल थे।

राष्ट्रीय सैनिक संस्था की जिला ईकाई के तत्वाधान में प्रदर्शन करते लोग।

हैदराबाद की घटना को लेकर किया प्रदर्शन

हापुड़। हैदराबाद में पशु चिकित्सक की बलात्कार के बाद जलाकर हत्या के विरोध में जनपद में राष्ट्रीय सैनिक संस्था जिला ईकाई के तत्वाधान में छात्रों ने प्रदर्शन कर हत्यारों को फांसी की सजा की मांग की और आरोपियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने कहा कि अब आर-पार की लड़ाई है। उनकी मांग है कि सभी आरोपियों को फांसी की सजा मिले। संस्था के कार्यकताओं ने श्रीराम वाटिका से तहसील चौराहे होते हुए शहीद स्तम्भ नगर पालिका परिषद हापुड़ में पहुंचकर दो मिनट का मौन रखकर मृतक डाक्टर की आत्मा को शांति प्रदान करने की प्रार्थना की। इस दौरान जिला अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र त्यागी, सरदार देवेन्द्र सिंह, सरदार अमनदीप सिंह, सार्थक त्यागी, अथर्व चौधरी, डाक्टर एस के कौशिक, कुसुम त्यागी व सैकड़ों स्कूली छात्र व छात्राएं शामिल रहे।

चार लुटेरे गिरफ्तार, मोबाइल-चाकू बरामद

गाजियाबाद। मोदीनगर पुलिस ने चेकिंग के दौरान चार लुटेरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि ये सभी झपटमारी कर लोगों से पर्स और मोबाइल छीन लिया करते थे। मोदीनगर सीओ केपी मिश्रा ने बताया कि चेकिंग के दौरान दो बाइक पर सवार चार संदिग्धों को रोका गया लेकिन, बाइक के कागजात मांगे गए तो उनके पास नहीं थे, उसके बाद पूछताछ में पता चला कि ये सभी लुटेरे हैं। इनके पास से लूट के दो मोबाइल फोन और दो चाकू बरामद किए गए हैं।

पुलिस ने हत्या के आरोपी को दबोचा, दो अभी भी फरार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

थाना सेक्टर 39 क्षेत्र के सलारपुर स्थित रामलीला ग्राउंड में तीन नवंबर की रात को हुई एक व्यक्ति की हत्या के मामले में पुलिस ने मंगलवार को एक आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी के दो साथी फरार हैं। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि मृतक, आरोपी के साथ अप्राकृतिक यौनाचार करता था। यही हत्या की वजह बनी।

थाना सेक्टर 39 के प्रभारी निरीक्षक नीरज मलिक ने बताया कि तीन नवंबर की रात को सलारपुर स्थित रामलीला ग्राउंड में ठाकुर उर्फ लंबू की ईंट से कुचल कर हत्या कर दी गई थी। उन्होंने बताया कि इस मामले की जांच कर रही पुलिस ने मंगलवार को चंदन बिष्ट पुत्र नरेंद्र बिष्ट को गिरफ्तार किया। आरोपी ने पुलिस को बताया कि मृतक उसके साथ जबरन अप्राकृतिक यौनाचार करता था। इसी का बदला लेने के लिए उसने अपने दो साथियों के साथ मिलकर ठाकुर की हत्या कर दी।

प्रतियोगिता में महामाया स्टेडियम टीम का कब्जा

गाजियाबाद। महामाया स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेल विभाग की ओर से जिला स्तरीय अंडर-19 बालक वर्ग कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसके फाइनल मुकाबले में नंगला अटौर को हराकर महामाया स्टेडियम टीम ने चैंपियनशिप पर अपना कब्जा कर लिया।

खेल निदेशालय की ओर से संविधान दिवस के उपलक्ष्य में कबड्डी प्रतियोगिता में जनपद के स्कूल, कालेज, स्टेडियम व संस्थाओं की आठ टीमों ने हिस्सा लिया जिसका आरंभ नेहरु युवा केंद्र के समन्वयक शिव देव शर्मा ने किया।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पुलिस जांच पर सवालिया निशान

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में दोहरे हत्याकांड मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद सवालिया निशान खड़े हुए हैं। दरअसल, रिपोर्ट में आया की दोनों मरने वालों को चार-चार गोलियां मारी गईं हैं लेकिन, घटना के बाद से ही पुलिस का कहना था कि अधिक शराब के नशे में ये हत्या की गई हैं।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक जिस तरीके से हत्या हुई है, उससे ऐसा लगता है कि इस दोहरे हत्याकांड को प्लानिंग के साथ अंजाम दिया गया। कानून के जानकर बताते हैं कि अगर कोई अपराधिक वारदात नशे में अंजाम दी जाती है तो अदालत में उसका फायदा आरोपी को मिलता है।

दूसरी तरफ पुलिस अधिकारी अब भी यही कह रहे हैं कि वारदात को शराब के नशे में अंजाम दिया गया था। इस मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा लिखा गया है और पुलिस की तीन टीमें उन्हें पकड़ने के प्रयास में जुटी हैं।

बैंड की दुकान पर चोरों ने किया हाथ साफ

गाजियाबाद। लोनी गाजियाबाद मार्ग स्थित बंथला फ्लाईओवर के पास सोमवार रात चोरों ने एक बैंड की दुकान का ताला तोड़कर हजारों के सामान पर हाथ साफ कर लिया। पीड़ित को सुबह दुकान खोलने पर चोरी का पता चला। इसके बाद पीड़ित ने वारदात की सूचना पुलिस को दी।

गांव बाग राणप निवासी रोहताश ने बताया कि उनकी दुकान से करीब 60 हजार के बैंड बाजे गायब हैं। उन्होंने इसकी पुलिस कंट्रोल रूम को दी। बाद में लोनी कस्बा चौकी में अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी।

दिव्यांगों के विकास हेतु राज्यपाल को ज्ञापन

गाजियाबाद। विश्व दिव्यांग दिवस के मौके पर रालोद ने दिव्यांगों के विकास की मांग उठाई। रालोद ने इस संबंध में 21 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन प्रशासन के माध्यम से राज्यपाल को प्रेषित किया।

रालोद ने दिव्यांग अधिकार अधिनियम को लागू करने, दिव्यांग आयोग का गठन करने, पैरा खेल नीति लागू करने, दिव्यांगों के लिए सभी विभागों में दस प्रतिशत कोटा सुनिश्चत करने, सभी चुनावों में भी दिव्यांगों के लिए दस प्रतिशत कोटा रखने समेत कुल 21 मांगें प्रशासन के माध्यम से राज्यपाल को प्रेषित की है।

दुष्कर्म की घटनाओं के खिलाफ सख्त कानून बनाने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

- फास्ट ट्रैक कोर्ट में रोजाना हो सुनवाई

'मेरी आवाज सुनो' जन कल्याण समिति ने रेप की घटनाओं के खिलाफ विशेष कानून बनाए जाने और फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई के बाद 15 दिन में फांसी दिए जाने की मांग को लेकर डीएम के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा है।

ज्ञापन में राष्ट्रपति से गुहार लगाई है कि वह दुष्कर्म मामलों के आरोपियों की दया याचिका स्वीकार न करें जिससे उन्हें ट्रायल का मौका मिलता है। समिति ने कहा कि निर्भया केस के बाद सख्त कानून बना जिससे लग रहा था कि इस तरह के मामलों में कमी आएगी और अपराधियों के दिलों में डर होगा। लेकिन ऐसी घटनाएं रूकने का नाम ही नहीं ले रही हैं। समिति ने मांग की है कि ऐसी घटनाओं के लिए विशेष सख्त कानून बनाया जाए जिससे अपराधी न बच पाएं।

रेप की घटनाओं पर अंकुश लगाने और सख्त कानून बनाने की मांग करतीं 'मेरी आवाज सुनो' सामाजिक संगठन की महिला कार्यकर्ता।

सस्ते दर पर प्याज बेच रहा नोएडा जिला प्रशासन

नोएडा। जिला प्रशासन ने प्याज की बढ़ी हुई कीमत से परेशान जनता को राहत देते हुए तीन मोबाइल वैन के जरिए जनपद के विभिन्न स्थानों पर सस्ते दर पर प्याज बेचने की व्यवस्था की है।

नगर मजिस्ट्रेट शैलेंद्र मिश्रा ने बताया कि फेस-2 स्थित फूल एवं सब्जी मंडी में तथा भंगेल गांव में दो स्थानों पर 35 से 38 रुपए किलो प्याज आम जनता को बेचा जा रहा है। उन्होंने बताया कि जनपद में तीन मोबाइल वैन में प्याज बेचा जा रहा है। दो वैन शहरी क्षेत्र में और एक वैन ग्रामीण क्षेत्र में चलाई जा रही है।

लापरवाही में यीडा के तीन अफसरों समेत चार जिम्मेदार

गोशाला हादसा : 27 जुलाई को हादसे में 20 से अधिक गोवंशों की हो गई थी मौत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

फाइल फोटो

रबूपुरा के फ्लैदा बांगर गांव में बनी अस्थाई गोशाला गिरने की घटना की मजिस्ट्रियल जांच पूरी हो गई है। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने जांच रिपोर्ट जिलाधिकारी बीएन सिंह को सौंप दी है। जांच में यमुना प्राधिकरण के तीन अफसरों के साथ एक अन्य व्यक्ति को लापरवाही के लिए जिम्मेदार माना है। साथ ही गोशालों के संचालन को लेकर कुछ सुधार करने के सुझाव भी दिए हैं।

गोवंशों को रखने के लिए फ्लैदा में बनाई गई अस्थाई गोशाला 27 जुलाई को गिर गई थी। स्थानीय लोगों के अनुसार हादसे में 20 से अधिक गोवंश मर गए थे जबकि, प्रशासन ने सिर्फ 8 गौवंश मरने की पुष्टि की थी। जिलाधिकारी बीएन सिंह ने मामले की मजिस्ट्रियल जांच एडीएम एमएन उपाध्याय को सौंपी थी, जो पूरी हो गई है।

बता दें कि शासनादेश पर यमुना प्राधिकरण ने फ्लैदा गांव में अस्थाई गौशाला बनाई थी। वहां सभी व्यवस्थाएं करने और देखरेख की जिम्मेदारी प्राधिकरण की थी। अफ सरों ने कहा कि प्राधिकरण का कार्य केवल गोवंशों के लिए चारा उपलब्ध कराने तक सीमित था।

जांच में पाया गया कि प्राधिकरण अफसरों का यह कथन औचित्यपूर्ण है। छप्पर में लगे एक एंगल का जोड़ टूट गया था। इस पर ध्यान नहीं दिया गया। इसमें गोशाला संचालन के फंड की भी जांच की गई थी जिसमें खर्च का ऐसा कोई अभिलेख नहीं मिला है, जिससे यह तय हो सके कि किस-किस कर्मचारी को कितनी धनराशि परिश्रमिक के रूप में दी गई है।

जांच में पाया गया कि प्राधिकरण के महाप्रबंधक, सहायक अभियंता और अवर अभियंता ने अपने दायित्वों का निर्वहन ठीक से नहीं किया। वहीं, एक अन्य व्यक्ति जगदीश तीर्थ को भी लापरवाही के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। मजिस्ट्रियल जांच में भूमि की सुरक्षा, गोशाला की सुविधाओं को पटल पर प्रदर्शित करने और खर्च का लेखाजोखा नियमों के तहत करने के सुझाव भी दिए गए हैं।

आंदोलन के दौरान सफाईकर्मियों ने बीच सड़क पर डाल दिया कूड़ा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

- वेतन वृद्धि की कर रहे निगम से मांग

कम वेतन को लेकर कई सफाई कर्मचारियों द्वारा सोमवार से शुरू किए गए आंदोलन ने अगले ही दिन उग्र रूप ले लिया। आंदोलन कर रहे सफाई कर्मचारियों ने ही स्वच्छ सर्वेक्षण की हवा निकालते हुए नवयुग मार्केट स्थित अम्बेडकर पार्क के गेट के पास बीच सड़क पर ही कूड़ा डाल दिया।

जिससे निगम अधिकारियों के होश उड़ गए। साथ ही वहां से आने-जाने वाले लोगों को भी खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। सफाई कर्मचारी नेता राजेश चौहान की अगुवाई में यह आंदोलन चल रहा है। उधर, निगम का कहना है कि आंदोलन कर रहे सफाई कर्मचारियों द्वारा विरोध की पूर्व में कोई सूचना नहीं दी गई। कर्मचारी नेताओं ने बताया कि ठेके के सफाई कर्मचारियों को निगम वेतन कम दे रहा है जिससे उन्हें गुजर-बसर करने में भी दिक्कतें आ रही हैं।

इसी के चलते उन्होंने मंगलवार सुबह जो सफाई कर्मचारी कूड़ा एकत्र कर डंपिंग ग्राउंड में ले जा रहे थे उस कूड़े को अम्बेडकर पार्क के सामने ही पलटवा दिया, जिससे आसपास के क्षेत्र में गंदगी का वातावरण बन गया।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 4 दिसंबर 2019

मालीवाल के साथ महिलाओं का हल्ला बोल

हैदराबाद रेप केस

जंतर-मंतर पर जुटी भीड़, पुलिस के समझाने पर देर रात राजघाट जाने को राजी

जंतर-मंतर पर अमरण अनशन के दौरान दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्षा स्वाति मालीवाल व अन्य महिलाएं।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में महिला डॉक्टर के साथ सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या से देशभर में गुस्से का माहौल है। इंसाफ की मांग को लेकर बेटियां सड़क पर उतर आई और जंतर मंतर पर हल्ला बोल दिया।

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने बलात्कार की बढ़ती घटनाओं के खिलाफ और दुष्कर्म के मामलों के दोषियों को जल्द सख्त सजा की मांग को लेकर मंगलवार को जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की। इस बीच मालीवाल से पुलिस ने अपील की है कि वह शाम 5 बजे के बाद जंतर मंतर को खाली कर दें।

उसने उच्चतम न्यायालय के दिशा निर्देश का हवाला देते हुए यह अनुरोध किया जिसमें शाम 5 बजे के बाद जंतर.मंतर पर प्रदर्शन की इजाजत नहीं है। पुलिस की अपील के बाद भी वह अनशन पर अड़ी रही। हालांकि बाद में काफी मान-मनौव्वल के बाद राजघाट पर अनशन जारी रखने पर राजी हुईं।

हैदराबाद में पशुचिकित्सक के साथ सामूहिक बलात्कार के बाद हत्या और राजस्थान में छह वर्षीय बच्ची के साथ बलात्कार की वीभत्स घटना के खिलाफ दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल के विरोध प्रदर्शन में सैकड़ों महिलाओं शामिल हुईं। इससे पहले सुबह मालीवाल ने पुलिस पर उन्हें जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने की अनुमति नहीं देने का आरोप लगाया था। मालीवाल ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिख आरोपियों को दोषी ठहराए जाने के छह महीने के अंदर फांसी देने की भी मांग की थी।डीसीडब्ल्यू अध्यक्ष के अनुसार उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग है कि बलात्कार पीड़ितों को फांसी की सजा दी जाए। हैदराबाद मामले के आरोपियों को फांसी पर लटका देना चाहिए।

पिछले साल, उन्होंने प्रदर्शन किया था और 10 दिन के भीतर ही सरकार ने नाबालिगों से दुष्कर्म के आरोपियों को छह महीने के भीतर फांसी की सजा देने का कानून बनाया, लेकिन इस पर अमल नहीं हुआ। वह चाहती हैं कि सरकार अब इस कानून को लागू करे। वह कड़ी और त्वरित सजा देने की मांग कर रही हूं। साथ ही उन्होंने कहा कि दया याचिकाओं पर फैसला लेने की प्रक्रिया समयबद्ध हो। मालीवाल के मुताबिक दिल्ली में 66,000 पुलिस अधिकारियों और 45 फास्ट ट्रैक अदालतों की कमी है। हमें कानून के बेहतर क्रियान्वयन के लिए बुनियादी ढांचे को बढ़ाने की जरूरत है।

मालीवाल ने दावा किया कि उनके द्वारा लिखे गए सैकड़ों पत्र पर प्रधानमंत्री की तरफ से उन्हें एक भी जवाब नहीं मिला है। उन्हें हमें भरोसा देना चाहिए कि हम आपके साथ हैं। हम इस सरकार के खिलाफ नहीं हैं।

इससे पहले दिल्ली पुलिस ने मालीवाल के उन आरोपों को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि पुलिस उन्हें प्रदर्शन की अनुमति नहीं दे रही है। पुलिस ने कहा कि डीसीडब्ल्यू को पत्र भेजा गया था जिसमें प्रदर्शन की प्रकृति का विवरण, परिवहन के साधन, माइक्रोफोन के प्रबंध और इसमें शामिल होने वाले प्रदर्शनकारियों की संख्या के संबंध में जानकारी मांगी गई है।

साथ ही उस हलफनामे की एक प्रति भी मांगी है जिसे उच्चतम न्यायालय के दिशानिर्देशों के अनुसार भरा जाना होता है। मालीवाल ने कहा पुलिस उनका सहयोग नहीं कर रही है। उनके पास यहां कोई टेंट नहीं है और रात गुजारना मुश्किल होगा।

वे हमें धमकी दे रहे हैं कि वे शाम पांच बजे तक प्रदर्शनकारियों को बाहर निकाल देंगे। वह पुलिस को बताना चाहती है कि हम प्रदर्शन कर रहे हैं ताकि आपके बल को 66,000 नए अधिकारी मिल सकें। वह अपराधी नहीं है, वह आपका (दिल्ली पुलिस का) सहयोग चाहती हूं और वह देशवासियों से अपील करती है कि वे बड़ी संख्या में सामने आकर उनका समर्थन करें।

प्रदर्शन में मालीवाल का समर्थन कर रही महिलाओं ने नारेबाजी कर देश में महिला सुरक्षा में कमी की स्थिति को उजागर किया।

इस दौरान उन्होंने हैदराबाद की पशुचिकित्सक के लिए उड़ने दो परिंदों को, फांसी दो दरिंदो को , हम इसे और बर्दाश्त नहीं करेंगे, निर्भया हम शर्मिंदा हैं, तेरे कातिल जिंदा हैं के नारे लगाए।

अनु दुबे का मिला साथ

कुछ दिन पहले संसद भवन के सामने इसी मामले पर अनशन करने वाली अनु दुबे भी यहां पर अनशन पर बैठी नजर आईं। अनु ने बताया कि वे भूख हड़ताल पर बैठी हैं। उनका कहना है कि जब तक आरोपियों को कड़ी सजा नहीं दी जाती है हमारा अनशन जारी रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार और पुलिस, आरोपियों को नहीं रोक रही, ना ही उन्हें सजा दे रही है। लेकिन जो इसके खिलाफ आवाज उठा रहा है पुलिस उसके साथ दुव्यवहार कर रही है। अनु दुबे का कहना था कि जब तक आरोपियों को सजा नहीं मिलेगी वह अपना धरना जारी रखेंगी। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम जंतर मंतर में ऐसे आरोपियों के खिलाफ 6 महीने के भीतर फांसी की सजा की मांग करने को लेकर धरना दे रहे हैं।

प्रदर्शन में छात्राओं का फूटा गुस्सा

छात्रा ईशा जयसवाल ने बताया कि उन्हें मीडिया से इस प्रदर्शन के बारे में पता चला और वह अपना समर्थन देने यहां आई है। लोगों में डर होना चाहिए कि अगर वे कानून के खिलाफ कुछ करेंगे, उन्हें सजा दी जाएगी। छात्रा चंचल सोलंकी ने कहा, वह चाहती हैं कि हैदराबाद सामूहिक बलात्कार और हत्या मामले के आरोपियों को फांसी पर लटकाया जाए या लोगों को उन्हें सजा देने दी जाए। प्रदर्शनकारी हाथों में तख्तियां भी लिए हुए थे जिनमें उनकी मांगे और संदेश लिखे हुए थे।

अब युवाओं को पढ़ाई पूरी करते ही मिलेगी नौकरी

- विधानसभा में पास हुआ दिल्ली स्कील एंड एंटरप्रिन्योरसिप यूनिवर्सिटी बिल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत इस दुनिया का सबसे श्रेष्ठ देश है। यहां के लोग दुनिया में सबसे अच्छे व काबिल हैं। फिर भी देश पिछड़ा और अशिक्षित है तो कमी देश या लोगों के अंदर नहीं, कमी सिस्टम व राजनीति में है।

इसे ठीक करने कोई बाहर से नहीं आएगा। इसे हम सब लोगों को ही ठीक करना पड़ेगा। इसमें सबसे ज्यादा युवाओं को योगदान देना होगा। अगर इस देश को बदलना है तो यह काम युवा ही कर सकते हैं। इसके लिए अच्छे व देश की सेवा करने का जज्बा रखने वाले युवाओं को राजनीति में आना होगा। अच्छे लोग राजनीति में आना शुरू कर दिए तो इस महान देश को दुनिया का नंबर वन देश बनाने से कोई नहीं रोक सकता। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने यह बातें मंगलवार को गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षांत समारोह में कहीं।

अरविंद केजरीवाल के अनुसार गत पांच साल में शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में बदलाव इसी कारण हो पायाए क्योंकि यहां की राजनीति बदली और ईमानदार हुई। यही कारण के आज देश दुनिया में दिल्ली के स्कूल व अस्पताल की चर्चा हो रही है। देश बुद्धिजीवियों से भरा है।

बावजूद इसके पिछड़ा हुआ क्यों है। अशिक्षित क्यों है। क्या कमी रह गई हमारे देश के अंदर। उन्हें लगता है, एक ही कमी रह गई, देश की व्यवस्था और राजनीति खराब है। अगर देश को बदलना है, तो आपको ही बदलना पड़ेगा। यहां किसी संसाधन की कमी नहीं है। इस देश के अंदर बेस्ट ह्यूमन रिसोर्सेज भी हैं। हमें अपने सिस्टम को ठीक करना है। तभी देश विकसित होगा।

मुख्यमंत्री के मुताबिक जो बच्चे अपना सर्वस्व न्योछावर करने के लिए तैयार हैं। उन्हें वह राजनीति में आने के लिए आमंत्रित करते हैं। देश की राजनीति में अच्छे युवाओं की जरूरत है। इस दौरान उपराज्यपाल अनिल बैजल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, मुख्य सचिव विजय कुमार देव, विश्वविद्यालय के वाईस चांसलर डा. महेश वर्मा व अन्य लोग उपस्थित थें।

प्रदर्शनकारी सुरक्षा घेरा तोड़ विस परिसर में घुसे

नई दिल्ली। विधानसभा परिसर में प्रदर्शनकारियों का एक समूह सुरक्षा घेरा तोड़कर अंदर पहुंच गया और कथित तौर पर दिल्ली में की जा रही गंदे पानी की आपूर्ति के मुद्दे पर आप सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। तख्तियां लिए प्रदर्शनकारियों को बाद में निकाला गया।

विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल ने इस घटना को भाजपा का हुड़दंग करार देते हुए आरोप मढ़ा कि पीछे नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता का हाथ था। इस बीच गुप्ता अध्यक्ष के आसन के पास पहुंच गए और कथित तौर पर शहर में आपूर्ति किए जा रहे गंदे पानी पर चर्चा की मांग गी। गोयल ने गुप्ता को वापस अपनी सीट पर जाने को कहा, ऐसा नहीं करने पर उन्होंने उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। नेता विपक्ष जब नहीं माने तो गोयल ने मार्शलों से उन्हें सदन से बाहर करने को कहा।

यह बिल लोगों को रोजगार देगा

नई दिल्ली। दिल्ली स्कील एंड एंटरप्रिन्योरशिप यूनिवर्सिटी बिल युवाओं को रोजगार मुहैया कराएगा। आज युवाओं के पास रोजगार नहीं है। वह रोजगार ढूंढ रहा है। देश की आर्थिक परिस्थिति खराब है। रोजगार खत्म होते जा रहे हैं।

उसकी वजह से युवा अपने कैरियर व अपने परिवार को लेकर बहुत ज्यादा चिंतित है कि वह रोजगार कहां से लाए। कई ऐसे युवा हैं जो डिग्री लेकर घूम रहे हैं। उनके पास रोजगार नहीं है। कई ऐसे युवा हैं जो घर की परिस्थिति की वजह से 10वीं 12वीं के बाद पढ़ नहीं पाते हैं। कोई छोटी नौकरी ढूंढने की कोशिश कर रहे है। यह बिल उन सब लोगों को समाधान देगा। उन्हें लगता है कि इस बिल का नाम दिल्ली रोजगार बिल होता तो और ज्यादा अच्छा होता। क्योंकि यह रोजगार देने के लिए लाया जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि युवाओं को उद्योगों की जरूरत व नौकरी के हिसाब से तैयार करने के लिए यूनिवर्सिटी स्थापित हो रही है। इसमें डिप्लोमा से लेकर रिसर्च तक की पढ़ाई होगी। छह माह से 2 वर्ष तक के कोर्स होंगे। इस यूनिवर्सिटी मे 85 प्रतिशत सीटें दिल्ली के बच्चों के लिए होंगी। यह देश में अपनी तरह का पहला विश्वविद्यालय होगा। विश्वविद्यालय की गतिविधियों में औद्योगिक विशेषज्ञों को शामिल किया जाएगा।

खुद को पुलिस अफसर बताकर करते थे वसूली, चार गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

खुद को पुलिस अफसर बताकर बुजुर्गों, महिलाओं और एयरपोर्ट के यात्रियों से वसूली करने वाले एक गैंग का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस सिलसिले में दो इरानी नागरिक समेत चार लोगों केा गिरफ्तार किया।

इनके पास से दो देसी पिस्तौल, पुलिस की वर्दी, दस मोबाइल फाने तथा देशी और विदेशी करेंसी बरामद हुई है। आरोपियों की पहचान अकबर और जफर सैफुल्लाह तथा नासिर सलीम, नासिर शाह (दोनों इरानी) नागरिक के रूप में हुई है। दक्षिणी-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त देवेंद्र आर्य के अनुसार दिल्ली एयरपोर्ट पर पुलिस के नाम पर वसूली की कई वारदातों की सूचना मिली थी। जानकारी मिली इन वारदातों में चार लोग शामिल है।

ये लोग एयरपोर्ट के आसपास घुमते और यात्रियों को पुलिस की दबंगाई दिखाकर वसूली किया करते थे। पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर मेहर नगर कॉलोनी पुलिस थाने पर बाइक सवारों को दबोच लिया। आरोपियों ने बताया कि पहले पुलिस की वर्दी खरीदी और एयरपोर्ट के आसपास वारदातों को अंजाम देने लगे। इनके निशाने में अकसर सीनियर सिटीजन, महिलाएं और टैक्सी ड्राइवर होते थे। इस दौरान इनके हाथों में अवैध हथियार भी होते।

रास में उठी डीयू में मैथिली भाषा पढ़ाए जाने की मांग

नई दिल्ली। राज्यसभा में मंगलवार को भाजपा के एक सदस्य ने शून्यकाल के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में मैथिली भाषा भी पढ़ाए जाने की मांग की।

भाजपा के प्रभात झा ने इसे लोकहित से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय बताते हुए कहा कि मैथिली भाषा के ऐतिहासिक और सामाजिक महत्व के मद्देनजर डीयू में भी इसकी पढ़ाई होनी चाहिए। झा ने मैथिली भाषा में ही सदन में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि बनारस विश्वविद्यालय में भी बहुत पहले से यह भाषा पढ़ाई जा रही है। यूपी, बिहार और झारखंड के अलावा नेपाल में भी मैथिली का बहुतायत में प्रयोग होता है।

रेहड़ी पटरी वालों के साथ धोखा : भाजपा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रेहड़ी पटरी वालों को संबाधित करते प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी।

रेहड़ी पटरी वालों को स्थायी नहीं किए जाने के मुद्दे पर भाजपा ने दिल्ली सरकार पर निशाना साधा है।

पार्टी के नेता ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने इन लोगों से वादा किया था कि दिल्ली में उनकी पार्टी की सरकार बनने के 90 दिनों के भीतर नियम व कानून बनाकर रेहड़ी पटरी वालों को स्थायी किया जायेगा।

लेकिन सत्ता में आने के बाद मुख्यमंत्री ने आज तक कोई नियम या कानून नहीं बनाया। इन लोगों के लिए कानून न बनाकर बड़ा धोखा किया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने रेहड़ी पटरी संगठन के प्रतिनिधियों के साथ मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 23 सितम्बर को रेहड़ी पटरी संगठन के लोगों के साथ हुई बैठक में बताया गया कि सत्ता में आने के बाद आम आदमी पार्टी ने रेहड़ी पटरी वालों से जो वादा किया था उसे पूरा नहीं किया और इन्हें गुमराह कर सरकार बना ली गई। आज अपनी फरियाद लेकर दर-दर भटकने वालों के दर्द से मुख्यमंत्री का कोई वास्ता नहीं है। आप सरकार इनकी सुनने तक को तैयार नहीं है। सीएम ने 58 महीने का कार्यकाल झूठ के विजन निकाल दिया।

आईआईएमसी के छात्रों ने भी फीस बढ़ोतरी का किया विरोध

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में छात्रावास शुल्क में बढ़ोतरी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन मंगलवार को विश्वविद्यालय परिसर में स्थित भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी) में भी फैल गया। आईआईएमसी में छात्रों ने महंगी फीस के खिलाफ प्रदर्शन किया है। आईआईएमसी छात्रों ने बताया कि उन्होंने भारी शिक्षण शुल्क और असंगत छात्रवास तथा भोजनालय शुल्क के खिलाफ परिसर में हड़ताल की।

इससे पहले जेएनयू में छात्रावास शुल्क में बढ़ोतरी के विरोध में भारी प्रदर्शन हुआ।

मंडी हाउस में दिव्यांगों का प्रदर्शन जारी, यातायात प्रभावित रहा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रेलवे भर्ती बोर्ड की ओर से चतुर्थ श्रेणी के पदों के लिए आयोजित लिखित परीक्षा में चयन के बाद भी नौकरी न मिलने के विरोध में दिव्यांगों का प्रदर्शन जारी है।

मंडी हाउस पर दिव्यांगों के प्रदर्शन के कारण यातायात प्रभावित रहा। रेलवे ने कहा था कि उसने दिव्यांग व्यक्तियों की भर्ती प्रक्रिया में नियमों के तहत सभी मांगों को पूरा किया है लेकिन उन दिव्यांग आंदोलनकारियों को समायोजित करने के तरीकों को खोजने के प्रयास किए जा रहे हैं, जो मंडी हाउस में प्रदर्शन कर रहे है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि नियमों के तहत दिव्यांग जन आरक्षण अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुसार चार दिव्यांगता श्रेणियों में से प्रत्येक में एक प्रतिशत आरक्षण उपलब्ध कराया गया है।

संक्षिप्त समाचार

एबीवीपी की नई कार्यकारिणी का गठन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की नई कार्यकारिणी का भी गठन हुआ। इस राष्ट्रीय अधिवेशन में नई संगठनात्मक जिम्मेदारियां तय हुई जिसमें प्रमुख रूप से राष्ट्रीय संगठन मंत्री का दायित्व निर्वहन आशीष चौहान करेंगे। वर्ष 2019-2020 के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. एस. सुब्बैया जी एवं राष्ट्रीय महामंत्री निधी त्रिपाठी जी का चुनाव हुआ। अधिवेशन में छात्र हित, समाजहित व राष्ट्रहित को ध्यान में रखते हुए, राज्य विश्वविद्यालयों का संवर्द्धन नितांत आवश्यक, राष्ट्रीय परिदृश्य, जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाने के बाद कश्मीर और लद्दाख में नई संभावनाओं का उदय, राम मंदिर निर्माण के लिये सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का अभिनंदन ऐसे चार प्रस्ताव पारित किए गए।

दिल्ली में सर्दी के साथ खिली धूप भी

नई दिल्ली। दिल्ली में मंगलवार की सुबह सर्द तो रही लेकिन दिल्लीवासियों ने खिली धूप का भी आनंद लिया। शहर में न्यूनतम तापमान 9.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम के हिसाब से सामान्य है। सोमवार को न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया था। वहीं सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता 277 दर्ज की गई जो कि खराब श्रेणी में आती है। मौसम विभाग ने दिन में हवाएं चलती रही है। वहीं अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहा है। सुबह साढ़े आठ बजे हवा में नमी का स्तर 76 फीसदी दर्ज किया गया।

शिक्षा के साथ खेलकूद अनिवार्य हो : गोयल

नई दिल्ली। सासंद विजय गोयल ने उत्तरी दिल्ली नगर निगम द्वारा निगम विद्यार्थियों के लिए आयोजित योग कक्षा का शुभारांभ किया। इस कार्यक्रम का आयोजन केशवपुरम स्थित रानी झांसी स्टेडियम में किया गया था। इस अवसर पर उत्तरी दिल्ली के महापौर अवतार सिंह, उपमहापौर योगेश वर्मा, स्थायी समिति के अध्यक्ष जय प्रकाश, नेता सदन तिलक राज कटारिया, केशवपुरम वार्ड समिति के अध्यक्ष जोगी राम जैन, आयुक्त, वर्षा जोशी व निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता, शिक्षा समिति की अध्यक्ष, रितु गोयल ने की। विजय गोयल ने कहा कि खेल-कूद शिक्षा का अनिवार्य अंग है। अच्छी शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों का शारीरिक, मानसिक और नैतिक विकास करना है। स्वस्थ शरीर में ही प्रखर मस्तिष्क रहता है।

अतिक्रमण हटाने को लेकर निर्देश देने से कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सार्वजनिक भूमि से अतिक्रमण हटाने और राष्ट्रीय राजधानी के लिए एक व्यापक पार्किंग नीति की रूपरेखा तैयार करने के वास्ते अधिकारियों को कोई निर्देश देने से इनकार कर दिया है। उच्च न्यायालय ने कहा कि उच्चतम न्यायालय पहले ही इस संबंध में दिशा निर्देश जारी कर चुका है। न्यायालय विशेष रूप से पार्किंग स्थानों के रखरखाव और प्रबंधन के लिए नियमों का मसौदा तैयार करने निर्देश दे चुका है। मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति सी हरिशंकर की एक पीठ ने कहा, निगरानी का कोई कारण नहीं दिखता है। उच्चतम न्यायालय विशेष रूप से पार्किंग स्थानों के रखरखाव और प्रबंधन के लिए नियमों का मसौदा तैयार करने के संबंध में पहले ही निर्देश जारी कर चुका है।

दिल्ली पुलिस रिजर्व बल को रियायती दरों पर मिलेगा खाना

दिल्ली पुलिस आयुक्त अमूल्य पटनायक ने न्यू पुलिस लाइन से कैन्टीन वैन को दिखाई हरी झंडी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लंबी तैनाती के दौरान अकसर देखा गया है कि दिल्ली पुलिस के रिजर्व स्टाफ के लिए खाने की समुचित व्यवस्था नहीं हो पाती। इस समस्या के निराकरण के लिए अब मोबाइल कैन्टीन वैन की मदद ली जाएगा। मंगलवार को दिल्ली पुलिस आयुक्त अमूल्य पटनायक ने न्यू पुलिस लाइन से कैन्टीन वैन को हरी झंडी दिखाई।

दिल्ली सशस्त्र पुलिस द्वारा एक 25 सीटर मिनी बस तैयार की गई है। शहर भर में विभिन्न स्थानों पर 2 दिल्ली सेंट्रल पुलिस महिलाएं सहित 28 रिजर्व लाइन हैं। इन ठिकानों में खजुरी खास, न्यू पुलिस लाइंस,

मोबाइल कैन्टीन वैन को रवाना करते पुलिस आयुक्त अमूल्य पटनायक।

एमएस पार्क, नरेला, तिलक मार्ग, पार्लियामेंट स्ट्रीट, कल्याण पुरी, पीतम पुरा, द्वारका, कालकाजी, मालवीय नगर, दिल्ली कैंट और किशोर भारती लाइन्स शामिल हैं। मोबाइल कैंटीन को एक आयशर मिनी बस से बनाया गया है।

यह विभिन्न उपकरणों से सुसज्जित है। इसमें रेफ्रिजरेटर, एंबिएंट फूड कैबिनेट के लिए खाने की चीजें, हॉट फूड , सिंक यूनिट के साथ टेबल, वाटर डिस्पेंसर दोनों गर्म और ठंडे, पेय टेबल के साथ 7 केवीए जनरेटर सेट शामिल हैं।

मोबाइल वैन को ऊपरी अधीनस्थ रैंक के एक प्रभारी, एक सहायक निचले अधीनस्थ रैंक कर्मचारी और एक चालक द्वारा संचालित किया जाएगा।

कमांडर आवश्यक स्थानों पर सीपीआर तैनात करने के लिए भोजन के वितरण के लिए अनुरोध करेंगे। भोजन और अन्य स्नैक्स सेंट्रल मेस, सेंट्रल कैंटीन, न्यू पुलिस लाइन्स में तैयार किए जाएंगे। यह सुविधा बिना किसी लाभ हानि के आधार पर अत्यधिक रियायती दरों पर पुलिस कर्मियों को परोसे जाएंगे।

तीन माह बाद फीडबैक लेंगे पुलिस अधिकारी

हालांकि तीन माह बाद सीपी रिज़र्व कर्मचारियों से फीडबैक लेने के बाद आगामी योजना बनाई जाएगी। आकलन रिपोर्ट सकारात्मक और उत्साहजनक होगी तो यह मोबाइल कैंटीन सुविधा दिल्ली पुलिस की अन्य इकाइयों तक बढ़ाई जाएगी। इस मौके पर स्पेशन सीपी मुक्तेश्वर चंदर, स्पेशनल सीपी ट्रांसपोर्ट एंड लाइसेंसिंग नुज़हत हसन, उत्तरी रेंज और जिला डीसीपीएसपी उपस्थित थे।

गोदाम में लगी आग शव की शिनाख्त नहीं

नई दिल्ली। राजधानी के दक्षिणी दिल्ली के तुगलकाबाद गांव में एक कबाड़ के गोदाम में आग लगने के बाद एक जला हुआ अज्ञात शव बरामद किया गया है।

दिल्ली दमकल विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि उन्हें सोमवार रात 12 बजकर 40 मिनट पर धागा और कच्चे माल के गोदाम की पहली और दूसरी मंजिल पर आग लगने की सूचना मिली थी। अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा आग बगल के गोदाम में भी लग गई थी जहां से जला हुआ शव बरामद किया गया है। दमकल विभाग के 23 वाहनों ने सुबह पांच बजकर 40 मिनट पर आग पर काबू पा लिया। फायर ब्रिगेड आग लगने की कारणों की जानकारी ले रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 4 दिसंबर, 2019

कम उम्र में बच्चियों को पीरियड्स से चिकित्सा जगत चिंतित

किशोर नहीं अब कम उम्र में हो रहे हैं पीरियड्स, बढ़ रही अनियमित प्यूबर्टी

10 वर्षों में मामलों में लगभग 15-20 प्रतिशत बढ़ोतरी

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

21वीं सदी में चिकित्सा जगत के सामने कई प्रकार की चुनौतियां आ रही हैं। बदलती जीवनशैली के चलते इस प्रकार चुनौतियां बढ़ती ही जा रही हैं। पहले तो अधिक उम्र में भी पीरियड्स का न होना चिंता का कारण रहा है, लेकिन अब कम उम्र में पीरियड्स का आना चिंता का कारण बन गया है। अब छह साल से भी कम उम्र की बच्चियों को पीरियड्स होना इस चिंता को और अधिक बढ़ा देता है।

बच्चों और किशोर लड़कियों में बढ़ती हार्मोनल अनियमितता ने डॉक्टरों के लिए एक अजीब समस्या पैदा कर दी है। छह साल से कम उम्र की बच्चियां पीरियड्स का अनुभव कर रही हैं, जबकि उनके बीच या देर से किशोर उम्र की लड़कियों को पीरियड्स नहीं हुए हैं। डॉक्टरों का कहना है कि पिछले 10 वर्षों में मामलों में लगभग 15-20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आमतौर पर लड़कियों को 8 से 13 वर्ष की उम्र के बीच अपने पहले पीरियड का अनुभव होता है, जिसे मेनार्चे के रूप में भी जाना जाता है। यह आने वाले यौवन का संकेत है। हार्मोनल असामान्यता भी 15 साल के बाद की लड़कियों को शुरू नहीं होता, उनकी इस अवस्था को चिकित्सा की भाषा में अमेनोरिया कहा जाता है।

पिछले पांच वर्षों में असामयिक यौवन के मामले बढ़े

यहां कोलंबिया एशिया अस्पताल में गायनीक्लॉजिस्ट एंड प्रिंसिपल कंसलटेंट डा. रितु सेठी का कहना है कि हम पिछले पांच वर्षों से असामयिक यौवन के मामलों में तेजी से वृद्धि देख रहे हैं, जो तब तक शायद ही कभी हुई थी। हमारे पास आने वाले चिंतित माता-पिता और आश्चर्यचकित लड़कियों की संख्या में लगभग 30-40 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है। ज्यादातर मामलों में पिट्यूटरी ग्रंथि की जल्दी सक्रियता के कारण हार्मोनल असंतुलन जीवनशैली से प्रेरित कारणों जैसे खराब शारीरिक गतिविधि, जंक फूड खाने और पीयर प्रेशर के प्रमुख कारण है। डॉ. रितु सेठी ने बताया कि एमेनोरिया या पीरियड्स का न होना भी 15 वर्ष से अधिक की लड़कियों में तेजी से बढ़ रहा है।

बढ़ता तनाव और पोषण की कमी युवतियों में एक कारण

पिछले 10 वर्षों में डॉक्टरों ने लगभग 30-40 प्रतिशत के मामलों में वृद्धि देखी है, जहां 14 साल से पीरियड्स शुरू नहीं हुए हैं। अन्य यौन विशेषताओं के कोई संकेत नहीं हैं। इसके अलावा अनुचित तनाव और पोषण की कमी के कारण अनियोजित आहार भी कुछ लड़कियों में यौवन की शुरुआत में देरी करते हैं। जो लोग बहुत गहन शारीरिक गतिविधि जैसे कि खेल या अत्यधिक व्यायाम करते हैं, वे भी इसी तरह के संकेतों का अनुभव कर सकते हैं। हार्मोनल परिवर्तन के साथ-साथ उसके यौन परिवर्तनों से प्रेरित मूड स्विंग उसे असहज महसूस कर सकता है। बच्चे को शारीरिक या मानसिक रूप से, युवावस्था की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहती है और हमें इसका पता लगाने और उपयुक्त दवा को निर्धारित करने के लिए ऐसे मामलों की अच्छी तरह से जांच करनी होगी।

कक्षा आठ से 12वीं तक लड़कियों का सेल्फडिफेंस पाठ्यक्रम में हो शामिल

गुरुग्राम। पटौदी के पत्रकारों ने पीएम मोदी से आग्रह सहित मांग करते हुए कहा है कि, पूरे भारत के सभी स्कूलों में कक्षा आठवीं से 12वीं तक छात्राओं के लिए आत्मरक्षा यानी सेल्फ डिफेंस प्रशिक्षण को अविलंब पाठ्यक्रम में शामिल कराया जाए। यह पाठ्यक्रम सभी धर्म, वर्ग, संप्रदाय की छात्राओं के लिए हो और इसके लिए शरीरिक शिक्षक की तरह ही विशेष प्रशिक्षित ट्रेनर नियुक्त किये जाएं। इससे युवतियों में आत्म विश्वास मजबूत तो होगा ही, शारीरिक रूप से भी मजबूत होने के साथ आपातकाल के समय तत्वरित आत्मरक्षा करने के लिए समय और मौके के अनुरूप आत्म रक्षा करने में सक्षम बनेंगी। इस संदर्भ में फतह सिंह उजाला, डा. ओमप्रकाश अदलखा, राधे पंडित, मीर सिंह, प्रेम पालमी, घनश्याम, प्रेम सैनी, धीरज खंडेवला, निर्मल चौहान, रफीक खान द्वारा पीएम नरेंद्र मोदी के नाम एक मांगपत्र भेजा।

संक्षिप्त समाचार

गरीब झुग्गी बस्ती में बांटे सर्दी से बचाव को कंबल

गुरुग्राम। युवा जागृति मंडल जाटौली द्वारा प्रति वर्ष की तरह इस बार भी कम्बल वितरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें सचिव एवं कार्यकारी अधिकारी मार्किट कमेटी पटौदी सत्यप्रकाश मुख्य अतिथि रहे। हेलीमंडी क्षेत्र में वार्ड-1-2 के पास में कूड़ा-करकट एकत्रित करने वालों की झुग्गी बस्ती में युवा जागृति मंडल के सदस्यों और कार्यकर्ताओं ने करीब दो दर्जन परिवारों को सर्दी में बचाव के लिए कम्बल वितरण किये। इसी समारोह में झुग्गी बस्ती के रहने वाले सभी गरीब परिवारों को स्वच्छता और स्वास्थ्य अभियान के तहत साबुन, चावल व फ्लू भी बांटे गए। इस दौरान मुख्य अतिथि सत्यप्रकाश द्वारा स्वच्छता अभियान पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा कि सभी अपने आस पास सफाई का ध्यान रखें। युवा जागृति मंडल जाटौली के प्रधान मुकेश कुमार शर्मा ने बताया कि उनकी संस्था द्वारा प्रति वर्ष गरीब, बुजुर्ग एवं बेसहारा व्यक्तियों को कम्बल वितरण किये जाते हैं।

जुआ-सट्टा व अवैध शराब बिक्री पर लगेगी रोक

नूंह। जिले के पिनगवां थाना प्रभारी चंद्रभान लगातार कस्बे से अतिक्रमण हटवाने के लिए संघर्ष कर रहा है। कार्यभार संभालते ही एसएचओ ने पहली जंग अतिक्रमण के खिलाफ छेड़ी। अतिक्रमण के बाद थाना प्रभारी चंद्रभान का कहना है कि आस-पास के क्षेत्र में जहां पर भी जुआ सट्टा और अवैध रूप से शराब बेची जा रही है, ऐसे ठिकानों पर जल्द छापेमारी की जाएगी और नशे का कारोबार करने वाले लोगों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा है कि अपराध पर पूर्ण रुप से अंकुश लगाने के लिए आम जन को भी पुलिस का सहयोग करना चाहिए, ताकि इलाके से अपराध को पूरी तरह से खत्म किया जा सके। थाना प्रभारी चंद्रभान ने कहा कि थाने में अपनी शिकायत लेकर आने वाले लोग सीधे आएं बिचौलियों के चक्कर में न फंसे, क्योंकि पुलिस के नाम पर दलाली करने वाले लोग पीड़ितों को ठगने के अलावा कुछ नहीं करते। इसलिए लोगों को चाहिए कि ऐसे लोगों के चक्कर में न आएं और सीधा पुलिस के पास अपनी शिकायत लेकर आएं।

ग्रामीणों को पराली न जलाने का संदेश

सोहना। ग्राम सभा की बैठकों में ग्रामीणों को स्वच्छता के साथ-साथ पराली न जलाने तथा भविष्य के लिए जल संरक्षण का पाठ पढ़ाया। ग्रामीणों को प्लास्टिक पोली बैग से लेकर चाय व पानी पीने वाले गिलास-कपों से भी बचने का संदेश दिया। पंचायत विभाग के तत्वावधान में खंड की 45 ग्राम पंचायतों करीब एक माह तक चली ग्राम सभा की बैठकों में स्वच्छता, गंदे पानी की निकासी, कूड़ा-करट अपने घरों के आस-पास जमा न होने देने से लेकर कूड़ा या प्लास्टिक की पोली बैग में आग न लगाने देने, गांव के सामुदायिक केन्द्र से लेकर चौपाल, आंगनबाड़ी सेंटर आदि को साफ-सुथरा रखने की जानकारी दी। ग्राम सभा की बैठकों में ग्राम सचिवों ने प्रमुखता से किसानों को अपने खेतों में पराली न जलाने पर विशेष जोर दिया। जिससे वातावरण को दूषित होने से बचाने का संदेश दिया। प्लास्टिक पोली बैग का उपयोग न करने और इसके जलाए जाने से स्वास्थ्य पर होने वाले हानिकारक प्रभाव की जानकारियां दीं। खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी जगराम मान ने बताया कि ग्राम सभा की बैठकों में आम लोगों को जल संरक्षण पर भी गहराई से बताया गया।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद के जीवन से बच्चों को कराया रूबरू

गुरुग्राम। महिला जन सेवा समिति ने राजेंद्रा पार्क में पूर्व राष्ट्रपति डा. राजेंद्र प्रसाद को श्रद्धांजलि दी। स्कूली बच्चों के साथ मिलकर समाजसेवियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी और फिर उनके जीवन पर प्रकाश डाला। समिति की अध्यक्ष रूपा पटेल ने कहा कि आज की पीढ़ी महापुरुषों के जीवन से अनभिज्ञ है। इसलिए वे प्रयास कर रही हैं कि भावी पीढ़ी को महापुरुषों के जीवन से परिचित कराया जाये। इसी कड़ी में वे हर महापुरुष की जयंती मनाने का प्रयास करती हैं। प्रोफेशनल शिक्षा के साथ हमें अपनी पीढ़ी को अपने इतिहास के बारे में अवगत कराना चाहिये। यह बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि हर संस्था को यह जिम्मेदारी लेनी चाहिये कि वह बच्चों को देश का इतिहास बताया। महापुरुषों के जीवन से परिचित कराये। आगे बढ़ने की दौड़ में यह सब पीछे छुटता जा रहा है। जो कि हमारे समाज के लिए सही नहीं है। उन्होंने बच्चों को कहा कि वे भी तकनीक के दौर में महापुरुषों के जीवन को इंटरनेट के माध्यम से सर्च करें और उसे पढ़ें। इससे उनकी रुचि और अधिक बढ़ेगी। इस मौके पर रश्मि, राहुल, राज, रिया, जूली, रितु व हरसीता मौजूद रही।

गुरुग्राम मेयर मधु आजाद की कुर्सी खतरे में, आया अविश्वास प्रस्ताव

पार्षदों ने लगाया काम करने की आजादी नहीं होने का आरोप

19 पार्षदों ने बैठक का किया बहिष्कार

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

जिस तरह से पार्षदों ने मेयर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित किया है, उससे लग रहा है कि गुरुग्राम की मेयर मधु आजाद की कुर्सी खतरे में है।

पार्षदों का आरोप है कि मेयर के अब तक के कार्यकाल में पार्षदों को न तो अपने वार्ड में काम कराने की आजादी है और न ही उन्हें कोई सुविधायें ही मिल पा रही हैं। गुरुग्राम के 19 पार्षदों ने नगर निगम सदन की बैठक से वॉकआउट करके उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित किया। मेयर मधु आजाद गुरुग्राम के सांसद एवं केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के आशीर्वाद से मेयर की कुर्सी तक पहुंची थी। लंबे समय से उनके खेमे में रही मेयर आजाद को एक तरह से राव इंद्रजीत ने उन्हें मेयर की कुर्सी उन्हें उनकी निष्ठा के चलते पुरस्कार के रूप में दी थी। इस कुर्सी के लिए राव इंद्रजीत और तत्कालीन पीडब्ल्यूडी मंत्री राव नरबीर सिंह के बीच संघर्ष था। आखिर में बाजी राव इंद्रजीत सिंह मार गये। समय बीतने के साथ कई तरह की बातें सामने आने लगी। एक बार तो मेयर मधु आजाद ने प्रेस कांफ्रेंस करके यह बात उजागर की कि उनकी अधिकारी कोई बात नहीं मान रहे। वे अपनी मर्जी से काम करते हैं।

एक तरह से मेयर टीम को दरकिनार किया जाता है। यह तो रही मेयर मधु आजाद की बेबसी। उस बेबसी के बाद अब मेयर मधु आजाद की मुश्किलें उनकी ही टीम के लोग यानी पार्षद बढ़ा रहे हैं। नगर निगम सदन की बैठक शुरू होते ही 19 पार्षदों ने अपनी मांगें या फिर वार्डों में विकास के काम नहीं होने के विरोध में आवाज बुलंद करते हुये बैठक का वॉकआउट कर दिया। इस बाबत वार्ड-8 के पार्षद दिनेश सैनी का कहना है कि 19 पार्षदों ने नगर निगम गुरुग्राम सदन की बैठक का विरोध किया और मेयर मधु आजाद के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित किया। इसका कारण बताते हुये दिनेश सैनी ने कहा कि इस बार 12वीं सदन की बैठक हुई है। अब तक की बैठकों में पार्षदों द्वारा जो मुद्दे रखे जाते हैं, उन पर कोई संज्ञान नहीं लिया जाता। यानी पार्षदों की मांगों को अनदेखा किया जाता है। नये मुद्दे लाने को कहा जाता है। उन्होंने यहां तक कहा कि सीवर का ढक्कन लगाने के लिए पार्षदों को एक्सईएन के सामने अनुरोध करना पड़ता है। अगर कहीं स्ट्रीट लाइट्स नहीं हैं तो वहां पर लाइट्स नहीं लगा पा रहे। दिनेश सैनी ने कहा कि नई स्ट्रीट लाइट्स लगाने के लिए उन्होंने अपने वार्ड में पाइप तो लगवा दिये, लेकिन नगर निगम अधिकारियों ने उन पर लगाने के लिए लाइट्स सेट्स नहीं दिये। यह कह दिया कि पुरानी लाइट्स को बदलवा दिया गया है।

इन पार्षदों ने लाया अविश्वास प्रस्ताव

मेयर मधु आजाद के खिलाफ पार्षद दिनेश सैनी, ब्रह्म यादव, आरएस राठी, सुदेश रानी, धर्मबीर, राकेश यादव, शीतल बागड़ी, योगेंद्र सिंह, अश्वनी शर्मा, कपिल दुआ, महेश दायमा, सीमा पाहुजा, वीरेंद्र, हेमंत, नवीन दहिया, कुलदीप बोहरा, कुलदीप, संजय कुमार व सुभाष सिंह फौजी शामिल हैं।

आरडब्ल्यूए हैं पार्षद से ज्यादा पावरफुल

पार्षद दिनेश सैनी ने कहा कि पार्षदों से ज्यादा तो आरडब्ल्यूए पावरफुल हो गये हैं। पार्षदों के नाम पर कुछ काम नहीं हो रहे। आरडब्ल्यूए आगे आकर पार्षदों को एक तरह से पीछे धकेलने का काम करते हैं। मेयर और अधिकारी भी आरडब्ल्यूए को ही सहयोग करते हैं। यहां तक कि जब वार्ड में मेयर के कार्यक्रम होते हैं तो पार्षदों को सूचना तक नहीं दी जाती। वहां आमंत्रित करना तो दूर की बात है। इससे साफ है कि पार्षदों की अनदेखी की जा रही है।

पूर्व के मेयर कार्यकाल को बताया बेहतर

वार्ड-8 के पार्षद दिनेश सैनी ने खुलकर कहा कि इस मेयर के कार्यकाल से अच्छा तो पूर्व के मेयर विमल का कार्यकाल अच्छा था। सीवरेज के ढक्कन, स्ट्रीट लाइट्स पार्षदों के कार्यालयों में रखी रहती थी। जैसे ही डिमांड आती थी तो यह सब लगवा दिये जाते थे। अब तो बुरा हाल हो चुका है। अगर इसी तरह से पार्षदों के हाथ में काम करवाने की पावर नहीं होगी तो फिर अगला चुनाव लड़ने किस मुंह से जनता के बीच जायेंगे। जनता को इस बात से मतलब नहीं कि निगम में क्या हो रहा है। जनता को अपने काम समय पर चाहियें, जो कि पार्षद नहीं करवा पा रहे। इसलिए पार्षदों ने इस बार बैठक का बहिष्कार किया और मेयर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित किया।

इको ग्रीन के खिलाफ फिर से बोले पार्षद

उन्होंने बताया कि सभी पार्षद इको ग्रीन कंपनी के कार्य को लेकर असंतुष्ट हैं। किसी भी वार्ड में ठीक से काम नहीं हो पा रहा है। शुरू में जहां वार्डों में छह-छह गाड़ियां कूड़ा उठाने आती थी, अब दो-तीन गाड़ियां ही आ रही हैं। गली-मोहल्लों में गंदगी सड़ती रहती है। जुर्माना लगने के बाद भी इको ग्रीन की कार्यशैली में कोई सुधार नहीं आया है।

इंसाफ के लिए दर-दर भटक रहा पीड़ित

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

पीडित आस मोहम्मद।

नूंह के लघुसचिवालय पर धरना देकर इंसाफ मांगने वाला परिवार आज भी इंसाफ के लिए दर-दर भटक रहा है। हालांकि मामले की निष्पक्ष जांच के लिए एसआईटी टीम का गठन भी किया गया, लेकिन पीड़ित आस मोहम्मद का आरोप है कि दस दिन बीत जाने के बाद भी एसआईटी ने उनसे कोई जानकारी साझा नहीं की और न ही उन्हें इंसाफ को लेकर कोई ठोस आश्वासन दिया।

पीड़ित आस मोहम्मद का कहना है कि यदि उन्हें जल्द इंसाफ नहीं मिला तो फिर से धरना जारी किया जाएगा और वह पूरी तरह से इंसाफ नहीं मिलने तक जारी रहेगा। उनका कहना है कि धरने से पुलिस द्वारा जबरन उठाई गई गाड़ी का भी पुलिस ने चालान काट दिया जिसे पुलिस छोड़ नहीं रही है, जबकि गाड़ी मालिक तो उनसे मिलने के लिए आया था। उन्होंने कहा है कि गाड़ी के अलावा पुलिस ने जो सामान छीना था, उसे भी पुलिस नहीं दे रही है। पीड़ित आस मोहम्मद ने चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि जल्द उन्हें इंसाफ नहीं मिला तो वह अपने परिवार सहित धरना स्थल पर आत्म हत्या के लिए भी कदम उठा सकता है, जिसके जिम्मेदार सिर्फ और सिर्फ पुलिस प्रशासन होगा।

हैवानियत को लेकर मेवात के लोगों में रोष

सोशल मीडिया में शोक की लहर, सड़कों पर आकर प्रदर्शन कर रहे लोग

पायनियर समाचार सेवा। पुन्हाना

तेलगांना की राजधानी हैदराबाद में पशु चिकित्सक के साथ बलात्कार करना ओर जला देने वाली घटना ने देश को झकझोर कर दिया है।

सोशल मीडिया तक लोग आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग कर रहे है। मेवात के युवा लगातार इस घटना की घोर निंदा ओर फांसी देने की मांग कर रहे हैं। तेलगांना राजधानी हैदराबाद में पशु चिकित्सक की निर्मम हत्या के बाद जहां पूरे देश प्रदेश में गुस्से का माहौल बना हुआ है वही इस चिकित्सक को इंसाफ दिलाने की आवाज अब हरियाणा प्रदेश के पिछड़ा हुआ इलाका मेवात में भी पुरजोर तरीके से उठ रही है।

प्रियंका रेडी को इंसाफ दिलाने के लिए मेवात में जगह जगह केंडल मार्च निकाले जा रहे ह तो कही ये दर्द युवाओ के लिए चर्चा का विषय बना हुआ है। लोगों का कहना है कि रेडी के कातिलों को सक्त से शक्त सजा मिलनी चाहिए ताकि ऐसे मामले फिर कभी होने ना पाए। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया ह जिनकी मेवाती लगातार फांसी देने की मांग कर रहे है।

सोशल मीडिया पर उबाल

इस घटना को सामने आने पर पूरे देश प्रदेश में आक्रोश फैला हुआ है लोगो ने ट्विटर, फेसबुक वॉट्सएप्प ग्रुप के माध्यम से अपनी नाराजगी प्रकट कर रहे है वही आम जनता के साथ राजनेता, खिलाड़ी, अभिनेता बड़ी बड़ी नामचीन हस्तियां भी शामिल है। इरफान सलामुद्दीन कुरेशी का कहना है की मद्त के नाम से लोगो का भरोसा बिल्कुल उठ चुका है ,जिस तरह दिल्ली में मदद के नाम पर निर्भया को बस में बैठा लिया था। इकबाल जेलदार का कहना है कि हैदराबाद में हुई निर्मम हत्या और पशु चिकित्सक के साथ जो जुल्म हुआ है, वह बर्दाश्त करने के काबिल नही है ऐसे मामलों से जुड़े सभी आरोपियों को सक्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी कोई घटना न घट सके।

सहाबुद्दीन कुरेशी का कहना है कि जिन अपराधियों ने इस डॉ. की खतरनाक तरीके से हत्या की है, उन सभी दोषियों को जल्द से जल्द सजा मिलनी चाहिए ताकि उस बेकसूर को न्याय मिल सके और देश मे आये दिन हो रही ऐसी अनोखी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

तौसीफ बिसरू ने कहा कि देश मे ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं जिसमे दोषियों को अभी तक सख्त सजा नहीं मिली है। जब तक सरकार इस तरह के मामलों के विरुद्ध अपना रुख सकत नहीं करेगी। एडवोकेट परशुराम का कहना है कि दिल्ली के निर्भया गैंगरेप मामले के आरोपियों को सजा मिल गई होती तो आज हमारे सब के बीच ये हैदराबाद कांड नजर नही आता। निर्भया के दोषियों को भी फांसी की सजा सुनाई गई थी। लेकिन मामला अभी तक पुर्नविचार याचिका में लटका हुआ है जब तक ऐसे दोषियों को फांसी नहीं लगेगी ऐसे अपराध और बढ़ने लग जाएंगे।

एडवोकेट राशिद नोटरी का कहना है कि सरकार बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा तो देती है आखिर क्यों ये लड़कियों को सुरक्षा नही दे पाती अब हर लड़की के दिल मे डर और भय बना रहेगा।

'वेकफिट स्लीप इंटर्नशिप' के जरिये लोगों से अपनी ड्रीम जॉब करने का ऑफर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

तीन दिनों के अंदर देशभर से लगभग 75,000 से अधिक लोगों का इंटर्नशिप प्रोग्राम के लिए आवेदन

आप अपनी रुड्रीमजॉब की परिभाषा क्या देना पसंद करेंगे? जो काम आपको पसंद हो और उसे ही करने के आपको पैसे भी मिलें? क्या ही अच्छा हो अगर आपको नौकरी पर सोने के लिए सेलरी मिले? वेकलिफ्ट कं, जो भारत में स्लीप सोल्यूल्शंस के रूप में जानी जाती है, एक अनोखे ही प्रकार की इंटर्नशिप प्रोग्राम 'वेकलिफ्ट स्लीप इंटर्नशिप' लेकर आई हैं।

इस प्रोग्राम में चुने हुए कैंडीडेटेस को 100 रातों तक नौ घंटे की पूरी तरह से शांत और बेफिक्र नींद लेनी होगी। वेकफिट.कं की इस अनोखी ड्रीमजॉब की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह काम इन कैंडीडेट्स को अपने घर से ही करना है (इसके लिए आपको अपनी नौकरी भी छोड़ने की जरूरत नहीं है)। वेकफिट कंपनी शांत नींद लेने के लिए अपने सबसे बढ़िया गद्दे के साथ लेटेस्ट तकनीक वाला फिटनेस और स्लीप को नापने के लिए ट्रेकर भी देगी। एक लाख की सेलरी के साथ चुने हुए कैंडीडेट्स का स्लीप एक्सपर्ट्स के साथ काउंस्लिंग सेशन भी करवाया जाएगा। तो फिर है न यह सपने सच होने वाली बात!

इस ड्रीमजॉब के लिए आपको ऑनलाइन आवेदन करना होगा। चुने हुए कैंडीडेट्स को एक वीडियो टेस्टीमोनियल देना होगा कि उन्हें सोना (स्लीप) क्यों पसंद है, बताना होगा। ऐसे कैंडीडेट्स जो कहीं और कभी भी सोने वाले कुंभकर्ण होंगे, उन्हें कंपनी का एक्सपर्ट पैनल अपने धारदार इंटरव्यू से तोलेगा जिसमें इन कुंभकर्णों के निद्रा प्रेम की गहराई से जांच होगी। यह ड्रीमजॉब इंटर्नशिप उन 5-8 भाग्यशाली कैंडीडेट्स को दी जाएगी जिनकी जिंदगी का पहला और आखिरी उद्देश्य होगा- 'सोना, सोना और बस सोना!' विजेताओं को एक स्लीप ट्रैकर दिया जाएगा जो उनके कंपनी के गद्दों पर सोने से पहले वाली नींद और गद्दों पर ली जाने वाली नींद के पैट्रन की तुलना करेगा। एक लाख रुपये का स्टाइपन पाने के लिए इंटर्न्स को रोज़ नौ घंटे की नींद लेनी होगी और अपने ट्रैकर के आंकड़ों को कंपनी के साथ शेयर करना होगा।

कंपनी की ओर से इंटर्नशिप के समय कुछ कामों की सख्त ना-ना है और इनमें जागते हुए करवटें बदलते हुए बैचेन नींद लेना, बिस्तर पर जाने में देर करना, लैपटॉप पर काम करना शामिल है।

विधायक ने पैदल यात्रा कर शहर का औचक निरीक्षण किया

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना विधायक कंवर संजय सिंह ने मंगलवार सुबह आठ बजे शहर का औचक निरीक्षण कर कूड़ा केन्द्र और बाजारों का दौरा किया। दुकानदारों को अतिक्रमण न करने की सलाह दी। सोहना विधायक ने मंगलवार सुबह नगरपरिषद के अधिकारियों, सफाई कर्मचारियों और व्यापार मंडल की टीम के साथ करीब दो किलोमीटर पैदल चलकर बाजार में लगे कूड़े के ढेरों का निरीक्षण किया। विधायक ने बाईपास चौक पर गंदे पानी के नाले का औचक निरीक्षण करते हुए बाजार में पहुंचे।

सुबह के समय में दुकान खोल रहे दुकानदारों को अपना सामान रास्ते व सड़क पर न रखने की सलाह दी। विधायक ने देवीलाल मार्ग सहित करीब आधा दर्जन ऐसे स्थानों का दौरा किया। जहां पर सुबह सफाई के दौरान कूड़े के ढेर लगाए जाते हैं। आखिर में गर्म पानी के शिव कुंड को निरीक्षण किया।

दुकानदारों ने बाहर नहीं निकाला सामान : विधायक की सीख मानते हुए मंगलवार सुबह से शहर के पुराने अलवर मार्ग, परिषद कार्यालय मार्ग, बस स्टैंड मार्ग व बिजली बोर्ड मार्ग के दुकानदारों ने अपना सामान सड़क के ऊपर नहीं रखा।

स्वच्छता होगी नंबर एक पर : सोहना विधायक श्री सिंह ने बताया कि उनका उद्देश्य विधानसभा के दो शहर सोहना और तावडू को स्वच्छता के क्षेत्र में प्रथम स्थान पर लाना है। दोनों ही शहरों ने अपने-अपने जिले में स्वच्छता के मामले में प्रथम ब्लॉक का अवॉर्ड जीता है। शहर की सड़कें व रास्ते गंदगी व अतिक्रमण से मुक्त होंगे।

कागज के निर्यात को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता : नितिन गडकरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रगति मैदान में शुरू हुई कागज उद्योग की सबसे बड़ी संगोष्ठी, पेपरेक्स

देश में पेपर उद्योग की व्यापक उपस्थिति के बावजूद बड़े पैमाने पर कागज आयात बढ़ रहा है। मैं विशेष रूप से लघु पेपर उद्योगों की वृद्धि की संभावनाओं को लेकर चिंतित हूं, जो एमएसएमई क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह कहना है भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री श्री नितिन गडकरी का। उन्होंने कहा कि पेपर के क्षेत्र में आयात को हतोत्साहित किया जाना चाहिए, जबकि घरेलू उद्योग को समर्थन देने के लिए निर्यात बढ़ाया जाना चाहिए। श्री गडकरी आज नई दिल्ली में शुरू हुए पल्प, पेपर एंड अलाइड इंडस्ट्रीज के 14वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, पेपरेक्स 2019 के उद्घाटन के अवसर पर एक वीडियो संदेश में बोल रहे थे। श्री गडकरी के अनुसार, बांस (बैम्बू) का उपयोग कागज उद्योग के लिए कच्चे माल के रूप में किया जा सकता है। भारत सरकार ने बांस मिशन के लिए 1300 करोड़ रुपये के आवंटन को मंजूरी दी है। बांस से हम विभिन्न प्रकार के कागज बना सकते हैं। यदि हम बांस का उपयोग बढ़ाते हैं, तो यह कागज उद्योग और किसानों के लिए भी बहुत अच्छा अवसर रहेगा।

पेपरेक्स के उद्घाटन के अवसर पर जेके पेपर के प्रबंध निदेशक श्री हर्षपति सिंघानिया बतौर मुख्यातिथि उपस्थित थे। उन्होंने कहा, कागज उद्योग में विकास का स्तर विकसित दुनिया से विकासशील दुनिया की तरफ बढ़ रहा है। यूरोप और अमेरिका में खपत में कमी आ रही है जबकि एशिया और लैटिन अमेरिकी देशों में खपत बढ़ रही है, वर्तमान में, भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ता पेपर मार्केट है।

श्री सिंघानिया, जो इंडियन पेपर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईपीएमए) के संस्थापक अध्यक्ष भी हैं, ने कहा कि, ''पेपर की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करना एक अवसर और उद्योग के लिए एक चुनौती है। सस्ते कागज का बड़े पैमाने पर आयात उस मांग को पूरा कर रहा है जो घरेलू उद्योग को मिलना चाहिए था। भारतीय पेपर कंपनियां अन्य पेपर उत्पादक देशों के साथ एक स्तर नहीं हैं क्योंकि वहां की इनपुट लागत अपेक्षाकृत बहुत कम है जिसके चलते भारतीय उद्योग को आयात खतरे का सामना करना पड़ता है।''

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 04 दिसंबर, 2019

जेल में छापा: पकड़ा गया बिल्डर अनिल जिंदल का शाही ठाट-बाट

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

धोखाधड़ी के दर्जनों मामलों में नामजद एसआरएस ग्रुप के चेयरमैन अनिल जिंदल व उनके सहयोगी नीमका गांव स्थित जिला जेल में आम बंदियों की तरह नहीं, बल्कि शाही ठाट-बाट के साथ रह रहे थे। वे जेल में एशो-आराम के साथ मोबाइल के जरिए अपने व्यवसाय का पूरा नेटवर्कचला रहे थे। इस बात का खुलासा एडजीपी जेल कुलदीप सिंह द्वारा नीमका जेल का औचक निरीक्षण करने के बाद हुआ है।

मोबाइल से चल रहा था नेटवर्क : अपने घर का सपना दिखाकर सैकड़ों लोगों से करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोपी अनिल जिंदल और उनके कुछ नजदीकी सहयोगी पिछले काफी समय नीमका गांव स्थित जिला जेल में विचाराधीन बंदियों के रूप में बंद हैं। आला अधिकारियों को सूचना मिल रही थी कि अनिल जिंदल और उनके सहयोगी जेल में न केवल मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हैं, बल्कि ठाठ-बाट के साथ अपना समय गुजार रहे हैं। आरोपी जेल में बैठकर कारोबार का नेटवर्क भी चला रहे हैं। इसलिए दो दिन पहले आईजी जेल ने नीमका जेल का निरीक्षण किया था, लेकिन तलाशी के दौरान जिंदल अथवा उनके किसी सहयोगी के पास मोबाइल फोन बरामद नहीं हुआ था। आईजी के खाली हाथ लौटने पर आला अधिकारियों को काफी हैरानी हुई।

तलाशी अभियान की पोल खुली

एडीजीपी के छापे से नीमका जेल प्रशासन द्वारा आए दिन जेल में तलाशी अभियान चलाकर बंदियों के कब्जे से मोबाइल फोन बरामद करने के दावों की पूरी तरह पोल खुल गई। सूत्रों के मुताबिक जिंदल से फोन बरामद होने के बाद उन्होंने अधिकारियों से पूछा कि जेल में आखिर मोबाइल फोन कैसे पहुंच रहे हैं। इस बात की जांच कर कैदियों के पास मोबाइल पहुंचाने वाले कर्मचारियों का पता लगाकर उनके खिलाफ कार्रवाई करने के आदेश दिए।

जेल में औचक छापेमारी से राज खुला

आईजी जेल के खाली हाथ लौटने पर एडीजीपी कुलदीप सिंह ने नीमका जेल में औचक छापेमारी करने की योजना बनाई थी। अपनी इस योजना के तहत कुलदीप सिंह सोमवार की दोपहर को अचानक नीमका जेल पहुंच गए। उन्हें अचानक आया देख जेल के अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। एडीजीपी किसी को समय दिये बिना सीधे अनिल जिंदल की बैरक में पहुंचे और तलाशी लेनी शुरू कर दी। तलाशी के दौरान उन्होंने अनिल जिंदल के बिस्तर से दो मोबाइल फोन बरामद किए। उन्होंने देखा कि अनिल जिंदल और उनके सहयोगी जेल के बिस्तरों की बजाय बाहर से शानदार गद्दे और अन्य इस्तेमाल के कपड़े वगैहरा मंगवाकर ठाट-बाट से रह रहे थे। इस तरह की गतिविधियां देखते हुए उन्होंने जेल प्रशासन को फटकार भी लगाई थी।

हैदराबाद रेपकांड के खिलाफ कैंडल मार्च

फरीदाबाद। हैदराबाद में महिला डॉक्टर को रेप के बाद जलाकर हत्या से उत्पन्न हुआ आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। शाम को मानव जनहित एकता परिषद के बैनर तले सैकड़ों युवा-युवतियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कैंडल मार्च निकाला। यह मार्च बीके चौक से शुरू होकर नीलम चौक तथा दोबारा बीके चौक पर आकर समाप्त हुआ।

डॉ. प्रियंका रेड्डी की आत्म की शांति के लिए सभी ने दो मिनट का मौन भी रखा। सभी ने एक स्वर में आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की। संस्था के जिलाध्यक्ष हन्नी बख्शी ने सरकार से मांग की है कि डा. रेड्डी के हत्यारों को सख्त से सख्त सजा दी जाए, ताकि आगे से कोई भी इस तरह का घिनौना कार्य न करें। कैंडल मार्च में सचिन तंवर, शैली बब्बर, संजीव कुशवाहा, मनीष शर्मा, सुमित रावत, अशोक डी-स्टार, राजवती, भुवनेश्वर शर्मा, मंजू शर्मा, लता, प्रवीण, गंगा, रेखा नैन, पूनम भाटिया, गीता, ज्योति, समीर, तरूण, सतीश एडवोकेट, जय शर्मा, अमन अग्रवाल, चमनलाल भाटिया, संजीव पाराशर, लाखन लोधी, सुरेश सिंह, संजीव तिवारी, रोहताश ठाकुर, मुकुल, राजकुमार, मंजीत सिंह, किशन कांत पाठक, माधवी सक्सेना, अमरजीत रंधावा, प्रवीण गुलाटी, देवेन्द्र सिंह, किशन बारी सहित सैकड़ों युवक-युवतियां शामिल थे।

राजधानी एक्सप्रेस बन जाती बर्निंग ट्रेन

■ प्वाइंट्समैन ने देख लिया ■ 22 मिनट चला बचाव कार्य

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एक प्वाइंट्समैन की सूझबूझ से त्रिवेंद्रम जा रही राजधानी एक्सप्रेस में बड़ी आग लगने से बच गई। यह घटना न्यू टाउन रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को घटित हुई। प्वाइंट्समैन ने ट्रेन में आग लगी देख स्टेशन अधीक्षक को सूचना दी। उन्होंने बिना देरी किए ट्रेन को रुकवाया और रेलवे अधिकारियों, कर्मचारियों व राजधानी के स्टाफ की मदद से उसमें मौजूद अग्निशमन यंत्रों से आग पर काबू पाया।

जानकारी के मुताबिक हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से त्रिवेंद्रम के लिए जा रही राजधानी एक्सप्रेस में ब्रेक जाम होने से मंगलवार को सुबह करीब सवा 11 बजे आग लग गई। न्यू टाउन रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-एक से गुजरने पर प्वाइंट्समैन सोहराब आलम की सूझबूझ से आग से होने वाला बड़ा हादसा टल गया। करीब 22 मिनट बाद ट्रेन चली।

प्वाइंट्समेन सोहराब आलम ने बताया कि उन्होंने कोच नंबर ए-5 में आग लगी देखी। उन्होंने तुरंत स्टेशन अधीक्षक अजय कुमार को बताया और अजय कुमार ने ट्रेन के गार्ड को जानकारी दी। गार्ड से जानकारी मिलने पर लोको पायलट ने ट्रेन रोक दी। ट्रेन करीब 11:23 मिनट पर रुकी। इससे रेलवे अधिकारी व कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। स्टेशन अधीक्षक अजय कुमार अपने साथ एक अग्निशमन सिलेंडर लेकर गए थे। ट्रेन के रुकते ही अधिकारी व कर्मचारियों ने मौके पर पहुंच कर आग बुझानी शुरू कर दी। इसी बीच ट्रेन में सवार मैकेनिकल स्टॉफ के कर्मचारियों ने अग्निशमन उपकरणों की मदद से आग बुझानी शुरू कर दी। उन्हें देखकर अन्य यात्री भी मौके पर पहुंच गए। उधर सुरक्षा के मद्देनजर कोच में सवार यात्रियों को उतार लिया गया। इस घटना की वजह से यात्रियों के चेहरे पर चिंता झलक दिख रही थी। आग बुझाने में 22 मिनट का समय लग गया था और ट्रेन 11:45 बजे गंतव्य की ओर रवाना की गई।

फरीदाबाद में फिर जुटेगा फिल्मों का मेला

फरीदाबाद। फरीदाबाद का नाम अब फिल्मी दुनिया के लिए नया नहीं है। इंडोगमा फिल्म फेस्टिवल का दूसरा एडिशन पांच से सात दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। पहले दो दिन फिल्मों कि स्क्रीनिंग की जाएगी, जिसमें फिल्म प्रेमियों को अनेक शॉर्ट फिल्में देखने का अवसर प्राप्त होगा। तीसरे दिन यानि सात दिसंबर को अवार्ड सेरेमनी होगी।

आयोजक सिनेमेहता प्रोडक्शन के बैनर तले मुकेश गंभीर और चंदन मेहता ने एक प्रेसवार्ता में बताया कि इसमें विभिन्न श्रेणियों में अवार्ड दिये जाएंगे। इस कार्यक्रम के प्रमुख प्रयोजक हैं एनएचपीसी। इसके अलावा आईजीएल, एनपीटीआई और मेहरासंस ज्वेलर्स का प्रमुख रूप से सहयोग रहा है। डायरेक्टर चंदन मेहता ने बताया कि अभी तक कुल 84 फिल्मों की एंट्री आई है और इसमें से 25 फिल्मों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। उन्होंने बताया कि तीनों दिन के कार्यक्रम फरीदाबाद में ही है।चन्दन ने बताया कि फिल्मों को शॉर्टलिस्ट ज्यूरी ने किया है और इसमें किसी भी प्रकार के भेदभाव की गुंजाइश नहीं है। बड़ी हस्तियों में बॉलीवुड एक्टर यशपाल यादव के आने की भी संभावना है ।

फिल्म डाइरेक्टर ज्योति प्रकाश, क्रिएटिव डाइरेक्टर इंडोगमा फिल्म फेस्टिवल 2019 मे पत्रकारों को बताया कि किसी भी फिल्म फेस्टिवल का महत्व उसकी ज्यूरी से आंका जा सकता है। ज्यूरी में डायरेक्टर जनरल नेशनल गॅलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट अद्वैत गणनायक, डीन नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा अभिलाष पिल्लई, इंटरनेशनल क्रिटिक्स ज्यूरी मेम्बर माइक बेरी और वरिष्ठ पत्रकार एवं मेंबर ऑफ क्रिटिक्स गिल्ड अवार्ड दीपक दुआ हैं।

हिंदी दैनिक पायनियर ने फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत नौ विधानसभा सीटों पर विजयी विधायकों का स्वागत करने की पहल शुरू की है। इस कड़ी में मंगलवार को पायनियर की टीम के सदस्य राकेश कपूर और दीपक ने तिगांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजेश नागर का उनके निवास स्थान पर जाकर स्वागत किया।

बायोमीथेन संयंत्र को जाएगा एक टन कचरा

फरीदाबाद। नगर निगम की आयुक्त सोनल गोयल ने स्वच्छता सर्वेक्षण-2020 के मध्यनजर मंडियों के गले-सड़े फल व सब्जियों से बायोमीथेन गैस बनाने वाले संयंत्र प्लांट का दौरा किया। इंडियन ऑयल कारपोरेशन (आईओसीएल) के सेक्टर 13 स्थित परिसर में बने हुए इस बायोगैस संयंत्र के दौरे के दौरान उनके साथ इंडियन ऑयल कंपनी के मैनेजर उमेश श्रीवास्तव, निगम के अधीक्षण अभियंता विरेंद्र करदम, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. उदयभान शर्मा, कार्यकारी अभियंता श्याम सिंह, ईको ग्रीन कंपनी के प्रोजेक्ट हेड राजेश कुरूप, मैनेजर आनंद भी मौजूद थे। निगमायुक्त ने संयंत्र में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के अधिकारियों से बायोगैसमीथेन संयंत्र की कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने ईको ग्रीन व नगर निगम अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस बायोमीथेन संयंत्र प्लांट में कम से कम एक टन सड़ी-गली सब्जियां, फल इत्यादि हर रोज भेजी जाए।

आठ साल की ममेरी बहन से किया दुष्कर्म का प्रयास

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

घर में आठ साल की मासूम बच्ची को अकेला देखकर उसके ममेरे भाई ने दबोच लिया। आरोपी बच्ची को डरा-धमका कर दुष्कर्म करने का प्रयास करने लगा। बच्ची के रोने व शोर मचाने से आरोपी ने डराकर चुप करवा दिया। आरोपी कुछ समय से अपने मामा के घर में ही रह रहा था। शाम को माता-पिता के काम से लौटने पर बच्ची ने आरोपी की हरकत के बारे में बता दिया। बच्ची के पिता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

महिला थाना बल्लभगढ़ में दर्ज मामले के मुताबिक मूलरूप से अलीगढ़ के रहने वाले एक व्यक्ति ने अपनी शिकायत में कहा है कि वह बल्लभगढ़ एक कालोनी में रह रहा है। उसके परिवार में पत्नी के अलावा आठ साल की बच्ची है। पति-पत्नी शहर में ही अलग-अलग कंपनियों में काम नौकरी करते हैं। करीब एक महीने से उनके घर में उनका 20 साल का भांजा भी रोजगार की तलाश में आया हुआ है। सोमवार को पति-पत्नी अपने अपने काम पर चले गए थे। घर पर केवल उनका भांजा ही रह गया था। दोपहर के समय स्कूल से छुट्टी होने के बाद उनकी बच्ची घर आ गई। आरोप है कि बच्ची को घर में अकेला देख भांजे ने उसे डरा-धमका कर दबोच लिया और दुष्कर्म करने की नीयत से उसके साथ गलत हरकतें करने लगा। बच्ची ने रोते हुए शोर मचा दिया। बच्ची के रोने पर आरोपी ने उसे किसी को बताए जाने पर जान से मारने की धमकी दी। शाम को बच्ची ने माता-पिता सारा मामला बताया। पीड़ितों ने पुलिस को सूचना दे दी। महिला थाना प्रभारी माया ने बताया कि मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

हत्या के आरोप में दो लोगों को आजीवन कारावास

फरीदाबाद। एक युवक की ईंट-पत्थरों से पीट- पीट कर हत्या करने वाले दो आरोपियों को जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक गुप्ता की अदालत ने दोषी करार देते हुए अजीवन कारावास और 11-11 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

अदालत में पेश मामले के मुताबिक सूर्या विहार भाग दो में रहने वाले अशोक सिंह ने 17 अगस्त, 2018 को यह मामला थाना पल्ला में दर्ज करवाया था कि उसका 20 वर्षीय बेटा विवेक दिल्ली के कनॉट पैलेस में स्थित एक क्लब में काम करता था। 16 अगस्त को विवेक काम पर गया था। रात को उसके दूसरे बेटे विश्वराज ने फोन किया, तो विवेक ने बताया कि वह अभी यहीं अपने दोस्त कुलदीप के साथ घूम रहा है। रात को विवेक के घर न लौटने पर उन्होंने यह समझा कि वह अपने काम पर चला गया होगा। अगले दिन सुबह सूचना मिली कि विवेक का शव सूरज बिल्डिंग मैटेरियल सप्लायर की दुकान के बाहर पड़ा हुआ है। उन्होंने मौके पर जाकर देखा, तो किसी ने ईंट-पत्थरों से सिर कुचल कर विवेक की हत्या की हुई थी। उसी दौरान पता चला कि विवेक के दोस्त कुलदीप को भी चोट आई हैं।

पूछताछ करने पर कुलदीप ने बताया कि वह और विवेक पैदल घूम रहे थे। उस दौरान सूरज बिल्डिंग मैटेरियल की दुकान के पास बने टीन शैड में बैठ कर सूर्या विहार भाग तीन निवासी पंकज और कमल उर्फ उज्जवल बैठकर खा-पी रहे थे। उन्हें देखते ही दोनों उनके साथ गाली-गलौच करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान आरोपियों ने ईंट-पत्थरों से ताबड़ तोड़ वार कर विवेक की हत्या कर दी थी। उस समय पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था।

सख्त एक्शन : बंद होंगी फॉर्मेल्डिहाइड मैन्युफैक्चरिंग फैक्ट्रियां

राकेश चौरासिया। फरीदाबाद

हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारियों ने फॉर्मेल्डिहाइड मैन्युफैक्चरिंग फैक्ट्रियों को शो कॉज नोटिस भेजने शुरू कर दिए हैं कि ऐसी फैक्ट्रियों का प्रिअर एन्वायरनमेंटल क्लीयरेंस के बिना संचलान हो हो रहा है। इसलिए सात दिनों के अंदर फैक्ट्री प्रबंधक बताएं कि आप पर क्यों न नियमानुसार कार्रवाई की जाए। नोटिस का जवाब न मिलने पर सीधे आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इससे फॉर्मेल्डिहाइड मैन्युफैक्चरर्स में हड़कंप मच गया है।

सूत्रों के मुताबिक केंद्र और राज्य सरकार के सख्त आदेशों को धता बताकर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड फॉर्मेल्डिहाइड मैन्युफैक्चरिंग करने वाली कई फैक्टरियों का संचलन होने दे रहा था। ये फैक्टरियां बिना एन्वायरनमेंट क्लीयरेंस के धड़ल्ले से चल रही थीं। बताया जाता है कि इन फैक्ट्रियों के पास आवश्यक एनओसी नहीं है, लेकिन इनके पास प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के कुछ अधिकारियों का आशीर्वाद जरूर है। इसलिए हरियाणा फॉर्मेल्डिहाइड मैन्युफैक्चरिंग का गढ़ बन गया है।

सूत्र बताते हैं कि वर्ष 2006 से पहले इन फैक्ट्रियों को एनओसी लेने की जरूरत नहीं पड़ती थी, लेकिन 2006 के बाद फॉर्मेल्डिहाइड मैन्युफैक्चरिंग की फैक्ट्री के लिए एनओसी लेना अनिवार्य कर दिया है। फिर भी हरियाणा में 2006 से अब तक फॉर्मेल्डिहाइड मैन्युफैक्चरिंग की 26 फैक्ट्रियां लग चुकी हैं। फॉर्मेल्डिहाइड केमिकल का जूस, परफ्यूम, बिल्डिंग मैटीरियल और प्लाइवुड उत्पादन में इस्तेमाल किया जाता है।

भूजल को खतरा : एक लीटर फोरम्युलेट केमिकल बनाने में लगभग 150 लीटर पानी की आवश्यकता पड़ती है। जब एक लीटर केमिकल तैयार हो जाता है, तो फैक्ट्री संचालक 149 लीटर बचा हुआ जहरीला पानी धरती माता की कोख में डालकर उसे संदूषित कर देते हैं। यह प्रदूषित जल इतना खतरनाक है कि इससे कैंसर हो जाता है। इन फैक्ट्रियों में बिना सुरक्षा के काम कर रहे मजदूरों को भी कैंसर होने की संभावना है।

एन्वायरनमेंटल क्लीयरेंस : एक व्यक्ति आयुष गर्ग ने जब शिकायत की, तो प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का मुख्यालय हरकत में आया। अब बोर्ड ने सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि क्षेत्रीय अधिकारियों ने कई फॉर्मेल्डिहाइड मैन्युफैक्चरिंग फैक्ट्रियों को कंसेंट टू एस्टेब्लिश (सीटीई) और कंसेट टू ऑपरेट (सीटीओ) दी हुई है। इसमें इस तथ्य की अनदेखी की गई है कि इन फैक्ट्रियों को ईआईए नोटिफिकेशन, 2006 की धारा 5(एफ) के अंतर्गत प्रिअर एन्वायरनमेंटल क्लीयरेंस की जरूरत है। इसलिए प्रक्रिया के तहत इन्हीं दी गई सीटीई और सीटीओ वापस ली जाए।

जान सांसत में

यक्ष प्रश्न यह है कि जब केंद्र और राज्य सरकार की अनुमति नहीं थी, तो प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी इन कारखानों को क्यों चलने दे रहे थे। फिलहाल बोर्ड के हरकत में आने से फैक्ट्री संचालकों और अधिकारियों दोनों की जान सांसत में है।

फॉर्मेल्डिहाइड से कैंसर का खतरा

अमेरिकी सरकार ने फॉर्मेल्डिहाइड को 'ज्ञात कार्सिनोजेन' के रूप में सूचीबद्ध किया है, जिसका अर्थ है कि यह कैंसर के जोखिम को बढ़ाता है। जो फॉर्मेल्डिहाइड के साथ नियमित रूप से काम करते हैं, उन्हें सुरक्षा उपकरणों की जरूरत होती है। फॉर्मेल्डिहाइड धुएं के संपर्क में आने से अस्थमा हो सकता है और साइनस मार्ग और त्वचा की अस्थायी या स्थायी संवेदनशीलता हो सकती है। अमेरिका में इमारतों की इसलिए निगरानी की जाती है कि उनकी हवा में फॉर्मेल्डिहाइड का उच्च स्तर न हों, जो खतरनाक हो सकता है, क्योंकि फॉर्मेल्डिहाइड का उपयोग कई निर्माण सामग्री के उत्पादन और परिष्करण में किया जाता है। इसीलिए यूरोपीय संघ ने सुरक्षा चिंताओं के कारण कुछ फॉर्मेल्डिहाइड युक्त और फॉर्मेल्डिहाइड उपचारित उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। इतना ही नहीं, ऐसी फैक्ट्रियों पर दिल्ली में भी प्रतिबंध है।

बिना एनओसी चल रही थीं फैक्ट्रियां, इनसे है कैंसर का खतरा

मैसर्स जेड लैंडहोल्डिंग एलएलपी
एलएलपी संख्या : AAB-4222
पंजीकृत कार्यालय: 60बी, सैनिक फार्म नई दिल्ली -110062, एन.सी.आर.
समक्ष भारत सरकार,
कंपनी रजिस्ट्रार, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, चौथवीं मंजिल, आईएफसीआई टॉवर,61, नेहरू प्लेस,नई दिल्ली-19, एन.सी.आर
मामला : सीमित दायित्व भागीदारी अधिनियम, 2008 की धारा 13 (3)
तथा
मामला:मेसर्स ज़ेड लैंडहोल्डिंग एलएलपी, एक सीमित दायित्व भागीदारी, जिसका पंजीकृत कार्यालय 60 बी, सैनिक फार्म नई दिल्ली-62, एन.सी.आर.में स्थित है ....आवेदक।
सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैसर्स ज़ेड लैंडहोल्डिंग एलएलपी द्वारा दिनांक 3.10.19 को आयोजित सभी भागीदारों की बैठक में पारित विशेष प्रस्ताव के संदर्भ में, एलएलपी के समझौते के परिवर्तन की पुष्टि के लिए सीमित दायित्व भागीदारी अधिनियम 2008 की धारा 13 (3) के तहत केंद्र सरकार को एलएलपी को सक्षम/अधिकार प्रदान करने के लिए एक आवेदन करने का प्रस्ताव करता है, ताकि अपने पंजीकृत कार्यालय को नई दिल्ली "एन.सी.आर. राज्य" में भुवनेश्वर में "ओडिशा राज्य" में परिवर्तन /स्थानांतरित कर सके। कोई भी व्यक्ति जिस के हितों की एलएलपी के पंजीकृत कार्यालय के प्रस्तावित परिवर्तन से प्रभावित होने की संभावना है, वह अपनी हितों और विरोध के आधार को बताते हुए हलफनामे द्वारा समर्थित अपनी आपत्तियां या तो MCA-21 पोर्टल(www.mca.gov.in) पर या निवेशक शिकायत फार्म भरकर/पंजीकृत डाक से कंपनी रजिस्ट्रार, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय,चौथवीं मंजिल,आईएफसीआई टॉवर, 61,नेहरू प्लेस,नई दिल्ली-19,एन.सी.आर को इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से चौदह दिनों के भीतर आवेदक एलएलपी को एक कॉपी के साथ उपरोक्त पते पर उसके पंजीकृत कार्यालय में भेज सकते हैं।
आवेदक द्वारा और उसकी तरफ से,
मैसर्स जेड लैंडहोल्डिंग एलएलपी
हस्ताक्षर/- जगदीप सिंह पाहवा नामित पार्टनर,
दिनांक: 15.10.2019 स्थित: नई दिल्ली

ऋण वसूली न्यायाधिकरण-।।.
दिल्ली चतुर्थ तल, जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001
बिक्री सूचना की उद्घोषणा
निम्नलिखित सम्पत्ति आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड विरूद्ध हरदीप सिंह ओ.ए. नंबर 1183/2018 तथा आई.ए. नंबर 1768/19 के मामले में बकाया राशि की वसूली के लिए "जैसा है जहां है आधार" तथा "जैसा है जो है आधार" पर नीलामी के माध्यम से बेची जाएगी।
1. सम्पत्ति का वर्णन :
मेक : AUDI Q5 3.0 TDI
रजि. नंबर : HR26BG2565
विनिर्माण वर्ष : 2010
सुरक्षित मूल्य — रू. 5,85,000/—
ईएमडी — रू. 58,500/—
2. नीलामी की तिथि एवं समयः
17—12—2019
3. नीलामी का स्थान : रिधी गोदरा यार्ड, कटारिया चौक, सेक्टर—17, सुखराली गांव एयर फोर्स स्टेशन की पीछे, गुड़गांव
4. प्रबंधक : श्री शंकर कपूर
मोबाइल नंबर : 9650193259
बिक्री की शर्तें
उक्त आस्ति का यहां ऊपर विनिर्दिष्ट विवरण अधोहस्ताक्षरी की सर्वश्रेष्ठ जानकारी एवं ज्ञान के अनुसार वर्णित किया गया है, जो तथापि, उक्त विवरण में किसी त्रुटि, मिथ्याकथन अथवा विलोपन के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे।
अतएव इच्छुक प्रतिमागी/प्रतिभागियों से उनके अपने हित में अनुरोध है कि वे बोली देने से पहले उक्त आस्ति और उससे संबंधित अन्य विवरण के बारे में अपनी संतुष्टि कर लें।
इच्छुक बोलीदाताओं को संबंधित वाहन हेतु उपरिवर्णित अनुसार धरोहर राशि आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, दिल्ली के पक्ष में तथा दिल्ली में देय पे ऑर्डर/डिमांड ड्राफ्ट के रूप में जमा करनी होगी। सफल उच्चतम बोलीदाता को शेष राशि उसको अनुमोदन की सूचना दी जाने से 5 दिन के भीतर जमा करनी होगी।
ऊपर वर्णित अनुसार राशि जमा करने में असफल रहने पर, पहले जमा की जा चुकी धरोहर राशि की रकम जब्त कर ली जाएगी।
इच्छुक बोलीदाताओं से दिनांक 17 दिसम्बर, 2019 को भौतिक नीलामी में भाग लेने अथवा बैंक प्रबंधक श्री शंकर कपूर को कॉल करने का अनुरोध किया जाता है।

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given to the General Public that M/s. Sun Rise E Waste Pvt. Ltd. is absolute Owner of Property No. 1/1027, Measuring 300 Sq.Yds., Khasra No. 2967/983/445, Situated at Shahdara, New Delhi. By Virtue of registered Sale Certificate dated 20.09.2019, having Registration No. 5740, executed by Corporation Bank. All persons including bank, NBFC's are hereby informed that the above mentioned owner want to take a Loan against the said property, from our client, if anybody has any objection/s upon the said property, and its ownership kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.
For Kumar & Associates
(Advocates & Consultants)
200, Second Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, New Delhi-15 Ph : 011 - 41112527-28
kumarassociates.advocate@gmail.com

ऋण वसूली न्यायाधिकरण-।।.
दिल्ली चतुर्थ तल, जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001
बिक्री सूचना की उद्घोषणा
निम्नलिखित सम्पत्ति आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड विरूद्ध ओमिड इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड ओ.ए. नंबर 955/2018 तथा आई.ए. नंबर 198/19 के मामले में बकाया राशि की वसूली के लिए "जैसा है जहां है आधार" तथा "जैसा है जो है आधार" पर नीलामी के माध्यम से बेची जाएगी।
1. सम्पत्ति का वर्णन :
मेक : बेन्ज़ एस 350 सीडीआई
रजि. नंबर : DL9CX1000
विनिर्माण वर्ष : 2010
सुरक्षित मूल्य — रू. 6,50,000/—
ईएमडी — रू. 65,000/—
2. नीलामी की तिथि एवं समय :
17—12—2019 पूर्वा. 11.00 बजे
3. नीलामी का स्थान : रिधी गोदरा यार्ड, कटारिया चौक, सेक्टर—17, सुखराली गांव एयर फोर्स स्टेशन की पीछे, गुड़गांव
4. प्रबंधक : श्री शंकर कपूर
मोबाइल नंबर : 9650193259
बिक्री की शर्तें
उक्त आस्ति का यहां ऊपर विनिर्दिष्ट विवरण अधोहस्ताक्षरी की सर्वश्रेष्ठ जानकारी एवं ज्ञान के अनुसार वर्णित किया गया है, जो तथापि, उक्त विवरण में किसी त्रुटि, मिथ्याकथन अथवा विलोपन के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे। अतएव इच्छुक प्रतिमागी/प्रतिभागियों से उनके अपने हित में अनुरोध है कि वे बोली देने से पहले उक्त आस्ति और उससे संबंधित अन्य विवरण के बारे में अपनी संतुष्टि कर लें।
इच्छुक बोलीदाताओं को संबंधित वाहन हेतु उपरिवर्णित अनुसार धरोहर राशि आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, दिल्ली के पक्ष में तथा दिल्ली में देय पे ऑर्डर/डिमांड ड्राफ्ट के रूप में जमा करनी होगी। सफल उच्वतम बोलीदाता को शेष राशि उसको अनुमोदन की सूचना दी जाने से 5 दिन के भीतर जमा करनी होगी।
ऊपर वर्णित अनुसार राशि जमा करने में असफल रहने पर, पहले जमा की जा चुकी धरोहर राशि की रकम जब्त कर ली जाएगी।
इच्छुक बोलीदाताओं से दिनांक 17 दिसम्बर, 2019 को भौतिक नीलामी में भाग लेने अथवा बैंक प्रबंधक श्री शंकर कपूर को कॉल करन का अनुरोध किया जाता है।

ऋण वसूली न्यायाधिकरण ।।.
दिल्ली चतुर्थ तल, जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001
बिक्री सूचना की उद्घोषणा
निम्नलिखित सम्पत्ति आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड विरूद्ध वीना ट्रांस सॉल्यूशन्स प्रा. लि. ओ.ए. नंबर 284/2019 तथा आई.ए. नंबर 2360/19 के मामले में बकाया राशि की वसूली के लिए "जैसा है जहां है आधार" तथा "जैसा है जो है आधार" पर नीलामी के माध्यम से बेची जाएगी।
1. सम्पत्ति का वर्णन :
मेक : TOYOTA FORTUNER 4X4 AT
रजि. नंबर : HP12L1391
विनिर्माण वर्ष : 2016
सुरक्षित मूल्य — रू. 12,50,000/—
ईएमडी — रू.1,25,000/—
2. नीलामी की तिथि एवं समय :
17—12—2019
3. नीलामी का स्थान : रिधी गोदरा यार्ड, कटारिया चौक, सेक्टर—17, सुखराली गांव एयर फोर्स स्टेशन की पीछे, गुड़गांव
4. प्रबंधक : शंकर कपूर
मोबाइल नंबर : 9650193259
बिक्री की शर्तें
उक्त आस्ति का यहां ऊपर विनिर्दिष्ट विवरण अधोहस्ताक्षरी की सर्वश्रेष्ठ जानकारी एवं ज्ञान के अनुसार वर्णित किया गया है, जो तथापि, उक्त विवरण में किसी त्रुटि, मिथ्याकथन अथवा विलोपन के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे। अतएव इच्छुक प्रतिमागी/प्रतिभागियों से उनके अपने हित में अनुरोध है कि वे बोली देने से पहले उक्त आस्ति और उससे संबंधित अन्य विवरण के बारे में अपनी संतुष्टि कर लें।
इच्छुक बोलीदाताओं को संबंधित वाहन हेतु उपरिवर्णित अनुसार धरोहर राशि आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, दिल्ली के पक्ष में तथा दिल्ली में देय पे ऑर्डर/डिमांड ड्राफ्ट के रूप में जमा करनी होगी। सफल उच्चतम बोलीदाता को शेष राशि उसको अनुमोदन की सूचना दी जाने से 5 दिन के भीतर जमा करनी होगी।
ऊपर वर्णित अनुसार राशि जमा करने में असफल रहने पर, पहले जमा की जा चुकी धरोहर राशि की रकम जब्त कर ली जाएगी।
इच्छुक बोलीदाताओं से दिनांक 17 दिसम्बर, 2019 को भौतिक नीलामी में भाग लेने अथवा बैंक प्रबंधक श्री शंकर कपूर को कॉल करने का अनुरोध किया जाता है।

भौतिक कब्जे की सूचना
ICICI Bank
शाखा कार्यालय: आईसीआईसीआई बैंक द्वितीय तल, वीडियोकॉन टॉवर, झंडेवालान एक्स., नई दिल्ली- 110055
जबकि
अधोहस्ताक्षरी ने वित्तिय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रुप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे वर्णित कर्जदारों को मांग सूचनाएं निर्गमित की थी जिसमें उक्त सूचना के प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि को प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।
कर्जदार/सह-कर्जदार/जमानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे है अतएव एतद् द्वारा कर्जदार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षर दाता द्वारा भौतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है एतद् द्वारा विशेष रुप से कर्जदार एवं जनसाधारण को सम्पत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा सम्पत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र.	कर्जदार/ सह-कर्जदार का नाम/ खाता क्र.	सम्पति का विवरण/ भौतिक कब्जे की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	साकिब खान/ श्वेता वर्मा/ LBFDB00002888181	फ्लैट नंबर 1103, 11वीं मंजिल, टॉवर ए, गोदरेज समिट सेक्टर- 104, गुड़गांव/ 29 नवंबर, 2019	फरवरी 06, 2019 ₹. 1,74,29,395.00/-	दिल्ली/ एनसीआर

उपरोक्त दर्शाये गये कर्जदार/सह-कर्जदार एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जायेगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 सुरक्षित ब्याज 2002 के अंतर्गत है।
दिनांक: दिसम्बर 04, 2019
स्थान: दिल्ली/एनसीआर
प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

भौतिक कब्जे की सूचना
ICICI Bank
शाखा कार्यालय: आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, शाल टॉवर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली
जबकि
अधोहस्ताक्षरी ने वित्तिय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रुप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे वर्णित कर्जदारों को मांग सूचनाएं निर्गमित की थी जिसमें उक्त सूचना के प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि को प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।
कर्जदार/सह-कर्जदार/जमानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे है अतएव एतद् द्वारा कर्जदार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षर दाता द्वारा भौतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है एतद् द्वारा विशेष रुप से कर्जदार एवं जनसाधारण को सम्पत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा सम्पत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र.	कर्जदार/ सह-कर्जदार का नाम/ खाता क्र.	सम्पति का विवरण/ भौतिक कब्जे की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	इंद्रानील कराल/ आनंद विक्रम सिंह/ LBDEL00001765014	फ्लैट नंबर एन/ 1802, 18वीं मंजिल, ब्लॉक एन, जयपुरिया सनराइज ग्रीन्स, प्लॉट नंबर 12 ए, इंदिरापुरम, गाजियाबाद/ 28 नवंबर 2019	जून 30, 2014 ₹. 30,96,589/-	दिल्ली/ एनसीआर

उपरोक्त दर्शाये गये कर्जदार/सह-कर्जदार एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जायेगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 सुरक्षित ब्याज 2002 के अंतर्गत है।
दिनांक: दिसम्बर 04, 2019
स्थान: दिल्ली/एनसीआर
प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

देश की जनता ने मोदी को कठोर निर्णय लेने के लिए भेजा है : प्रधानमंत्री

● प्रधानमंत्री ने कहा- मैं राजनीति के हिसाब किताब नहीं करता हूं मैं सिर्फ देशनीति को देखता हूं

भाषा। जमशेदपुर

जमशेदपुर में एक चुनावी रैली के दौरान लोगों का अभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व साथ में झारखंड के मुख्यमंत्री रघुबर दास

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की सरकारों पर अनिर्णय की स्थिति पैदा करने और देश के लिए महत्वपूर्ण मसलों को लटकाए रखने का आरोप लगाते हुए कहा कि देश की जनता ने उन्हें कठोर निर्णय लेने के लिए चुन कर भेजा है और वह देश हित में बड़े फैसले ले रहे हैं।

मोदी ने चुनावी रैली में कहा, आजादी के बाद से हिंदुस्तान के हर कोने में जम्मू कश्मीर और 370 की चर्चा चल रही थी। संविधान में 370 को अस्थाई लिखा था, लेकिन एक टोली उसे स्थाई बनाने में जुटी थी, कोई उसे हाथ लगाने को तैयार नहीं था, लेकिन देश की जनता ने मोदी को कठोर निर्णय लेने के लिए भेजा है। मैं राजनीति के हिसाब किताब नहीं करता हूं मैं सिर्फ देशनीति को देखता हूं। इसलिए दशकों से लटका 370 खत्म हो सका। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार राम मंदिर के राष्ट्रीय महत्व के इतने बड़े मसले को साजिशन लटकाया गया। उन्होंने कहा कि संवेदनशीलता हो या फिर मुश्किल फैसले लेने का साहस, ए सिर्फ भाजपा की सरकारों ने करके दिखाया है। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने पहले षड्यंत्र करके राम जन्मभूमि मामले को उलझाया, लटकाया और अपनी राजनीति के लिए उसका उपयोग किया। लेकिन आज इतना बड़ा मामला शांति से निपट गया। हर समाज ने उसका स्वागत किया और भाईचारा मजबूत हुआ। यही तो राम जी की ताकत है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने अपनी सरकार के पांच साल के कार्यकाल में झारखंड की रेल परियोजनाओं के लिए सिर्फ 2 हजार करोड़ रुपए आवंटित किए थे जबकि भाजपा सरकार पिछले पांच वर्ष में इसका 5 गुना अर्थात 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक झारखंड को रेल परियोजनाओं के लिए दिए। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले के पांच वर्ष में जहां झारखंड में 300 किलोमीटर से कम की रेल लाइनें चालू हुईं तो केंद्र में भाजपा शासन के दौरान लगभग 700 किलोमीटर रेलवे लाइनें बनीं। मोदी ने कहा कि भारत में ही बने स्टील से आज रेलवे ट्रैक, मेट्रो ट्रैक और वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी आधुनिक ट्रेनें बन रही हैं। आने वाले समय में स्टील की मांग और उत्पादन और तेज होने वाला है इससे झारखंड में स्टील उद्योग के विस्तार की पूरी संभावना है।

भाजपा सरकार ने नक्सलवाद की कमर तोड़ी : मोदी

खूंटी (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भाजपा सरकार ने जिस प्रकार से नक्सलवाद की कमर तोड़ी है, उससे डर का माहौल कम हुआ है। मोदी ने मंगलवार को झारखंड विधानसभा के चुनावों के लिए दूसरे चरण के मतदान से पूर्व भाजपा के चुनाव प्रचार को गति देते हुए यहां जनसभा में कहा, जिस प्रकार भाजपा सरकार ने नक्सलवाद की कमर तोड़ी है उसे बहुत ही छोटे इलाके तक समेट लिया है उससे डर का माहौल कम हुआ है। इससे विकास का माहौल बना है। उन्होंने कहा, हालांकि, 30 नवंबर को निराशा में डूबे हुए लोगों ने, ऐसे लोगों ने जिन्हें झारखंड की जनता नकार चुकी है, पहले चरण के मतदान के समय यहां माहौल खराब करने की बहुत कोशिश की। पूरे देश ने ए देखा है। लेकिन, राज्य के लोगों ने इन कोशिशों को नाकाम कर दिया। उन्होंने दावा किया कि पहले चरण के मतदान के बाद तीसरी बात यह स्पष्ट हुई है कि झारखंड के लोगों में भाजपा सरकार के प्रति एक विश्वास की भावना है और वह राज्य में डबल इंजन की सरकार चाहती है। लोगों को पता है कि यहां विकास सिर्फ भाजपा सरकार ही कर सकती है। लोगों ने पिछले पांच वर्षों में केन्द्र और झारखंड में भाजपा की सरकार होने के लाभ देखे हैं।

मोदी ने कहा, केन्द्र सरकार ने जो भी योजनाएं गरीबों के कल्याण के लिए बनाईं उन्हें राज्य की सरकार ने लोगों के घरों तक पहुंचा दिया। उन्होंने कहा कि बिना जाति, धर्म और संप्रदाय के भेदभाव के भाजपा की सरकार सभी के विकास के लिए तेजी से काम कर रही है। हर घर में बिजली, पानी और शौचालय पहुंचाने का काम इस सरकार ने किया है। मोदी ने कहा, कांग्रेस और झामुमो की सरकार ने लोगों को झोपड़ियों में रहने को मजबूर किया था लेकिन हमारी सरकार ने लोगों को पक्का मकान दिया है और वर्ष 2022 तक जब देश की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होंगे तो देश में सबका अपना पक्का मकान होगा, इसका प्रण किया है। उन्होंने कहा कि धर्म जाति या पंथ के भेद के बिना हम सभी झारखंडवासियों के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज झारखंड में 40 मेगावाट सौर उर्जा पैदा हो रही है। उन्होंने कहा कि रांची के गैतल सूद बांध और धुर्वा बांध में देश के सबसे बड़े तैरते सोलर पैनल सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने कहा कि झारखंड की भाजपा सरकार ने 60 हजार भूमि के पट्टे आदिवासियों और गरीबों को दिए और नई सरकार बनने पर शेष पट्टे भी गरीबों को दे दिए जाएंगे।

मोदी ने कहा, कांग्रेस और उसके साथियों से सावधान रहने की जरूरत है, उनका इतिहास आपको पता है, उनके कारनामे आपको याद हैं, उनकी नजर सिर्फ और सिर्फ यहां की प्राकृतिक संपदा पर है और अगर वह आए तो फिर से झारखंड को लूटना यही उनका एजेंडा है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, ए लोग सत्ता में वापसी के लिए इतना छटपटा रहे हैं कि आपके बीच झूठ फैला रहे हैं। डर और भ्रम फैला रहे हैं। ए नहीं चाहते कि यहां उद्योग लगे। यहां बजट में बढ़ोत्तरी हो। उनको पता है कि अगर ऐसा हुआ तो गरीबों के पास पैसा आने लगेगा जिससे कांग्रेस, झामुमो नेताओं की कोई पूछ नहीं रहेगी, उनकी कोई कीमत नहीं रहेगी।

कोयम्बटूर के पास मेट्टुपालयम तालुक के नादुर गांव में दीवार ढहने के स्थल का दौरा करते तमिलनाडु के मुख्य मंत्री एदपादी पलानीसामी उपमुख्यमंत्री ओ पन्नीर सेल्वम व अन्य

सुब्रमण्यम की खोज के बाद भारत में सिटिजन साइंस को लेकर जागरूकता बढ़ी

चंद्रयान-2

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय इंजीनियर षनमुगा सुब्रमण्यम की मदद से नासा द्वारा चंद्रयान-दो के लैंडर विक्रम के दुर्घटना स्थल को खोजने के साथ ही भारत में और पूरी दुनिया में सिटिजन साइंस को नई ताकत और हौसला मिला है। इस क्षेत्र के शौकिया जानकार मुक्त आंकड़ों के उपलब्ध होने पर नई ऊंचाइयों को छू सकते हैं। सिटिजन साइंस के तहत आम जनता द्वारा प्राकृतिक दुनिया से संबंधित आंकड़ों का संग्रह और विश्लेषण किया जाता है।

चंद्रयान-2 का विक्रम लैंडर चंद्रमा की सतह पर जिस जगह दुर्घटनाग्रस्त हुआ, उसकी खोज भी इस वजह से हो सकी क्योंकि नासा ने आम नागरिकों को विश्लेषण और व्याख्या के लिए आंकड़े उपलब्ध कराए थे। चेन्नई स्थित मैकेनिकल इंजीनियर ने इन्हीं आंकड़ों का इस्तेमाल किया। नासा के अन्वेषण मिशन योजना कार्यालय के प्रमुख नजूद महूम मेरांसी ने सुब्रमण्यन की तारीफ करते हुए एक ट्वीट कर सिटिजन साइंस की भूमिका को भी स्वीकार किया। उन्होंने लिखा, ए देखना बढ़िया है कि नासा एलआरओ के साथ सिटिजन साइंस सक्रिय है।

टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर) के खगोल वैज्ञानिक सुदीप भट्टाचार्य के अनुसार विज्ञान के प्रति इस समुदाय-आधारित दृष्टिकोण के साथ ही उनके साथ हर कदम पर मार्गदर्शन करने वाले पेशेवर सहयोगी भी होने चाहिए। भट्टाचार्य ने भाषा को एक ईमेल साक्षात्कार में बताया, वैज्ञानिक प्रगति के लिए ब्रह्मांडीय स्रोतों के आंकड़ों का उपयोग करने वाले अधिकांश नागरिक प्रयासों के लिए यह आवश्यक है कि उन्हें विशेषज्ञ पेशेवर खगोलविदों द्वारा निर्देशित किया जाए। उन्होंने कहा कि ए मार्गदर्शन इसलिए जरूरी है ताकि आंकड़ों की व्याख्या गैर-वैज्ञानिक दिशा में न चली जाए। उन्होंने कहा कि खगोल विज्ञान तेजी से मुक्त आंकड़ों पर आधारित विज्ञान बन रहा है, जहां नागरिक नए ग्रहों, धूमकेतु, क्षुद्रग्रहों और अन्य ब्रह्मांडीय स्रोतों की खोज कर सकते हैं और ब्रह्मांड के रहस्यों को जानने के लिए भाग ले सकते हैं। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा कि यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के मिशन गैया सेटेलाइट के तहत हमारी आकाशगंगा का त्रिआयामी मानचित्र बनाया गया है और इसके तहत अरबों तारों के आंकड़े मुफ्त उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि गैया अभिलेखागार वेबसाइट पर उपलब्ध टूल्स का उपयोग करके आकाशगंगा में तारों जैसे कई नए प्रकाश स्रोतों के बारे में पता लगाया जा सकता है। भौतिकी के नए पहलुओं के बारे में भी जानकारी जुटाई जा सकती है। सुब्रमण्यम की खोज के बाद सिटिजन साइंस की चर्चा तेज है, लेकिन भारत में विभिन्न क्षेत्रों में इसका इस्तेमाल किया जाता रहा है। उदाहरण के लिए करीब एक दशक पहले भारत के इंडिया बायोडायवर्सिटी पोर्टल ने भारत की सभी प्रजातियों के आंकड़े जमा करने के लिए एक पहल शुरू की।

जोखिम उठाने की इच्छा जगाएं छात्र : सिवन

जयपुर (भाषा)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख के. सिवन ने मंगलवार को छात्रों को जोखिम लेने और विचार-विमर्श की क्षमता व इच्छा जगाने की सलाह दी। वह राजस्थान के अजमेर स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय के छठे दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सफलता पाने के लिए जोखिम उठाना जरूरी क्षमता है। उन्होंने कहा कि सोच विचार, सहयोग की क्षमता, जिज्ञासा, कल्पनाशीलता चरित्र निर्माण के पहलू है और छात्रों को उनका विकास करना चाहिए। विश्वविद्यालय के कुलपति के कस्तूरीरंगन ने एक रोल मॉडल बनने और अच्छे नेतृत्व के गुणों को विकसित करने की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, उन्होंने उदार शिक्षा और शिक्षकों की शिक्षा और प्रशिक्षण की भूमिका पर भी जोर दिया।

गडकरी का कागज आयात कम करने पर जोर

● घरेलू उद्योगों को मिले बढ़ावा

भाषा। नई दिल्ली

देश में विविध प्रकार के कागज उद्योग की मौजूदगी के बावजूद बड़ी मात्रा में कागज के आयात पर चिंता व्यक्त करते हुए केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने घरेलू कागज उद्योग को बढ़ावा दिए जाने की जरूरत बताई। उन्होंने कागज उद्योग में कच्चे माल के तौर पर बांस का इस्तेमाल बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि सरकार ने बांस मिशन के लिए बजट में 1,300 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं।

केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यम (एमएसएमई) मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को प्रगति मैदान में तीन दिवसीय कागज उद्योग प्रदर्शनी पेपरेक्स 2019 का उद्घाटन करते हुए कहा, देश में कागज के विविध क्षेत्रों की मौजूदगी के बावजूद बड़े पैमाने पर आयात हो रहा है। मैं खासतौर से छोटी कागज और पल्प इकाइयों की वृद्धि संभावनाओं को लेकर चिंतित हूं। यह क्षेत्र एमएसएमई का महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्रदर्शनी के उद्घाटन सत्र में गडकरी का वीडियो संदेश सुनाया गया। उन्होंने कागज उद्योग में बांस और उसके पल्प के अधिक से अधिक इस्तेमाल पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बांस का उपयोग बढ़ने से कागज उद्योग और किसान दोनों को फायदा होगा। सम्मेलन का आयोजन इंडियन एग्रो एंड रिसाइकिल्ड पेपर मिल्स एसोसिएशन (आईएआरपीएमए) की इकाई इनपेपर इंटरनेशनल द्वारा किया जा रहा है। कागज की बढ़ती मांग के चलते 2025 तक इसकी मांग मौजूदा एक करोड़ 85 लाख टन से बढ़कर ढाई करोड़ टन तक पहुंच जाने का अनुमान है। आईएआरपीएमए के महासचिव पी जी मुकुंदन ने इस अवसर पर कहा, उभरती हुई नई जीवन शैली और पर्यावरण के अनुकूल पैकेजिंग विभिन्न प्रकार के कागज के विकास का अवसर प्रदान करते हैं। कागज उद्योग में विकास की व्यापक संभावनाएं हैं। ग्राहक अब पर्यावरण अनुकूल विकल्प के तौर पर कागज को प्राथमिकता देने लगे हैं। सिंगल यूज प्लास्टिक के बजाय कागज का इस्तेमाल बढ़ रहा है।

बैंकों के विलय से कोई नौकरी नहीं जाएगी

नई दिल्ली (भाषा)। सार्वजनिक क्षेत्रों के विभिन्न बैंकों के विलय से नौकरियां जाने की आशंका को खारिज करते हुए सरकार ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि इससे किसी की नौकरी नहीं जाएगी बल्कि कर्मचारियों के हितों की रक्षा होगी तथा ग्राहकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

● ग्राहकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी : सरकार

वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर ने उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों के जवाब में कहा कि विभिन्न बैंकों के विलय से वे मजबूत और प्रतिस्पर्धी होंगे। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया गया है कि किसी भी कर्मचारी की नौकरी नहीं खत्म हो। उन्होंने कहा कि बैंकों के विलय से कर्मचारियों को अधिकतम लाभ होगा और विलय में उनके हितों को ध्यान में रखा रहा है। ठाकुर ने कहा कि विलय प्रक्रिया के दौरान हमने पर्याप्त सावधानी बरती है।

नगालैंड के कोहिमा में किमामा गांव में हॉर्नबिल उत्सव के तीसरे दिन मंगलवार को अपने पारंपरिक परिधान में नागा आदिवासी

शिवसेना ने महाराष्ट्र के केंद्रीय फंड को लेकर सांसद हेगड़े के दावे पर वित्त मंत्री से जवाब मांगा

भाषा। नई दिल्ली

लोकसभा में शिवसेना के एक सदस्य ने बुलेट ट्रेन सहित विभिन्न विकास परियोजनाओं के लिए केंद्र की ओर से महाराष्ट्र को दिए गए 40 हजार करोड़ रूपए के कोष को कथित तौर पर लौटाए जाने के मुद्दे पर वित्त मंत्री से जवाब मांगा। शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए शिवसेना के विनायक राऊत ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से महाराष्ट्र में बुलेट ट्रेन सहित विकास परियोजनाओं के लिए 40 हजार करोड़ रुपए दिए गए थे और इस धनराशि को वापस लिए जाने की बात सामने आई है। उन्होंने कहा कि यह बात भाजपा के सांसद अनंत हेगड़े ने मीडिया से कही है। राऊत ने कहा कि हेगड़े ने मीडिया में बताया कि महाराष्ट्र में 80 घंटे की सरकार के दौरान 40 हजार करोड़ रुपए केंद्र को लौटा दिए गए। शिवसेना सदस्स ने कहा, मैं इस विषय पर वित्त मंत्री से स्थिति स्पष्ट करने की मांग करता हूं।

भाजपा की तुलना में शिवसेना के साथ काम करना कठिन नहीं : पवार

भाषा। नई दिल्ली

राकांपा प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि भाजपा के साथ गठबंधन की तुलना में शिवसेना के साथ गठबंधन कठिन नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके भतीजे अजित पवार ने पार्टी के साथ बगावत की थी क्योंकि महाराष्ट्र में कांग्रेस के साथ जिस तरह से वार्ता चल रही थी उससे वह पूरी तरह नाराज थे।

धर्मनिरपेक्ष कांग्रेस-राकांपा और दशकों तक उग्र हिंदुत्व की विचारधारा की समर्थक शिवसेना के बीच गठबंधन के वास्तुकार पवार ने कहा कि विचारधारा के स्तर पर अलग होने के बावजूद गठबंधन के बीच पूर्ण समझदारी है। उन्होंने विश्वास जताया कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में महाराष्ट्र की सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अपनी वार्ता के बारे में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख ने एनडीटीवी से कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री से कहा कि उनकी पार्टी के लिए भाजपा के साथ काम करना संभव नहीं होगा। उन्होंने कहा, हमारे लिए भाजपा की तुलना में शिवसेना के साथ काम करना कठिन नहीं है। हम वह मार्ग नहीं पकड़ सकते थे।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ अजित पवार के हाथ मिलाने के बारे में पूछने पर शरद पवार ने कहा, वह हमारे बीच चर्चा के बीच से ही लौट गए थे और कांग्रेस व हमारे बीच वार्ता से वह बहुत खुश नहीं थे। वह पूरी तरह नाखुश थे। उस स्थिति में उन्होंने ऐसा निर्णय किया। देवेन्द्र फडणवीस ने 23 नवम्बर की सुबह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और अजित पवार उपमुख्यमंत्री बने थे। पवार ने कहा, लेकिन उन्हें महसूस हुआ कि यह सही निर्णय नहीं है और इसलिए अगली सुबह वह आए, मुझे देखा और इन सबसे अलग हो गए। बहरहाल, उन्होंने कहा कि राकांपा में उनके भतीजे की अच्छी पकड़ है लेकिन यह बताने से इंकार कर दिया कि महाराष्ट्र की नई सरकार में उनके भतीजे को उपमुख्यमंत्री का पद मिलेगा अथवा नहीं।

हिंद महासागर में चीन के पोतों की जासूसी बढ़ी हैं : नौसेना अधिकारी

कोलकाता (भाषा)। पिछले कुछ वर्षों में चीनी नौसैनिक पोतों द्वारा हिंद महासागर में जासूसी की घटनाएं बढ़ गई हैं लेकिन भारतीय नौसेना इस तरह की गतिविधियों पर प्रभावी नजर रख रही है। बंगाल क्षेत्र के नौसेना के प्रभारी अधिकारी कोमोडोर सुप्रभो डे ने मंगलवार को बताया कि हिंद महासागर में कुछ प्रमुख क्षेत्र हैं जिससे नौसेना को क्षेत्र में चल रही गतिविधियों पर नजर रखने में मदद मिलती है। इसमें बंगाल की खाड़ी भी शामिल है। डे ने यहां नौसेना दिवस की पूर्व संध्या पर कहा, पी-81 समुद्री गश्ती विमान से हम हिंद महासागर में गतिविधियों पर नजर रख सकते हैं। भारत के पास वर्तमान में पी-81 लंबे रेंज के समुद्री गश्ती विमान हैं और नौसेना ने विमान के निर्माता बोइंग से चार और विमान के लिए ऑर्डर दिया है। भारतीय बेड़े में इजाफा ऐसे समय में किया जा रहा है जब चीन की पीपल्स लिबरेशन आर्मी नेवी (पीएलएएन) हिंद महासागर में अपनी गतिविधियां बढ़ा रही है।

धवन के समर्थन में खुलकर आया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड

भाषा। लखनऊ/नई दिल्ली

राम जन्मभूमि बाबरी मस्जिद मामले में मुस्लिम पक्ष के मुख्य वकील राजीव धवन को जमीअत उलमा ए हिंद द्वारा इस मामले में दायर पुनर्विचार याचिका की पैरवी से हटाए जाने के बाद ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने धवन का पक्ष लेते हुए कहा है कि बोर्ड के पक्षकारों की पुनर्विचार याचिका में धवन ही उनके वकील होंगे।

बोर्ड के महासचिव मौलाना वली रहमानी ने एक बयान में कहा कि अयोध्या मामले में धवन ने उच्चतम न्यायालय में जिस समर्पण और ईमानदारी के साथ मुस्लिम पक्ष की बात रखी उसके लिए मुसलमान कौम हमेशा उनकी एहसानमंद रहेगी। उन्होंने कहा कि धवन हमारे साथ वर्ष 1993 से काम कर रहे हैं और उन्होंने देश के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के संरक्षण में अद्वितीय योगदान किया है। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और पूरी मुसलमान कौम उन्हें बहुत इज्जत की नजर से देखती है। रहमानी ने कहा कि वरिष्ठ अधिवक्ता जफरयाब जिलानी तथा अन्य सहयोगी वकील मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड के पक्षकारों की तरफ से पुनर्विचार याचिका दाखिल करने की तैयारी कर रहे हैं और धवन ही इस मामले पर अदालत में पक्ष रखने की अगुवाई करेंगे।

जिलानी ने बताया कि बोर्ड के पक्षकारों की तरफ से पुनर्विचार याचिका एक-दो दिन में दाखिल कर दी जाएगी। मालूम हो कि वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव धवन ने मंगलवार को कहा कि उन्हें अस्वस्थ होने जैसे मूर्खतापूर्ण आधार पर राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद भूमि विवाद प्रकरण से हटा दिया गया है। धवन ने उच्चतम न्यायालय में इस प्रकरण में मुस्लिम पक्षकारों की ओर से पैरवी की अगुवाई की थी। इस प्रकरण में शीर्ष अदालत के नौ नवंबर के फैसले पर पुनर्विचार के लिए मौलाना अरशद मदनी की अध्यक्षता वाले जमीयत उलेमा-ए-हिन्द की ओर से याचिका दायर करने वाले अधिवक्ता एजाज मकबूल ने कहा था कि धवन को अस्वस्थता की वजह से इस मामले से हटा दिया गया है।

राजीव धवन ने इस संबंध में फेसबुक पर एक पोस्ट लिखी है। इसमें उन्होंने कहा है कि अब इस मामले में पुनर्विचार या किसी अन्य तरह से उनका संबंध नहीं है। धवन ने भाषा से कहा, मैंने एकजुटता के

साथ सभी मुस्लिम पक्षकारों की ओर से इस मामले में बहस की थी और ऐसा ही चाहूंगा। मुस्लिम पक्षकारों को पहले अपने मतभेद सुलझाने चाहिए। उन्होंने कहा कि वह मुस्लिम पक्षकारों में दरार नहीं चाहते। वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि अस्वस्थ होने की वजह से उन्हें हटाए जाने के बारे में मकबूल के सार्वजनिक वक्तव्य के बाद ही उन्होंने फेसबुक पर अपनी राय व्यक्त की। उन्होंने कहा, यदि मैं अस्वस्थ हूं तो फिर मैं दूसरे मामलों में यहां न्यायालय में कैसे पेश हो रहा हूं। मुस्लिम पक्षकारों के मसले के प्रति मेरी प्रतिबद्धता है लेकिन इस तरह का बयान पूरी तरह गलत है।

धवन ने सोशल मीडिया पर लिखा कि जमीयत का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता एजाज मकबूल द्वारा उन्हें बाबरी मामले से बर्खास्त कर दिया गया है। उन्होंने लिखा है, एओआर (एडवोकेट ऑन रिकार्ड) एजाज मकबूल, जो जमीयत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, द्वारा (मुझे) बाबरी प्रकरण से हटा दिया गया है। किसी आपत्ति के बगैर ही बर्खास्तगी स्वीकार करने का औपचारिक पत्र भेज दिया है। पुनर्विचार या इस मामले से अब जुड़ा नहीं हूं। धवन ने आगे लिखा है, मुझे सूचित किया गया है कि मदनी ने संकेत दिया है कि मुझे इस मामले से हटा दिया गया है क्योंकि मैं अस्वस्थ हूं। यह पूरी तरह बकवास है। उन्हें मुझे हटाने के लिए अपने एओआर एजाज मकबूल को निर्देश देने का अधिकार है जो उन्होंने निर्देशों (मदनी के) पर किया है। लेकिन इसके लिए बताई जा रही वजह सही नहीं है।

धवन ने जमीयत की ओर से पुनर्विचार याचिका दायर करने वाले एडवोकेट ऑन रिकार्ड एजाज मकबूल को भी दो दिसंबर को अलग से एक पत्र लिखा और इस मामले में पुनर्विचार याचिका तैयार करने से संबंधित पूरे घटनाक्रम का सिलसिलेवार विवरण लिखा।

पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने नौ नवंबर को सर्वसम्मति के फैसले में अयोध्या में 2.77 एकड़ विवादित भूमि पर राम मंदिर के निर्माण का रास्ता साफ करते हुए केन्द्र को निर्देश दिया था कि अयोध्या में प्रमुख स्थल पर मस्जिद निर्माण के लिए सुन्नी वक्फ बोर्ड को पांच एकड़ का भूखंड आबंटित किया जाए। पुनर्विचार याचिका में संविधान पीठ के सर्वसम्मत फैसले पर अंतरिम रोक लगाने का अनुरोध करते हुए अयोध्या में प्रमुख स्थान पर मस्जिद निर्माण के लिए पांच एकड़ का भूखंड आबंटित करने के लिए केन्द्र और उप्र सरकार को न्यायालय के निर्देश पर भी सवाल उठाया गया है। याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता पूरे फैसले और अनेक नतीजों पर पुनर्विचार का अनुरोध नहीं कर रहा है। यह हिन्दुओं के नाम भूमि करने जैसी त्रुटियों तक सीमित है क्योंकि यह एक तरह से बाबरी मस्जिद को नष्ट करने के परमादेश जैसा है और हिन्दू पक्षकारों को इसका अधिकार देते समय कोई भी व्यक्ति इस तरह की अवैधता से लाभ हासिल नहीं कर सकता है।

गांधी परिवार ही नहीं, पूरे देश की सुरक्षा के साथ समझौता किया जा रहा : वाड्रा

नई दिल्ली (भाषा)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की सुरक्षा में कथित तौर पर सेंध लगने से जुड़ी खबर की पृष्ठभूमि में उनके पति रॉबर्ट वाड्रा ने मंगलवार को दावा किया कि मौजूदा समय में पूरे देश की सुरक्षा से समझौता किया जा रहा है उन्होंने फेसबुक पोस्ट में कहा, यह मामला सिर्फ प्रियंका, मेरी बेटी या बेटे, मेरे या गांधी परिवार की सुरक्षा का नहीं है। यह हमारे नागरिकों, विशेष रूप से हमारे देश की महिलाओं को सुरक्षित रखने और सुरक्षित महसूस कराने का है। पूरे देश में सुरक्षा के साथ समझौता किया जा रहा है। वाड्रा ने यह भी कहा, लड़कियों के साथ छेड़छाड़ दुष्कर्म हो रहा है, हम किस तरह का समाज बना रहे हैं? हर नागरिक की सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने सवाल किया, अगर हम अपने देश और घर में सुरक्षित नहीं हैं, सड़कों पर सुरक्षित नहीं हैं, दिन या रात में सुरक्षित नहीं हैं तो हम कहां और किस तरह से सुरक्षित रह सकते हैं?

नागरिकता संशोधन विधेयक 370 खत्म करने वाले विधेयक जैसा ही अहमः राजनाथ

नई दिल्ली में संसद भवन परिसर में भाजपा की एक बैठक के बाद अन्य सांसदों के साथ बाहर आते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

भाषा। नई दिल्ली

भाजपा नेतृत्व ने मंगलवार को नागरिकता संशोधन विधेयक की तुलना जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे से संबंधित अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को समाप्त करने वाले विधेयक से की और पार्टी के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने पार्टी सांसदों से कहा कि जब गृह मंत्री संसद में मसौदा विधेयक को पेश करें तब वे बड़ी संख्या में मौजूद रहें। भाजपा संसदीय दल की मंगलवार को हुई बैठक के दौरान संसद में पार्टी सांसदों के अनुपस्थित रहने का विषय भी उठा। वरिष्ठ नेता एवं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सांसदों को संसद में विधेयकों पर चर्चा एवं पारित होने के समय उनकी कम उपस्थिति पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नाखुशी से अवगत कराया। सूत्रों ने बताया कि सिंह ने पार्टी सांसदों से कहा कि जब गृह मंत्री अमित शाह नागरिकता संशोधन विधेयक पेश करें तब वे बड़ी संख्या में उपस्थित रहें। उन्होंने कहा कि यह मसौदा विधेयक उतना ही महत्वपूर्ण है जितना अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को खत्म करने वाला विधेयक था। सिंह ने नागरिकता संशोधन विधेयक पर विपक्ष की आलोचनाओं को खारिज किया और कहा कि भाजपा हमेशा देश और लोगों को एकजुट करने के लिए काम करती है।

गौरतलब है कि मसौदा विधेयक में पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए ऐसे गैर मुस्लिमों को नागरिकता प्रदान करने की बात कही गई है जो वहां उत्पीड़न का शिकार होते हैं। सूत्रों ने बताया कि सिंह ने पार्टी सांसदों से आने वाले दिनों में महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए जाने के दौरान संसद में उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने बार-बार सांसदों के सदन में अनुपस्थित रहने के विषय पर अपनी बात कही है लेकिन यह विषय अब भी बना हुआ है। पार्टी के संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज मौजूद नहीं थे क्योंकि उनका झारखंड के खूंटी एवं जमशेदपुर में चुनावी रैली को संबोधित करने का कार्यक्रम है। बैठक में पार्टी अध्यक्ष और गृह मंत्री अमित शाह, संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी आदि मौजूद थे। सूत्रों के अनुसार राजनाथ सिंह ने पार्टी सांसदों से कहा कि संसद में विधेयक तो पारित हो रहे हैं लेकिन चर्चा एवं पारित होने के दौरान दल के सांसदों की उपस्थिति कम होती है। विधेयक छोटा हो या बड़ा... सांसदों को सदन में उपस्थित रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि सिंह ने सदन में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी सहित कुछ अन्य विपक्षी नेताओं की टिप्पणियों के संदर्भ में कहा कि भाजपा को विपक्ष की ऐसी टिप्पणियों के प्रति आक्रामक होना चाहिए लेकिन उस स्तर तक नहीं जाना चाहिए जिस स्तर पर विपक्षी सदस्य जाते हैं।

उन्होंने पार्टी सांसदों को जवाब देने के दौरान असंसदीय शब्दों के प्रयोग के प्रति सचेत किया। सिंह ने कहा कि भाजपा पार्टी विद डिफरेंस है। उनकी इस टिप्पणी को पार्टी सांसद प्रज्ञा ठाकुर के नाथूराम गोडसे से जुड़े बयान से जोड़कर देखा जा रहा है। बैठक के दौरान महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने देश में कुपोषण से निपटने में सरकार के प्रयासों के बारे में सांसदों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मई 2018 से पोषण अभियान की शुरूआत की गई और आंगनवाडी केंद्रों में कार्यकर्ताओं को स्मार्ट फोन से लैस किया गया है। इसके अलावा मातृ वंदना योजना को आगे बढ़ाया जा रहा है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

जनता सार्वजनिक परिसंपत्तियों की मालिक, सरकार उनका निजीकरण नहीं कर सकती : माकपा

भाषा। नई दिल्ली

माकपा ने सरकार पर निशाना साधते हुए मंगलवार को कहा कि सार्वजनिक परिसम्पत्तियों की मालिक जनता होती हैं और सरकार उनकी केवल प्रबंधक होती है। सरकार उनका (सार्वजनिक परिसम्पत्तियों का) निजीकरण नहीं कर सकती। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) महासचिव सीताराम एचुरी ने कहा कि देश के लोगों ने किसी भी परिसम्पत्ति के निजीकरण की कोई अनुमति नहीं दी है।

उन्होंने ट्वीट किया, सार्वजनिक परिसम्पत्तियों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की मालिक जनता होती है। सरकारें आती और जाती हैं और वे मात्र प्रबंधक का काम करती हैं। कोई भी प्रबंधक मालिकों-जनता, की अनुमति के बिना सम्पत्तियों को नहीं बेच सकता। सार्वजनिक परिसम्पत्तियों का निजीकरण रोको। वाम नेता ने कहा कि सभी क्षेत्रों में तेज आर्थिक गिरावट से लोगों का जीवन बर्बाद हो रहा है।

एचुरी ने ट्वीट करके कहा, सभी क्षेत्रों में तेज आर्थिक गिरावट से लोगों का जीवन बर्बाद हो रहा है। रोजगार एवं घरेलू मांग बढ़ाने वाले सार्वजनिक निवेश के माध्यम से राहत प्रदान करने के बजाय, मोदी सरकार उद्योगों एवं अमीरों को रियायतें दे रही है।

उन्होंने कहा, मोदी कहते हैं कि भारत पांच ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था होगा। लगातार छठी तिमाही में जीडीपी गिरने से भाजपा सांसद कहते हैं कि जीडीपी समृद्धि का कोई पैमाना नहीं है...। एचुरी ने कहा, भाजपा जहां अपारदर्शी चुनावी बांड के जरिए खुद को समृद्ध कर रही है, वहीं आम भारतीय की दशा सभी देख सकते हैं। गरीबी दर बढ़ रही है।

नायडू ने पोषण गान की शुरुआत की

भाषा। नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने मंगलवार को भारतीय पोषण एंथेम की शुरुआत की जिसका उद्देश्य भारत को 2022 तक कुपोषण मुक्त करना है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने इस गान (एंथेम) की अवधारणा का सुझाव रखा। इसे मशहूर गीतकार प्रसून जोशी ने लिखा है और शंकर महादेवन ने आवाज दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मार्च 2018 में पोषण अभियान मिशन की शुरुआत की थी जिसका उद्देश्य भारत को 2022 तक कुपोषण मुक्त करना है। इसका लक्ष्य गर्भवती महिलाओं, माताओं और बच्चों को पर्याप्त पोषण और संपूर्ण विकास सुनिश्चित करना है।

नायडू ने कहा कि यह चिंता की बात है कि व्यापक राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण 2016- 18 के मुताबिक पांच वर्ष से कम उम्र के 34.7 फीसदी भारतीय बच्चे अविकसित हैं। उन्होंने कहा, यह हमारी जिम्मेदारी है कि सुनिश्चित करें कि हमारे बच्चों को यथासंभव बेहतर बचपन मिले।

नई दिल्ली में एक दिव्यांग महिला को सम्मानित करते उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू

उपराष्ट्रपति ने उम्मीद जताई कि पोषण एंथेम से पोषण क्रांति आएगी जिससे भारत 2022 तक कुपोषण मुक्त हो जाएगा।

राजौरी मे एलओसी के निकट घुसपैठिया गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू कश्मीर में राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर में नियंत्रण रेखा पार से इस तरफ घुसपैठ करने वाले पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। राजौरी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक युगल मन्हास ने बताया कि नियंत्रण रेखा (एलओसी) की निगरानी में तैनात सतर्क सेना के जवानों ने नौशेरा सेक्टर के एक क्षेत्र में एक व्यक्ति को भारतीय क्षेत्र में घुसने की कोशिश करते हुए देखा। उन्होंने बताया कि व्यक्ति को चेतावनी दी गई और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। यह घटना अपराह्न में हुई। मन्हास ने बताया कि व्यक्ति को उसकी चिकित्सा जांच समेत आवश्यक औपचारिकताओं के लिए नौशेरा पुलिस थाने की पुलिस के हवाले कर दिया गया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच के दौरान गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान पीओके के भीमबेर जिले में समहनी तहसील के चाई नाला गांव निवासी तारिक महमूद के रूप में हुई है। मन्हास ने बताया कि कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामले का संज्ञान लिया गया है और आरोपी से पूछताछ की जा रही है। एसएसपी ने बताया कि घुसपैठिए के पास से कोई हथियार या आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं की गई है।

विमान संग्रहालय के लिए सी-हैरियर लड़ाकू विमान दे सकती है नौसेना

कोलकाता। भारतीय नौसेना यहां न्यू टाउन में बन रहे विमान संग्रहालय के लिए टोपोलोव-142 विमान के बाद सेवा से बाहर हो चुके एक सी-हैरियर लड़ाकू विमान को देने पर भी विचार कर रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बंगाल क्षेत्र के नेवल ऑफिसर-इन-चार्ज कोमोडोर सुप्रभो डे ने यहां नौसेना दिवस की पूर्व संध्या पर पत्रकारों को बताया कि पश्चिम बंगाल सरकार एक संग्रहालय बना रही है जिसमें अल्बाट्रॉस (विमान) लगाए गए हैं और इसे 2020 के मध्य तक जनता के लिए खोले जाने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि एक टीयू-140 विमान 15 नवंबर को मेसर्स तनेजा एरोस्पेस को सौंपा गया है जिससे इसे कोलकाता में बनने वाले संग्रहालय में लगाया जा सके। डे ने कहा कि संग्रहालय स्थल पर राज्य सरकार द्वारा तैयारियां चल रही हैं तथा जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराकर तुपोलोव -142 विमान संग्रहालय के लिए समतल किया गया है। यह विशाखापट्टनम के बाद देश में इस तरह का दूसरा संग्रहालय होगा। कोमोडोर डे ने कहा कि विमान के अगले साल जनवरी तक शहर में पहुंचने की उम्मीद है। नौसेना सेवा से बाहर हो चुके एक सी हैरियर विमान को भी देने पर विचार कर रही है।

भारत में दस में से नौ नए यूजर भारतीय भाषी

जयपुर। भारत में ऑनलाइन आने वाले दस में से नौ नए यूजर भारतीय भाषी होते हैं। गूगल इंडिया की वरिष्ठ उत्पाद प्रबंधक निधि गुप्ता ने यहां बताया कि 20152018 के बीच लगभग चार करोड़ इंटरनेट नए यूजर बने और इस तरह के दस यूजर में से नौ विभिन्न भारतीय भाषाओं के यूजर हैं। उन्होंने बताया कि 201516 में हिन्दी वेब का उपयोग 90 प्रतिशत बढा, जबकि अंग्रेजी सामग्री की खपत में 19 प्रतिशत की बढोतरी हुई। गुप्ता ने यहां संवाददाताओं से कहा कि गूगल के सभी उत्पाद मंचों पर अंग्रेजी के बाद हिन्दी सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाली भाषा है।

बीपीएसएल के पूर्व सीएमडी सिंघल धनशोधन मामले में जमानत की मांग को लेकर पहुंचे अदालत

नई दिल्ली। भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड (बीपीएसएल) के पूर्व सीएमडी संजय सिंघल ने कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े करोड़ों रुपए के धनशोधन मामले में अंतरिम जमानत की मांग करते हुए मंगलवार को दिल्ली की एक अदालत का दरवाजा खटखटाया। विशेष न्यायाधीश इला रावत के समक्ष यह आवेदन दायर किया गया। उस पर पांच दिसंबर को सुनवाई होने की संभावना है। उसी दिन प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में उनकी दो हफ्ते की पूछताछ खत्म होने वाली है। सिंघल (59) ने यह कहते हुए चार सप्ताह की राहत मांगी है कि उनका खराब स्वास्थ्य है और भरोसेमंद चिकित्सकों से परामर्श लेने तथा उपयुक्त उपचार प्राप्त करने की जरूरत है, वह कई सालों से कई बीमारियों से ग्रस्त हैं। अदालत ने 29 नवंबर को सिंघल की ईडी हिरासत सात और दिनों के लिए बढ़ा दी थी क्योंकि विशेष सरकारी वकील नीतेश राणा ने कहा था कि अपराध की राशि के लेन-देन के मार्ग का पता लगाने तथा और कुछ दस्तावेजों से उनका आमना-सामना कराने के लिए उनसे और पूछताछ की जरूरत है। ईडी के एक अन्य वकील ए आर आदित्य ने कहा कि सिंघल जांच में सहयोग नहीं कर रहे थे इसलिए उन्हें 22 नवंबर को गिरफ्तार किया गया था। ईडी ने हाल ही में बीपीएसएल की 4025 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की।

मुद्रा योजना में करीब तीन फीसदी ऋण एनपीए बना

भाषा। नई दिल्ली

सरकार ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत आवंटित 6.04 लाख करोड़ रूपए में करीब तीन प्रतिशत राशि गैर निष्पादित संपत्ति (एनपीए) हो गई है। वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर ने एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विभिन्न बैंकों से मिली जानकारी के अनुसार मार्च 2019 की स्थिति के अनुसार उन्होंने मुद्रा योजना की शुरुआत से इसके तहत वितरित 6.04 लाख करोड़ रुपए की कुल राशि में से करीब 17,251 करोड़ रुपए गैर निष्पादित संपत्ति हो गई थी। यह राशि कुल वितरित रकम का 2.86 प्रतिशत है। केंद्र सरकार ने छोटे उद्यमों की मदद के लिए प्रधानमंत्री मुद्रा योजना शुरू की थी। इसके तहत लोगों को अपना कारोबार शुरू करने के लिए कर्ज दिया जाता है। यह योजना अप्रैल 2015 में शुरू हुई थी।

नई दिल्ली में संसद के शीतकालीन सत्र में जाते हुए एनसीपी मुखिया शरद पवार

जगन्नाथ मंदिर के आसपास सुरक्षा क्षेत्र के लिए भूमि हस्तांतरण के लिए समयसीमा बढ़ाई गई

भाषा। भुवनेश्वर

ओडिशा सरकार ने पुरी में भगवान जगन्नाथ मंदिर के आसपास सुरक्षा क्षेत्र बनाने के लिए जरूरी निजी भूमि के स्वैच्छिक हस्तांतरण के लिए समयसीमा मंगलवार को नौ दिसम्बर तक बढ़ा दी। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने समयसीमा नौ दिसम्बर तक बढ़ाने के एक प्रस्ताव को मंजूरी दी। यह समयसीमा पहले दो दिसम्बर थी। पटनायक ने गत अगस्त में स्थानीय लोगों से अपील की थी कि मंदिर की चहारदीवारी से 75 मीटर के भीतर आने वाली जमीनें खाली कर दें।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि लोगों के समर्थन के मद्देनजर पटनायक ने समयसीमा बढ़ाई है। इसमें कहा गया कि दो दिसम्बर तक 106 निजी प्लाट के अधिग्रहण के लिए 80 बैनामा किए गए। इसमें कहा गया कि 12वीं सदी के मंदिर के चारों ओर सुरक्षा क्षेत्र बनाने के लिए जरूरी जमीन का करीब 75 प्रतिशत जमीन का राज्य सरकार अभी तक अधिग्रहण कर चुकी है।

पटनायक ने उन लोगों को धन्यवाद दिया जिन्होंने सुरक्षा घेरे के लिए अपनी जमीन स्वैच्छिक रूप से पेशकश की। उन्होंने कहा, मैंने लोगों से श्री जगन्नाथ के चारों ओर सुरक्षा घेरा बनाने के लिए जन्माष्टमी पर लोगों से जमीन स्वैच्छिक रूप से सौंपने का आग्रह किया था। मेरा अनुरोध रखने के लिए मैं आपका आभारी हूं।

उन्होंने कहा, इससे पुरी को एक विरासत शहर बनाने का राज्य सरकार का संकल्प और मजबूत हुआ है। राज्य सरकार इससे पहले मंदिर की चाहरदीवारी के 75 मीटर के भीतर पड़ने वाले कुछ प्राचीन ढांचों को ध्वस्त करके मठ की जमीनें अधिग्रहित कर चुकी है।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति जल्द सार्वजनिक की जाएगी

नई दिल्ली। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति जल्द सार्वजनिक की जाएगी और यह विश्व में भारत के गौरव को स्थापित करेगी। उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) में आयोजित कार्यक्रम स्वच्छ कैंपस रैंकिंग 2019 को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए संबोधित करते हुए निशंक ने छात्रों से प्रतिदिन एक लीटर पानी बचाने की शपथ लेने और इसके लिए दूसरों को भी प्रेरित करने का आग्रह किया। मानव संसाधन विकास मंत्रालय में सचिव (उच्च शिक्षा) आर सुब्रमण्यन ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति जल्द ही सार्वजनिक की जाएगी। हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति को प्रकाशित करने के अंतिम चरण में हैं जो जल्दी ही आपके सामने होगी। यह शिक्षा नीति शिक्षा व्यवस्था को लागू करने के हमारे तरीके को बदल देगी। छात्रों, संस्थानों और सभी हितधारकों के लिए यह नीति एक बहुत बड़ा परिवर्तन लाएगी और लाभकारी सिद्ध होगी। तीसरे स्वच्छता रैंकिंग कार्यक्रम (2019) में लगभग सात हजार उच्च शिक्षण संस्थानों ने भाग लिया जिनमें से 52 को साफ और दक्ष परिसर, एक छात्र एक पेड़, जल शक्ति अभियान और सौर ऊर्जा लैंप श्रेणी में पुरस्कृत किया गया। अन्य अधिकारियों के साथ विवि अनुदान आयोग के अध्यक्ष डीपी सिंह और एआईसीटीई के अध्यक्ष अनिल सहस्रबुद्धे भी उपस्थित थे।

एंटीबायोटिक का इंजेक्शन लेने के बाद मरीजों को उल्टी एवं चक्कर की शिकायत

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के एक सरकारी अस्पताल में एंटीबायोटिक इंजेक्शन दिए जाने के बाद कम से कम 12 मरीजों ने उल्टी और चक्कर की शिकायत की। मंगलवार को एक चिकित्सा अधिकारी ने जानकारी दी। ठाणे से 33 किमी दूर अम्बरनाथ शहर में स्थित छाया अस्पताल में सोमवार को यह घटना हुई। राज्य सरकार इस अस्पताल का संचालन करती है। एक चिकित्सक ने बताया कि मरीजों को मोनोसेफ का इंजेक्शन दिया गया था। उन्हें समस्या होने लगी। अम्बरनाथ नगर परिषद अध्यक्ष मनीषा वालेकर ने बताया, इंजेक्शन दिए जाने के बाद ही, आठ महिलाओं समेत मरीजों ने उबकाई, चक्कर, उल्टी और सिरदर्द की शिकायत की। छह मरीजों को उल्हासनगर स्थित एक निजी अस्पताल में भेज दिया गया जबकि शेष मरीजों का इलाज शहर के सरकारी सेंट्रल अस्पताल में किया जा रहा हे। सेंट्रल अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक सुधाकर शिंदे ने शाम को बताया कि सभी मरीजों की स्थिति स्थिर है।

जल्दी ही भारत में शुरू होगा बिना चीड़-फाड़ किए शव परीक्षण

नई दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को कहा कि भारत में जल्दी ही एक नई तकनीक से शव परीक्षण किया जा सकेगा जिसमें शवों की चीड़-फाड़ करने की जरूरत नहीं होगी। भारत इस पद्धति की शुरुआत करने वाला पहला दक्षेस देश होगा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री हर्षवर्धन ने राज्यसभा को बताया कि एम्स और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद मिलकर ऐसी तकनीक पर काम कर रहे हैं जिसमें बिना चीड़-फाड़ किए ही शव परीक्षण (वर्चुअल ऑटोप्सी) हो सकेगा। इसका एक मकसद शवों का गरिमामय तरीके से निस्तारण भी है। उन्होंने प्रश्नकाल में विभिन्न पूरक सवालों के जवाब में कहा कि इस तकनीक के अगले छह महीने में चालू होने की संभावना है। यह तकनीक स्विट्जरलैंड, ब्रिटेन, जर्मनी, जापान, नार्वे सहित कई देशों में शुरू हो गया है। हर्षवर्धन ने कहा कि नई पद्धति में समय भी कम खर्च होगा और यह किफायती भी होगी। इसमें डिजिटल रिकार्ड भी रखा जा सकेगा। उन्होंने बताया कि अभी एम्स में हर साल करीब तीन हजार शव परीक्षण किए जाते हैं।

अमित शाह की पत्नी दिखी राज्यसभा दीर्घा में

नई दिल्ली। राज्यसभा में मंगलवार को एसपीजी संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान दर्शक दीर्घा में गृह मंत्री अमित शाह की पत्नी सोनल शाह को भी बैठे देखा गया। उच्च सदन ने विशेष संरक्षा ग्रुप (संशोधन) विधेयक को चर्चा के बाद पारित कर दिया। विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब गृह मंत्री शाह ने दिया। विधेयक पर चर्चा और गृह मंत्री शाह के जवाब के दौरान सोनल शाह दर्शक दीर्घा में बैठी रहीं। कुछ अन्य महिलाएं भी बैठी थीं और आपस में बात कर रही थीं। गृहमंत्री की पत्नी जिस दर्शक दीर्घा में बैठी थीं, बैठकर पूर्व सांसद, राजनयिक और सांसदों के परिजन सदन की कार्यवाही देखते हैं।

महाराजा दलीप सिंह के अवशेष ब्रिटेन से भारत लाने की रास में उठी मांग

नई दिल्ली। राज्यसभा में मंगलवार को कांग्रेस के एक सदस्य ने सिख साम्राज्य के अंतिम शासक दलीप सिंह के अवशेष ब्रिटेन से भारत लाने की मांग करते हुए कहा कि इतिहास को सुधारा जाना चाहिए। कांग्रेस के प्रताप सिंह बाजवा ने शून्यकाल में यह मुद्दा उठाते हुए उच्च सदन में कहा कि यह पूरे पंजाब से जुड़ा हुआ है। शक्तिशाली महाराजा रणजीत सिंह के पुत्र दलीप सिंह का जन्म लाहौर में 1838 में हुआ। साल बाद ही रणजीत सिंह का देहांत हो गया। पांच साल की उम्र में दलीप सिंह को सिख साम्राज्य का शासक घोषित किया गया।

बाजवा ने कहा कि 1849 में हुए दूसरे आंग्ल-सिख युद्ध के बाद अंग्रेजों ने पंजाब को ब्रिटिश नियंत्रण वाले भारत से संबद्ध कर लिया। उन दिनों पंजाब का विस्तार उस हिस्से तक था जो आज अफगानिस्तान एवं पाकिस्तान कहलाता है। कांग्रेस सदस्य ने कहा कि दलीप सिंह को अपदस्थ कर उनकी मां महारानी जींद कौर से अलग कर ब्रिटेन भेज दिया गया। जींद कौर को कैद कर लिया गया। ब्रिटेन में दलीप सिंह का 16 साल की उम्र में धर्मांतरण कर उन्हें ईसाई बना दिया गया उन्हें महारानी विक्टोरिया के संरक्षण में रखा गया।

बाजवा ने बताया कि 13 साल बाद जब दलीप सिंह अपनी मां जींद कौर से मिले तो उन्हें सिखों के इतिहास और उनकी पहचान के बारे में पता चला। तब दलीप सिंह ने पुन: धर्मांतरण कर सिख धर्म अपनाने और ब्रिटिश पेंशन त्यागने का फैसला किया। 1886 में वह अपने परिवार के साथ भारत आने वाले थे लेकिन विद्रोह की आशंका के चलते अंग्रेजों ने उन्हें हिरासत में ले कर नजरबंद कर दिया। 1893 में उनका निधन हो गया और उन्हें एल्वेडन गांव में दफना दिया गया। बाजवा ने मांग की कि दलीप सिंह के अवशेषों को अमृतसर लाया जाए और सिख परंपरा के अनुसार, उनका अंतिम संस्कार किया जाए।

प्रधानमंत्री का सुझाव कि मुझे उनके मंत्रिमंडल में होना चाहिए, उनकी उदारता : सुप्रिया सुले

भाषा। नई दिल्ली

शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सांसद सुप्रिया सुले ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उनके पिता को सुझाव कि उन्हें (सुले को) उनके मंत्रिमंडल का हिस्सा होना चाहिए, उनकी उदारता दर्शाता है लेकिन यह फलीभूत नहीं हो सका। सांसद सुप्रिया सुले ने संसद परिसर के बाहर कहाकि यह उनकी उदारता है कि उन्होंने यह सुझाव दिया और मैं अभिभूत हूं। लेकिन यह हो न सका। एबीपी-मांझा को दिए एक साक्षात्कार में शरद पवार ने उन खबरों को खारिज किया कि मोदी सरकार ने उन्हें भारत का राष्ट्रपति बनाने की पेशकश की थी। राकांपा प्रमुख शरद पवार ने कहा, लेकिन सुप्रिया (सुले) को मोदी के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में मंत्री बनाने का प्रस्ताव था।

मणिपुर में नशीली दवाओं की लैब का भंडाफोड़

165 करोड़ रुपए की हेरोइन जब्त

भाषा। इंफाल

पुलिस और असम राइफल्स ने एक संयुक्त अभियान में मणिपुर के थौबल जिले में पुलिस और नशीली दवाओं की एक लैब का भंडाफोड़ किया। इस दौरान यहां से 165 करोड़ रुपए से अधिक की हेरोइन और इसे बनाने में प्रयोग होने वाली सामग्री जब्त की। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। थौबल के पुलिस अधीक्षक इबोम्चा सिंह ने बताया कि सोमवार को पुलिस और 26 असम राइफल्स के संयुक्त अभियान में, जिले के साडा खुम्बी गांव के एक घर से लगभग 40.61 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई। पुलिस के अनुसार, लैब के बारे में पुख्ता सूचना मिलने पर गांव में सुरक्षा बलों को भेजा गया और निंगखंगम अवुंग्शी (39) के घर पर तलाशी के दौरान वहां से हेरोइन के दो बड़े बोरे बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि बोरों में से एक में 14.31 किलोग्राम मादक पदार्थ ते और इसपर हसीना मान जाएगी लिखा हुआ था। दूसरे बोरे में 26.30 किलोग्राम नशीली दवाएं थी और उस पर सफेद क्रिस्टल चीनी लिखा था। सुरक्षा बलों ने अवुंग्शी के भाई के घर की भी तलाशी ली और वहां से भी कई सारी चीजें बरामद की गई। अधिकारियों ने बताया कि जब्त नशीली दवाओं का मूल्य अंतरराष्ट्रीय बाजार में 165.17 रुपए है। सिंह ने बताया कि जब्त सामान का इस्तेमाल मादक पदार्थों के निर्माण में किया जाना था। 2.8 लाख रुपए नकद भी जब्त किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच चल रही है।

कर्नाटक में नौ साल की लड़की से बलात्कार और हत्या, बड़े पैमाने पर हुए विरोध प्रदर्शन

बेंगलुरु। कर्नाटक के कलबुर्गी जिले के एक गांव में नौ वर्षीय एक लड़की के साथ कथित रूप से बलात्कार किया गया और उसकी गला दबाकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब हाल ही में हैदराबाद में एक महिला पशु चिकित्सक से बलात्कार और हत्या पर देशभर में आक्रोश फैला हुआ है। चिचोली तालुक के सुलेपेट की रहने वाली लड़की सोमवार शाम को अपने दोस्तों के साथ खेलने के लिए बाहर गई थी। पुलिस ने बताया कि उसका खून से सना हुआ निर्वस्त्र शव सोमवार रात गांव के बाहरी इलाके में एक तालाब के पास खेत में मिला। पुलिस ने बताया कि घटना के सिलसिले में 34 वर्षीय एक दर्जी यल्लप्पा महादेवप्पा सेदम को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिसके साथ लड़की को अंतिम बार देखा गया था।

स्थानीय लोगों को महत्व

आंध्र व मप्र के बाद महाराष्ट्र की घोषणा

क्या राजनीतिक पार्टियों द्वारा घोषित क्षेत्रीय संरक्षणवाद, बेरोजगारी का जवाब और नव-संघवाद है जो पहले से संकटग्रस्त अर्थव्यवस्था को और नुकसान पहुंचाएगा? इससे भी बुरी बात है कि क्या 'स्थानीय नौकरियों के लिए पहले स्थानीय' का विचार भारत को हमेशा के लिए बदल नहीं देगा जिसका संविधान बिना भेदभाव काम करने की गारंटी देता है? राज्य पार्टियों के लिए विस्थापन की राजनीति स्पष्ट रूप से चुनावी औजार बन गई है जिसे अर्थव्यवस्था के विकृत व अव्यावहारिक मोड्यूल में स्थान मिल रहा है। महाराष्ट्र विकास अघाड़ी सरकार अब निजी क्षेत्र में स्थानीय लोगों को 80 प्रतिशत नौकरियों का वादा कर रही है। इसके पहले भी कई नव-निर्वाचित मुख्यमंत्री 'भूमि पुत्रों' को नौकरियों का वादा कर चुके हैं। इसकी शुरुआत जगन मोहन रेड्डी सरकार से हुई थी जिन्होंने सबसे पहले आंध्र प्रदेश के नौजवानों को निजी औद्योगिक कामों में 75 प्रतिशत आरक्षण का वादा किया था। इसके बाद कमलनाथ सरकार ने मध्य प्रदेश में 70 प्रतिशत कोटे तथा हरियाणा सरकार ने 75 प्रतिशत आरक्षण का प्राविधान किया। प्रत्येक राज्य ने 'बाहरियों' के खिलाफ 'मूलवादी' भावनाओं को बढ़ावा दिया है। अनुसूचित जातियों, जनजातियों व पिछड़े वर्ग को आरक्षण सकारात्मक कार्रवाई का हिस्सा है, पर इसका मनमाना विस्तार नहीं किया जा सकता है। वैश्विक अर्थव्यवस्था से कठोर प्रतियोगिता के समय यह अनुचित कदम है। यदि स्थानीय स्तर पर अत्यधिक विशिष्ट कौशल न मिले तो क्या होगा? आंध्र प्रदेश के कानून के अनुसार यदि उद्योग को समुचित स्थानीय कामगार न मिलें

तो उसे राज्य सरकार के सहयोग से उनको प्रशिक्षण देना होगा। कंपनी को एक तिमाही रिपोर्ट भी इस बारे में देनी होगी। कौन कंपनी यह बोझ उठाने को तैयार होगी? क्या ऐसी कंपनियों के लिए मैत्रीपूर्ण राज्य में चले जाना ज्यादा आसान नहीं होगा? क्या राज्य अपने यहां से निवेश पलायन का जोखिम ले सकता है? क्या भारत राज्यों के स्तर पर ऐसी नीतियां बर्दाश्त कर सकता है? इससे स्थानीय व गैर-स्थानीय लोगों के बीच टकराव और बढ़ेगा।

जनगणना के हालिया आंकड़ों से स्पष्ट है कि काम से संबंधित विस्थापन आमतौर से राज्य की सीमाओं के भीतर होता है। अन्य राज्यों के बीच विस्थापन भी इतना नाटकीय नहीं है। शहरी कामगारों में 10 प्रतिशत से कम ही दूसरे राज्यों में काम करने जाते हैं। इसके साथ ही केवल उत्तर प्रदेश व बिहार से विस्थापन के बारे में पूर्वाग्रह व्याप्त हैं। कहा जाता है कि यहां के निवासी रोजगार के बाजार में भरे जा रहे हैं और उन्होंने कामगारों के राष्ट्रव्यापी प्रवाह में बाधा डाली है। इससे सभी राजनेताओं को नहीं, बल्कि ऐसे राजनेताओं को खतरा है जो नए रोजगारों व नौकरियों के सृजन में अपनी जिम्मेदारी स्वीकारने के बजाय दूसरों पर दोषारोपण करते हैं। इस संकुचित दृष्टिकोण के बजाय स्थानीय स्तर पर उद्यमिता व कौशल विकास को बढ़ावा देने के समुचित राजनीतिक लाभ होंगे। समस्या यह है कि इस प्रकृति के अनेक पूर्व उदाहरणों के बावजूद राजनेता समाधान तलाशने के बजाय लोगों की संवेदनशीलता से खेलना ज्यादा अच्छा समझते हैं। इससे संरक्षणवाद के खिलाफ भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि खराब होती है तथा दूसरे देशों की तुलना में हमारे कुशल कामगारों को समुचित लाभ नहीं मिलता है। घरेलू स्तर पर ही सीमायें आरोपित कर हम मुक्त व्यापार की पैरवी कैसे कर सकते हैं? राज्य के नेताओं पर भारी दबाव है, पर उनको इस विकृत आरक्षण से बचना होगा। इसके बजाय वे स्थानीय नौजवानों को प्रशिक्षण व नौकरियां देने वाली कंपनियों को इन्सेन्टिव दे सकते हैं।

भयावह नरसंहार की अमिट स्मृतियां

बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान मानवता के विरुद्ध किए गए अत्याचार इतने क्रूरतापूर्ण थे कि कोई देश उन्हें भूल नहीं सकता। ढाका भी उन स्मृतियों को जीवित रखने के प्रयास कर रहा है।

हिरण्यमय कार्लेकर
लेखक दि पायनियर के परामर्शकारी संपादक हैं)

3 दिसंबर 1971 को तीसरा भारत-पाकिस्तान युद्ध प्रारम्भ हुआ था जब पाकिस्तानी विमानों ने धोखे से अचानक देश के उत्तर-पश्चिमी हिस्सों में स्थित सैन्य अड्डों पर बमबारी चालू कर दी थी। वह युद्ध जिसका अंत पाकिस्तान की शर्मनाक पराजय के रूप में हुआ था, मगर उसका परिणाम तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान के बांग्लादेश नामक स्वतंत्र राज्य के संप्रभु रूप से अस्तित्वमान होने के रूप में सामने आया था। बाद में, इसने पाकिस्तानी सेना तथा बांग्लादेश में उसके सहयोगियों द्वारा 25 मार्च 1971 से लेकर 16 दिसंबर 1971 तक किए गए भीषण नरसंहार तथा सामूहिक बलात्कारों के द्वारा भयावह तांडव के लिए मार्ग प्रशस्त कर दिया था, जब इस्लामाबाद की सेना ने 16 दिसंबर 1971 को बर्बरतापूर्ण दमन की कार्रवाइयां प्रारम्भ की थीं, जब बांग्लादेश स्वतंत्र देश बनकर उभरा था।

सीमापार से आने वाली खबरों ने पहले से ही पाकिस्तानी सेना तथा उसके सहयोगियों द्वारा किए गए भयावह अत्याचारों की कुछ जानकारी दे दी थी। अब पूरी तस्वीर उभरकर सामने आने लगी थी। उस दौरान तीन मिलियन लोग मार डाले गए, शायद पांच लाख से अधिक महिलाओं के साथ बलात्कार हुए, 10 मिलियन से अधिक शरणार्थियों के रूप में भारत आए थे और 30 मिलियन लोग विस्थापित हुए थे। कोई भी देश उसे तांडव को भुला नहीं सकता। दुर्भाग्य से, एक समय ऐसा था जब लगता था कि बांग्लादेश ने सामूहिक रूप से वह सब भुला देने का प्रयास किया था।

यह आश्चर्य की बात नहीं कि जमाते इस्लामी बांग्लादेश (जमात), उसके छात्रों की शाखा इस्लामी छात्र शिबिर, निजामे इस्लामी सरीखे उसके सहयोगी संगठन एवं अल बद्र, अल शम्स और रज़ाकार सरीखे उसके अनुयायी, तथा अन्य सहयोगी संगठनों एवं व्यक्तियों ने नरसंहार व सामूहिक बलात्कारों के सच से इनकार करने के लिए हरसंभव प्रयास किया। मेजर जनरल जियाउर्रहमान, जिन्होंने शेख मुजीबुर्रहमान की हत्या के बाद सत्ता संभाली थी, ने भी वहीं काम किया और सहयोगियों को पुनर्वासित करने के साथ-साथ अवामी लीग को खत्म करने के प्रयास किए। उनके अभियान से उनकी मानसिकता जाहिर होती है कि वे बांग्लादेश का इस्लामीकरण करना, स्वतंत्रता के पश्चात 1972 के संविधान में पंथनिरपेक्षतावाद को नष्ट करना एवं पाकिस्तान के साथ नजदीकी संबंध स्थापित करना चाहते थे।

जिया का रुख मुक्ति संग्राम के पीड़ितों के प्रति जाहिर होता है, जिसमें कहा जाता है कि उन्हें उनकी रेजीमेंट के बंगाली सैनिकों द्वारा भाग लेने को बाध्य किया गया था जिसने उन्हें बंधक बना लिया था। उनकी सरकार ने शेख मुजीब के शासन काल में बलात्कार पीड़िताओं के लिए बने पुनर्वास केंद्र बंद करा दिए। 30 मई 1981 को हुई जियाउर्रहमान की हत्या के बाद भी स्थितियां नहीं बदलीं। लेफ्टीनेंट जनरल एचएम इरशाद, जो तख्तापलट के बाद दो निर्वाचित राष्ट्रपतियों के हटने के पश्चात 11 दिसंबर 1983 को सत्ता में आए थे, ने व्यापक जनांदोलन के फलस्वरूप 6 दिसंबर 1990 को इस्तीफा देने के लिए बाध्य होने से पहले तक वही पुरानी नीतियां अपनाईं।

जिया, इरशाद व अन्य जनरलों ने जो भी किया वह समझ में आता है। अपनी पुस्तक, 'बांग्लादेशी जनरैल्डर मोन', में मुतास्सिर मामून, उल्लेख करते हैं कि वे पाकिस्तानी मानसिकता से ओतप्रोत थे। उस मानसिकता में शामिल था अतिशय साम्प्रदायिकता एवं पंथवाद, धर्म का इस्तेमाल, समूह हितों को बढ़ावा देना, हिंसा, अविश्वसनीय भारत विरोध एवं निर्वाचित सत्ता का विध्वंस। मामून आगे बताते हैं कि 21 बांग्लादेशी जनरलों में से 20 को प्रशिक्षण पख्तूनख्वा प्रांत के एबटाबाद में स्थित काकुल पाकिस्तानी सैन्य अकादमी में सैन्य अधिकारियों के तौर पर मिला था, जहां उनमें पाकिस्तानी मानसिकता व्याप्त हो गई थी। उनके प्रशिक्षण का प्रभाव इतना मजबूत था कि मुक्ति संग्राम में भाग लेने के बावजूद वे उससे उबर नहीं पाए। आश्चर्य की बात नहीं कि जमात के साथ उनकी नैसर्गिक निकटता थी, जिसकी मानसिकता पाकिस्तानी मानसिकता से मेल खाती थी।

1971 का वह युद्ध जिसका अंत पाकिस्तान की शर्मनाक पराजय के रूप में हुआ था, मगर उसका परिणाम तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान के बांग्लादेश नामक स्वतंत्र राज्य के संप्रभु रूप से अस्तित्वमान होने के रूप में सामने आया था।

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी सरकार का पहला कार्यकाल 1991 से 96 तक रहा, जब प्रधानमंत्री के रूप में बेबम खालिदा जिया का अलग एजेंडा था। उन्होंने, जिया को मुख्य संग्राम के एकमात्र नायक के रूप में महिमामंडित करने और इसके साथ ही शेख मुजीब की भूमिका घटाने का प्रयास किया। जबकि वे देश के स्वतंत्रता संग्राम के मुख्य नायक तथा राष्ट्र के रूप में बांग्लादेश के राष्ट्रपिता थे। इस प्रकार उन्होंने 1971 की कुछ घटनाओं को बढ़ाचढ़ाकर पेश करने और बाकी को खारिज करने का काम किया।

लेकिन, स्मृतियां मरती नहीं हैं। वे इतनी भयानक हैं कि, खासकर पीड़ितों के परिवारों, उनके बच्चों व उनके भी बच्चों को याद हैं। वे सामूहिक नरसंहार का बलात्कार के गवाहों को भी नहीं भुला सकते हैं। लेकिन, पीढ़ियों तक ये स्मृतियां कायम रहने के गंभीर खतरे भी हैं। स्मृतियों की संख्या कुछ लोगों तक सीमित हो जाती है और ज्यादातर लोगों के मन में कुछ अन्य चीजें रहती हैं। ऐसा लगता है कि उस देश की जनता के दिमाग में इसकी शुरुआत हो गई थी। लेकिन दो उल्लेखनीय संगठनों व उनके नेताओं ने इसे जनता के मन में बनाए रखा।

इनमें से पहला संगठन एकत्रेय घातक दलाल निर्मल कमेटी, यानी 71 के हत्यारों व उनके सहयोगियों का सफाया करने वाली समिति थी। इसकी स्थापना जनवरी 1992 में हुई थी और उसने लगातार उन लोगों को सजा दिलाने का प्रयास किया जिन्होंने पाकिस्तानियों के साथ मिलकर 1971 में हत्याएं करवाईं थीं, या उनमें सहयोग दिया था। शहरयार कबीर की उल्लेखनीय पुस्तक, ''एकात्तोरेर घातक ओ दलालेर कीकोठिए'' ने ऐसे लोगों की पहचान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस संगठन ने 1971 की स्मृतियां जीवित रखने के लिए गुलाम आजम, अली एहसान, मोहम्मद मुजाहिद व कादर अली मुल्ला, जैसे बांग्लादेशियों पर ध्यान केंद्रित किया। इन सभी जमातियों ने पाकिस्तानियों के साथ मिलकर जनता पर अत्याचार किए थे। इससे अधिक महत्वपूर्ण भूमिका नरसंहार-अत्याचार संग्रहालय ने निभाई, जिसे 17 मई 2014 में प्रख्यात बांग्लादेशी इतिहासकार प्रोफेसर मुंतसिर मामून की पहल पर बनाया गया था। यह बांग्लादेश व पूरे दक्षिण एशिया में एकमात्र नरसंहार संग्रहालय है। शेख हसीना ने इसका महत्व स्वीकार करते हुए इसके लिए भूमि आवंटित की तथा इमारत बनवाई। 26 मार्च 2016 से यह संग्रहालय अपने परिसर में काम करने लगा है। अब उसे एक और बड़ी इमारत मिल जाएगी।

उस भीषण व क्रूरतापूर्ण नरसंहार की स्मृतियों को जीवित रखने तथा उसके खिलाफ बांग्लादेश के संघर्ष को स्पष्ट करने में अनेक सम्मेलनों ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। इसमें से नवीनतम सेमिनार 22 व 23 नवंबर को ढाका में हुआ जिसका शीर्षक था, ''जीनोसाइड आफ 1971 : गोल्डेन जुबली आफ बांग्लादेश एंड बर्थ सेंटीनरी आफ बंग बंधु शेख मुजीबुर्रहमान।''

इस सम्मेलन में अनेक विषयों पर विचार विमर्श हुए, जिनमें बांग्लादेश को स्वतंत्र कराने में शेख मुजीब की प्रमुख भूमिका, मुक्ति संग्राम, इसके दौरान व्यापक नरसंहार व बलात्कार तथा अपराधियों को सजा दिलाने की आवश्यकता आदि शामिल थे। नरसंहार को क्षमा करने का अर्थ और अधिक नरसंहारों को बढ़ावा देना है।

आश्चर्य की बात नहीं वृद्धि दर में गिरावट

करन भसीन
(लेखक नीतिगत विश्लेषक हैं)

पिछले सप्ताह प्राची झंब और मैंने संयुक्त लेख के अंतर्गत संशोधित भविष्यवाणी की थी जो निचले स्तर पर 4.6 थी जबकि दूसरी तिमाही के दौरान वृद्धि दर 4.5 प्रतिशत होने का अनुमान लगाया गया था। त:, हम वास्तविक आंकड़ों के काफी नजदीक थे। लेकिन एक उप-पांच प्रतिशत की वृद्धि ने बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं तथा भारतीय अर्थव्यवस्था के इर्द-गिर्द परम्परागत बुद्धिमत्ता को चुनौती दे डाली है, खासकर 21वीं सदी में। पिछले वर्ष तक, अधिकतर लोग मानते थे कि पांच प्रतिशत देश की आर्थिक वृद्धि में लोवर बाउंड होनी है। वह, मंदी के दौरान भी, हमारी वृद्धि पांच प्रतिशत होती। यह सकल घरेलू उत्पाद की नई श्रेणी पर आधारित था जो पूर्व वाली की तुलना में संवेदनशील क्षेत्रों में आर्थिक वृद्धि का सही आंकलन करने में ज्यादा बेहतर थी। परिणामत:, हर कोई मानता था कि पहली तिमाही और दूसरी तिमाही के आंकड़े 5 प्रतिशत पर नीचे बने रहेंगे।

मगर, जिस पल हमारी पहली तिमाही की वृद्धि के आंकड़े पांच प्रतिशत पर पहुंचे तो हमारा विश्वास बदल गया और अब 4.5 प्रतिशत पर दूसरी तिमाही के साथ, लोवर बाउंड क्या है उस पर टिप्पणी करने से पहले सावधान रहना होगा। निम्नतम स्तर से अधिक, ये आंकड़े मौद्रिक नीति निर्धारित करते समय इन अज्ञातों का पता लगाने की भारतीय रिजर्व बैंक की क्षमता के अभाव को जाहिर करते हैं। उदाहरण के लिए, बहुतों द्वारा चालू वित्त वर्ष में निम्न वृद्धि दर की भविष्यवाणी के बावजूद, अभी हाल के समय तक आरबीआई की भविष्यवाणी 7 प्रतिशत की थी। यह फिर गिरकर 6.1 प्रतिशत हो गई, जो अब अति आशावादिता प्रतीत होती है।

यह अनुमान लगाना उचित है कि आरबीआई ऐसी आर्थिक घोषणा नहीं करेगा जो ज्यादा खतरनाक दिखती हो, क्योंकि 2018 में वह दो बार ब्याज दरें बढ़ा चुका है। 2018 में ब्याज दरें बढ़ाने के साथ ही गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों (एनबीएफसी) में तरलता का बड़ा संकट पैदा हो गया था, जिसके कारण अंतिम समय में कर्ज

विस्तार पर रोक लगी थी। हालांकि, हमें आश्चर्य है कि पूर्व वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में वृद्धि दर 7.1 प्रतिशत थी। केंद्रीय बैंक को अपनेआप से कुछ गंभीर सवाल करने चाहिए, कि उसकी भविष्यवाणी गलत कैसे हुई और वह शेयर बाजारों पर अपने निर्णय का प्रभाव आंकने में विफल कैसे रहा। वर्तमान समय में, हम उसके नियामक कार्यों में कमियां देख रहे हैं। ऐसे में, आरबीआई को कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर फौरन ध्यान देना चाहिए। जीवंत गतिशील व टिकाऊ रूप से उच्च वृद्धि वाली अर्थव्यवस्था के लिए आधुनिक केंद्रीय बैंक जरूरी है। दुर्भाग्य से, अब तक हमें आरबीआई की नीतिगत प्रतिक्रियाओं से ऐसा देखने को नहीं मिला है। वर्तमान संकट के पीछे बड़ा कारण गलत नीतियां हैं और इसलिए गलती स्वीकार करने में अक्षमता उचित नहीं है। शायद अर्थव्यवस्था ठीक करने के लिए वह बाधा सामने आने पर ही कार्रवाई करता है। कुछ लोग कह सकते हैं कि आरबीआई ने 2008-09 में ब्याज दरों में 135 बिंदुओं की कटौती की। लेकिन, केंद्रीय बैंक ने 425 बिंदुओं की कटौती ऐसे समय की जब मुद्रास्फीति व मामूली वृद्धि दर अधिक थी। निश्चित रूप से, हमें मुद्रानीति के लिए अलग मानक बनाने चाहिए। 6.1 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ ही हमारे कर्ज की दरें और सरकार द्वारा पिछले दस वर्षों में जारी बांड की दरें अधिक हैं, जिससे हमारी कमजोर मौद्रिक नीति का पता चलता है।

उम्मीद करनी चाहिए कि मौद्रिक नीति समिति- एमपीसी, अपनी भूमिका निभाते हुए तत्काल उपचारी कदम उठाएगी। इनमें, ब्याज दरों में 50 बिंदु से अधिक की कटौती के साथ ही खुली बाजार कार्रवाइयों में संचालन बढ़ाना है। मौद्रिक नीति की समस्याएं सामने हैं, लेकिन दुर्भाग्य से सरकार कुछ अधिक नहीं कर सकती क्योंकि जैसे ही वह हस्तक्षेप करती है, केंद्रीय बैंक की स्वतंत्रता पर बहस होने लगती है।

एक बार संचार में सुधार तथा ब्याज दरों में कमी आने के बाद ईएमआई धीरे-धीरे कम होंगे और लोगों के पास खर्च के लिए अधिक पैसे होंगे। मुद्रास्फीति की कम दर कम ब्याज दरों को उचित ठहराती है और उम्मीद की जाती है कि यह संकट समाप्त होने पर हम फिर वृद्धि के मार्ग पर आ जाएंगे। यह रियल इस्टेट क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उच्च ब्याज दरों के कारण मांग में लंबे समय से कमी बनी हुई है और परिसंपत्तियों पर बोझ बढ़ रहा है। एक अच्छी खबर है कि हाल ही में जारी जीडीपी आंकड़ों में उपभोग खर्च बढ़ने के संकेत मिले हैं। इससे स्पष्ट है कि दूसरी छमाही में वृद्धि दर बेहतर होगी। अक्टूबर में भी वस्तु एवं सेवाकर संग्रह इस अवधारणा का समर्थन करते हैं। इस प्रकार हम धीरे-धीरे वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में 5 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर पर पहुंच जाएंगे। दूसर छमाही में अधिकांश वृद्धि सरकारी खर्च में बढ़ोतरी के कारण होगी।

स्पष्ट है कि अर्थव्यवस्था राजकोषीय उपायों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दे रही है। ऐसे में, घाटे पर ज्यादा जोर देते हुए खर्च घटाना उचित नहीं होगा। क्योंकि इससे वर्तमान स्थिति अगली दो तिमाहियों तक बनी रह सकती है। कम वृद्धि दर से भारत के वृद्धि आंकड़ों पर जारी बहस अच्छी चीज है क्योंकि इससे अर्थव्यवस्था की स्थिति पर अधिकारियों का ध्यान जा रहा है।

आरबीआई की पूर्वानुमान लगाने की क्षमता पर सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में, उम्मीद की जानी चाहिए कि अगले वर्ष में आर्थिक वृद्धि के लिए समुचित संसाधन दिए जाएंगे।

आप की बात

प्लास्टिक से खतरे

दुनिया में हर साल उत्पादित होने वाली प्लास्टिक का 40 प्रतिशत हिस्सा सिंगल-यूज़ वाला होता है। इसे कैरी बैग व खाना रखने के रैपरों के रूप में प्रयोग किया जाता है और कुछ मिनटों या घंटों के प्रयोग के बाद यह सैकड़ों साल पर्यावरण विभीषिका का कारण बनता है। वैज्ञानिकों का विश्वास है कि भोजन व पानी के माध्यम से हर साल मनुष्य कम से कम 50,000 माइक्रो-प्लास्टिक कण निगल जाते हैं। इनको निगलने के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों का अभी समुचित चिकित्सकीय आंकलन नहीं हुआ है, पर माइक्रो-प्लास्टिक से जहरीले तत्व निकल कर शरीर के ऊतकों में प्रवेश कर कैंसर व अन्य बीमारियां पैदा कर सकते हैं। विशेषज्ञ आज हरित क्रांति के कारण पैदा अनेक स्वास्थ्य समस्यायें स्वीकार करते हैं। प्लास्टिक प्रदूषण से ऐसी समस्यायें पैदा होने से पहले भारत को इसका समाधान फौरन निकालना होगा। इसका व्यापक समाधान कचरे से बिजली बनाना हो सकता है। इसकी तकनीक सिंगापुर जैसे देशों के पास है जहां कोई भी कचरा लैंडफिल या समुद्रों तक नहीं पहुंचता है। आश्चर्य है कि भारतीय उद्यमियों ने इस क्षेत्र में प्रवेश नहीं किया है, जबकि यह बहुत लाभदायक हो सकता है।

– **सुमित राजपूत**, वाराणसी

शिक्षा का अर्थ

शिक्षा एक प्रक्रिया है जो ऐसे मानव प्रयासों को संगठित करती, समन्वित करती व उपयुक्त बनाती हैं तथा उनसे सभ्यता के आगे बढ़ने की प्रक्रिया में गतिशीलता पैदा करती है। ज्ञान की खोज एक आंतरिक मानवीय खोज है। प्रकृति के रहस्यों की समझदारी बढ़ने के साथ मनुष्यों के सामने नए क्षितिज खुले व नई चुनौतियां सामने आईं। इसके चलते शिक्षा नीतियों में परिवर्तन की आवश्यकता महसूस हुई। भारत इस प्रक्रिया में प्रयासरत है। लेकिन शिक्षा नीतियां गंभीर शिक्षाशास्त्रीय आधार पर स्थापित होनी चाहिए तथा उनको समय की आवश्यकता के अनुसार गढ़ा जाना चाहिए। सीखने वाले को जानें तथा उनकी आवश्यकताओं का अध्ययन व विश्लेषण कर उनको विस्तार दें। उचित तथा उपयुक्त शिक्षाविधि का प्रयोग करें। संप्रेषण की रणनीतियों का व्यवहार करते हुए सीखने वाले को जीवन का सामना करने के लिए तैयार करें तथा सर्वोपरि प्राप्त ज्ञान के सही उपयोग के लिए उसे प्रेरित करें। ऐसे में शिक्षा संबंधी नीतियों को ज्ञान कार्यकर्ता तैयार करने की जिम्मेदारी पर सचेतन रूप से ध्यान देना चाहिए। स्पष्ट रूप से शिक्षा का अर्थ केवल पाठ्यपुस्तकें, शिक्षण व मूल्यांकन ही नहीं है। यह सबसे अहम बात है।

– **कपिल कुमार**, प्रयागराज

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी योजनाएं

राजग सरकार की कुछ गरीब सहायक पहलकदमियों यथा प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई), जिसे आयुष्मान भारत योजना के नाम से भी जाना जाता है, एलपीजी सिलेंडर मुहैया कराने वाली उज्जवला योजना एवं स्वच्छ भारत मिशन जिसके अंतर्गत शौचालयों का निर्माण किया गया। इन योजनाओं ने 2019 के आम चुनावों से पूर्व नगरीय तथा ग्रामीण दोनों ही इलाकों में गरीब परिवारों के मानस पर दूरगामी प्रभाव डाले थे। यद्यपि गरीब व निर्बलों को वहनीय स्वास्थ्यरक्षा मुहैया कराने का सरकार का प्रयास सराहनीय है, कल्याणकारी कार्यक्रमों की सफलता अधिकतर नौकरशाही की भूमिका, निजी अस्पतालों की ईमानदारी तथा लाभभोगियों पर निर्भर करती है। अतीत में, ऐसी बहुत सी कल्याणकारी योजनाएं रिश्वतखोरी के चलते विफल हो चुकी हैं और इसका श्रेष्ठ उदाहरण है वह गहराई तक व्याप्त भ्रष्टाचार जो लगभग सभी राज्यों में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में उभरकर सामने आया। भारी मात्रा में धन देशभर में चिकित्सा क्षेत्र के लोगों व नौकरशाही द्वारा लूटा गया।

– **अर्पिता पाठक,** रायबरेली

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के नियंत्रण में 40,000 करोड़ रुपये से अधिक थे। पूरी धनराशि केन्द्र सरकार को वापस कर दी गई।

– **अनंत कुमार हेगड़े**
भाजपा सांसद

फड़नवीस ने महाराष्ट्र की जनता को धोखा दिया है। भाजपा ने राज्य की जनता से गलत व्यवहार किया है।

– **संजय राउत**
शिवसेना सांसद

मैं कह सकता हूं कि नरेन्द्र मोदी व अमित शाह स्वयं घुसपैठिये हैं। उनका घर गुजरात में है, पर वे दिल्ली आ गए हैं।

– **अधीर रंजन चौधरी**
कांग्रेस नेता

दस लाख दिव्यांगों को मिल रहा सरकारी योजनाओं का लाभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के दिव्यांगजन सशक्तीकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री अनिल राजभर ने कहा है कि प्रदेश सरकार दिव्यांगजन को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए प्रयासरत है और निरन्तर चल रही योजनाओं के माध्यम से लगभग 10 लाख लोगों को सरकार लाभ पहुँचा रही है। उन्होंने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी ने 21 प्रकार की दिव्यांगता को परिभाषित किया है। जिससे देश में दिव्यांगों को आगे बढ़ने में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। राजभर मंगलवार को विश्व दिव्यांग दिवस पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में दिव्यांगों को राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित करने के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

दिव्यांगजन सशक्तीकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री ने कहा दिव्यांगजन विभाग की प्रशंसा करते हुए कहा कि विभाग जिस तरह से कार्यक्रमों को धरातल पर उतार रहा है, सराहनीय है। इससे दिव्यांगों का

मनोबल बढ़ेगा और वे बढ़-चढ़ कर सभी क्षेत्रों में प्रतिभाग करेंगे तथा अपनी प्रतिभा को पहचानेंगे। अनिल राजभर ने कहा कि सरकार की योजनाएं तब तक सार्थक सिद्ध नहीं होंगी जब तक इनका भागीदार आमजन न हो। उन्होंने दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्य करने वाली गैर सरकारी संस्थाओं को भी दिव्यांगों के जीवन को सरल बनाने के लिए प्रेरणास्रोत कहा। राजभर ने कहा कि जिस प्रकार डॉ. शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय के स्टेडियम का निर्माण और विस्तार हो रहा है, उसका उपयोग करके भविष्य में दिव्यांग खिलाड़ी विश्व स्तर पर देश तथा प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। इसके साथ ही भविष्य में इस स्टेडियम में आलंपिक खेलों का आयोजन भी किया जा सके, इसके लिए प्रदेश सरकार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्ति तथा संस्थाएं अपने सुझाव तथा मार्गदर्शन दें, जिससे सरकार दिव्यांगों को आगे बढ़ने तथा उनके उज्जवल भविष्य के लिए बेहतर कदम उठा सके। उन्होंने कहा कि विश्व दिव्यांग दिवस पर उप राष्ट्रपति द्वारा प्रदेश को 3 राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। अब प्रदेश को यह लक्ष्य निर्धारित करना है कि सभी बेहतर सुविधाओं के साथ सकारात्मक होकर कार्य करें जिससे भविष्य में प्रदेश को देश में अधिक सम्मान तथा पुरस्कार मिल सके। कार्यक्रम के दौरान दिव्यांगजन सशक्तीकरण मंत्री ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की जयंती पर उनको याद करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की। इसके साथ ही विभागीय संस्थाओं को और स्वैच्छिक संगठनों के माध्यम से दिव्यांग बच्चों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। मंत्री द्वारा चिन्हित दिव्यांगों को ट्राईसाइकिल, व्हील चेयर, श्रवण यंत्र, ब्लाण्ड स्टिक तथा कृत्रिम अंग सहित कुल 38 उपकरण वितरित करते हुए उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों, संस्थाओं तथा जनपद को राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रदेश को मिला दिव्यांगजन पुनर्वास के लिए सर्वोत्तम राज्य का राष्ट्रीय पुरस्कार

लखनऊ (पीएनएस)। केन्द्र सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजन पुनर्वास के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश को सर्वोत्तम राज्य का पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त दो अन्य श्रेणियों में भी उत्तर प्रदेश को पुरस्कृत किया गया। यह पुरस्कार मंगलवार को विश्व दिव्यांगजन दिवस के मौके पर विज्ञान भवन नई दिल्ली में आयोजित समारोह में उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू के हाथ से अपर मुख्य सचिव महेश कुमार गुप्ता ने प्रदेश सरकार की तरफसे यह पुरस्कार प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त शबीना सैफी लखनऊ, विदिशा गाजियाबाद, सीमा तिवारी झांसी एवं प्रियंका देवी लखनऊ को अन्य श्रेणियों में राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किये गये। अपर मुख्य सचिव महेश कुमार गुप्ता ने बताया कि सुगम्य भारत अभियान के क्रियान्वयन के लिए उत्तर प्रदेश को सर्वोत्तम राज्य का राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया है। इसके अतिरिक्त विभाग की वेबसाइट को सर्वोत्तम दिव्यांग हितैषी वेबसाइट तथा सर्वश्रेष्ठ पुनर्वास सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए वाराणसी जिले को सर्वोत्तम जिले का पुरस्कार प्रदान किया गया।

अभी और शहरों का होगा सीमा विस्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● नगर विकास विभाग में प्रस्तावों का परीक्षण शुरू

दो शहरों के सीमा विस्तार के साथ सरकार ने बड़े शहरों का आकार बढ़ाये जाने की दिशा में कदम बढ़ा दिये हैं। नगर विकास विभाग में उन निकायों के प्रस्तावों का परीक्षण शुरू हो गया है, जिनका सीमा विस्तार होना है। फिलहाल कैबिनेट ने आज लखनऊ तथा वाराणसी के सीमा विस्तार को अपनी मंजूरी दी है। अगले चरण में अयोध्या, मथुरा, गोरखपुर, प्रयागराज, आगरा, झांसी, मुरादाबाद, बरेली तथा शाहजहांपुर जैसे शहरों का सीमा विस्तार किया जाना है। राज्य में पूंजी निवेश की गाड़ी को दौड़ाने के लिये योगी सरकार बड़े शहरों का सीमा विस्तार कर रही है, ताकि यहां आने वाले औद्योगिक घरानों को शहरों के नजदीक जमीन उपलब्ध करायी जा सके। इसके लिये सरकार का डेढ़ दर्जन से अधिक शहरों पर फोकस है। इन शहरों से नगर विकास विभाग ने काफी समय पहले प्रस्ताव मांगे थे। प्रस्तावों का परीक्षण तथा अन्य औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद आज लखनऊ तथा वाराणसी के सीमा विस्तार को कैबिनेट में मंजूरी दी है। डिफेन्स एक्सपो से पहले अन्य तमाम शहरों का सीमा विस्तार होगा। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि जिन निकायों से प्रस्तावा मांगे गये थे, उनका परीक्षण चल रहा है। शासनस्तर पर सारी औपचारिकताओं के पूरा होने के साथ अन्य निकायों के भी सीमा विस्तार की मंजूरी कैबिनेट से ली जाएगी। दरअसल इन्वेस्टर समिट में पूंजी निवेश के लिये जिन संस्थाओं के साथ एमओयू हुये थे, उन्हें राज्य में जमीन की जरूरत है। ऐसे ही आने वाले दिनों में डिफेन्स एक्सपो मे आने वाली संस्थाओं को भी जमीन की जरूरत होगी।

गरीबों की पहुंच से दूर सरकारी कम्बल

● अधिकतर जिलों में अभी तक नही हुई खरीद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पारा गिरने के साथ सर्दी बढ़ने लगी है, लेकिन सरकारी कम्बल गरीबों की पहुंच से अभी दूर हैं। इक्का-दुक्का जिलों को छोड़कर अधिकतर जिलों में कम्बलों की खरीद नहीं हुई या फिर उन्हें आपूर्ति नहीं मिली है। ऐसे में फिलहाल गरीबों को अभी सरकारी कम्बलों को मिल पाना कठिन है। हालांकि सरकार की तरफ से जिलों को कम्बलों का वितरण शुरू कराने के निर्देश दिये जा रहे हैं।

आमतौर पर सरकारी कम्बलों का वितरण जनवरी के महीने में होता है, लेकिन सीएम योगी चाहते हैं कि कड़ाके की ठंड शुरू होने से पहले सरकारी कम्बल गरीबों के हाथों में हो। सीएम की मंशा के अनुरूप सरकार ने कम्बलों की खरीद से

लेकर वितरण तक का जो बिन्दुवार कार्यक्रम जारी किया है उसमें सरकारी कम्बलों का वितरण तीस नवम्बर से किया जाना प्रस्तावित था। इसके पीछे अधिकारियों का मानना था कि ठंड बढ़ने पर गरीब कम्बलों का उपयोग कर सकेंगे। परन्तु निर्धारित तिथि निकलने के बाद अभी अधिकतर जिलों में कम्बलों की खरीद नहीं हो सकी है। लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, कानपुर तथा प्रयागराज सहित कुछ ही जिलों में अभी तक कम्बल खरीदे जाने की जानकारी आपदा राहत विभाग को मिली है। बाकी जिलों में कम्बलों को खरीद कर इनका वितरण शुरू कराने के निर्देश लगातार सरकार की तरफ से भेजे जा रहे हैं। जानकारों के मुताबिक पांच लाख रुपये प्रति तहसील के हिसाब से कम्बल खरीदने के लिये आपदा मोचक निधि से सभी जिलों को धनराशि भेजी गई थी। इन कम्बलों की खरीद जेम पोर्टल के माध्यम से जिलाधिकारियों को करनी थी। शासनादेश में उन संस्थाओं के नामों का भी जिक्र था, जिनसे कम्बल खरीद जाने थे। इसके साथ ही गरीबी रेखा के नीचे के जिन निराश्रित परिवारों को कम्बलों का वितरण किया जाना था उनके चयन के बारे में भी दिशा-निर्देश थे। आपदा राहत विभाग को जिलों से मिल रही रिपोर्ट के मुताबिक दिसम्बर माह के अंत तक ही कम्बलों का वितरण होने की उम्मीद है, क्योकि कुछ जिलों को छोड़कर अधिकतर जिलों ने कम्बल नहीं खरीदे हैं। इसके अलावा जिन संस्थाओं से कम्बल खरीदे जाने हैं उन संस्थाओं के पास आपूर्ति के लिये पर्याप्त मात्रा में कम्बल नहीं हैं।

न्यूनतम समय में रेप के दोषियों को सजा दिलाने का कानून बनाये सरकार: मायावती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

हैदराबाद में डॉ. प्रियंका रेड्डी की बलात्कार के बाद की गयी नृसंश हत्या को लेकर सड़क से संसद तक में आक्रोश को देखते हुए बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। बसपा सुप्रीमो ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर ट्वीट पर करते हुए लिखा कि वर्तमान में जब संसद का सत्र जारी है, केन्द्र को चाहिए कि वह खासकर महिलाओं के रेप व मर्डर मामले में देश की चिंताओं के मद्देनजर तत्काल ऐसा सख्त कानून बनाये जो निचली अदालत से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक में निर्धारित न्यूनतम समय के भीतर मामले का निपटारा करके दोषियों को फांसी की सजा दे।

भारतीय संविधान सबसे श्रेष्ठ व जन भावनाओं के अनुरूपः पाठक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के विधायी एवं न्याय मंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि पूरी दुनिया में भारतीय संविधान सबसे श्रेष्ठ एवं जन भावनाओं के अनुरूप है। भारतवासी अपने संविधान का सबसे अधिक मान करते हैं। पाठक मंगलवार को स्थानीय अमीनाबाद इण्टर कालेज के सभागार में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद के जन्म दिवस पर उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा भारतीय संविधान की 70वीं वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने संविधान के मूल कर्तव्यों के सम्बंध में कॉलेज के बच्चों और शिक्षकों तथा उपस्थित गणमान्य नागरिकों को शपथ भी दिलाई और निबन्ध प्रतियोगिता में सफल छात्रों को पुरस्कृत भी किया।

अपने सम्बोधन में विधायी एवं न्याय मंत्री ने कहा कि हमारे देश का संविधान राष्ट्र के समग्र विकास के लिए प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों का प्रतीक है। यह संविधान भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करने और उसे अक्षुण्ण रखने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि उच्च आदर्शों से युक्त भारत का संविधान सभी लोगों में समरसता और समान भातृत्व की भावना का निर्माण करता है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा संविधान है, जो धर्म, भाषा, और प्रदेश अथवा वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे है। साथ ही हमारी सामाजिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का भी द्योतक है। विधायी एवं न्याय मंत्री ने भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि देश की आजादी के बाद संविधान लागू होने पर देश के पहले राष्ट्रपति का पदभार उन्होंने संभाला। राष्ट्रपति के तौर पर उन्होंने कभी भी अपने संवैधानिक अधिकारों में राजनीतिज्ञों को दखलअंदाजी का मौका नहीं दिया और हमेशा स्वतंत्र रुप से कार्य करते रहे। प्रमुख सचिव न्याय दिनेश कुमार सिंह ने भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास का प्रतीक हमारा संविधान सामाजिक मूल्यों को सुदृढ़ करता है। यह वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास के साथ ही सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करने और व्यक्तिगत व सामूहिक गतिविधि में उत्कृष्टता बढ़ाता है। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव अजय त्यागी, विशेष सचिव न्याय रणधीर सिंह, विशेष सचिव न्याय राजेश उपाध्याय, विशेष सचिव न्याय विपिन सिंहए, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव पूर्णिमा सागर, प्रधानाचार्य अमीनाबाद इण्टर कॉलेज सहित बड़ी संख्या में छात्र तथा गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

भाजपा सरकार की गलत नीतियों के चलते महंगाई में बेतहाशा वृद्धि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे ने भाजपा सरकार को मंहगाई के लिए जिम्मेदार ठहराते हुये कहा है कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण देश में मंहगाई बेतहाशा बढ रही है। पिछले महीने से गैस के दाम 90 रुपये बढ़ गये और सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं। जिसमें प्याज 100 रुपये, लहसुन 300 रुपये, टमाटर 50 रुपये तथा भिण्डी 80 रुपये प्रति किलो बिक रही है। इतना ही नहीं कच्चा तेल सस्ता होने के बावजूद भी पेट्रोल 80 रुपये तथा डीजल 70 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है और सरकारों के कानों पर जूं नहीं रेंग रही है।

मंगलवार को एक बयान जारी कर राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि यदि केन्द्र सरकार ने समय रहते प्याज का आयात करने का फैसला और कालाबाजारी पर रोक लगाने के

कारगर कदम उठाये होते तो आम जनता को मंहगाई का दंश न झेलना पड़ता। दुबे ने सरकार पर गरीब विरोधी होने का आरोप लगाते हुये कहा कि भाजपा सरकार शुरू से ही मोबाईल इण्टरनेंट और काल दर सस्ता करने की बात तो लगातार करती चली आ रही हैं लेकिन सस्ता करने की बजाय इंटरनेट मोबाइल डाटा और काल दर को मंहगा करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनियों को फ ोर जी की सेवाएं तत्काल अपग्रेड करने की मांग करते हुये कहा कि सरकार आम लोगो को लूट रही सेल फोन कंपनियों को काल और डेटा मंहगा करने की खुली छूट बंद करे।

छह दिसंबर के दृष्टिगत सूबे में रहेंगे कड़े सुरक्षा इंतजाम

डीजीपी ने दिए निर्देश, भारत-नेपाल सीमा पर पड़ने वाले जिलों मे बरती जाएगी विशेष सतर्कता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आगमी छह दिसंबर को विवादित ढांचा गिराए जाने की बरसी पर होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के दृष्टिगत डीजीपी ओपी सिंह ने सूबे में कड़े सुरक्षा इंतजाम किए जाने के पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए। डीजीपी ने इस संबंध में राज्य के सभी जोन के एडीजी, आईजी, रेंज के आईजी,डीआईजी और जिलों के पुलिस कप्तानों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग कर आवश्य दिशा निर्देश दिए। उन्होंने भारत-नेपाल सीमा पर पड़ने वाले जिलों में भी विशेष सतर्कता बरतने को कहा है।

डीजीपी ने कहा कि आसूचना व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए एवं इसमें गुणात्मक रूप से यह देखा जाए कि किन क्षेत्रों में अभी भी संवेदनशीलता बनी हुई है तथा इसको पूर्णरूप से समाप्त करने या कम करने के प्रयास किए जाए। सभी थानों पर पीस कमेटी की बैठक कर ली जाए तथा इसमें समाज के सम्भ्रान्त, बुजुर्गों, युवाओं एवं धर्मगुरूओं को शान्ति एवं सद्भाव बनाए रखने की जिम्मेदारी के लिए प्रेरित किया जाए। नागरिक सुरक्षा संगठन एवं विशेष पुलिस अधिकारी-पुलिस मित्रों का भी यथोचित सहयोग लिया जाए। मिश्रित आबादी के क्षेत्रों विशेषकर जंक्शन प्वाइंटस पर पर्याप्त सर्तकता बरती जाए।

कम्यूनिटी पुलिसिंग को और अधिक सुदृढ़ किया जाए तथा महत्तम जनसहभागिता सुनिश्चित की जाए उक्त के निमित्त शान्ति समितियों, सिविल डिफेन्स संगठनों, डिजिटल वालण्टियर, एस-10 एवं सी-प्लान के सदस्यों को आमंत्रित कर शान्ति एवं सद्भाव बैठकें आयोजित कर ली जाएं। हर छोटी से छोटी सूचना पर समुचित एवं तत्काल रिस्पांस किया जाये। थाने की स्थानीय पुलिस पेट्रोलिंग वाहनों एवं यूपी-112 के पीआरवी वाहनों की गत्यात्मकता को राजपत्रित अधिकारियों द्वारा चेक करते हुए उनका रिस्पांस टाईम उच्चीकृत किया जाए। महत्वपूर्ण व्यक्तियों की सुरक्षा का मूल्यांकन राजपत्रित अधिकारी के माध्यम से पुनः कराते हुए समुचित सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। अशान्ति फैलाने वाले व्यक्तियों द्वारा किसी भी प्रकार के विवादस्पद-आत्तिजनक पोस्टरों, नारों के चिपकाने अथवा लिखने इत्यादि पर पहले से सतर्क दृष्टि रखी जाए। महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों जहां पर धार्मिक पूजा स्थल बने हुए हैं, उनके पुजारी, मुतवल्ली, मौलाना आदि से नियमित रूप से संवाद बनाए रखा जाए तथा उन स्थलों की सुरक्षा के संवार्गीण उपाय सुनिश्चित किए जाएं। बाहरी क्षेत्रों में बने धार्मिक स्थलों पर विशेष रूप से सतर्क दृष्टि रखी जाए। 6 दिसम्बर को ही डॉ. भीमराव अम्बेडकर का परिनिर्वाण दिवस होने के कारण इस दिन प्रभात फेरी, रैली, गोष्ठी तथा माल्यार्पण आदि के कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है।

जो कार्य करेगा वही आगे बढ़ेगा: डीजीपी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● पुलिस महानिदेशक ने अचानक रेडियो हेडक्वार्टर का किया भ्रमण, अफसरों से लेकर चतुर्थ श्रेणी कर्मियों का किया सम्मेलन

डीजीपी ओपी सिंह ने पुलिस महकमे की विभिन्न इकाइयों में आपसी प्रतिस्पर्धा पर बल देते हुए कहा कि जो कार्य करेगा वही आगे बढ़ेगा। उन्होंने पुलिस कर्मियों के कल्याणार्थ चलायी जा रही योजनाओं का लाभ उन पहुंचाने के अधिकारियों को निर्देश दिए। डीजीपी ने मंगलवर को पुलिस रेडियो हेडक्वार्टर अचानक भ्रमण कर अधिकारियों से लेकर चतुर्थ श्रेणी तक के कर्मचारियों का सम्मेलन आयोजित किया।

डीजीपी ने सर्वप्रथम सभी से दैनिक कार्य सम्बन्धी एवं व्यक्तिगत समस्याओं से अवगत कराने की अपेक्षा की। किसी भी कार्मिक ने कोई समस्या नहीं बतायी। तदोपरान्त पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश ने सभी को सीजीएचएस स्कीम की दर पर उत्तर प्रदेश पुलिस कार्मिकों को प्राइवेट चिकित्सालयों में चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने, सभी जनपदों में सब्सिडियरी पुलिस कैण्टीन खोले जाने, स्टाफ के कल्याण सम्बन्धी पुलिस द्वारा संचालित योजनाओं की जागरुकता की जानकारी ली तथा अधिक से अधिक संख्या में पुलिस कल्याण उपायों का लाभ उठाने के लिए आवाहन किया। पुलिस महानिदेशकए उत्तर प्रदेश ने अपेक्षा की कि पुलिस रेडियो को अत्याधुनिक बनाने की दिशा में प्रयास करना चाहिए तथा विभाग को इस प्रकार समुन्नत किया जाय कि विभागों में आपस में समुन्नत रहने के लिए प्रतिस्पर्धा का विकास हो। डीजीपी ने पुलिस रेडियो को अधिकतम सेवा दे चुके एवं विभाग में नये कार्मिकों से कार्य संस्कृति में बदलाव, विभाग के तकनीकी उन्नयन, जनसुविधाओं के विकास आदि के सम्बन्ध में भी जानकारी की।

स्वच्छ कैम्पस रेटिंग में एकेटीयू को मिला देश में पहला स्थान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय ने स्वच्छ कैंपस रैंकिंग 2019 ऑफ़ हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस में पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। कैंपस को यह रेटिंग मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद की तरफ से गठित टीम की रिपोर्ट के आधार पर मिली है। इसकी घोषणा मंगलवार को दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान की गयी है।

स्वच्छ कैंपस रैंकिंग 2019 ऑफ़ हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के लिए तीन सदस्यीय टीम ने अगस्त में विवि का दौरा कर सभी मानकों पर गहन निरीक्षण किया था। बता दें कि विवि का परिसर एक लाख पच्चीस हजार आठ सौ सत्तावन वर्ग मीटर

यानी 30 एकड़ का है, जिसमें मुख्य रूप से तीन भवन हैं। इनमें प्रशासनिक भवन, अकादमिक भवन एवं डिजिटल लाइब्रेरी भवन शामिल हैं। विवि के प्रवक्ता आशीष मिश्र का कहना है कि 20 जून 2017 को विवि के परिसर का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किये जाने के प्रथम दिन से ही विवि को क्लीन और ग्रीन बनाये रखने के लिए सफाई का कार्य विवि ने प्रथम प्राथमिकता पर रखा है। जिसका परिणाम रहा कि विवि ने पूरे देश में स्वच्छ कैंपस रैंकिंग 2019 में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

धान क्रय केन्द्रों पर बोरों का संकट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

धान क्रय केन्द्रों पर बोरों का संकट खड़ा हो गया है। राज्य सरकार के स्तर पर गठित टीम के दौरों से क्रय केन्द्रों पर बोरों के संकट की बात सामने आयी है। पर्याप्त संख्या में बोरों के न होने के कारण किसानों को क्रय केन्दों से बैरंग लौटना पड़ रहा है। क्रय केन्द्रों पर बोरों की दिक्कत का प्रतिकूल असर धान खरीद पर पड़ रहा है।

धान खरीद पर नजर रखने और क्रय केन्द्रों का औचक निरीक्षण करने के लिये शासनस्तर पर अधिकरियों की कई टीमें बनी हैं। जिन्हें निरीक्षण के लिये अलग-अलग सर्किल का आवंटन है। इन टीमों में अधिकतर निरीक्षण रिपोर्ट में क्रय केन्द्रों पर बोरों की कमी होने की बातें कही गई हैं। जिन जिलों के क्रय केन्द्रों पर बोरों की कमी मिली है उनमें कानपुर, हरदोई, फतेहपुर, प्रयागराज, आगरा, वाराणसी, जौनपुर, बहराइच, बरेली, मेरठ, जालौन तथा उन्नाव सहित अन्य जिले हैं। निरीक्षण टीमों की रिपोर्ट के आधार पर धान खरीद की धीमी गति की वजह में एक अहम कारण क्रय केन्द्रों पर पर्याप्त संख्या में बोरों का भी न होना है। अभी तक धान खरीद की सुस्त रफ्तार को लेकर नियमों की दिक्कतों का हवाला दिया रहा था। सूत्रों के मुताबिक जिन क्रय एजेन्सियों के क्रय केन्द्रों पर बोरों की कमी मिली है, उन्हें निरीक्षण दल की रिपोर्ट से अवगत कराया गया है। इन एजेन्सियों को निर्देश दिये गये हैं कि किसानों को अपना धान बेचने के लिये किसी भी तरह की दिक्कतें नहीं आनी चाहिए। इसके साथ ही जरूरत के अनुरूप क्रय केन्द्रों पर बोरे उपलब्ध कराने को कहा गया है। विदित हो कि खाद्य एवं रसद विभाग सहित राज्य सरकार की आधा दर्जन से अधिक एजेन्सियां समर्थन मूल्य पर धान की खरीद कर रही हैं।

किसानों की समस्याओं को लेकर कांग्रेस का प्रदेशभर में प्रदर्शन आज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● सरकार के जनविरोधी निर्णयों से किसानों को नहीं मिल पा रहा उपज का उचित मूल्यः लल्लू

गन्ना किसानों को 450 रुपए प्रति कुन्तल गन्ना मूल्य दिए जाने, गन्ना किसानों के बकाये गन्ना मूल्य का भुगतान किए जाने एवं बन्द चीनी मिलों को चालू किये जाने की मांग को लेकर और एक हजार से अधिक किसानों को पराली जलाने पर जेल भेजे जाने के विरोध में 4 दिसम्बर को प्रदेश की सभी तहसील एवं जिला मुख्यालयों पर जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटियों द्वारा आन्दोलन किया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू स्वयं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ में जिला-शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा जिमखाना मैदान से कलेक्ट्रेट तक आयोजित विरोध मार्चध्धेराव का नेतृत्व करेंगे।

लल्लू ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव के दौरान किसानों से सरकार बनने के 14 दिन के अन्दर गन्ना मूल्य के बकाए भुगतान का वादा किया था। सत्ता में आये हुए लगभग ढाई वर्ष से अधिक समय बीत चुका है लेकिन अभी तक पिछले वर्ष के बकाये का भुगतान नहीं किया गया है। एक पेराई सत्र बीत जाने के बाद भी दूसरे पेराई सत्र के शुरू होने पर भी गन्ना मूल्य का भुगतान नहीं किया जा रहा है। सरकार के तमाम जनविरोधी निर्णयों से गन्ना किसानों की फसल का लागत मूल्य तो बढ़ गया है लेकिन उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश सरकार पराली जलाने पर किसानों को जेल तो भेज रही है लेकिन अभी तक पराली का अलग कार्यों में उपयोग करने का कोई विकल्प किसानों के समक्ष नहीं पेश कर पायी और न ही उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार सरकार किसानों की पराली खरीद रही है और न ही पराली का वाजिब मूल्य ही दिलाया जा रहा है। किसानों के हक में इन ज्वलन्त मुद्दों को लेकर कांग्रेस पार्टी कल सड़कों पर उतरेगी। जब तक किसानों को उनका वाजिब हक नहीं मिल जाता, कांग्रेस पार्टी का आन्दोलन अनवरत जारी रहेगा।

पोत पुनर्चक्रण विधेयक को मंजूरी दी

भाषा। नई दिल्ली

लोकसभा ने मंगलवार को पोत पुनर्चक्रण विधेयक-2019 को मंजूरी दे दी। सरकार ने विधेयक पर कुछ विपक्षी सदस्यों की चिंताओं को निर्मूल बताते हुए कहा कि यह विधेयक श्रमिक केंद्रित, पर्यावरण केंद्रित है जिसमें रोजगार एवं उद्योग में वृद्धि पर खास ध्यान रखा गया है।

निचले सदन में विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए पोत परिवहन मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि मौजूदा समय में दुनिया के पोत रिसाइकलिंग उद्योग में भारत की 30 फीसदी हिस्सेदारी है और इस विधेयक के कानून का रूप लेने के बाद इसमें और बढ़ोतरी होगी।

मंत्री ने कहा कि हांगकांग संधि का अनुमोदन करने और अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) के मानकों के आधार पर कानून बनाने से पोत उद्योग को बहुत लाभ होगा। कुछ सदस्यों की चिंताओं को दूर करने का प्रयास करते हुए मांडविया ने कहा कि यह संधि देश और उद्योग के हित में है, इसलिए इसे लागू कर रहे हैं। मोदी सरकार किसी संधि को लागू करने के लिए किसी के दवाब में नहीं आती है। आरसीईपी देश के हित में नहीं था, तो हमने स्वीकार नहीं किया।

उन्होंने गुजरात के अलंग का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां 131 प्लाट हैं जिनमें से 72 प्लाट हांगकांग संधि के अनुरूप हैं। मंत्री ने कहा कि जहाज पुनर्चक्रण के संदर्भ में नार्वे, जापान जैसे देशों ने अपना जहाज भेजने की बात कही है। उन्होंने कहा कि हिन्दुस्तान में जहाज तोड़ने का उद्योग कचरा पैदा करने वाला नहीं बल्कि धन पैदा करने वाला उद्योग है। इन जहाजों से इस्पात के अलावा मोटर, इंजन, फर्नीचर आदि प्राप्त होते हैं। मांडविया ने कहा कि इसमें स्वास्थ्य एवं श्रमिक सुरक्षा का खास ध्यान रखा गया है। इसमें ऐसा प्रावधान है कि उद्योग को जहाज से जुड़ी सामग्री की जानकारी तैयार करनी होती है जिसमें यह भी बताना होगा है कि घातक सामग्री क्या-क्या हैं। इसके अलावा अधिकार सम्पन्न प्राधिकारी इसकी जांच करते हैं।

मंत्री के जवाब के बाद सदन ने कुछ सदस्यों के संशोधनों को अस्वीकार करते हुए विधेयक को ध्वनिमत से मंजूरी दे दी।

सरकारी विभागों पर है 41,700 करोड़ रुपए का बिजली बकाया

नई दिल्ली। बिजली मंत्री आर के सिंह ने मंगलवार को बताया कि विभिन्न राज्यों के सरकारी विभागों पर 41,700 करोड़ रूपए का बिजली बकाया है। सिंह ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 2018-19 में बिजली वितरण कंपनियों को करीब 27,000 करोड़ रूपए का नुकसान हुआ जबकि राज्यों के सरकारी विभागों पर करीब 41,700 करोड़ रूपए का बकाया था।

बिजली वितरण कंपनियों की समस्याओं के हल के लिए शुरू की गई उदय योजना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इससे नुकसान में कमी आई है और यह 22 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत हो गया है।उन्होंने बिजली नुकसान के कारणों की चर्चा करते हुए कहा कि चोरी के अलावा बिजली कंपनियों द्वारा ठीक से बिलिंग और वसूली नहीं करना भी एक अहम कारण है। इसके अलावा कई राज्य सरकारें अपने यहां उपभोक्ताओं को सब्सिडी देती हैं लेकिन वे पूरी राशि बिजली कंपनियों को नहीं देतीं। बिजली कंपनियों को होने वाले नुकसान में कमी लाने के लिए उठाए जाने वाले विभिन्न कदमों का जिक्र करते हुए सिंह ने कहा कि स्मार्ट मीटर पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

पटना में पार्टी चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करते राजद नेता तेजस्वी यादव। साथ में उनके भाई तेजप्रताप यादव

आरएएफ व पुलिस ने शहर में किया पैदल मार्च

शहर में पैदल मार्च करती आरएएफ जवान व पुलिस

संवाददाता। ललितपुर

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि को लेकर लम्बे अर्से तक चले विवाद का अंतिम फैसला सुप्रीम कोर्ट से आने के बाद अब आगामी छह दिसम्बर के मद्देनजर जनपद में अतिरिक्त सुरक्षा बल मुहैया कराया गया है। जनपद में सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता रखे जाने के उद्देश्य से मंगलवार को शहर के प्रमुख मार्गों पर रेपिड एक्शन फोर्स (आर.ए.एफ.) के सशस्त्र जवानों ने पैदल मार्च कर लोगों को सुरक्षा का विश्वास दिलाया। कोतवाली सदर से शुरू हुआ पैदल मार्च पुरानी तहसील चौराहा, घण्टाघर, वीर सावरकर चौक होते हुये तालाबपुरा रोड से बीच का बंध पहुंचा। यहां से तुवन मंदिर होते हुये पैदल मार्च पुनः कोतवाली परिसर पहुंच कर समाप्त हुआ। इस पैदल मार्च में आर.ए.एफ. के सशस्त्र जवान, पुलिस बल व महिला पुलिस अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

समाज के सभी वर्गों को न्याय दिलाएं अधिवक्ता: संघ

● मनाया गया अधिवक्ता दिवस

अधिवक्ता दिवस मनाते वकील

ललितपुर। कचहरी परिसर में युवा अधिवक्ता संघ के तत्वाधान में अधिवक्ता दिवस एवं देश के प्रथम राष्ट्रपति प्रख्यात अधिवक्ता डा.राजेन्द्र प्रसाद की जयन्ती के अवसर पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि हम सभी अधिवक्ताओं को डा.राजेन्द्र प्रसाद द्वारा बताये हुये मार्ग पर चलते हुये राष्ट्रहित में अपना योगदान सुनिश्चित करना चाहिए। अधिवक्ता देश की न्यायिक व्यवस्था की रीढ़ है। अधिवक्ताओं के लिए आवश्यक है कि वह समाज के सभी वर्गों को न्याय दिलाने एवं सभी के बीच एकता, अखण्डता और बंधुत्व को बढ़ाने के लिए सदैव योगदान करते रहें। अध्यक्षता पवन कुमार तिवारी एड. ने व संचालन विजय कुमार सिंह एड. द्वारा किया गया। इस दौरान मधुसूदन श्रीवास्तव, दीपक सक्सेना, बृजेश श्रीवास्तव, सुरेन्द्र राजपूत, कुन्जन सिंह, जगदीश पटेल, त्रिलोकी पटैरिया, महेन्द्र सविता, रामगोपाल अहिरवार, शेख सिकन्दर, वसीम राजा, अनिल यादव, विवेक सक्सेना, सुनील शंकर, रामकुमार वैष्णव, मनोज कुशवाहा, बृषभान यादव, वेदप्रकाश राय, सूरज ठाकुर, पवन श्रीवास्तव, उमेश, धर्मेंद्र, अरमान, राममूर्ति, बलराम, अंतिम जैन, राकेश रजक, कुंवर राजपूत, प्रमोद, जयपाल, जगदीश, सूर्यप्रकाश, हीरालाल, नरेन्द्र, केशमान, अजय साहू, गौरव सेन, नकुल, प्रभात, विजय, रामलखन यादव, मानवेन्द्र यादव, लकी राजपूत, अनुराग, मुकेश, रामनरेश, मनीष, नन्हें यादव, शैलेन्द्र, इमरत, विवेक, गौरव रावत, रमाकान्त, मनीष श्रीवास्तव, आशीष शर्मा, अजय वीर विक्रम, रामपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

ग्राम स्वराज अभियान की बैठक पांच को

बरेली। भाजपा द्वारा ग्राम स्वराज अभियान कार्यक्रम को लेकर प्रशिक्षण व बैठक का आयोजन किया जा रहा है। स्वराज अभियान के माध्यम से पार्टी के कार्यकर्ता दो महीने तक गांव गांव जाकर सरकार की योजना की जानकारी व सरकार के विकास के कार्यो की जानकारी जनता को देंगे। कार्यकर्ताओं की एक बैठक का आयोजन आगामी 5 दिसम्बर को सुबह 11 बजे से किया जायेगा।

पांच साल में विनिवेश से सरकार को 2.79 लाख करोड़ मिले

भाषा। नई दिल्ली

वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि 2014-19 के दौरान सार्वनजिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) के विनिवेश से सरकार को 2,79,622 करोड़ रुपए प्राप्त हुए जबकि 2004-14 के दौरान यह राशि।,07,833 करोड़ रूपए थी। ठाकुर ने उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पांच साल में हमने दोगुनी राशि जुटाई। उन्होंने कहा कि हर साल औसतन 21 लेनदेन किए गए जबकि 2004-2014 के बीच यह औसत चार था। ठाकुर ने कहा कि 2014-19 के दौरान विनिवेश लेनदेन से कुल 2,79,622 करोड़ रुपए प्राप्त हुए। अगर इसकी तुलना 2004-14 से करें जो 10 साल की अवधि थी, तो 40 लेनदेन के माध्यम से, केवल।,07,833 करोड़ रुपए ही जुटाए जा सके।

नाणार और आरे कॉलोनी प्रदर्शन को लेकर दर्ज किए गए मामलों की वापसी के लिए समिति गठित

भाषा। मुम्बई

महाराष्ट्र सरकार ने नाणार रिफाइनरी और आरे कॉलोनी मेट्रो कारेशेड परियोजनाओं के खिलाफ प्रदर्शन के सिलसिले में दर्ज किए गए मामलों के परीक्षण के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित की है।

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने घोषणा की थी कि इन दो परियोजनाओं का विरोध करने वाले प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज किए गए मामले वापस लिए जाएंगे। एक अधिकारी ने बताया कि गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव की अगुवाई में पांच सदर्स्यीय समिति गठित की गई है।

गृह विभाग ने सोमवार को समिति के गठन के संबंध में सरकारी आदेश जारी किया जिसमें पुलिस महानिदेशक, मुम्बई के पुलिस आयुक्त, गृह, विधि एवं न्यायिक विभागों के प्रधान सचिव शामिल होंगे। अधिकारी ने बताया कि समिति सिफारिशों के साथ अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार के पास भेजेगी जिसके बाद सीआरपीएसी की धारा 321 के तहत मामले वापस लिए जाएंगे। स्थानीय लोगों ने तटीय रत्नागिरि जिले के नाणार में लाखों डॉलर की रिफाइनरी की योजना का यह कहते हुए कड़ा विरोध किया था कि इससे पारिस्थितिकी को नुकसान पहुंचेगा। ठाकरे की अगुवाई वाली सत्तासीन शिवसेना ने प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया था।

हाल ही में मुम्बई पुलिस ने आरे कॉलोनी में मुम्बई मेट्रो की कारशेड परियोजना के लिए पेड़ों की कटाई के खिलाफ प्रदर्शन करने पर कम से कम 38 प्रदर्शनकारियों के विरूद्ध भादंसं की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था।

दुर्घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

बरेली। मुकदमे की तारीख से घर लौट रहे हैं रेप के आरोपी युवक को एक ट्रक ने टक्कर मार दी वह गंभीर रूप से घायल हो गया घर वालों ने उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जहां रात में उसने दम तोड़ दिया पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पीलीभीत के बीसलपुर थाने के गांव खिरकिया करगड़िया निवासी 22 वर्षीय धर्मेंद्र पुत्र सिकंदर की बीती रात बरेली के एक निजी अस्पताल में मौत हो गई। धर्मेंद्र पर कुछ महीने पहले गांव के ही रहने वाले एक व्यक्ति ने अपनी बेटी के साथ दुराचार का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की थी। तब पुलिस ने आरोपी धर्मेंद्र को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। जहां से लगभग 3 माह पूर्व जमानत पर छूटकर घर आया था और कल सुबह वह मोटरसाइकिल से मुकदमे की तारीख पर अदालत गया था। जमुनिया चौराहा पर पहुंचा तभी तेजी से आ रहे एक ट्रक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद ट्रक फरार हो गया।

जब तक जीवन में प्राण, नहीं छूटे भक्ताम्मर

अनंतकालीन भक्ताम्मर की वर्षगांठ पर पूजन करते श्रद्धालु

ललितपुर। क्षेत्रपाल मंदिर में आचार्य विद्यासागर महाराज के प्रभावक शिष्य निर्यापक मुनि पुंगव सुधासागर महाराज के सानिध्य में प्रारम्भ हुए अनंतकालीन भक्ताम्मर की 7 वी वर्षगांठ धर्मालुजनों ने प्रभावना पूर्वक पूजन विधान के साथ प्रारम्भ की। विधान पुर्याजक परिवार ने अभिनंदननाथ प्रभु के सम्मुख शान्तिधारा का पुण्यलाभ लिया। जैन पंचायत अध्यक्ष ने अनंतकालीन भक्ताम्मर पाठ की महिमा का उल्लेख करते हुए इसे जैन समाज के लिए असीम पुण्य का संचय बताया। इसकी आराधना से अनेकों के विगडे काम बने और अनेकों को जीवन में शान्ति की अनुभति हुई। इसमें न जाने कितने भवों का पुण्य श्रावक इस भक्ताम्मर पाठ में सम्मलित होकर अर्जित कर रह रहा है उन्होने मुनिपुंगव सुधासागर महाराज द्वारा समाज को दी गई इस प्रेरणा के लिए साधुवाद दिया और कहा प्रभु से यही भावना करना कि जव तक जीवन में प्राण है यह भक्ताम्मर हमसे नहीं छूटे। उन्होने कहा प्रदेश का यह अनूठा मदिर है जहां दरवाजे वंद हुए वगैर अनवरत रूप से पूजन अर्चन धर्मालुजन करते है। कार्यक्रम के दौरान अखण्ड भक्ताम्मर पाठ में सहयोगियों को पंचायत समिति ने सम्मानित किया। सायंकाल संगीतमय भक्ताम्मर जी की आरती हुई जिसमें भक्ति में श्रद्धालुजन झूमे और प्रभु की भक्ति की।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत

बरेली। रिश्तेदार के निधन के बाद उसके शुद्धि हवन में शामिल होने जा रहे मोटरसाइकिल सवार एक ग्रामीण को तेजी से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया जहां उसको कुछ देर बाद डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।शीशगढ़ थाने के गांव केशवपुर गुलरिया निवासी 45 वर्षीय हरस्वरूप पुत्र पोथीराम की आज सुबह देवरनियां के दमखोदा इलाके में हुए सड़क हादसे में मौत हो गई। सूचना मिलने पर जिला अस्पताल पहुंचे घरवालों ने बताया कि हरस्वरूप के एक रिश्तेदार की कुछ दिन पहले मौत हो गई थी। वह उसके शुद्धि हवन में शामिल होने के लिए आज सुबह मोटरसाइकिल पर घर से निकला था। उसे देवरनियां के गांव बहादुरगंज जाना था। लेकिन रास्ते में दमखोदा के पास तेजी से हर एक ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। ट्रक का चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया लोगों की सूचना मिलने के बाद पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा। कुछ देर बाद ही उसे मृत घोषित कर दिया गया।

सबके के भले की अरदास कर लौटा जत्था

एसपी को सिरोपा भेंट करते सामाजिक बंधु

ललितपुर। सिख पंजाबी सिंधी समाज का एक जत्था सबके भले की उन्नति की अरदास करके सचखंड श्रीहजूर साहिब नांदेड़ महाराष्ट्र एवं नानक झीरा कर्नाटक व अन्य पवित्र गुरुद्वारों एवं सरोवरों के दर्शन व स्नान कर सकुशल लौट आया। पुलिस अधीक्षक कैप्टन एमएम बेग से गुरु सिंह सभा के पूर्व महामंत्री सरदार गुरबचन सिंह सलूजा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल मिला।

ट्रक की टक्कर से डनलप सवार ग्रामीण की मौत

बरेली। पीछे से आ रहे एक ट्रक में डनलप को टक्कर मार दी जिससे उस पर सवार ग्रामीण जमीन पर गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया उसकी अस्पताल में मौत हो गई दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।मीरगंज थाने के गांव हल्दी निवासी मकसूद हुसैन पुत्र अनवर हुसैन की आज सुबह मीरगंज के नगरिया इलाके में हुई सड़क दुर्घटना में मौत हो गई पोस्टमार्टम हाउस पर उसके घरवालों ने बताया कि मकसूद हुसैन आज सुबह किराए का डनलप लेकर उसमें भूसा लाने के लिए कैंट के गांव चनेटी जाने के लिए घर से निकला था।

आग से झुलसी महिला ने दम तोड़ा

बरेली। कपड़ों में लगी आग से झुलसी एक महिला को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां देर रात उसने दम तोड़ दिया लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।सीबीगंज थाने के गांव जोली मुरारपुर निवासी सूरजपाल की पत्नी हीरा कली की बीती रात झुलसी अवस्था में जिला अस्पताल में मौत हो गई। उसे कल शाम को पति ने भर्ती कराया था। पोस्टमार्टम हाउस पर पति ने बताया कि कल शाम को हीराकली घर में जल रही मिट्टी के तेल की डिबिया मे जलते समय तेल डाल रही थी। जिससे डिबिया में भरे तेल ने आग पकड़ ली और पास बैठी हीरा कली के कपड़ों में भी आग लग गई। उसने मदद के लिए शोर मचाया तब घर में मौजूद पति व अन्य लोगों ने उसके कपड़ों में लगी आग को बुझाकर स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराने की कोशिश की। लेकिन डॉक्टर ने उसकी हालत को नाजुक बताया तब उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल ले आए यहीं पर उसकी मौत हो गई। मृतका के मायके वालों ने किसी पर भी आरोप लगाने से इनकार किया। वह 4 बच्चों की मां थी।

ट्रेन की चपेट में आकर मजदूर घायल

बरेली। घर से दूर रहकर मजदूरी करने बाला एक मजदूर बीती रात रेलवे लाइन पार करते समय ट्रेन की चपेट में आ गया उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।फतेहगंज पश्चिमी थाने के गांव रसूला निवासी दोदराज पुत्र प्यारेलाल को बीती रात पुलिस ने घायल अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया घटना की सूचना मिलने पर अस्पताल पहुंचे उसके घर वालों ने बताया कि दोदराज कई सालों से बरेली में थाना क्षेत्र में अलखनाथ मंदिर के पास स्थित तुलसी स्थल के इर्द-गिर्द के मकानों में रहता था मकान में रहने वाले लोग उसे रात मिश्रण देते थे वह मजदूरी करके रोजाना त्रिबटीनाथ मंदिर के पास स्थित एक स्थान पर रूकता था और शराब पीता था। था कल शाम को भी वह जिस मकान में ठहरा था उसके मेन गेट पर ताला डालकर शराब पीने के लिए गया था। जहां से नशे की हालत में वापस लौटते समय जब तुलसी स्थल के पास से गुजर रहा था तभी ट्रेन की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दे दी। जो मौके पर पहुंची और जिस मकान में रहता था। उसके मालिक से घायल के घरवालों का पता पूछ कर सूचना दे दी। जो जिला अस्पताल पहुंचे।

बेकाबू टेंपो पलटा, चालक की मौत

बरेली। सवारियों से भरे टैंपू अचानक सड़क पर आ रही भैंस को बचाने की कोशिश में बेकाबू होकर पलट गया। जिससे उसका चालक गंभीर रूप से घायल हो गए और उसकी अस्पताल में मौत हो गई अन्य लोगों को मामूली चोटें आई पुलिस ने मृतक की लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।मुरादाबाद के कटघर थाने के बलदेव पुर निवासी 36 वर्षीय रामपाल पुत्र रामकिशन की आज सुबह बरेली के एक निजी अस्पताल में मौत हो गई। दुर्घटना की सूचना मिलने पर पहुंचे उसके घर वालों ने बताया कि रामपाल रामपुर में रहकर किराए का टेंपो चलाता था और आज सुबह अपने एक रिश्तेदार के घर जाने के लिए बरेली आया था। उसे लेकिन बीसलपुर रोड पर सड़क पर जा रही एक भैंस को बचाने में उसका टैम्पो पलट गया इससे रामपाल गंभीर रूप से घायल हो गया और अन्य लोगों को मामूली चोटें हैं स्थानीय लोगों की सूचना के बाद मौके पर पहुंची। पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल भेजा जहां रामपाल की कुछ देर बाद मौत हो गई। पुलिस ने उसके पास में मोबाइल फोन से दुर्घटना की सूचना उसके घर वालों को दे दी। अस्पताल पहुंचे और लाश की शिनाख्त कर ली। मृतक चार बच्चों का पिता था। उसकी पत्नी का नाम राममूर्ति देवी है। लाश को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मंदबुद्धि लड़की की ट्रेन से कट कर मौत

बरेली। एक मंदबुद्धि लड़की कल शाम अपने घर के पास से गुजर रही रेलवे लाइन पार करते समय ट्रेन की चपेट में आकर मौत हो गई सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने लाश को शिनाख्त के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच शुरू कर दी। फरीदपुर थाने के गांव नौगवां निवासी सरवर की 15 वर्षीय बेटी निशा की कल शाम ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई मृतका के घर वालों ने बताया कि निशा बचपन से ही दिमागी तौर पर कमजोर थी। घर से बाहर टहलने के लिए निकली थी लेकिन कुछ दूर चलने के बाद जब वह रेलवे लाइन पार कर रही थी तभी अचानक ट्रेन की चपेट में आकर उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घर के लोग उसे तलाशते हुए रेलवे लाइन के पास पहुंचे जहां निशा की लाश को रेलवे लाइन पर देखा, पुलिस को सूचना दे दी।

वृद्ध की संदिग्ध मौत पर जताई हत्या की आशंका

बरेली। रात के समय एक वृद्ध की घर के पास ही गड्ढे में गिरकर मौत हो गई गांव के ही किसी व्यक्ति ने पुलिस को सूचना देते हुए हत्या की आशंका जताई। शाही थाने के गांव दोद आलमपुर निवासी 70 वर्षीय तुलाराम कि बीती रात अपने ही घर के पास गड्ढे में गिरकर मौत हो गई पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतक के भांजे रामपाल ने बताया कि तुलाराम अविवाहित था और उनके पास 32 बीघा जमीन है वह नेत्रहीन थे इसलिए उन्होंने अपनी बहन पार्वती पत्नी लेखराज

पेज एक का शेष

नौसेना के ...

पर नौसेना प्रमुख ने कहा कि सुरक्षित समुद्र और नियम आधारित व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए साझा हितों को सुनिश्चित करने की खातिर भारतीय नौसेना समान विचार वाले राष्ट्रों के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के बीच बने गठजोड़ की फिलहाल हिंद-प्रशांत क्षेत्र में कोई सैन्य भूमिका नहीं है। नौसेना प्रमुख ने कहा कि भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संतुलन कायम करने की भूमिका निभा रहा है।चीनी नौसेना के व्यापक विस्तार के बारे में पूछे जाने पर एडमिरल सिंह ने कहा कि वे अपनी क्षमता के अनुकूल बढ़ रहे हैं और हम अपनी क्षमता के हिसाब से चल रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या चीन के साथ संयुक्त अभ्यास की कोई योजना है, एडमिरल सिंह ने कहा कि वह ऐसे फैसले लेने के लिए अधिकृत नहीं हैं। उन्होंने कहा, यह मेरे अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

कारोबारी ने ...

आत्महत्या से पहले गुलशन, पत्नी परवीन और सहयोगी महिला के बीच दो करोड़ रुपये को लेकर झगड़ा भी हुआ था। सूत्रों के अनुसार संजना परिवार के साथ ही रहती है। इसलिए यह भी आशंका है कि आर्थिक तंगी के अलावा परिवार में विवाहेत्तर संबंधों को लेकर भी विवाद था। कुछ लोग संजना को गुलशन की दूसरी पत्नी बताते हैं लेकिन परिवार के लोग इससे इनकार कर रहे हैं। व्यवसायी के भाई हरीश ने बताया कि काफी समय से भाई के शालीमार गार्डन में रहने वाले साढ़ू राकेश वर्मा के साथ लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा था। इस संबंध में पुलिस कार्रवाई भी हुई थी और राकेश को जेल जाना पड़ा था। हरीश ने आरोप लगाया कि गुलशन के साढ़ू राकेश वर्मा ने उनके भाई के साथ धोखाधड़ी की है। वहीं मृतकों के अपार्टमेंट की दीवार पर लिखे सुसाइड नोट में भी राकेश वर्मा को मौत के लिए जिम्मेदार बताया गया है। घटना स्थल से पुलिस ने कुछ बाउंस हुए चेक बरामद किए हैं। गाजियाबाद के एसएसपी सुधीर कुमार ने बताया कि परिवार के मुखिया गुलशन को कारोबार में दो करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था और उन्होंने बैंक से कर्ज भी लिया था, लेकिन उसे चुका नहीं पा रहे थे। इसके अलावा जांच में यह भी सामने आया है कि गुलशन की जींस कोलकाता में जाती थीं लेकिन वहां उनके बिजनेस पार्टनर फर्म ने उनके 60 लाख रुपये दबा लिए थे। इससे परिवार भयावह आर्थिक तंगी में आ गया। दीवार पर लिखे सुसाइड नोट के मुताबिक यह आत्महत्या का मामला है। फिलहाल मामले की पड़ताल की जा रही है। उन्होंने बताया कि गुलशन और उनकी पत्नी तथा बिजनेस पार्टनर ने पहले सो रहे अपने बेटे रितिक और बेटी रितिका का गला रस्सी से घोंटा, जब वे निढाल हो गए तो चाकू से दोनों का गला रेत दिया। यह भी कहा जा रहा है कि गला घोंटने से पहले बच्चों को जहर के इन्जेक्शन दिए गए। इसके बाद घर में पले खरगोश, पालतू सफेद रंग के चूहे व तोते की भी गला मरोड़कर हत्या कर दी। दोनों बच्चों ने दो दिन पहले ही अपने फेसबुक व इंस्टाग्राम अकाउंट भी ब्लॉक कर दिए थे।

नोएडा के...

एक्सटेंशन की घनी आबादी वाले इलाकों को एक्वा लाइन और उससे सटी ब्लू लाइन मेट्रो नेटवर्क से जोड़ने की उम्मीद है। मेट्रो की ब्लू लाइन नोएडा को दिल्ली से जोड़ती है। गौरतलब है कि इस वर्ष जनवरी में नोएडा और ग्रेटर नोएडा को जोड़ने वाली मेट्रो की एक्वा लाइन शुरू हुई थी।

प्रियंका की ...

एक संयोग था।विधेयक पर चर्चा के दौरान कांग्रेस के बीके हरिप्रसाद सहित कुछ सदस्यों ने प्रियंका की सुरक्षा घेरे में सेंध लगाए जाने पर गहरी चिंता जताते हुए इस बारे में सरकार से कई सवाल पूछे थे। इन सवालों की ओर इशारा करते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की सुरक्षा का मामला काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बेहतर होता कि कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा की सुरक्षा से जुड़े इस अति महत्वपूर्ण मामले को संसद में उठाने या मीडिया में जाने के बजाय उन्हें, सीआरपीएफ या कांग्रेस नेता की सुरक्षा पर निगरानी रख रहे आईजी स्तर के अधिकारी को पत्र लिखकर सूचना देते।

असम में कांग्रेस विधायक ने असम विधानसभा के बाहर हथेली काटी

गुवाहाटी (भाषा)। कांग्रेस विधायक रूपज्योति कुर्मी ने मंगलवार को असम विधानसभा परिसर में अपनी हथेली काट ली और बंद पड़े उद्योगों को बेचने के राज्य सरकार के फैसले खिलाफ खून से लिखकर अपना विरोध प्रदर्शित किया। कुर्मी को विधानसभा से बाहर निकलकर निकास द्वार पर पत्रकारों के सामने ब्लेड निकालकर हथेली काटते और खून से लिखकर विरोध जताते देखा गया। मरियानी से विधायक कुर्मी ने नागाओं और कछार पेपर मिल, ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर कारपोरेशन लिमिटेड, डिब्रूगढ़ में हलमारी टी एस्टेट और करीमगंज में एलबरी टी एस्टेट को बेचने के सरकार के कथित रूप से लिए गए निर्णय के खिलाफ नारे लिखे।

कुर्मी ने संवाददाताओं से कहा कि असम सरकार को राज्य का भविष्य बेचने के इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा, असम की मिट्टी पर सभी संसाधन राज्य के गौरव, लोगों की आजीविका के साधन और राज्य के भविष्य से जुड़े हुए हैं। उन्हें बेचने की इजाजत नहीं दी जा सकती। कुर्मी से यह कहे जाने पर कि विरोध करने के उनके तरीके को युवा भी अपना सकते हैं, उन्होंने कहा, आजादी के आंदोलन के समय हमारी पार्टी (कांग्रेस) ने भारत की स्वतंत्रता के लिए ब्रिटिश की गोलियां बहादुरी से झेली थीं। आज सरकार की कार्वाई से असम जो खतरा झेल रहा है उसके लिए मैं अपना जीवन कुर्बान करने के लिए तैयार हूँ। हथेली काटने के बाद कुर्मी को आपातकालीन चिकित्सा कक्ष ले जाया गया जहाँ उन्हें टांके लगे। सदन में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता देवव्रत सैकिया से इस घटना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वह कुर्मी के विरोध प्रदर्शन का हिस्सा नहीं थे। विधानसभा अध्यक्ष हितेश गोस्वामी ने कुर्मी द्वारा सदन में ब्लेड लेकर आने की घटना पर जाँच के आदेश दिए हैं।

देश बचाने को गांधी के सिद्धांतों को अपनाना होगा : गहलोत

भाषा। जयपुर

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि ऐसे समय में जबकि असहिष्णुता और हिंसा के माहौल को लेकर हर कोई चिंतित है, देश को बचाने के लिए गांधीजी के सिद्धांतों को दिल, दिमाग और विचार से अपनाना होगा।उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश में प्रेम, शांति, सद्भाव एवं भाईचारे को बनाए रखने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।गहलोत मंगलवार को बापू नगर के अम्बर भवन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के अनावरण समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि राज्य में खादी संस्थाओं और ग्रामोद्योग को बढ़ावा देना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को खादी से जोड़ने तथा खादी कामगारों, बुनकर एवं कतिनों को सम्बल देने के उद्देश्य से महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में हमारी सरकार ने खादी पर 50 प्रतिशत छूट देने जैसा महत्वपूर्ण निर्णय किया गया।उन्होंने कहा कि खादी संस्थाओं को ऋण लेने में कोई तकलीफ न आए इसके लिए हमने 10 करोड़ रूपए की धनराशि का भी प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि इससे खादी संस्थाओं को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस कोष से खादी संस्थाओं को पैसा मिलने में कुछ तकनीकी बाधाएं आ रही हैं। इन बाधाओं को दूर कर उचित समाधान निकालने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं।

वहीं देश के प्रमुख उद्योगपति राहुल बजाज के डर का माहौल संबंधी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को कहा कि बजाज से यही उम्मीद की जा सकती थी। गहलोत ने उम्मीद जताई कि अब देश में माहौल सुधरेगा। क्या राहुल बजाज ने सरकार को आईना दिखाने का काम किया ? यह पूछे जाने पर गहलोत ने कहा, राहुल बजाज, दिवंगत जमनालाल बजाज के पोते हैं, जो गांधी जी के शिष्य थे, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष थे, स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने सेवाग्राम आश्रम बनाया। उनके पोते से यही उम्मीद थी देशवासियों को।

गहलोत ने आगे कहा, केंद्रीय गृहमंत्री (अमित शाह) की उपस्थिति में उन्होंने बहुत साहसपूर्वक अपनी बात कही। मैं उम्मीद करता हूं कि सरकार की आंखें खुलेगी, सरकार में सोच पैदा होगी कि किस दिशा में देश जा रहा है, किस दिशा में अर्थव्यवस्था जा रही है। उल्लेखनीय है कि बजाज ने मुंबई में शनिवार को एक पुरस्कार समारोह में कहा था कि देश में डर का माहौल है और लोग सरकार की आलोचना करने से डरते हैं और लोगों में यह यकीन नहीं है कि उनकी आलोचना को सरकार में सराहा जाएगा। इस मौके पर गृह मंत्री अमित शाह भी कार्यक्रम में मौजूद थे। उन्होंने कहा, राहुल बजाज के बोलने के बाद कल संसद में आपने देखा कि लोग खुलकर बोलने लगे हैं। उद्यमी खुलकर बोलने लगे हैं। वरना सभी उद्यमी, बड़े-बड़े उद्यमियों के मुंह पर ताले लगे हुए थे। जब मनमोहन सिंह बोले हैं, जब मिस्टर राहुल बजाज बोले हैं, उसके बाद मैं उम्मीद करता हूं कि बड़े-बड़े उद्योगपतियों में हिम्मत आई है। गहलोत ने कहा, मैं साधुवाद देता हूं राहुल बजाज को और उम्मीद करता हूं कि जो माहौल देश में है, उसमें अब सुधार आएगा और देश का भला होगा।

सरकार का घमंड तोड़ेगी कांग्रेस की दिल्ली रैली

भाषा। जयपुर

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस की 14 दिसंबर को प्रस्तावित दिल्ली रैली केंद्र की भाजपा नीत सरकार का घमंड तोड़ देगी। कांग्रेस ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की कथित जनविरोधी नीतियों के खिलाफ 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली आहूत की है जिसमें देश भर से उसके कार्यकर्ता भाग लेंगे।इस बारे में पूछे जाने पर गहलोत ने कहा, मैं समझता हूं कि सरकार का जो उनका अहम और घमंड है वह तोड़ने के लिए यह रैली बहुत कारगर साबित होगी। उन्होंने कहा, सोनिया गांधी के नेतृत्व में, उनके आह्वान पर सब राज्यों में जिलों में प्रदर्शन हुए हैं। अब 14 तारीख को देश की राजधानी दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रदर्शन होगा। देश भर से हजारों, लाखों कार्यकर्ता आएंगे और एक सबक सिखाएंगे, आह्वान करेंगे। गांधी परिवार की एसपीजी सुरक्षा कवर हटाए जाने पर उन्होंने कहा, सुरक्षा कवर हटाने के लिए जो तर्क दिए गए वह बड़े लचीले भी है, हास्यास्पद भी हैं और तुनक मिजाजी की ध्वनि उसमें से निकलती है। गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार के कार्यकाल का एक साल पूरा होने पर 17 दिसंबर को निरोगी राजस्थान अभियान शुरू किया जाएगा।

● राहुल बजाज के बयान के बाद गहलोत को देश में माहौल सुधरने की उम्मीद

झारखंड में चल रहे विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के दौरान जमशेदपुर में प्रधानमंत्री की रैली में उत्साहित भाजपा कार्यकर्ता

माकपा, तृणमूल कांग्रेस ने आधार को दस्तावेजों से जोड़ने को लेकर केंद्र पर साधा निशाना

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल में विपक्षी माकपा और सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस ने आधार कार्ड को अन्य दस्तावेजों से जोड़ने के निर्णय को लेकर केंद्र पर निशाना साधा और कहा कि इससे बैंक धोखाधड़ी के मामलों में बढ़ोतरी हो रही है। माकपा विधायक सुजान चक्रवर्ती ने विधानसभा में कहा कि बैंक धोखाधड़ी पूरे राज्य में प्रतिदिन हो रही हैं और धनराशि बैंक खातों से उड़ा ली जा रही है। उन्होंने कहा कि आधार को अन्य दस्तावेजों से जोड़ने से समस्या और बढ़ गई है और इससे धोखाधड़ी करने वालों को खाता धारकों की सभी जानकारी तक पहुंच बनाने में मदद मिल रही है।पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री फिरहाद हाकिम ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी शुरू से ही आधार को अन्य दस्तावेजों के साथ जोड़ने के खिलाफ रही हैं।उन्होंने कहा कि यदि धनराशि बैंक में रखी गई तो धोखाधड़ी करने वाले उसे उड़ा लेंगे और यदि घर पर रखते हैं तो नोटबंदी हो जाएगी।हाकिम ने कहा कि समस्या आधार को प्रत्एक दस्तावेज से जोड़ने के चलते उत्पन्न हुई है ओर इसकी पूरी जिम्मेदारी केंद्र की है। शहर के यादवपुर क्षेत्र से 30 से अधिक व्यक्तियों द्वारा पुलिस में शिकायत दर्ज कराकर यह आरोप लगाया था कि पिछले तीन दिनों के दौरान उनके खातों से भारी मात्रा में धनराशि उड़ा ली गई है। इसके बाद सरकार के मंत्री का यह बयान आया है।

चर्चा के बाद जद (एस) से गठबंधन पर कांग्रेस आलाकमान करेगा फैसला

बेंगलुरु। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के.सिद्धरमैया ने मंगलवार को कहा कि कर्नाटक में पांच दिसंबर को होने वाले उपचुनाव के बाद राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा अगर बहुमत के आंकड़े तक नहीं पहुंचती है तो सरकार बनाने के लिए जद(एस) के साथ गठबंधन पर फैसला पार्टी नेतृत्व करेगा। कांग्रेस के कई नेता उपचुनाव के बाद राज्य में (जदएस के साथ) गठबंधन की संभावना के बारे में पहले ही कह चुके हैं कि वे इसके खिलाफ नहीं हैं। सिद्धरमैया का बयान इसके बाद आया है।जद(एस) से गठबंधन की चर्चा को लेकर किए एक सवाल के जवाब में सिद्धरमैया ने हुनसुर में संवाददाताओं से कहा, नहीं, ऐसा कुछ नहीं है। इस बारे में आलाकमान चर्चा करेगा और फैसला लेगा। इससे पहले उन्होंने मैसूरु में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि उपचुनाव के दौरान कांग्रेस और जद(एस) के बीच कोई आंतरिक सहमति नहीं है और दोनों दी एकदूसरे के खिलाफ गंभीरता से लड़ रहे हैं। नौ दिसंबर को उप चुनाव परिणाम के बाद अच्छी खबर देने संबंधी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के हालिया बयान के बारे में पूछे जाने पर सिद्धरमैया ने कहा, इसका मतलब है कि हम (कांग्रेस) सभी 15 सीटें जीतेंगे। खड़गे समेत कांग्रेस के कई नेता कह चुके हैं कि उपचुनाव के बाद अगर भाजपा बहुमत के आंकड़े तक नहीं पहुंचती है तो उन्हें जद(एस) के साथ हाथ मिलाने के खिलाफ नहीं है। वहीं जद(एस) ने भी मिले-जुले संकेत दिए हैं।कांग्रेस और जद(एस) की राज्य में 14 महीने तक गठबंधन सरकार थी, दोनों दलों ने लोकसभा चुनाव भी एकसाथ लड़ा था लेकिन जुलाई में एचडी कुमारस्वामी की सरकार गिरने के बाद दोनों दलों की राहें अलग हो गई थी।

विविध न्यूज

पुलिसकर्मी ने आत्महत्या के प्रयास को विफल किया

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में मंगलवार को 50 साल के एक व्यक्ति ने फांसी लगा कर आत्महत्या करने का प्रयास किया लेकिन उसकी यह कोशिश एक चौकस पुलिसकर्मी ने विफल कर दी।कल्वा पुलिस थाने के निरीक्षक शेखर बागड़े ने बताया कि आत्महत्या करने वाले व्यक्ति की पहचान धनजी काम्बले के रूप में की गई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उसके बेटे ने चार महीने पहले एक ट्रेन के सामने कूद कर आत्महत्या कर ली थी। तब से वह अवसाद में था।

हिमाचल प्रदेश बेचेगा अपने हिस्से का यमुना का पानी

शिमला। हिमाचल प्रदेश मंत्रिमंडल ने ताजेवाला गलियारे में राज्य के हिस्से का यमुना जल बेचने के सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की स्वीकृति दे दी है। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। राज्य सरकार को पानी बेचने से प्रतिवर्ष 21 करोड़ रुपए का लाभ होगा। प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर की अध्यक्षता में सोमवार को हुई बैठक में राज्य कैबिनेट ने ताजेवाला गलियारे में राज्य के हिस्से का यमुना जल बेचने के सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर को स्वीकृति प्रदान की।बहरहाल, प्रवक्ता ने यह जानकारी नहीं दी कि पानी किसे बेचा जाएगा और किसके साथ सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर होगा। प्रवक्ता ने बताया कि बैठक में स्कूलों में विभिन्न श्रेणी शिक्षकों के 3,636 रिक्त पद भरने का भी निर्णय लिया गया।

नाबालिग लड़की से जबरदस्ती विवाह कर बलात्कार किया

मंदसौर, (मध्यप्रदेश)। पुलिस ने 17 वर्षीय नाबालिग लड़की से जबरदस्ती विवाह और बलात्कार करने के आरोप में 24 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है।कोतवाली पुलिस थाने की उप निरीक्षक पूर्णिमा सिंह ने मंगलवार को बताया कि नाबालिग लड़की और उसके परिजनों की शिकायत पर सोनू कुमावत को भादवि की धारा 376 और अन्य सम्बद्ध धाराओं और पॉक्सो कानून के तहत गिरफ्तार किया गया है।उन्होंने पीड़िता की शिकायत के हवाले से बताया कि रविवार को लड़की का परिचित युवक उसे जबरदस्ती घूमाने के बहाने एक होटल में ले गया। वहां पर उसे माला पहनाकर और मांग में सिंदूर भर कर जबरदस्त शादी करने के बाद उसके साथ बलात्कार किया। होटल में युवक ने लड़की के फोटो खींच कर उसे धमकाया कि इस बारे में किसी को कुछ कहा तो फोटो वायरल कर देगा। इस डर से लड़की ने घर लौटने के बाद एक दिन तक किसी को कुछ नहीं बताया। बाद में दूसरे दिन उनसे आपबीती अपने परिजन को बताई और उसके बाद सोमवार को सोनू के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।

चेन्नई में भारी बारिश के बाद घर में घुसे पानी को बाहर निकालती महिला

भोपाल गैस हादसा

35 वीं बरसी पर विभिन्न संगठनों ने किया प्रदर्शन

भाषा। भोपाल

भोपाल गैस हादसे की 35 वीं बरसी पर मंगलवार को यहां विभिन्न संगठनों ने विरोध प्रदर्शन और सर्वधर्म सभाओं का आयोजन किया।

दुनिया के सबसे भीषण औद्योगिक हादसे भोपाल गैस कांड के पीड़ितों के हित में काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों ने केंद्र तथा प्रदेश सरकारों पर हादसे के लिए ज़िम्मेदार कम्पनियों से साँठगाँठ करने और पीड़ितों को इन्साफ और इज्ज़त की ज़िंदगी से वंचित रखने का आरोप लगाया।गैस पीड़ितों की संगठनों ने संयुक्त राष्ट्र संघ से भोपाल में गैस हादसे के बाद जारी चिकित्सीय और पर्यावरणीय त्रासदी को ऐतिहासिक करने के लिए मानवीय और तकनीकी मदद की अपील की।मालूम हो कि दो और तीन दिसंबर 1984 की मध्यरात को पुराने भोपाल में यूनियन कार्बाइड के कीटनाशक संयंत्र से 40 टन घातक मिथाइल आइसोसाइनाइट गैस के रिसाव के हादसे में 5,000 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी और हजारों लोग इससे पीड़ित हुए।भोपाल गैस पीड़ितों के लिए काम कर रहे विभिन्न गैर सरकारी संगठनों ने गैस हादसे की 35 वीं बरसी पर यहां पुराने भोपाल में भारत टॉकीज से बंद पड़े यूनियन कार्बाइड कारखाने तक विरोध रैलियां निकाली और बाद में कारखाने के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी हाथों में तख्तियां लिए थे जिस पर नो मोर भोपाल लिखा था।गैस पीड़ित महिला स्टेशनरी कर्मचारी संघ की अध्यक्षा रशीदा बी ने कहा, आज के दौर में हमारी केन्द्र तथा प्रदेश की सरकारों के सबसे बड़े ओहदों पर यूनियन कार्बाइड के मालिक डाव केमिकल के समर्थक पदासीन हैं। भोपाल गैस पीड़ित महिला पुरुष संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष नवाब खान ने कहा, केंद्र तथा प्रदेश की सरकारें दोनों मिलकर अमरीकी कम्पनियों से अतिरिक्त मुआवजे के लिए सर्वोच्च न्यायालय में पेश की गई सुधार याचिका में हादसे की वजह से हुई मौतों और बीमारियों के गलत आंकड़े बताकर अदालत को गुमराह कर रहे हैं। दोनों सरकारें भोपाल में जारी मिट्टी और भूजल प्रदूषण के उस खतरे को छुपा रहे हैं जो डाव केमिकल की कानूनी ज़िम्मेदारी है और किसी सक्षम संस्था द्वारा प्रदूषित इलाके की वैज्ञानिक जाँच कराने से पीछे हट रहे हैं। भोपाल ग्रुप फॉर इन्फोर्मेशन एंड एक्शन की सदस्य रचना धींगरा ने कहा कि पिछले 35 सालों से हमारी सरकारें अपराधी कम्पनियों को गले लगाने में इस कदर व्यस्त रहे हैं कि उन्हें पीड़ितों की सुध लेने का समय ही नहीं मिला।

पश्चिम बंगाल विस दो दिन के लिए स्थगित

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में मंगलवार को एक अभूतपूर्व घटनाक्रम के तहत विधानसभाध्यक्ष बिमान बनर्जी ने सदन की कार्यवाही दो दिन के लिए स्थगित कर दी क्योंकि विधानसभा में पेश होने वाले विधेयकों को राज्यपाल जगदीप धनखड़ की मंजूरी नहीं मिली है। बनर्जी ने विधानसभा में कहा कि सदन पांच दिसम्बर तक स्थगित रहेगा। सदन की कार्यवाही छह दिसम्बर को पूर्वाह्न 11 बजे फिर से शुरू होगी। बनर्जी ने कहा, सदन दो दिन तक स्थगित रहेगा। जो विधेयक पेश किए जाने वाले थे वे पेश नहीं होंगे क्योंकि उन्हें राज्यपाल की मंजूरी नहीं मिली है। उन्होंने कहा, हमने उन विधेयकों को मुद्रण के लिए भेजा था लेकिन विधानसभा में पेश नहीं कर सकते क्योंकि उन पर सहमति नहीं मिली है। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ का कई मुद्दों को लेकर तृणमूल कांग्रेस सरकार के साथ टकराव रहा है।

एनआरसी भाजपा की राजनीतिक जुमलेबाजी कभी वास्तविकता नही बनेगी: ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक पंजी) पर भाजपा की बयानबाजी को लेकर मंगलवार को निशाना साधा और कहा कि पूरे भारत में नागरिक पंजी कभी भी एक वास्तविकता नहीं हो सकता क्योंकि देश में रहने वाले सभी लोग उसके वैध नागरिक हैं। बनर्जी ने संवाददाताओं से कहा, एनआरसी एक राजनीतिक जुमलेबाजी है। यह कभी भी एक वास्तविकता नहीं हो सकती। वे (भाजपा) राजनीतिक जुमलेबाजी का इस्तेमाल करने में व्यस्त हैं लेकिन हमें उनके झांसे में नहीं फंसना चाहिए। इस देश में रहने वाले सभी लोग उसके वैध नागरिक हैं और कोई भी उनकी नागरिकता नहीं छीन सकता। उन्होंने कहा कि एनआरसी को लेकर उनका विरोध केवल राजनीतिक नहीं बल्कि मानवीय आधार को लेकर भी है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख बनर्जी ने कहा, देश में पिछले कई दशक से रह रहे किसी व्यक्ति को आप कैसे अचानक विदेशी घोषित कर सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा हटने के बाद आतंकी हिंसा में कमी आई, घुसपैठ के प्रयास बढ़े : सरकार

भाषा। नई दिल्ली

सरकार ने लोकसभा में मंगलवार को बताया कि इस साल पांच अगस्त को जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को हटाने के बाद राज्य में आतंकवादी हिंसा की घटनाओं में कमी आई है जबकि सीमा पार से घुसपैठ के प्रयासों में वृद्धि दर्ज की गई है। लोकसभा में राकेश सिंह के प्रश्न के लिखित उत्तर में गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि 12 अप्रैल से 4 अगस्त 2019 के दौरान आतंकवादी हिंसा की 106 घटनाएं घटीं जबकि 5 अगस्त से 27 नवंबर 2019 तक की 115 दिन की अवधि में इस प्रकार की 88 घटनाएं घटीं। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर, सीमा पार से घुसपैठ के प्रयासों की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है। 9 मई से 4 अगस्त 2019 तक ऐसे 53 प्रयास दर्ज हुए जबकि 5 अगस्त से 31 अक्टूबर 2019 की 88 दिन की अवधि के दौरान ऐसे 84 प्रयास हुए। रेड्डी ने कहा कि सुरक्षा एजेंसियों को सीमा पार से समर्थन एवं प्रायोजित आतंकवादी गुटों के जम्मू कश्मीर में आतंकी हमलों में शामिल होने और सुरक्षा भंग करने के इरादे के बारे में लगातार जानकारियां प्राप्त होती रहती हैं। उन्होंने बताया कि इन जानकारियों तथा जम्मू कश्मीर में सीमापार से आतंकवाद के पिछले इतिहास के आधार पर सुरक्षा बलों द्वारा आतंकवादियों का सफाया करने के लिए सक्रिय रूप से घेराबंदी और तलाशी अभियान सहित एहतियाती जरूरी कदम उठाए जाते हैं। गृह राज्य मंत्री ने बताया, वर्ष 2019 के दौरान अब तक 157 आतंकवादी मारे जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त शेष आतंकवादियों के विरूद्ध ऑपरेशन शुरू करने के लिए सुरक्षा ग्रिड ने अपने संयुक्त प्रयासों में वृद्धि की है।

गोवा में प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए काटने पड़ सकते हैं 50 हजार पेड़

भाषा। पणजी,

गोवा सरकार ने ढांचागत क्षेत्र की तीन प्रस्तावित परियोजनाओं को पूरा करने के लिए अगर आगे बढ़ने का फैसला किया तो कम से कम 50 हजार पेड़ काटने पड़ सकते हैं। यह बात एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को कही। अधिकारी ने बताया कि गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत की अध्यक्षता में राज्य वन्यजीव बोर्ड की सोमवार शाम में इस मुद्दे पर बैठक हुई, लेकिन कोई नीतिगत निर्णय नहीं किया जा सका। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित परियोजनाओं से वन्यजीव अभयारण्य क्षेत्रों के प्रभावित होने की संभावना है। अधिकारी ने कहा कि परियोजनाओं में दक्षिण गोवा में कैसलरॉक-कॉलेम-मारगाओ पट्टी में दक्षिण पश्चिम रेल लाइन के दोहरेकरण, अनमोद-मोलेम सीमा क्षेत्र में 13 किलोमीटर क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग को चार लेन का करना और मोलेम में भगवान महावीर वन्यजीव अभयारण्य में नई पारेषण लाइन डालना शामिल है।

न्यायालय ने लश्कर-ए-तैयबा के संदिग्ध को जमानत देने के आदेश पर लगाई रोक

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के कथित सदस्य को जमानत देने के बंबई उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी है। इससे पहले, राष्ट्रीय जांच एजेन्सी ने दलील दी थी कि आरोपी को जमानत पर रिहा करने से राष्ट्रीय सुरक्षा प्रभावित हो सकती है।शीर्ष अदालत ने कहा कि राष्ट्रीय जांच एजेन्सी मोहम्मद इरफान गौस को कथित आतंक के मामले के सिलसिले में फिर से गिरफ्तार करने के लिए स्वतंत्र है।

इस संदिग्ध व्यक्ति को उच्च न्यायालय ने इस साल जुलाई में जमानत दे दी थी। जांच एजेन्सी ने आरोप लगाया था कि अगस्त, 2012 को गिरफ्तार किया गया गौस प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा का सदस्य है और उसने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर आतंकी वारदात के लिए नांदेड़ और हैदराबाद के इलाकों की टोह ली थी।राष्ट्रीय जांच एजेन्सी की ओर से सालिसीटर जनरल तुषार मेहता ने सोमवार को न्यायमूर्ति आर भानुमति और न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना की पीठ से कहा कि इस मामले की सुनवाई अब पूरी होने वाली है और यदि गौस को छोड़ा गया तो फैसले के वक्त उसकी उपस्थिति सुनिश्चित करना मुश्किल हो जाएगा। पीठ ने अपने आदेश में कहा, इस तथ्य के मद्देनजर कि पेश मामले की सुनवाई पूरी होने की कगार पर है और तथ्यों तथा परिस्थितियों के आलोक में अगले आदेश तक इस पर रोक लगी रहेगी। पीठ ने कहा, इस न्यायालय के अंतरिम आदेश को देखते हुए याचिकाकर्ता राष्ट्रीय जांच एजेन्सी मोहम्मद इरफान गौस को फिर से गिरफ्तार करके उसे हिरासत में लेने के लिए स्वतंत्र है।

इस मामले में की सुनवाई के दौरान मेहता ने कहा कि आरोपी के खिलाफ आरोपों की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए यदि उसे रिहा किया गया तो ऐसा अपराध होने की पूरी संभावना है जिससे राष्ट्र की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है।मेहता ने कहा कि इस मामले में 72 गवाहों से पूछताछ हो चुकी है और सिर्फ दो सरकारी गवाहों से पूछताछ ही बाकी है। प्रारंभ में महाराष्ट्र के आतंक निरोधक दस्ते ने इस मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (निरोधक) कानून और भारतीय दंड संहिता तथा शस्त्र कानून के प्रावधानों के तहत आरोप पत्र दाखिल किया था। लेकिन बाद में 2013 में यह मामला राष्ट्रीय जांच एजेन्सी को सौंप दिया गया था।

सरकार और सुधारों के लिए तैयार: निर्मला सीतारमण

भाषा। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि सरकार भारत को निवेश का और अधिक आकर्षक स्थान बनाने के लिए नीतियों-कार्यक्रमों में आगे और भी सुधार करने को तैयार है। वैश्विक कंपनियों को निवेश के आमंत्रित करते हुए उन्होंने यह बात कही। उन्होंने भारत-स्वीडन व्यापार शिखर सम्मेलन में कहा कि सरकार ने कंपनी कर में कटौती समेत आर्थिक सुधारों की दिशा में विभिन्न कदम उठाए हैं। वित्त मंत्री ने कहा, मैं तो केवल आप को आमंत्रित ही कर सकती हूं और आश्वासन दे सकती हूं कि भारत आगे अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में और भी सुधार करने को प्रतिबद्ध है। इसमें बैंकिंग क्षेत्र हो सकता है, बीमा और खनन क्षेत्र हो सकता है और ऐसे अनेक दूसरे क्षेत्र भी हो सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि सरकार न केवल भारतीय स्वामित्व वाली कंपनियों बल्कि यहां काम कर रहीं दूसरे देशों की कंपनियों की चुनौतियों का भी समाधान कर रही हैं। सीतारमण ने कहा, बजट के बाद से मैंने उद्योग के साथ निरंतर बातचीत सुनिश्चित की है ताकि उनकी चुनौतियों को समझा जा सके। यही कारण है कि बजट के बाद बिना अगले बजट का इंतजार किए हमने कंपनी कर में कटौती जैसे संरचनात्मक सुधार किए। उन्होंने कहा, यह एक सुधार बताता है कि हमारी सरकार सुधारों में कितना भरोसा रखती है। आज मैं कह रही कि हमें आगे और कई कदम उठाने हैं। उल्लेखनीय है कि सरकार ने सितंबर में कंपनी कर की दरों में 10 प्रतिशत तक की कटौती की। इसके माध्यम से उद्यमों को कुल 1.45 लाख करोड़ रुपए के बराबर की कर राहत का मकसद आर्थिक वृद्धि में तेजी लाना है। यह 28 साल में सबसे बड़ी कर कटौती है। इसके तहत मौजूदा कंपनियों के लिए कर की दर 30 प्रतिशत से घटकर 22 प्रतिशत पर आ गई है। वहीं एक अक्टूबर 2019 से प्रभाव में आने तथा 31 मार्च 2020 से पहले परिचालन शुरू करने वाले नए विनिर्माण संयंत्रों के लिए यह 25 प्रतिशत से 15 प्रतिशत पर आ गई है। उन्होंने स्वीडन की कंपनियों को बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं में निवेश का न्यौता दिया। भारत की अगले पांच साल में बुनियादी ढांचा क्षेत्र में करीब 100 लाख करोड़ रुपए निवेश की योजना है। विदेशी कंपनियों को निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि भारत में काफी संभावना है। यहां कानून का शासन है। यहां न केवल बड़ा बाजार है बल्कि आगे बढ़ने की आंकाक्षा रखने वाला बड़ा मध्यम वर्ग है जिसके पास अच्छी खरीद शक्ति है।

आर्थिक वृद्धि में तेजी के लिए सस्ते कर्ज से ज्यादा राजकोषीय मदद की जरूरत: भानुमूर्ति

भाषा। नई दिल्ली

आर्थिक वृद्धि में गिरावट के बीच देश के जाने माने अर्थशास्त्री नेशनल इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक फाइनेंस एण्ड पॉलिसी (एनआईपीएफ एण्ड पी) के प्रोफेसर एन.आर. भानुमूर्ति ने कहा है कि देश में इस समय नीतिगत ब्याज घटाने से ज्यादा जरूरत सरकार की ओर से आर्थिक गतिविधियों को तेज करने में सहायक राजकोषीय उपायों की है।

भानुमूर्ति ने कहा कि मौद्रिक उपायों से इस समय कोई बेहतर नतीजा हासिल होना मुश्किल लगता है। उन्होंने कहा, भारतीय अर्थव्यवस्था बचत केन्द्रित है जबकि ब्याज दरों में गिरावट का असर बचत पर पड़ सकता है। ब्याज दरें यदि कम होंगी तो उसका असर बचत पर दिखाई देगा। बचत कम होने का असर निवेश पर पड़ सकता है। रिजर्व बैंक इस साल अब तक प्रमुख ब्याज दर में 1.35 प्रतिशत तक कटौती कर चुका है लेकिन उसका निवेश पर अनुकूल असर दिखाई नहीं दिया। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समित अपनी द्वैमासिक समीक्षा पांच दिसंबर को घोषित करने वाली है। बाजार को उम्मीद है कि केंद्रीय बैंक आर्थिक नरमी को देखते हुए अपना उदार मौद्रिक रुख जारी रखेगा। कुछ विश्लेषकों को लगता है कि आरबीआई नीति ब्याज दर में कुछ और कमी भी कर सकता है। भानुमूर्ति ने कहा कि सरकार ने इस साल जुलाई के बाद से अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए जो कदम उठाए हैं उनका असर तीसरी तिमाही से दिखेगा। उल्लेखनीय है कि सरकार ने हाल में कंपनियों के लिए कंपनी कर की दर में करीब दस प्रतिशत की जबर्दस्त कटौती कर उसे 22 प्रतिशत कर दिया। विनिर्माण क्षेत्र में आने वाली कंपनियों के लिए कर की दर 15 प्रतिशत कर दी गई। इससे पहले कंपनियों को कुल मिलाकर 34 प्रतिशत की दर से कर देना होता था। बैंकों का पूंजी आधार मजबूत करने के लिए उन्हें नई पूंजी उपलब्ध कराई गई। रीयल एस्टेट क्षेत्र में अटकी पड़ी परियोजनाओं को चालू करने के लिए 25 हजार करोड़ रुपए का पैकेज दिया गया। खर्च बढ़ाने के लिए अनुपूरक अनुदान मांगें पेश की गईं और प्रणाली में तरलता बढ़ाने के लिए बैंकों से एनबीएफसी को कर्ज उपलब्धता बढ़ाने को कहा गया।

शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही जुलाई-सितंबर 2019 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर गिर कर 4.5 रह गई। पहली तिमाही में यह 5 प्रतिशत थी। पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में वृद्धि 7 प्रतिशत थी। भानुमूर्ति ने कहा, अर्थव्यवस्था में अब इससे ज्यादा गिरावट आने की आशंका नहीं लगती है। तीसरी तिमाही से अर्थव्यवस्था में सुधार दिखाई देने लगेगा। हालांकि, इस सुधार के बावजूद चालू वित्त वर्ष के दौरान वित्तीय घाटा बजट अनुमान से अधिक रहने का अनुमान है। उन्होंने यह भी कहा कि चालू वित्त वर्ष के दौरान राजकोषीय घाटा बढ़ना करीब करीब तय लगता है लेकिन सरकार दीर्घकालिक योजनाओं की प्रतिबद्धताओं को देखते हुए इसको खर्च में ज्यादा कटौती नहीं कर सकती है। सरकार ने चालू वित्त वर्ष के दौरान राजकोषीय घाटा जीडीपी का 3.3 प्रतिशत रहने का बजट अनुमान लगाया है। इससे पिछले वर्ष यह 3.4 प्रतिशत रहा था।

बैंकों ने आर पावर की गिरवी रखे 10.19 करोड़ शेयर को भुनाया

नई दिल्ली। बैंकों ने रिलायंस पावर के गिरवी रखे 10.19 करोड़ शेयर को भुना लिया है। इस शेयर को प्रवर्तक इकाई रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने गिरवी रखा था। कुल 10.19 करोड़ शेयर का बाजार मूल्य बीएसई में 3.30 रुपए प्रति शेयर है। इस लिहाज से इसका मूल्य 33.62 करोड़ रुपए बैठता है। शेयर का अंकित मूल्य 10-10 रुपए है। रिलायंस पावर ने बंबई शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि समूह की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने एक्सिस बैंक के पक्ष में शेयर गिरवी रखी थी। कुल 10.19 करोड़ शेयर कंपनी की 3.63 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। इससे रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर की रिलायंस पावर की हिस्सेदारी घटकर 22.34 प्रतिशत पर आ गई है।

बैंकों में कितनी ही जमा राशि के लिए केवल एक लाख रुपए तक गारंटी

भाषा। नई दिल्ली

कोई बैंक कारोबार में विफलता की वजह से यदि बंद होता है तो उसमें धन जमा रखने वाले जमाकर्ताओं को बीमा सुरक्षा के तहत केवल एक लाख रुपए ही मिलेगा, भले ही उसने उससे ज्यादा पैसे जमा करा रखे हों। भारतीय रिजर्व बैंक की कंपनी डिपोजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन (डीआईसीजीसी) ने यह जानकारी दी है। सूचना के अधिकार कानून के तहत पूछे गए सवाल के जवाब में रिजर्व बैंक की पूर्ण अनुषंगी डीआईसीजीसी ने कहा कि यह सीमा बचत, मियादी, चालू और आवर्ती हर प्रकार की जमा के लिए है। डिपोजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन के अनुसार, डीआईसीजीसी कानून की धारा 16 (1) के तहत अगर बैंक विफल होता है या उसे बंद करना पड़ता है, डीआईसीजीसी प्रत्एक जमाकर्ता को परिसमापक के जरिए बीमा कवर के रूप में एक लाख रुपए तक देने के लिए जवाबदेह है। इसमें विभिन्न शाखाओं में जमा मूल राशि और ब्याज दोनों शामिल हैं... । यह पूछे जाने पर कि क्या पीएमसी बैंक धोखाधड़ी को देखते हुए एक लाख रुपए की सीमा को बढ़ाने का प्रस्ताव है, डीआईसीजीसी ने कहा, कॉरपोरेशन के पास ऐसी कोई जानकारी नहीं है। डीआईसीजीसी कानून के तहत सभी पात्र सहकारी बैंक भी आते हैं। आरटीआई के जवाब में उसने कहा, बैंक में जो भी पैसा जमा करता है, उसे अधिकतम एक लाख रुपए तक बीमा कवर मिलता है। इसका मतलब है कि अगर किसी कारण से बैंक विफल होता है या उसे बंद किया जाता है अथवा बैंक का लाइसेंस रद्द होता है, उस स्थिति में उसे एक लाख रुपए हर हाल में मिलेगा। भले ही बैंक में आपने कितनी भी ज्यादा राशि क्यों न जमा कर रखी हो। बैंकों में धोखाधड़ी के विभिन्न मामले तथा लोगों की बचत राशि को जोखित को देखते हुए यह जवाब महत्वपूर्ण है। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने पीएमसी बैंक मामले में कथित वित्तीय अनियमितताओं को देखते हुए परिचालन में कुछ पाबंदियां लगाई और प्रशासक नियुक्त किया। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ के अनुसार बैंक प्रबंधन ने उद्योग घराने से मिलकर एचडीआईएल समूह की कंपनियों द्वारा कर्ज में चूक को छिपाया।

थॉमस कुक इंडिया ने भारत, श्रीलंका, मॉरीशस में थॉमस कुक ब्रांड नाम का अधिकार हासिल किया

नई दिल्ली। पर्यटन सेवा कंपनी थॉमस कुक (इंडिया) भारत, श्रीलंका और मॉरीशस के बाजारों में थॉमस कुक ब्रांड के अधिकार हासिल करेगी। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि उसने थॉमस कुक यूके द्वारा नियुक्त प्रबंधकों से इस बारे में करार किया है। थॉमस कुक (इंडिया) लि. (टीसीआईएल) ने थॉमस कुक यूके द्वारा नियुक्त प्रबंधकों..एलिक्सपार्टनर्स से इन बाजारों में ब्रांड नाम का अधिकार हासिल करने के लिए करार किया है। कंपनी ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि वह इसके लिए एकमुश्त 13.9 करोड़ रुपए का भुगतान करेगी। थॉमस कुक (इंडिया) लि. के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक माधवन मेनन ने कहा, मुझे इस बात की खुशी है कि हम भारत, मॉरीशस और श्रीलंका के बाजारों में इस ब्रांड नाम का अधिकार हासिल करने को करार करने में सफल रहे हैं।

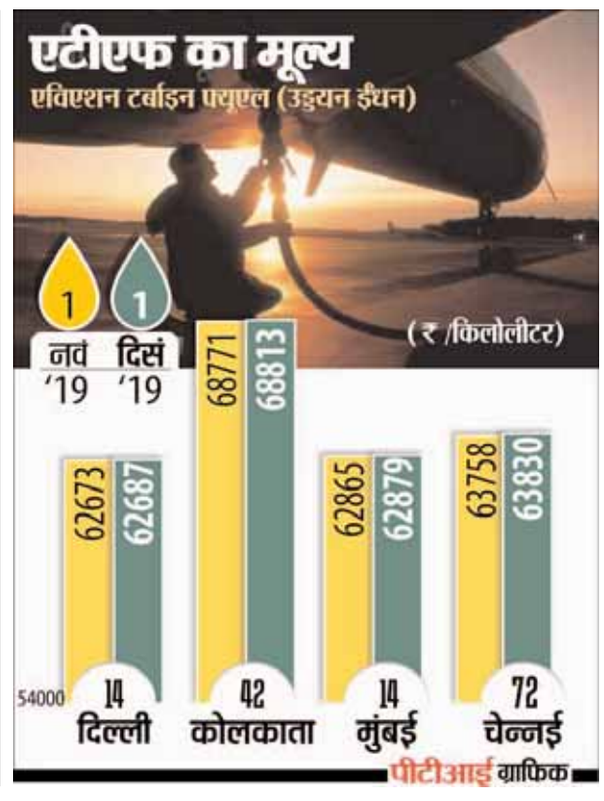

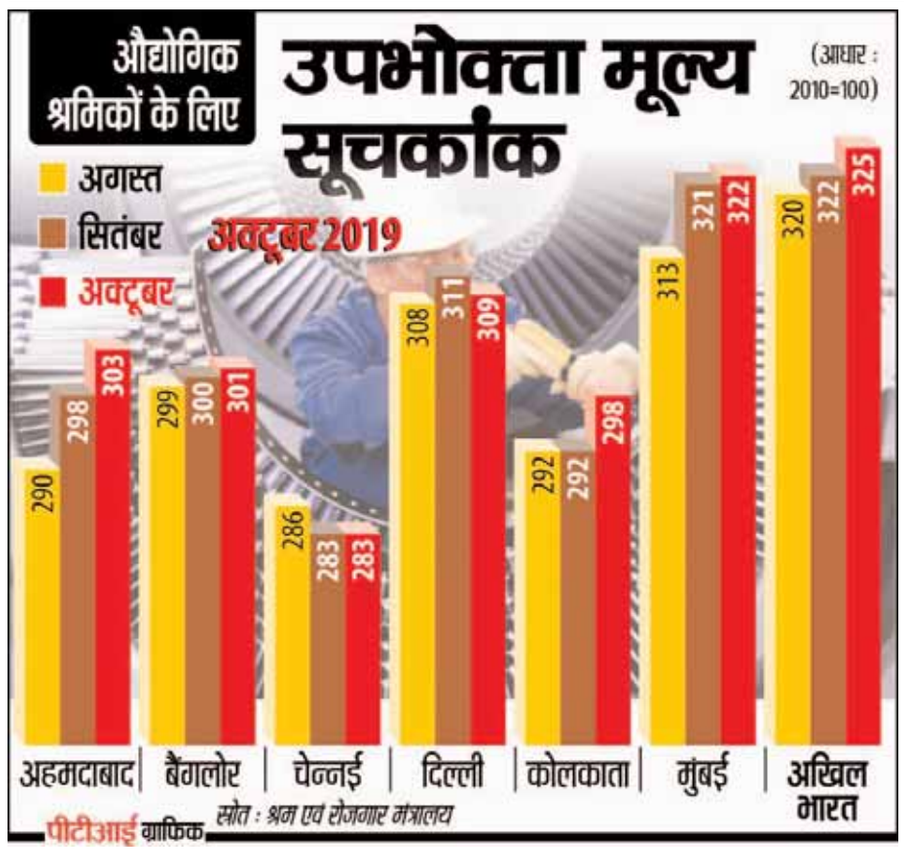

भारत संचार निगम प्रतिनियुक्ति पर आए तकनीकी अधिकारियों को बांधे रखना चाहता है, वे वापस जाना चाहते हैं

भाषा। नई दिल्ली

कर्मचारियों को स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति दे रही सरकारी कंपनी भारत संचार निगम लि (बीएसएनएल) को महत्वपूर्ण प्रबंधिकीय पदों के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की कमी सताने लगी है और उसने इसके लिए दूरसंचार विभाग से प्रति नियुक्ति पर पर्याप्त संख्या में भारतीय दूरसंचार सेवा (आईटीएस) के अधिकारी मांगे है। लेकिन प्रतिनियुक्ति पर आए तमाम आईटीएस अधिकारी विभाग में वापस जाना चाहते हैं। बीएसएनएल ने विभाग को लिखा है कि प्रतिनियुक्ति पर काम कर रहे कुछ आईटीएस अधिकारियों को वापस लेने या उनकी अन्यत्र प्रति नियुक्ति किए जाने से कंपनी में एक प्रकार की अनुशासनहीनता पनप रही है। लेकिन आईटीएस एसोसिएशन का कहना है कि कंपनी में आए उनके काडर के अधिकारी वेतन में विलंब तथा भेदभाव के चलते कंपनी से विभाग में वापस लौटना चाहते हैं। बीएसएनएल के मानव संसाधन निदेशक अरविंद वाडनेकर ने वीआरएस योजना की घोषणा किए जाने के बाद चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक पीके पुरवार की ओर से विभाग को लिखा है कि उन्हें विभाग से 200 और आईटीएस अधिकारी दिए जाएं। बीएसएनएल में प्रति नियुक्ति पर आए ऐसे 550 अधिकारी कार्यरत है। वाडनेकर ने लिखा है कि कंपनी इस समय संकट की स्थिति में है। ऐसे में महत्वपूर्ण प्रबंधकीय पदों पर लोगों का बने रहना बहुत जरूरी है ताकि कंपनी अपने ग्राहकों की सेवाएं बिना रुकावट जारी रख सके। कंपनी का हित इसी में है। उन्होंने कहा है कि इस समय 32 आईटीएस अधिकारी बीएसएनएल से कार्यमुक्त होने के आदेश की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्हें विभाग ने या तो वापस लेने या कहीं और भेजने के आदेश जारी कर रखे हैं। उन्होंने लिखा है कि बीएसएनएल के सक्षम अधिकारी के आदेश के बिना इस तरह की चीजों से अधिकारियों के कुछ वर्गों में अनुशासनहीनता पनप रही है। आईटीएस एसोसिएशन का तर्क कुछ और है। उनके उनके काडर के लोग कंपनी में भेदभाव और वेतन विलंब जैसे कारणों से हतोत्साहित हो रहे हैं और वे वापस जाना चाहते हैं। उनके प्रतिनिधियों का कहना है कि बीएसएनएल ने अपने 803 वरिष्ठ अधिकारियों को वीआरएस का प्रस्ताव दिया। उनमें से 458 ने उसे स्वीकार कर लिया। अधिकारियों की कमी की यही खास वजह है। आईटीएस एसोसिएशन के अध्यक्ष पीके जैन ने कहा, बीएसएनएल को जब बड़े पदों पर क सवर्ग के अधिकारियों की जरूरत थी तो उसे इस तरह का वीआरएस नहीं पेश करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि आईटीएस अधिकारियों की मांग करने के बजाय बीएसएनएल को बाकी 500 आईटीएस को लौटा देना चाहिए इससे उसे 500 करोड़ रुपए से ज्यादा की बचत होगी। सरकार ने घाटे में चल रही बीएसएनएल और एमटीएनएल के पुनर्गठन व पुनरोद्धार के लिए अक्टूबर में 68,751 करोड़ रुपए की पैकेज योजना की घोषणा की थी। इसमें कर्मचारियों को घटाने के लिए वीआरएस योजना, 4जी रेडियो स्पेक्ट्रम का आवंटन और दोनों के विलय की योजना है। बीएसएनएल में इस समय 1.5 लाख कर्मचारी हैं। वीआरएस योजना के तहत प्रभावी तिथि 31 जनवरी 2030 रखी गई है। दोनों कंपनियों के 92,000 से अधिक कर्मचारी वीआरएस के लिए आवेदन कर चुके हैं। बीएसएनएल का अनुमान है कि यदि 70-80 हजार कर्मचारियों ने वीआरएस लिया तो उसका वेतन पर सालाना खर्च करीब 7,000 करोड़ रुपए आने की उम्मीद है।

क्विक न्यूज

लकाडिया-वडोदरा पारेषण परियोजना का अधिग्रहण स्टरलाइट पावर ने किया

नई दिल्ली। स्टरलाइट पावर ने पीएफसी कंसल्टिंग से हरित ऊर्जा गलियारा परियोजना लकाडिया-वडोदरा ट्रांसमिशन परियोजना का अधिग्रहण किया है। स्टरलाइट पावर ने मंगलवार को एक बयान में यह कहा। इससे पहले, परियोजना स्टारलाइट पावर ने हासिल की थी। परियोजना के क्रियान्वयन के लिए गठित विशेष उद्देश्यीय कंपनी का औपचारिक रूप से अधिक स्टरलाइट पावर ने कर लिया है। पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन की इकाई पीएफसी कंसल्टिंग बिजली पारेषण परियोजनाओं की नीलामी के लिए नोडल एजेंसी है। स्टरलाइट ने शुल्क आधारित प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के तहत परियोजना नीलामी में हासिल की थी। वह इसे बनाओ, अपनाओ, चलाओ और रखो (बीओओएम) मॉडल के तहत 35 साल के लिए करेगी।

सोना 80 रुपए चमका चांदी 101 रुपए मजबूत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को सोना 80 रुपए की बढ़त के साथ 38,789 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने कहा कि रुपए में मजबूती की वजह से सोने का लाभ सिमट गया। सोमवार को सोना 38,709 रुपए प्रति दस ग्राम पर रहा था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा, दिल्ली में 24 कैरेट सोने का भाव 80 रुपए के लाभ में था। हालांकि, रुपए में मजबूती तथा कमजोर घरेलू मांग की वजह से सोने का लाभ सीमित रहा। अंतर बैंक विदेशी विनिमय बाजार में शुरुआती कारोबार में रुपया आठ पैसे की बढ़त के साथ 71.58 प्रति डॉलर पर चल रहा था। चांदी का भाव भी 101 रुपए की बढ़त के साथ 45,826 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया। इससे पिछले सत्र में यह 45,725 रुपए प्रति किलोग्राम रहा था।

मर्सिडीज ने एसयूवी जीएलसी उतारी, कीमत 52.56 लाख रुपए से आरंभ

नई दिल्ली। जर्मनी की लक्जरी कार कंपनी मर्सिडीज बेंज ने मंगलवार को अपनी प्रीमियम एसयूवी जीएलसी भारतीय बाजार में उतारी है। इस वाहन का शोरूम दाम अखिल भारतीय स्तर पर 52.56 लाख रुपए से शुरू होगा। जीएलसी का नया संस्करण पेट्रोल और डीजल दोनों इंजन विकल्पों में उपलब्ध होगा। इसमें एक इंटेलिजेंट मल्टी मीडिया प्रणाली एमबीयूएक्स लगी है। पेट्रोल संस्करण जीएलसी 200 का दाम 52.75 लाख रुपए है। वही डीजल संस्करण जीएलसी 220 डी की कीमत 57.75 लाख रुपए है।

जनवरी से वाहनों के दाम बढ़ाएगी मारुति सुजुकी

नई दिल्ली। कार बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने मंगलवार को कहा कि वह कच्चे माल की बढ़ती लागत से निपटने के लिए जनवरी से अपने वाहनों के दाम बढ़ाएगी। मारुति सुजुकी इंडिया ने शेयर बाजारों को दी सूचना में कहा कि विभिन्न कच्चे माल यानी कल-पुर्जों की लागत बढ़ने के कारण कंपनी के वाहनों की लागत पर असर पड़ा है। कंपनी के अनुसार, इसीलिए यह जरूरी है कि कंपनी अतिरिक्त लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डाले। इसके लिए विभिन्न मॉडल के दाम बढ़ाए जाएंगे। मारुति सुजुकी के अनुसार विभिन्न मॉडलों के लिए कीमत वृद्धि अलग-अलग होगी।

'डोमिनो पिज्जा' ने नया ब्राण्ड लॉन्च किया

नोएडा। भारत में चेन्ड पिज्जा सेगमेंट के बाजार में अग्रणी डोमिनो पिज्जा ने नये कैम्पेन 'दिल, दोस्ती, डोमिनो' का अनावरण किया है। नये कैम्पेन के लॉन्च पर कंपनी के चीफ मार्केटिंग ऑफीसर कपिल ग्रोवर ने कहा कि कुछ साल पहले की तुलना में आज के रिश्ते काफी अलग हैं, खासकर मित्रों और परिवारों के बीच के रिश्ते। अब परिवार पितृसत्तात्मक रिश्तों से नहीं बंधे हैं।

फिंगर्स ने किया ड्यूअल बैटरी वायरलेस नेकबैण्ड लॉन्च

मुंबई। भारत के सबसे खोजपरक एवं तेजी से बढ़ते डिजिटल एसेसरीज ब्राण्ड फिंगर्स ने 'फिंगर्स 2बी म्यूजिक-एडिक्टो वायरलेस नेकबैण्ड ईयरफोन्स' लॉन्च किये हैं। इसमें ड्यूअल बैटरीज हैं और इसका प्लेबैक टाइम 20 घंटे का है, जबकि स्टैण्डबाय टाइम 300 घंटे का है, जो चार्जिंग की चिंता किये बिना पूरे दिन की परफॉर्मेंस सुनिश्चित करता है।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक शुरू

भाषा। मुंबई

मौद्रिक नीति समीक्षा के लिए आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक मंगलवार को शुरू हुई। यह बैठक तीन दिन चलेगी। ऐसी संभावना है कि केंद्रीय बैंक धीमी पड़ती अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए नीतिगत दर में एक बार और कटौती कर सकता है। रिजर्व बैंक अगर बृहस्पतिवार को रेपो दर में कटौती करता है, यह इस साल नीतिगत दर में लगातार छठी बार कटौती होगी। केंद्रीय बैंक की विज्ञप्ति के अनुसार, एमपीसी की द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक 3 से 5 दिसंबर 2019 को होगी।

मौद्रिक नीति समीक्षा को 5 दिसंबर को पूर्वाह्न 11.45 मिनट पर आरबीआई की वेबसाइट पर डाला जाएगा। आर्थिक वृद्धि में नरमी को देखते हुए तथा नकदी बढ़ाने के इरादे से रिजर्व बैंक इस साल नीतिगत दर में अबतक पांच बार कुल 1.35 की कटौती कर चुका है। विनिर्माण उत्पादन में एक प्रतिशत की गिरावट के कारण जीडीपी वृद्धि दर जुलाई-सितंबर तिमाही में 4.5 प्रतिशत रही जो छह साल का न्यूनतम स्तर है। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में यह 5 प्रतिशत थी। बैंक अधिकारियों तथा विशेषज्ञों के अनुसार आरबीआई आर्थिक वृद्धि को गति देने के इरादे से नीतिगत दर में एक बार और कटौती कर सकता है। एक बैंक अधिकारी ने अपना नाम जाहिर न करने की शर्त पर कहा कि आरबीआई गवर्नर कह चुके हैं कि जब तक आर्थिक वृद्धि पटरी पर नहीं आती, नीतिगत दर में कटौती की जाएगी। इससे इस बार भी रेपो दर में कटौती एक भरोसा है।

अर्जेंटिना, ब्राजील पर अमेरिकी प्रशुल्क से शेयर बाजार सहमा

भाषा। मुंबई

अमेरिका की ब्राजील और अर्जेंटीना से इस्पात और एल्यूमिनियम आयात पर शुल्क लगाने की घोषणा के बाद मंगलवार को घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट आई। अमेरिका की इस घोषणा से वैश्विक व्यापार युद्ध में एक नया मोर्चा खुल गया है, जिसको लेकर चिंता पैदा हुई है। वैश्विक बाजारों में कमजोरी का रुख रहा, जिसका असर यहां भी पड़ा। अन्य एशियाई बाजारों में कमजोरी के रुख से भी यहां धारणा प्रभावित हुई। बंबई शेयर बाजार का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 126.72 अंक या 0.31 प्रतिशत के नुकसान से 40,675.45 अंक पर आ गया। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 40,885.03 अंक से 40,554.04 अंक के दायरे में रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 54 अंक या 0.45 प्रतिशत की गिरावट के साथ 11,994.20 अंक पर आ गया। वैश्विक व्यापार में नया संघर्ष छिड़ने के बाद धातु कंपनियों के शेयर दबाव में आ गए। रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा बैठक के नतीजों से पहले बैंकिंग शेयर भी बिकवाली दबाव में रहे। सेंसेक्स की कंपनियों में एस बैंक में सबसे अधिक 7.81 प्रतिशत की गिरावट आई। टाटा स्टील, वेदांता, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडसइंड बैंक और टाटा मोटर्स के शेयर 5.07 प्रतिशत तक नीचे आ गए। वहीं दूसरी ओर बजाज आटो, टीसीएस, कोटक बैंक, इन्फोसिस और एचडीएफसी के शेयर लाभ में रहे। मिडकैप में 0.95 प्रतिशत, स्मॉलकैप में 0.74 प्रतिशत और लार्जकैप में 0.51 प्रतिशत की गिरावट आई। आशिका स्टॉक ब्रोकिंग के अध्यक्ष (इक्विटी शोध) पारस बोथरा ने कहा कि अमेरिका ने अर्जेंटीना और ब्राजील पर आयात शुल्क लगाने की घोषणा की है, जिससे घरेलू बाजारों में गिरावट आई। इसके साथ ही अमेरिका ने फ्रांस के दर्जन भर लोकप्रिय उत्पादों पर बड़ा जुर्माना लगाने की भी चेतावनी दी है। वहीं चीन ने अमेरिका के कई गैर सरकारी संगठनों पर प्रतिबंधों की घोषणा की है जिससे चिंता और बढ़ी है। माना जा रहा है कि इन घटनाक्रमों की वजह से अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता प्रभावित होगी। वहीं घरेलू मोर्चे पर विशेषज्ञों का मानना है कि रिजर्व बैंक पांच दिसंबर को नीतिगत दरों में कटौती कर सकता है। अंतर बैंक विदेशी विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया स्थिर रुख के साथ बंद हुआ। शेयर बाजारों के अस्थाई आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को ।,731.33 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 753.99 करोड़ रुपए की लिवाली की। ब्रेंट वायदा 0.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ 61.25 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच एशियाई बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्की और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी गिरावट के साथ बंद हुए। चीनी के शंघाई में मामूली लाभ रहा।

यह अमेरिका पर निर्भर कि वह हमसे क्रिसमस पर क्या उपहार चाहता है : उत्तर कोरिया

● उत्तर कोरिया के नेता किम जोग उन ने समझौते में एक-दूसरे को स्वीकार्य शर्तों के लिए अमेरिका को एक साल का समय दिया था, जो अब समाप्त हो रहा है

एपी। सियोल

उत्तर कोरिया ने मंगलवार को फिर एक बार ट्रंप प्रशासन से कहा कि उनके पास परमाणु वार्ता को बचाने का बेहद कम समय बचा है और यह अमेरिका पर निर्भर करता है कि उसे क्रिसमस पर उत्तर कोरिया से कौन सा उपहार चाहिए।

उत्तर कोरिया के वरिष्ठ राजनयिक के हवाले से यह बयान वाशिंगटन और सियोल पर दबाव बनाने के लक्ष्य से दिया गया है। दरअसल उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने समझौते में एक-दूसरे को स्वीकार्य शर्तों के लिए अमेरिका को एक साल का समय दिया था, जो अब समाप्त हो रहा है। फरवरी में किम और ट्रंप के बीच वार्ता असफल रही थी क्योंकि अमेरिका ने उत्तर कोरिया को आंशिक रूप से परमाणु कार्यक्रम बंद करने के बदले प्रतिबंध से बड़ी राहत देने से इनकार कर दिया था।

अक्टूबर में स्वीडन में वार्ता भी असफल रही थी, जिसे उत्तर कोरिया ने अमेरिकियों का पुराना रुख और रवैया बताया था। अमेरिकी मामलों को देख रहे उप विदेश मंत्री री थे सॉन्ग ने वाशिंगटन पर आरोप लगाया कि अमेरिका बिना किसी वास्तविक हल के वार्ता की बार-बार पेशकश करके बस समय लेना चाहता है।

सॉन्ग ने , अमेरिका द्वारा वार्ता की पेशकश डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया (डीपीआरके) को बातचीत के लिए बाध्य करने और उसका इस्तेमाल अमेरिका में राजनीतिक स्थिति और चुनाव में करने की एक मूर्खतापूर्ण चाल के अलावा कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा, अब जो किया जाना बाकी है, उसका विकल्प अमेरिका के पास है और यह पूरी तरह से अमेरिका पर निर्भर है कि उसे क्रिसमस का क्या उपहार मिलेगा?

पाकिस्तान के बड़बोले विज्ञान मंत्री ने भारत के अंतरिक्ष अभियान को गैर-जिम्मेदाराना बताया

इस्लामाबाद (भाषा)। पाकिस्तान के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री फवाद चौधरी ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय संगठनों से कहा कि वे भारत के अंतरिक्ष अभियान को संज्ञान में लें, जिसे उन्होंने गैर-जिम्मेदाराना करार दिया। चौधरी को बड़बोलेपन के लिए जाना जाता है और माना जाता है कि वह प्रधानमंत्री इमरान खान के खास हैं। चौधरी ने ट्वीट किया, भारत अंतरिक्ष मलबे का एक बड़ा स्रोत बनता जा रहा है, भारत का गैर जिम्मेदार अंतरिक्ष मिशन पूरे पारिस्थितिक तंत्र के लिए खतरनाक हैं, अंतरराष्ट्रीय संगठनों को इस पर गंभीरता के साथ ध्यान देने की जरूरत है। उनका ट्वीट नासा द्वारा ए बताने के कुछ घंटों बाद आया कि चंद्रमा की परिक्रमा करने वाले उसके अंतरिक्ष यान को चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान-2 के लैंडर विक्रम का मलबा मिला है। करीब तीन महीने पहले भारत ने चंद्रमा की सतह पर इस लैंडर की सॉफ्ट लैंडिंग की कोशिश की थी।

ब्राटलबोरो में बर्फीले तूफान के बाद बर्फ से पटी सड़क पर अपने कुत्ते के साथ जाता हुआ ऐनी कमिंघम

पुतिन ने पत्रकारों को विदेशी एजेंट घोषित करने वाले कानून पर किए हस्ताक्षर

मॉस्को (एएफपी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक विवादित कानून पर हस्ताक्षर किए हैं जिसके तहत स्वतंत्र पत्रकारों और ब्लॉगरों को विदेशी एजेंट घोषित किया जा सकता है। आलोचकों ने इस कदम को मीडिया की आजादी का उल्लंघन बताया है। रूस के इस कानून में अधिकारियों को ब्रांड मीडिया संगठनों और गैर सरकारी संगठनों को विदेशी एजेंट घोषित करने की शक्ति प्रदान की गई है। रूसी सरकार की वेबसाइट पर प्रकाशित एक दस्तावेज के अनुसार, यह नया कानून तत्काल प्रभाव से लागू होगा। विदेशी एजेंट उन्हें कहा जाता है जो राजनीति में शामिल होते हैं और विदेशों से धन प्राप्त करते हैं। यह साबित होने पर इन्हें एक विस्तृत दस्तावेज सौंपना होगा या जुर्माना भरना होगा।

ईरान के प्रदर्शनों, उसे कुचलने के लिए हुई कार्रवाई में कम से कम 208 की मौत : एमनेस्टी

एपी। दुबई

प्रदर्शन के दौरान मारे गए लोगों की संख्या के आंकड़े को ईरान ने झूठा बताया

तेहरान (एएफपी)। ईरान के न्याय विभाग ने पिछले महीने ईंधन की कीमतों को लेकर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान सड़क पर हुई हिंसा में हताहतों की गैर आधिकारिक संख्या को मंगलवार को सिरे से खारिज करते हुए झूठ करार दिया है। न्याय विभाग के प्रवक्ता गुलाम हुसैन इस्माइली ने सरकारी टेलीविजन पर हुए प्रसारण में कहा, मैं स्पष्ट रूप से घोषणा करता हूँ कि विरोधी गुटों द्वारा जो संख्या बताई जा रही है वह एकदम झूठ है और उन्होंने जो आंकड़े बताए हैं उनमें गंभीर विसंगतियां हैं। राष्ट्रीय टेलीविजन पर प्रसारित टिप्पणी में उन्होंने कहा कि उन्होंने कुछ आंकड़े और नाम बताए हैं - उनके द्वारा संख्या को लेकर किया गया दावा झूठा और मनगढ़ंत है। इस्माइली ने कहा कि जो नाम उन्होंने दिए हैं वो झूठे हैं। इसमें उन्होंने न केवल जिंदा लोगों के नाम जोड़े हैं, बल्कि उन लोगों के नाम भी शामिल कर लिए हैं जिनकी मौत सामान्य परिस्थितियों में हुई। ईरान में ईंधन की कीमत में दो सौ प्रतिशत की अप्रत्याशित बढ़ोतरी के खिलाफ 15 नवंबर को विरोध प्रदर्शन हुए थे।

मानवाधिकारों पर काम करने वाली अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवी संस्था एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा कि ईरान में पेट्रोल के तेजी से बढ़ते दामों के विरोध में प्रदर्शनों और उसके बाद सुरक्षा बलों की कार्रवाई में कम से कम 208 लोगों की मौत हो गई है।

ईरान में पेट्रोल के दाम बढ़ाने पर 15 नवंबर से शुरू हुए इन प्रदर्शनों पर अभी तक राष्ट्रव्यापी आंकड़ें जारी नहीं किए हैं। ईरान ने प्रदर्शनों के बीच इंटरनेट बंद कर दिया जिससे लोग वीडियो और जानकारी साझा नहीं कर पा रहे है। साथ ही बाहर की दुनिया को भी इन प्रदर्शनों और हिंसा के बारे में जानने से रोक दिया। हाल के दिनों में इंटरनेट बहाल किए जाने के बाद प्रदर्शनों के वीडियो सामने आए हैं। एमनेस्टी में ईरान के शोधार्थी मंसूरेह मिल्स ने कहा, हमने देखा कि एक सप्ताह के भीतर ही 200 से अधिक लोगों की मौत हो गई। यह इस्लामिक गणतंत्र में मानवाधिकार उल्लंघन के इतिहास में अभूतपूर्व घटना जैसा है। हालांकि, इस बार के प्रदर्शन में उतने लोग सड़कों पर नहीं उतरे जितने 2009 के विवादित राष्ट्रपति चुनाव में आए थे लेकिन फिर भी पेट्रोल के दाम को लेकर यह प्रदर्शन जल्द ही हिंसक हो गया।

एमनेस्टी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि तेहरान के उपनगर शहरयार में दर्जनों लोगों की मौत हुई। यह संभवत: उन इलाकों में से एक है जहां प्रदर्शनों में सबसे अधिक लोग मारे गए। शहरयार में व्यापक पैमाने पर प्रदर्शन हुए। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में ईरान के मिशन ने एमनेस्टी के आंकड़ों को अप्रमाणित बताया है। ए प्रदर्शन तब शुरू हुए जब सरकार ने पेट्रोल के न्यूनतम दाम 50 प्रतिशत तक बढ़ाकर 15,000 रियाल प्रति लीटर कर दिए।

ट्रंप ने नाटो शिखर सम्मेलन की शुरुआत की फ्रांस पर जम कर निशाना साधा

● नाटो गठबंधन की 70वीं जयंती के अवसर पर आयोजित इस शिखर सम्मेलन में शामिल होने सदस्य देशों के नेता लंदन पहुंच रहे है

भाषा। वाटफोर्ड

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को नाटो के दो दिवसीय शिखर सम्मेलन की शुरुआत की और गठबंधन सहयोगियों की निंदा करने के लिए फ्रांस पर जम का निशाना साधा। रक्षा खर्च बढ़ाने के लिए यूरोपीय सहयोगियों को राजी करने में नाटो की सफलता के बारे में जानकारी देने के लिए आयोजित संवाददाता सम्मेलन में ट्रंप फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों पर भड़ास निकालने से खुद को रोक नहीं पाए। दरअसल मैक्रों ने 70 वर्ष पुराने इस पश्चिमी गठबंधन को ब्रेन डेड करार दिया था। ट्रंप ने मैक्रों पर निशाना साधते हुए कहा कि वह पेरिस को नाटो से अलग होते हुए देख रहे हैं। ट्रंप ने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा, नाटो बड़े मकसद को पूरा करता है। उनके साथ नाटो के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग मौजूद थे। उन्होंने ट्रंप के बयान पर कहा, मेरा मानना है कि यह बेहद अपमानजनक है। यह बेहद घृणास्पद बयान है,खासतौर पर 28 देशों के लिए। ट्रंप ने कहा, फ्रांस को किसी अन्य देश के मुकाबले नाटो की ज्यादा जरूरत है। ऐसा बयान देना बेहद खतरनाक है। यह पूछे जाने पर कि नाटो के साथ अमेरिका के संबंध कमजोर है, ट्रंप ने इससे इनकार किया लेकिन कहा, मैं फ्रांस को अलग होते देख रहा हूं....मैं उन्हें अलग होते देख रहा हूं।

ट्रंप ने डेमोक्रेट्स के महाभियोग लाए जाने को देशद्रोह बताया

लंदन (एपी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को नाटो नेताओं की एक बैठक में डेमोक्रेट्स की आलोचना की और उनके प्रतिद्वंद्वियों द्वारा महाभियोग को देशद्रोह और हमारे देश के लिए एक बुरी बात बताई। ट्रंप ने अपने विदेश प्रवास के दौरान महाभियोग सुनवाई आयोजित करने पर डेमाक्रेट्स की आलोचना की। इस मौके पर नाटो महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग भी मौजूद थे। प्रतिनिधि सभा की न्यायिक समिति ने नाटो गठबंधन के सदस्यों के साथ लंदन में दो दिन की बैठके शुरू करने से ठीक पहले बुधवार को ट्रंप के खिलाफ संभावित महाभियोग के संवैधानिक आधारों पर सुनवाई तय की है। ट्रंप ने कहा, मुझे लगता है कि यह हमारे देश के लिए एक बुरी बात है। सुनवाई के समय को लेकर सवाल उठाने वाले लोगों में केवल ट्रंप ही शामिल नहीं है बल्कि विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ, व्हाइट हाउस की वकील पैट सिपोलोन और सलाहकार केलिनेन कॉनवे भी इस संबंध में शिकायत कर चुके हैं।

मंगलवार को इंडोनेशिया के जकार्ता में एक विस्फोट स्थल का निरीक्षण करते पुलिस जांचकर्ता

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर फिर अस्पताल में भर्ती

वाशिंगटन (एएफपी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर को मूत्रमार्ग में संक्रमण के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। कार्टर (95) को हाल में कई बार स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के चलते अस्पताल में भर्ती कराया जा चुका है। उनके सेंटर ने एक बयान में कहा कि कार्टर को पिछले सप्ताहांत अमेरिका के जॉर्जिया के फीबी सुमेर मेडिकल सेंटर में भर्ती कराया गया था। उसने कहा, वह अब बेहतर महसूस कर रहे हैं और घर लौटने को इंतजार कर रहे हैं। कार्टर 1977 से 1981 के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति रहे और अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने मानवाधिकार और सामाजिक न्याय से जुड़े कई काम किए। इसके बाद 1982 में कार्टर सेंटर की स्थापना भी की।

श्रीलंका के राष्ट्रपति ने एक महीने के लिए संसद सत्र स्थगित किया

भाषा। कोलंबो

श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने एक महीने के लिए संसद का सत्र स्थगित कर दिया है और अगला सत्र शुरू के लिए तीन जनवरी 2020 की तारीख तय की है।

कार्यक्रम के अनुसार, संसद का सत्र मंगलवार को शुरू होना था। राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने एक विशेष गजट अधिसूचना जारी कर बताया कि संसद का सत्र तीन जनवरी को फिर से शुरू किया जाएगा। यह अधिसूचना सोमवार को आधी रात से प्रभावी हो गई। अधिकारियों ने बताया, राष्ट्रपति के पास ऐसा करने के लिए संवैधानिक शक्ति है। राष्ट्रपति तीन जनवरी को संसद के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर सकते हैं और इस दौरान वह अपनी नई सरकार की नीतियों का उल्लेख करेंगे। गोटबाया राजपक्षे ने सत्तारूढ़ पार्टी के उम्मीदवार सजित प्रेमदास को 13 लाख से अधिक मतों से हराकर 18 नवंबर को श्रीलंका के सातवें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ली थी।

राजपक्षे ने ईस्टर के दिन हुए हमलों की तेजी से जांच करने के निर्देश दिए

कोलंबो (भाषा)। श्रीलंका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने बम हमलों को रोकने में विफल रहने के लिए अपने पूर्ववर्तियों की आलोचना करते हुए ईस्टर संडे के दिन हुए आतंकवादी हमलों की तेजी से जांच करने के निर्देश दिए हैं। राजपक्षे ने एक समिति को ईस्टर के मौके पर हुए आतंकवादी हमले की तेजी से जांच करने, हमलों के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने और उन्हें न्याय के कटघरे में लाने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि गत 21 अप्रैल को ईस्टर के मौके पर हुए आतंकवादी हमलों में भारतीयों समेत 258 लोग मारे गए थे। राष्ट्रपति कार्यालय से जारी एक बयान में राजपक्षे के हवाले से कहा गया है, वे राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर ढील बरते हुए थे। इससे खुफिया सेवाएं प्रभावित हुईं और इसका अंतिम परिणाम यह था कि वे इस्लामी चरमपंथ के प्रसार को रोकने में असमर्थ रहे। उन्होंने यह टिप्पणी उस समय की जब उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति मैत्रिपाला सिरिसेना द्वारा नियुक्त राष्ट्रपति जांच आयोग के सदस्यों से मुलाकात की थी। राष्ट्रपति के मीडिया प्रभाग ने बताया कि राष्ट्रपति राजपक्षे ने हमले के प्रकार की पहचान करने और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाने का आह्वान किया।

पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति जरदारी ने स्वास्थ्य के आधार पर जमानत मांगी

● जरदारी को फर्जी बैंक खातों के मामले के संबंध में जमानत अर्जी खारिज होने के बाद जून में गिरफ्तार किया था

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने भ्रष्टाचार के दो मामलों में स्वास्थ्य के आधार पर जमानत मांगने के लिए मंगलवार को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

इससे कुछ दिनों पहले जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को एक जमानत याचिका पर बेहतर इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति दी गई थी। जरदारी (64) को फर्जी बैंक खातों के मामले के संबंध में जमानत अर्जी खारिज होने के बाद जून में गिरफ्तार किया था। यह मामला बड़े पैमाने पर धन शोधन घोटाले से जुड़ा है जिसकी जांच पहले संघीय जांच एजेंसी ने की थी। उन्होंने अपने खिलाफ पार्क लेन और धन शोधन मामलों में दो अलग-अलग याचिका डाली है। याचिका में दलील दी गई है कि जरदारी को उनके खिलाफ मुकदमे की सुनवाई खत्म होने तक जमानत दी जानी चाहिए। जरदारी का अभी पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीआईएमएस) में इलाज चल रहा है।

दुबई में अस्पताल में भर्ती कराए गए मुशर्रफ

कराची/दुबई (भाषा)। पाकिस्तान के पूर्व सैन्य शासक जनरल (सेवानिवृत्त) परवेज मुशर्रफ को हृदय एवं रक्तचाप संबंधी समस्या की शिकायत के बाद सोमवार को दुबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया।

डॉन न्यूज ने खबर दी कि 76 वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति को तत्काल उपचार की जरूरत बता कर दुबई अमेरिकन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। उन्हें यहां स्ट्रेचर पर लाया गया। उनकी पार्टी ऑल पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एपीएमएल) के सूत्रों ने इस खबर की पुष्टि की।

पार्टी के प्रवक्ता ने कहा, उनको गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं थीं और बाद में उन्होंने सीने में दर्द और बेचैनी की शिकायत की। उन्होंने कहा, डॉक्टर उनके घर गए और उन्होंने मुशर्रफ को तुरंत भर्ती कराने की सलाह दी ताकि सेहत संबंधी कोई जटिलता नहीं हो। पूर्व राष्ट्रपति की कुछ जांचें कराई गईं जो उनके स्वास्थ्य की स्थिति का पता लगाने में मददगार होंगी। जियो न्यूज ने खबर दी कि मुशर्रफ के करीबी सहयोगी एवं एपीएमएल के पूर्व प्रमुख डॉ मोहम्मद अमजद ने कहा कि किसी अज्ञात बीमारी के चलते पूर्व राष्ट्रपति बहुत कमजोर होते जा रहे हैं और इसी वजह से वह राजद्रोह के मामले का सामना करने के लिए पाकिस्तान नहीं लौट पा रहे। मई में भी मुशर्फ की सेहत बिगड़ गई थी और उन्हें दुबई के अस्पताल ले जाया गया था। इससे पहले वह जनवरी में भी उनकी सेहत खराब हुई थी।

भारतीय सिख महिला ने करतारपुर कॉरिडोर के माध्यम से फैसलाबाद जाने का प्रयास किया

लाहौर (भाषा)। भारत की एक सिख महिला पाकिस्तान के करतारपुर दौरे के समय बिना वीजा के एक पाकिस्तानी व्यक्ति से मिलने फैसलाबाद पहुंच गई, जिससे उसकी दोस्ती फेसबुक पर हुई थी। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि करीब 20 वर्ष की मंजीत कौर नवम्बर के अंतिम हफ्ते में करतारपुर कॉरिडोर से गुरुद्वारा दरबार साहिब पहुंची थी। कौर फेसबुक के माध्यम से उस व्यक्ति के संपर्क में थी और गुरुद्वारा में उसने उससे मुलाकात की और एक पाकिस्तानी महिला का परमिट दिखाकर उस व्यक्ति के साथ फैसलाबाद जाने का प्रयास किया। भारतीय श्रद्धालु हाल में खुले करतारपुर कॉरिडोर के माध्यम से बिना वीजा के गुरुद्वारा दरबार साहिब जा सकते हैं लेकिन वे पाकिस्तान के अन्य हिस्सों में नहीं जा सकते हैं। इवैक्यू ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (विस्थापित न्यास संपत्ति बोर्ड) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, यह पहली घटना है जिसमें किसी भारतीय सिख महिला ने नौ नवम्बर को करतारपुर कॉडोर खुलने के बाद से इस सीमित क्षेत्र से बाहर निकलने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि महिला पाकिस्तानी व्यक्ति के साथ जाना चाहती थी लेकिन सुरक्षा अधिकारियों ने उसे सीमित क्षेत्र से बाहर नहीं जाने दिया।

ट्रंप के चुनाव प्रचार अभियान ने ब्लूमबर्ग न्यूज को प्रतिबंधित किया

एएफपी। वाशिंगटन

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 2020 के चुनाव प्रचार अभियान प्रबंधक ने सोमवार को कहा कि वह ट्रंप के चुनाव प्रचार कार्यक्रमों को कवर करने से ब्लूमबर्ग के पत्रकारों को प्रतिबंधित कर रहे हैं। इसके लिए चुनाव प्रचार अभियान ने ब्लूमबर्ग न्यूज पर पक्षपात करने का आरोप लगाया है। ब्लूमबर्ग मीडिया समूह राष्ट्रपति चुनाव के दौर में ट्रंप के प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार माइकल ब्लूमबर्ग का है। ट्रंप के 2020 के चुनाव प्रचार अभियान प्रबंधक ब्रैड पार्सकेल ने बताया कि यह फैसला तब किया गया है जब ब्लूमबर्ग न्यूज ने पहले ही यह घोषणा कर दी है कि वह कंपनी के बॉस या उनके डेमोक्रेट प्रतिद्वंद्वियों की जांच नहीं करेगा। पार्सकेल ने एक बयान में कहा, राष्ट्रपति ट्रंप के प्रचार अभियान में शामिल होने की वजह से हमें पक्षपात रिपोर्टिंग देखने की आदत है लेकिन ज्यादातर समाचार संगठन अपने पूर्वाग्रहों की घोषणा सार्वजनिक तौर पर नहीं करते हैं। वहीं ब्लूमबर्ग न्यूज के मुख्य संपादक ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि बिना पूर्वाग्रहों के उन्होंने ट्रंप के 2015 के चुनाव प्रचार अभियान को कवर किया था और प्रतिबंध के बाद भी वह अभियान को कवर करेंगे।

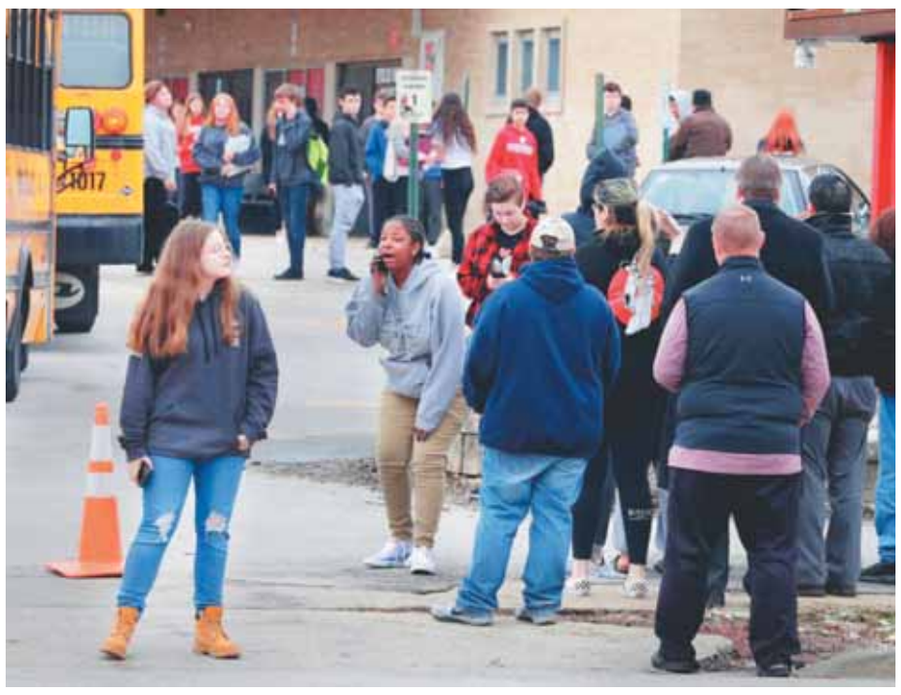

वुकेशा साउथ हाई स्कूल में गोलीबारी की खबर के बाद बिल्डिंग से बाहर अपने बच्चों का इंतजार करते माता-पिता

ट्रंप ने कहा, अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव के बाद तक लटक सकता है चीन के साथ व्यापार करार

लंदन (एएफपी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को आगाह कि चीन के साथ व्यापार विवाद को सुलझाने का प्रयास अगले साल नवंबर में होने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव तक रुक सकता है। ट्रंप ने लंदन में संवाददाताओं से कहा, मैंने कोई समयसीमा तय नहीं की है। उन्होंने कहा, कुछ तरीकों से मुझे यह विचार अच्छा लगता है कि चीन के साथ करार के लिए चुनाव बाद तक का इंतजार किया जाए। चीन और अमेरिका के बीच व्यापार विवाद की वजह से बाजार में अस्थिरता पैदा हुई है तथा भू राजनैतिक तनाव बढ़ा है। पिछले सप्ताह ट्रंप ने कहा था कि वह अब तक के सबसे महत्वपूर्ण करार के अंतिम चरण में हैं। लेकिन उसके बाद अमेरिका द्वारा हांगकांग के प्रदर्शनकारियों को समर्थन के बाद चीन नाराज हो गया। इससे व्यापार करार को लेकर हुई प्रगति पर संदेह बना है। नाटो के शिखर सम्मेलन से पहले संवाददाता सम्मेलन में ट्रंप ने कहा कि यदि मैं चाहता हूं तो चीन के साथ व्यापार करार को लेकर काफी अच्छे तरीके से आगे बढ़ रहा हूं। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि वे ऐसा करना चाहते हैं या नहीं। देखते हैं क्या होता है। मुझे नहीं पता कि क्या मैं इसे करना चाहता हूं, आपको इसपर जल्द जानकारी मिलेगी।

भारतीय आक्रमण बेहतरीन लेकिन स्पिनरों को आस्ट्रेलिया में होगी परेशानी : पोंटिंग

भाषा। मेलबर्न

आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय तेज आक्रमण की तारीफ की लेकिन कहा कि भारतीय स्पिनरों को आस्ट्रेलिया में परेशानी पेश आएगी और मेजबान आक्रमण का पलड़ा भारी होगा। जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और ईशांत शर्मा जैसे तेज गेंदबाजों के दम पर भारत टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचा है। तीनों ने पिछले सत्र में आस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। पोंटिंग ने कहा कि भारत के पास भले ही मजबूत गेंदबाजी आक्रमण हो , लेकिन उसके स्पिनर आस्ट्रेलिया में लय कायम नहीं रख सकेंगे। उन्होंने क्रिकेट डाट काम डाट एयू से कहा , भारत के गेंदबाज शानदार हैं। बुमराह और शमी पिछले कुछ साल से अच्छा खेल रहे हैं। उमेश यादव और ईशांत शर्मा को मिलाकर भारत का तेज आक्रमण अच्छा है। इनके साथ स्पिनर अश्विन और जडेजा को जोड़ दे तो भारत का आक्रमण अच्छा दिखता है। लेकिन उसके स्पिनरों को आस्ट्रेलिया में दिक्कत आएगी। आस्ट्रेलिया में भारतीय स्पिनरों की तुलना में नाथन लियोन का रिकार्ड बेहतर है। पोंटिंग ने कहा कि आस्ट्रेलियाई गेंदबाजी में विविधता है जिससे वह दूसरी टीमों से बेहतर साबित होती है।

केरल की टीम ने जीती राष्ट्रीय दृष्टिबाधित क्रिकेट चैंपियनशिप

जयपुर। केरल की टीम ने मंगलवार को यहां राष्ट्रीय दृष्टिबाधित टी20 क्रिकेट चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया। इस चार दिवसीय टूर्नामेंट में छह टीमों ने हिस्सा लिया। उदयपुर के स्वयं सेवी संस्थान नारायण सेवा संस्थान की ओर से इस टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। राजस्थान क्रिकेट संघ और क्रिकेट एसोसिएशन फार ब्लाइंड के तत्वावधान में इस टूर्नामेंट का आयोजन किया गया।
संस्थान की विज्ञप्ति के अनुसार राजस्थान, गुजरात, गोवा, मध्यप्रदेश, केरल और पश्चिम बंगाल की टीमों ने टूर्नामेंट में हिस्सा लिया।
संस्थान के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि यह दिव्यांग व्यक्तियों की काबीलियत दिखाकर उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाने का प्रयास था। इसका उद्देश्य उनके मनोबल को मजबूत करना था।

आगामी होने वाले टी-20 मैच के लिए हैदराबाद में अभ्यास करती वेस्टइंडीज की टीम

मेसी बने रिकार्ड छठी बार फीफा के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

- रोनाल्डो ने पांच बार यह पुरस्कार जीता है , क्रफ, प्लातिनी और बास्टेन के नाम पर तीन-तीन पुरस्कार दर्ज है

भाषा। मैड्रिड

अपने क्लब और देश के लिए कठिन दौर में भी फुटबाल के मैदान पर अपने फन का शानदार मुजाहिरा पेश करने वाले अर्जेंटीना के स्टार लियोनेल मेस्सी ने रिकार्ड छठी बार फीफा के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता। पिछले सत्र में बार्सीलोना का प्रदर्शन औसत रहा जबकि कोपा अमेरिका के सेमीफाइनल में ब्राजील ने अर्जेंटीना को हरा दिया। इसके बावजूद मेसी का प्रदर्शन 2019 में शानदार रहा। अब उनके नाम फुटबाल के इतिहास में सबसे अधिक बार यह सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार हो गया है। उन्होंने पांचवां बलून डि ओर पुरस्कार चार साल पहले जीता था। उनके चिर प्रतिद्वंद्वी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पांच बार यह पुरस्कार जीता है जबकि जोहान क्रफ, माइकल प्लातिनी और मार्को वान बास्टेन के नाम पर तीन-तीन पुरस्कार दर्ज हैं। मेसी ने इस साल 54 मैच खेलकर 46 गोल किए और 17 गोल में सूत्रधार की भूमिका निभाई। उन्होंने बार्सीलोना के लिए 44 मैचों में 41 गोल किए और 15 में सहायता की जिनमें तीन हैट्रिक शामिल हैं। बतौर कप्तान मेसी ने पहले सत्र में टीम को लगातार तीसरा ला लिगा खिताब दिलाया। उन्होंने लेवांटे के खिलाफ फाइनल में विजई गोल भी दागा। चैम्पियंस लीग में हालांकि मेसी के दो गोल के बावजूद बार्सीलोना को लीवरपूल ने सेमीफाइनल में हरा दिया। कोपा डेल रे के फाइनल में उसे वालेंशिया ने हराया। चैम्पियंस लीग में सर्वाधिक 12 गोल करके मेस्सी ने लगातार तीसरे साल गोल्डन शू पुरस्कार जीता जो उनके कैरियर का छठा खिताब था। कोपा अमेरिका में चिली के खिलाफ तीसरे स्थान के प्लेआफ मुकाबले में रैफरिंग की आलोचना के कारण मेस्सी को तीन महीने अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से निलंबन झेलना पड़ा। लौटकर आने के बाद वह चोट के शिकार हो गए। इसके बाद भी उन्होंने पांच मैचों में छऊ गोल किए। उन्होंने ला लिगा में 34वीं हैट्रिक लगाकर रोनाल्डो के रिकार्ड की बराबरी की। क्लब के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले इस धुरंधर की हालांकि कई अधूरी ख्वाहिशें हैं जिनमें चैम्पियंस लीग खिताब और विश्व कप ट्राफी शामिल है। उनके कैरियर के कुछ ही साल अब बचे हैं लेकिन अपने पैरों के जादू से उन्होंने इस खूबसूरत खेल के महानतम खिलाड़ियों में अपना नाम शामिल करा लिया है।

उम्र का असर खेल पर नही पड़ने दूंगा : मेस्सी

पेरिस। छठी बार फीफा के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने वाले 32 बरस के लियोनेल मेस्सी ने कहा कि वह उम्र को अपने खेल के आड़े नही आने देंगे। अमेरिका की विश्व कप सुपरस्टार मेगान रोपिनो ने महिला वर्ग मे पुरस्कार जीता। मेगान पुरस्कार लेने नही पहुंच सकी लेकिन मेस्सी अपनी पत्नी और दोनो बच्चो के साथ आए थे। यह 2015 के बाद मेस्सी का पहला बलून डीओर पुरस्कार और कैरियर का रिकार्ड छठा पुरस्कार है। मेस्सी ने पिछले साल के विजेता लूका मोडरिच से पुरस्कार लेने के बाद कहा , मैने दस साल पहले पहली बार यह खिताब जीता था। मै बाईस बरस का था और अपने तीनो भाइयो के साथ यहां आया था। मेरे लिए यह सपने जैसा था। उन्होने कहा कि सब कुछ ठीकरहा तो मुझे लगता है कि कुछ साल और खेल सकता हूं। समय मानो उड़ रहा है और सब कुछ अचानक हो रहा है। मुझे उम्मीद है कि यूं ही खेल का मजा लेता रहूंगा। दुनिया भर के पत्रकारो के पैनल के मतदान से चुने गए पुरस्कार मे मेस्सी ने लीवरपूल के डिफेंडर वर्जिल वान डिक को पछाड़ा जबकि क्रिस्टियानो रोनाल्डो तीसरे स्थान पर रहे। पिछले नौ साल मे पहली बार रोनाल्डो शीर्ष दो मे जगह नही बना सके। सादियो माने चौथे और मोहम्मद सालाह पांचवे स्थान पर रहे।

न्यूजीलैंड को एमसीसी स्पिरिट आफ क्रिकेट पुरस्कार

भाषा। हैमिल्टन

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को जुलाई में लार्ड्स में आईसीसी विश्व कप फाइनल में विवादास्पद हालात में हार के बाद शानदार खेल भावना दिखाने के लिए क्रिस्टोफर मार्टिन-जेनकिन्स स्पिरिट आफ क्रिकेट पुरस्कार से नवाजा गया। केन विलियमसन और उनकी टीम उस समय विश्व कप खिताब जीतने से चूक गए जब इंग्लैंड ने ओवरथ्रो पर दिए गए विवादास्पद छह रन की बदौलत खिताब मुकाबले को सुपर ओवर में खींचा और फिर सुपर ओवर भी टाई रहने पर बाउंड्री गिनने के नियम के आधार पर पहली बार चैंपियन बना। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच हैमिल्टन के सेडन पार्क में ड्रा हुए दूसरे टेस्ट के दौरान मेजबान टीम को यह पुरस्कार दिया गया। एमसीसी अध्यक्ष कुमार संगकारा ने न्यूजीलैंड की टीम की तारीफ करते हुए कहा, न्यूजीलैंड की टीम इस पुरस्कार की हकदार है। उस लम्हे की गहमागहमी में भी उन्होंने खेलभावना का शीर्ष स्तर दिखाया। उन्होंने कहा कि यह उनकी टीम की विरासत है जो उस मैच में खेले गए क्रिकेट के लंबे समय तक लोगों के जेहन में रहने के बावजूद हम अब भी क्रिकेट भावना की बात कर रहे हैं।
न्यूजीलैंड के 242 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड को अंतिम तीन गेंद में नौ रन की दरकार थी जब मार्टिन गुप्टिल का थ्रो बेन स्टोक्स के बल्ले से टकराकर बाउंड्री पार चला गया और अंपायर ने इंग्लैंड को छह रन दे दिए। अंपायरों ने बल्लेबाजों के भाग कर लिए दो रन को भी जोड़ा। इस फैसले से इंग्लैंड ने मैच टाई कराया जिससे यह मुकाबला सुपर ओवर में खिंचा। सुपर ओवर भी टाई रहा जिसके बाद इंग्लैंड ने अधिक बाउंड्री लगाने के कारण खिताब जीता। क्रिकेट से जुड़े नियम बनाने वाले मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने बाद में कहा कि वह ओवर थ्रो से जुड़े नियमों की समीक्षा करेगा। आईसीसी के एलीट पैनल के पूर्व अंपायर साइमन टोफेल का हालांकि मानना था कि अंपायरों को छह की जगह पांच रन देने चाहिए थे। यह पुरस्कार एमसीसी और बीबीसी ने 2013 में एमसीसी के पूर्व अध्यक्ष और बीबीसी के टेस्ट मैच के विशेषज्ञ कमेंटेटर मार्टिन-जेनकिन्स की याद में शुरू किया था।

PUBLIC NOTICE

General public is hereby informed that my client Sadho Singh Yadav S/o Hardev Singh Yadav R/o RZ-16A A-Block, Arjun Park, Najafgarh, Delhi-110043 has all severed all his relations with his daughter namely Jyoti Yadav, she is not in my client's control. Sadho Singh Yadav has disown his daughter namely Jyoti Yadav from all his movable and immovable properties with immediate effect. In case any kind of misconduct, fighting, legal activity any transaction done by them my client shall not be responsible for their any acts indeed.

Pankaj Srivastav, Advocate
Ch. No. 466, Lawyers Block, Saket Court, ND

भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम ने सर्वश्रेष्ठ आठवीं रैंकिंग हासिल की

- अनुभवी शरत कमल दो स्थान के फायदे से 36वें स्थान पर है

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम ने अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) की नवीनतम रैंकिंग में अपनी सर्वश्रेष्ठ आठवीं रैंकिंग हासिल की। दुनिया के 30वें नंबर के खिलाड़ी जी साथियान और 36वें नंबर के खिलाड़ी शरत कमल की भारतीय टीम के नौवें स्थान पर काबिज आस्ट्रेलिया के बराबर 280 अंक हैं लेकिन उन्हें रैंकिंग में ऊपर रखा गया है। पिछले हफ्ते अपने से बेहतर रैंकिंग वाले फ्रांस के साइमन गोजी को हराकर आईटीटीएफ विश्व कप के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचे साथियान 30वीं रैंकिंग के साथ शीर्ष भारतीय खिलाड़ी हैं। अनुभवी शरत कमल दो स्थान के फायदे से 36वें स्थान पर हैं। आईटीटीएफ चैलेंज इंडोनेशिया ओपन का खिताब जीतने वाले हरमीत देसाई 19 स्थान की छलांग लगाते हुए शीर्ष 100 में शामिल हो गए हैं। वह 85वें पायदान पर हैं। टीम रैंकिंग में चीन शीर्ष पर है जबकि उसके बाद जापान और जर्मनी का नंबर आता है।महिला रैंकिंग में मनिका बत्रा 61वें पायदान के साथ शीर्ष रैंकिंग वाली भारतीय खिलाड़ी हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला का पहला मैच खेलेगी भारतीय जूनियर महिला हाकी टीम

भाषा। कैनबरा

भारतीय जूनियर महिला हाकी टीम तीन देशों के टूर्नामेंट में पहला मैच बुधवार को न्यूजीलैंड से खेलेगी। भारत और न्यूजीलैंड के अलावा इस टूर्नामेंट में मेजबान आस्ट्रेलिया भी भाग ले रहा है। कोच बलजीत सिंह सैनी की भारतीय टीम अगले साल जापान में एएचएफ महिला जूनियर एशिया कप भी खेलेगी। हमारा लक्ष्य अगले साल एएचएफ महिला जूनियर एशिया कप में अच्छा प्रदर्शन करना है। यह टीम काफी समय से साथ खेल रही है और आस्ट्रेलिया में दो बड़ी टीमों के खिलाफ इसे खुद को आजमाने का मौका मिलेगा। हमारे खिलाड़ियों में प्रतिभा की कमी नहीं है और इनमें से कुछ तो सीनियर टीम के लिए भी खेल चुकी हैं। मुझे पहले मैच का बेताबी से इंतजार है। हमने काफी समय से न्यूजीलैंड से नहीं खेला है। मुझे उम्मीद है कि सारे मैच अच्छे होंगे। भारत को पांच दिसंबर को आस्ट्रेलिया से, सात दिसंबर को न्यूजीलैंड से और आठ दिसंबर को फिर आस्ट्रेलिया से खेलना है।

घावरी सौराष्ट्र रणजी टीम के कोच नियुक्त

राजकोट। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज करसन घावरी को सौराष्ट्र रणजी टीम का कोच नियुक्त किया गया है। सौराष्ट्र क्रिकेट संघ के सचिव हिमांशु शाह ने घावरी की नियुक्ति की पुष्टि की। शाह ने पीटीआई से कहा, हां, वह मुख्य कोच के रूप में टीम से जुड़ गए हैं। बाएं के हाथ पूर्व तेज गेंदबाज 68 वर्षीय घावरी ने भारत की तरफ से 39 टेस्ट और 19 वनडे में क्रमश: 109 और 15 विकेट लिए थे।

जम्मू कश्मीर में 65वें स्कूली खेल नौ दिसंबर से

जम्मू। जम्मू कश्मीर में 65वें राष्ट्रीय खेल नौ दिसंबर से आयोजित किए जाएंगे। युवा कार्य और खेल सचिव सरमाद हफीज ने कहा कि खेलों के आयोजन की तैयारियां पूरी कर ली गई है। इन खेलों में वालीबाल (अंडर 17 लड़के), मार्शल आर्ट (अंडर 14 और 17 वर्ष लड़के और लड़कियां) की प्रतिस्पर्धाएं शामिल हैं। खेल के दौरान सुरक्षा के चाक चौबंद उपाय किए गए हैं।

AXIS BANK

खुदरा आस्ति केन्द्र, फरीदाबाद : ऐक्सिस बैंक लि., एससीओ–8, हुडा शॉपिंग सेंटर, सेक्टर–16, फरीदाबाद, हरियाणा–121002, कार्पोरेट कार्यालय : ऐक्सिस हाउस, ब्लॉक–बी, बॉम्बे डाइंग मिल्स कम्पाउंड, पांडुरंग बुधकर मार्ग, वर्ली मुंबई–400025, पंजीकृत कार्यालय : 'त्रिशूल', तृतीय तल, समर्थेश्वर मंदिर के सामने, लॉ गार्डन, एलिसब्रिज, अहमदाबाद–380006, आंचलिक कार्यालय : ऐक्सिस हाउस, सेक्टर–128, नोएडा एक्सप्रेसवे, जेपी ग्रीन्स विशटाउन, नोएडा (उत्तर प्रदेश)–201301

सरफासी ऐक्ट 2002 के तहत कब्जा सूचना

जबकि,
अधोहस्ताक्षरी ने, ऐक्सिस बैंक लि. के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 9 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मांग सूचना जारी की थी, जिसमें निम्नलिखित कर्जदारों)/सह–कर्जदारों)/गारंटरों)/ बंधकदाताओं) से सूचना में वर्णित बकाया राशि का भुगतान उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की मांग की गई थी।
कर्जदार/सह–कर्जदार/गारंटर/बंधकदाता उक्त राशि चुकाने में असफल रहे हैं, अतः एतद्द्वारा कर्जदारों)/सह–कर्जदारों)/गारंटरों)/बंधकदाताओं) तथा जन साधारण को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यहां नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा निम्नवर्णित तिथियों को प्राप्त कर लिया है।
कर्जदारों)/सह–कर्जदारों)/गारंटरों)/बंधकदाताओं) को विशेष रूप से तथा जन साधारण को एतद्द्वारा सावधान किया जाता है कि इस सम्पत्ति के संबंध में कोई संव्यवहार नहीं करें तथा सम्पत्ति के संबंध में कोई भी संव्यवहार ऐक्सिस बैंक की बकाया राशि का पूर्ण भुगतान करने के बाद ही किया जा सकता है। कर्जदार/सह–कर्जदार/गारंटर/बंधकदाता का ध्यान, प्रत्याभूत आस्तियों को छुड़ाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा (8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।

कर्जदार/सह–कर्जदार का नाम	सम्पत्ति का वर्णन	मांग सूचना की तिथि	कब्जा की तिथि	मांग सूचना में बकाया राशि (रू.)
सुश्री हनी रॉय पुत्री श्री तपन कुमार रॉय निवासी मकान नंबर 901, इरा रेडवुड रेजिडेंसी, सेक्टर–8, फरीदपुर, फरीदाबाद, हरियाणा– 121001 अन्य पता : सुश्री हनी रॉय पुत्री श्री तपन कुमार रॉय, मैसर्स आयशर्स गुडअर्थ प्रा. लि., ए–3, सिलेक्ट सिटी वॉक, तृतीय साकेत डिस्ट्रिक्ट सेंटर, नई दिल्ली–110017, अन्य पता : सुश्री हनी रॉय पुत्री श्री तपन कुमार रॉय, फ्लैट नंबर एच/09–1, टावर नंबर 5 (एच), रेडवुड रेजिडेंसी, सेक्टर–78, हरियाणा–121004 2. श्रीमती बानी रॉय पत्नी श्री तपन कुमार रॉय निवासी मकान नंबर 901, इरा रेडवुड रेजिडेंसी, सेक्टर–8, फरीदपुर, फरीदाबाद, हरियाणा–121001 अन्य पता : श्रीमती बानी रॉय पत्नी श्री तपन कुमार रॉय फ्लैट नंबर एच/09–1, टावर नंबर 5(एच), रेडवुड रेजिडेंसी, सेक्टर–78, हरियाणा–121004	अचल आस्ति आवासीय यूनिट नंबर एच/09–1, परिमाप सुपर एरिया 1200 वर्ग फीट, 9वां तल, टावर नंबर 5(एच), आवासीय स्कीम/कॉम्प्लेक्स रेडवुड रेजिडेंसी, ग्राम फरीदपुर, सेक्टर–78, तहसील तिगांव एवं जिला फरीदाबाद, हरियाणा – 121004 जिसमें सम्पत्ति स्थित है उस बिल्डिंग के नीच भूमि तथा बिल्डिंग/स्कीम/कॉम्प्लेक्स में उपलब्ध कराए गए कॉमन एरियाज तथा सुविधाओं में यथानुपात, अविभाजित एवं अविभाजनीय हिस्सा एवं हित	15 जुलाई 2019 एवं 29 जुलाई 2019	30 नवम्बर 2019	रू. 30,68,714/–

एतद्द्वारा उपरि–वर्णित कर्जदारों)/गारंटरों)/बंधकदाताओं) को राशि का भुगतान 30 दिन के भीतर करने की सूचना दी जाती है, अन्यथा इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिन की अवधि समाप्त होने पर, बंधक सम्पत्ति की बिक्री प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 और 9 के तहत प्रावधानों के अनुसार की जाएगी।

तिथि : 04–12–2019 स्थान : फरीदाबाद

हस्ता/–, प्राधिकृत अधिकारी,
ऐक्सिस बैंक लि.

THE PIONEER CLASSIFIEDS

LOST & FOUND

I, Gunjan Chaudhary, D/o Ranveer Singh, H. No. P-37/2 New CVD Lines Sadar Bazaar Delhi Cantt-110010, have lost my original 10th educational certificate no.1019288 dt 08/06/2012 Roll No.0523760 and 12 the certificate No.11016532, Roll No. 0425588 of GDMVP inter college Patla Gahziabad U.P and OBC Cast Certificate no. 082133000236 dt 21/01/2013 and Domicile certificate no. 080221400673 dt 18/01/2014, If found, please return on above address.

PD(8684)C

CHANGE OF NAME

I, Shanti Joshi W/o Late Sh. Kanhaiya Lal Joshi R/o A-500 Sarita Vihar New Delhi-110076 hereby declare that my actual and full name is Shanti Joshi but in Army record of my husband mentioned as Santi Joshi instead of Shanti Joshi. Shanti Joshi and Santi Joshi are one and the same person. Henceforth I shall be known as Shanti Joshi.

PD(8685)C

बिग बाउट मुक्केबाजी लीग में राइनोज ने बेंगलुरू को हराया

भाषा। ग्रेटर नोएडा

नार्थईस्ट राइनोज ने निखत जरीन की अगुवाई में मंगलवार को यहां बिग बाउट मुक्केबाजी लीग के मैच में शानदार वापसी करते हुए बेंगलुरू ब्रॉलर्स को 4-3 से हराया। एशियाई चैम्पियनशिप-2019 की कांस्य पदक विजेता निखत ने 51 किग्रा में जब रिंग में उतरी थीं तब बेंगलुरू की टीम 3-। से आगे थी। निखत ने बेंगलुरू की पिंकी रानी को 3-2 से हराकर राइनोज को वापसी दिलाई। इसके बाद दक्ष ने चोटिल होने के बाद भी दमदार खेल दिखाया और पुरुषों के 75 किलोग्राम भारवर्ग मुकाबले में बेंगलुरू के नितिन को 5-0 से हरा दिया। दक्ष की इस जीत ने स्कोर 3-3 से बराबर कर मैच को रोमांचक बना दिया। राइनोज के लालदिन माविया ने आखिरी मुकाबले में बेंगलुरू के आशीष इंसा को 3-2 से हराकर राइनोज को 4-3 से जीत दिला दी। इससे पहले बेंगलुरू के रेयाल पुरी ने 91 किग्रा में राइनोज के इरागाशेव तैमूर को नाकआउट किया। मनदीप जांगड़ा ने दिनेश डागर को 4-। से हराकर राइनोज को वापसी दिलाई। महिला वर्ग में सिमरनजीत (64 किग्रा) ने राइनोज की जॉनी को हराकर बेंगलुरू को फिर से बढ़त दिलाई।

महिला मुक्केबाजी चैंपियनशिप के दूसरे दिन चंडीगढ़, पंजाब का दबदबा

भाषा, कन्नूर। चंडीगढ़ और पंजाब की मुक्केबाजों ने चौथी महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के दूसरे दिन मंगलवार को यहां अपना दबदबा बनाया। चंडीगढ़ की सविता (54 किग्रा) ने पिछले साल की कांस्य पदक विजेता मणिपुर की शमीम बानू को 3-2 से जबकि 2018 की रजत पदक विजेता हरियाणा की नुपुर ने राजस्थान की श्वेता को आसानी से 5-0 से हराया। चंडीगढ़ की नीमा (64 किग्रा), मोनिका (51 किग्रा), ऋतु (57 किग्रा), मंजू (60 किग्रा) ने भी जीत दर्ज की। इस तरह से इस क्षेत्र की पांच मुक्केबाज अगले दौर में पहुंचने में सफल रही। मध्यप्रदेश की जिज्ञासा राजपूत (81 किग्रा) ने भी अगले दौर में जगह बनाई। पंजाब की मनदीप कौर (52 किग्रा), गगनदीप कौर (69 किग्रा) और कमलजीत कौर (51 किग्रा) ने आसान जीत दर्ज की।

कार्यालय ग्राम पंचायत रोरी विकास खण्ड भोजपुर गाजियाबाद

पत्रांकः 12/7/पं/रोरी/टेंडर/2019–20 दिनांकः– 02.12.2019

–: संशोधित निविदा सूचना :–

ग्राम पंचायत रोरी विकास खण्ड भोजपुर, गाजियाबाद के पत्रांक सं–11/7/पं/रोरी/टेंडर/2019–20 दिनांक 28/11/2019 के द्वारा ग्राम पंचायत की सीमांतर्गत कराये जाने वाले कार्यों हेतु टेंडर जारी किये गये थे। उस विज्ञापन की क्रम संख्या 1 से 20 की धनराशि को इस सीमा तक संशोधित समझा जायें। 11.51, 11.20, 2.28, 1.89, 2.58, 2.66, 14.42, 3.17, 3.16, 3.16, 3.16, 14. 12, 19.49, 2.61, 3.91, 12.08, 1.08, 0.62, 2.25, और 2.77 रू (लाख में) तद अनुसार अरनेस्ट मनी को निम्नानुसार पढ़ा जाये 23.01, 22.40, 4.60, 3.80, 5.20, 5.40, 28.90, 6.40, 6.40, 28.30, 39.00, 5.30, 7.90, 24.20, 2.20,–, 4.50 और 5.60 रू (हजार में) उपरोक्त संशोधन को ध्यान में रखते हुये ठेकेदारों से टेंडर आमंत्रित किये जाते हैं।

सचिव
ग्राम पंचायत रोरी
विकास खण्ड भोजपुर गाजियाबाद

भारत के धावकों ने लगाई स्वर्णिम दौड़

●एथलेटिक्स में चार स्वर्ण सहित दस पदक जीते

●भारत का एथलेटिक्स, निशानेबाजी में शानदार प्रदर्शन

●दूसरे दिन जीते 27 पदक

भाषा। काठमांडू

अजय कुमार सरोज (पुरुष 1500 मीटर दौड़) को स्वर्ण पदक

भारतीय खिलाड़ियों ने ट्रैक एवं फील्ड और निशानेबाजी में दबदबा बनाकर 13वें दक्षिण एशियाई खेलों (सैग) के दूसरे दिन मंगलवार को यहां 11 स्वर्ण सहित 27 पदक जीते और वह अब भी पदक तालिका में दूसरे स्थान पर बना हुआ है।

भारत ने एथलेटिक्स के पहले दिन दस पदक (चार स्वर्ण, चार रजत और दो कांस्य) जबकि निशानेबाजी में नौ पदक (चार स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य) जीते। वॉलीबाल में पुरुष और महिला दोनों टीमों ने स्वर्ण पदक जीते जबकि ताइक्वांडो में भारतीय खिलाड़ियों ने एक स्वर्ण और तीन कांस्य पदक हासिल किए। भारत ने इसके अलावा टेबल टेनिस में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक अपने नाम किए। भारत अब तक 43 पदक (18 स्वर्ण, 16 रजत और नौ कांस्य) जीत चुका है और वह मेजबान नेपाल (23 स्वर्ण, नौ रजत और 12 कांस्य) से पीछे है। श्रीलंका 46 पदक (पांच स्वर्ण, 14 रजत और 27 कांस्य) के साथ तीसरे स्थान पर है। एथलेटिक्स प्रतियोगिता के पहले दिन अर्चना सुसींद्रन (महिला 100 मीटर), एम जासना (महिला ऊंची कूद), सर्वेश अनिल कुशारे (पुरुष ऊंची कूद) और अजय कुमार सरोज (पुरुष 1500 मीटर दौड़) ने स्वर्ण पदक हासिल किए। सुसींद्रन 100 मीटर दौड़ में 11.80 सेकेंड का समय लेकर खेलों की सबसे तेज महिला बनी। उन्होंने श्रीलंका की थानुजी अमाशा (11.82) और लक्षिका सुंगद (11.84) को पीछे छोड़ा। महिलाओं की ऊंची कूद में जासना ने 1.73 मीटर कूद लगाकर स्वर्ण पदक जीता जबकि रूबिना यादव ने 1.69 मीटर के साथ कांस्य पदक हासिल किया। कुशारे ने पुरुषों की ऊंची कूद में 2.21 मीटर के साथ सोने का तमगा अपने नाम किया। भारत के चेतन बालासुब्रहमण्यम ने 2.16 मीटर की कूद लगाकर रजत पदक जीता। सरोज ने पुरुष 1500 मीटर में तीन मिनट 54.18 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि अजीत कुमार ने तीन मिनट 57.18 सेकेंड के साथ रजत पदक अपने नाम किया। नेपाल के तंका कार्की ने कांस्य पदक जीता। कविता यादव ने महिलाओं की 10,000 मीटर दौड़ 35 मिनट 7.95 सेकेंड में पूरी करके रजत पदक हासिल किया। इससे पहले भारत की चंदा (चार मिनट 34.51 सेकेंड) ने महिला 1500 मीटर में रजत जबकि उनकी हमवतन चित्रा पालाकीज (चार मिनट 35.46 सेकेंड) ने कांस्य पदक जीता। स्वर्ण पदक श्रीलंका की उदा कुबुरालागे (चरा मिनट 34.34 सेकेंड) ने जीता। निशानेबाजी में महिलाओं की दस मीटर एयर राइफल स्पर्धा में भारत ने दांव पर लगे सभी पदक जीते जिनमें से मेहुली घोष ने विश्व रिकार्ड से बेहतर स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। मेहुली का प्रयास हालांकि विश्व रिकार्ड नहीं माना जाएगा क्योंकि दक्षिण एशियाई खेलों के परिणाम को अंतरराष्ट्रीय संस्था (आईएसएसएफ) रिकार्ड के लिहाज से मान्यता नहीं देती। भारत ने दस मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीता। उन्नीस वर्षीय मेहुली ने फाइनल में 253.3 अंक बनाकर सोने का तमगा हासिल किया। उनका यह प्रयास विश्व रिकार्ड 252.9 से 0.4 बेहतर है। विश्व रिकार्ड एक अन्य भारतीय अपूर्वी चंदेला के नाम पर है। श्रीयंका सदांगी ने 250.8 अंक बनाकर रजत पदक जबकि श्रेया अग्रवाल ने 227.2 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। पुरुषों की 50 मीटर थ्री पिस्टल में चैन सिंह ने स्वर्ण और अखिल शेरोन ने रजत पदक जीता। योगेश सिंह और गुरप्रीत सिंह ने 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल में क्रमश: स्वर्ण और रजत पदक हासिल किए। भारत ने 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल टीम स्पर्धा में भी रजत पदक जीता। भारत ने वालीबाल स्पर्धा में पुरुष और महिला दोनों वर्ग के खिताब जीते। भारत की पुरुष वालीबाल टीम ने कड़े फाइनल में पाकिस्तान को 20-25, 25-15, 25-17, 29-27 से हराया। कांस्य पदक श्रीलंका ने जीता। महिला फाइनल में भी गत चैंपियन भारत ने नेपाल को पांच सेट में 25-17, 23-25, 21-25, 25-20, 15-6 से हराया। महिला वर्ग का कांस्य पदक भी श्रीलंका ने जीता। टेबल टेनिस में भारत ने पुरुष वर्ग के फाइनल में मेजबान नेपाल को 3-0 से हराया जबकि महिला टीम ने श्रीलंका को इसी अंतर से पराजित किया। ताइक्वांडो में कशिश मलिक ने महिलाओं के 57 किग्रा में स्वर्ण जबकि राधा भाटी (महिला 46 किग्रा), कान्हा मैनाली (पुरुष 54 किग्रा) और पृथ्वीराज चव्हाण (पुरुष 68 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते। महिला फुटबाल में भारतीय टीम ने मालदीव को 5-0 से हराकर शानदार शुरुआत की जबकि भारतीय महिला और पुरुष खो खो टीम भी फाइनल में पहुंचने में सफल रही।

सिक्की-मेघना, गायत्री क्वार्टर फाइनल में

पोखरा। गायत्री गोपीचंद तथा एन सिक्की रेड्डी और मेघना जक्कमपुडी सहित भारतीय शटलर ने मंगलवार को यहां 13वें दक्षिण एशियाई खेलों (सैग) की बैडमिंटन प्रतियोगिता की व्यक्तिगत स्पर्धाओं के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। महिला एकल में गायत्री ने नेपाल की नांगजाल तमांग को 21-9, 21-14 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। सिक्की और मेघना ने भी मालदीव की नीला अहमद नजीब और मैसा फातुल्लाह इस्माइल को 21-11, 21-10 से पराजित किया। उदीयमान शटर आर्यमन टंडन ने पुरुष एकल में पहला गेम गंवाने के बाद अच्छी वापसी करके पाकिस्तान के अवैस जाहिद को 15-21, 21-14, 21-9 से शिकस्त दी। पुरुष युगल में कृष्णा प्रसाद गर्ग और ध्रुव कपिला ने भी आसान जीत दर्ज की जबकि कुहू गर्ग और अनुष्का पारिख की जोड़ी भी आगे बढ़ने में सफल रही। भारत के सुमित रेड्डी ओर सिक्की रेड्डी की जोड़ी हालांकि मिश्रित युगल से बाहर हो गई। सुमित के अस्वस्थ होने के कारण उन्होंने अपनी प्रतिद्वंद्वी टीम को वाकओवर दिया।

भारतीय पुरुष, महिला टेबल टेनिस टीमों को स्वर्ण

काठमांडू। भारत की पुरुष और महिला टेबल टेनिस टीमों ने फाइनल में क्रमश: नेपाल और श्रीलंका को हराकर 13वें एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीते। भारत ने पुरुष वर्ग के फाइनल में मेजबान नेपाल को 3-0 से हराया जबकि महिला टीम ने श्रीलंका को इसी अंतर से पराजित किया। श्रीलंका और बांग्लादेश ने पुरुष वर्ग में कांस्य पदक जीते जबकि महिला वर्ग के कांस्य पदक नेपाल और मालदीव ने हासिल किए।

भारत की पुरुष और महिला वालीबाल टीमों ने स्वर्ण पदक जीते

काठमांडू। भारत ने मंगलवार को यहां दक्षिण एशियाई खेलों (सैग) की वालीबाल स्पर्धा में पुरुष और महिला दोनों वर्ग के खिताब जीत लिए। भारत की पुरुष वालीबाल टीम ने कड़े फाइनल में पाकिस्तान को 20-25, 25-15, 25-17, 29-27 से हराकर 2016 में घरेलू सरजमीं पर जीते स्वर्ण पदक का सफलतापूर्वक बचाव किया। भारतीय टीम ने पहला सेट गंवा दिया था लेकिन इसके बाद वापसी करते हुए अगले तीन सेट जीतकर खिताब अपने नाम किया। कांस्य पदक श्रीलंका ने जीता।महिला फाइनल में भी गत चैंपियन भारत को नेपाल के खिलाफ पांच सेट तक जूझना पड़ा। भारतीय टीम अंतत: 25-17, 23-25, 21-25, 25-20, 15-6 से खिताब जीतने में सफल रही। महिला वर्ग का कांस्य पदक भी श्रीलंका ने जीता।

मेहुली को दस मीटर एयर राइफल में स्वर्ण

●भारत ने जीते सभी पदक

दक्षिण एशियाई खेल

काठमांडू। भारतीय निशानेबाजों ने 13वें दक्षिण एशियाई खेल (सैग) में मंगलवार को यहां महिलाओं की दस मीटर एयर राइफल स्पर्धा में दांव पर लगे सभी पदक जीते जिनमें से मेहुली घोष ने विश्व रिकार्ड से बेहतर स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। मेहुली का प्रयास हालांकि विश्व रिकार्ड नहीं माना जाएगा क्योंकि दक्षिण एशियाई खेलों के परिणाम को अंतरराष्ट्रीय संस्था (आईएसएसएफ) रिकार्ड के लिहाज से मान्यता नहीं देती। भारत ने दस मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीता। उन्नीस वर्षीय मेहुली ने फाइनल में 253.3 अंक बनाकर सोने का तमगा हासिल किया। उनका यह प्रयास विश्व रिकार्ड 252.9 से 0.4 बेहतर है। विश्व रिकार्ड एक अन्य भारतीय अपूर्वी चंदेला के नाम पर है। श्रीयंका सदांगी ने 250.8 अंक बनाकर रजत पदक जबकि श्रेया अग्रवाल ने 227.2 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। एनआरएआई के एक शीर्ष अधिकारी ने पीटीआई से कहा, जहां तक मेरी जानकारी है सैग के परिणामों को रिकार्ड के लिहाज से मान्यता नहीं है। केवल विश्व कप, विश्व चैंपियनशिप, कोटा संबंधी प्रतियोगिताओं पर ही आईएसएसएफ रिकार्ड के लिहाज से विचार करता है। इसके अलावा अगर परिणामों को रिकार्ड में शामिल करना है तो वहां आईएसएसएफ का एक रेफरी होना जरूरी है।

भारतीय महिला टीम की मालदीव पर आसान जीत

पोखरा। बाला देवी के दो गोल की मदद से मौजूदा चैंपियन भारतीय महिला फुटबाल टीम ने मंगलवार को यहां मालदीव को 5-0 से करारी शिकस्त देकर दक्षिण एशियाई खेल (सैग) में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। बालादेवी ने दो गोल किए जबकि डेंगमेई ग्रेस, मनीषा और जाबमनी टुडु ने एक एक गोल दागा जिससे भारतीय टीम तीन अंक हासिल करने में सफल रही। ग्रेस ने पांचवें मिनट में ही भारत को बढ़त दिला दी थी जबकि बालादेवी ने 25वें और 33वें मिनट में गोल करके भारत की बढ़त मजबूत की। भारत मध्यांतर तक 3-0 से आगे था। भारतीय टीम ने अंतिम क्षणों में दो गोल दागकर अपनी जीत दमदार बना दी। मनीषा ने 87वें मिनट में और जाबमनी ने 88वें मिनट में गोल किए। भारत अपना अगला मैच गुरुवार को श्रीलंका के खिलाफ खेलेगा।

भारतीय महिला एवं पुरुष खो खो टीमें फाइनल में

काठमांडू। भारत की महिला एवं पुरुष खो खो टीमों ने श्रीलंकाई टीमों पर दमदार जीत के साथ मंगलवार को यहां 13वें दक्षिण एशियाई खेलों के फाइनल में जगह बनाई। पुरुष टीम बुधवार को होने वाले फाइनल में बांग्लादेश से जबकि महिला टीम मेजबन नेपाल से भिड़ेगी। बालासाहेब पोकार्डे के नेतृत्व में खेल रही पुरुष टीम ने रक्षण और आक्रमण दोनों विभाग में शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को सेमीफाइनल में एक पारी और 13 अंकों से हराया। इस मैच का स्कोर 21-8 रहा। इसी तरह महिला टीम ने श्रीलंका पर अपना वर्चस्व दिखाते हुए 32-4 के स्कोर के साथ फाइनल में प्रवेश किया। पुरुष वर्ग में सत्यजीत सिंह ने जहां पांच अंक बनाए वहीं अक्षय गनपुले ने तीन मिनट तक दौड़ते हुए भारत को फाइनल में पहुंचाया। इस बीच, नसरीन के नेतृत्व वाली महिला टीम ने श्रीलंकाई महिलाओं को बिल्कुल एकतरफा अंदाज में पराजित किया। मैच के बाद भारतीय कप्तान नसरीन ने कहा, हमने आज शानदार खेल दिखाया। हमने विपक्षी टीम को पैर जमाने का कोई मौका नहीं दिया।

चोटिल बोल्ट और ग्रांडहोमे का आस्ट्रेलिया में खेलना संदिग्ध

हैमिल्टन। चोट के कारण इग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर रहे न्यूजीलैंड के क्रिकेटर ट्रेंट बोल्ट और कोलिन डि ग्रांडहोमे का आस्ट्रेलिया में आगामी श्रृंखला मे खेलना संदिग्ध है। कोच गैरी स्टीड ने कहा कि दोनो चोट से उबर रहे है लेकिन पूरी तरह से फिट नही है। बोल्ट और ग्रांडहोमे को पहले टेस्ट मे मांसपेशी मे चोट लगी थी। स्टीड ने कहा कि उन्हे शुक्रवार तक अपनी फिटनेस साबित करनी होगी। न्यूजीलैंड टीम अगले दिन आस्ट्रेलिया रवाना होगी। कोच ने कहा , मै यकीनन नही कह सकता लेकिन मुझे उम्मीद है कि ए दोनो टीम मे होगे।

समय के साथ बेहतर होते जाएंगे युवा गेंदबाज : वकार

कराची। पाकिस्तान के युवा तेज गेंदबाज आस्ट्रेलिया मे नाकाम रहे लेकिन गेंदबाजी कोच वकार यूनिस ने आलोचको के निशाने पर खड़े अपने गेंदबाजो का पक्ष लेते हुए कहा कि अनुभव हासिल करने के साथ वे बेहतर बनते जाएंगे। पाकिस्तान ने आस्ट्रेलिया दौरे के लिए तीन युवा तेज गेंदबाजों को चुना लेकिन उसका यह फैसला सही साबित नही हुआ और उनके खिलाफ टेस्ट मैचो मे ढेर सारे रन बने। पाकिस्तान को ब्रिस्बेन और एडिलेड दोनो टेस्ट मैचो मे पारी से हार झेलनी पड़ी।

इस खराब प्रदर्शन के कारण आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिग ने पाकिस्तान की गेंदबाजी इकाई को खराब आक्रमण करार दिया। वकार ने स्वीकार किया कि यह प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उन्होने कहा, हां मै स्वीकार करता हूं कि यह वैसा परिणाम नही रहा जैसा हम चाहते थे, लेकिन जब आप किशोर होते है तो अपनी लाइन और लेथ पर नियंत्रण नही रख पाते है जो कि टेस्ट मैचो मे जरूरी है। वकार ने कहा, मेरा मानना है कि जब वे कुछ मैच खेल लेगे तो बेहतर होते जाएंगे तथा शाहीन (शाह अफरीदी) इसका उदाहरण है।

रहाणे और पृथ्वी मुंबई की रणजी टीम में

● बड़ौदा के खिलाफ मुकाबले के लिए रहेंगे उपलब्ध

भाषा। मुंबई

टेस्ट विशेषज्ञ अजिंक्य रहाणे और युवा सलामी बल्लेबाज पृथ्वी साव को बड़ौदा के खिलाफ होने वाले मुंबई के पहले रणजी ट्राफी मुकाबले के लिए 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया। मिलिंद रेगे की अगुआई वाली तदर्थ चयन समिति ने सोमवार को ही टीम का चयन कर लिया था लेकिन मुंबई क्रिकेट संघ ने मंगलवार को टीम की घोषणा की। मुंबई की टीम 2019-20 रणजी ट्राफी सत्र का अपना पहला मैच नौ दिसंबर से वडोदरा में बड़ौदा के खिलाफ खेलेगी। टीम की कमान बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को सौंपी गई है जबकि अनुभवी विकेटकीपर आदित्य तारे उप कप्तान होंगे। भारत के टेस्ट विशेषज्ञ रहाणे को अच्छा मैच अभ्यास मिलेगा क्योंकि भारत को अब टेस्ट मैच दो महीने बाद न्यूजीलैंड में खेलने हैं। आठ महीने के डोपिंग प्रतिबंध के बाद सैयद मुश्ताक अली ट्राफी के लीग चरण में वापसी करने वाले पृथ्वी के लिए भी यह मैच फार्म हासिल करने का मौका होगा। सूत्रों के अनुसार सिद्धेश लाड इस मैच के लिए उपलब्ध नहीं होंगे क्योंकि शुक्रवार वह विवाह के बंधन मे बंधने जा रहे हैं। टीम : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), आदित्य तारे, अजिंक्य रहाणे, पृथ्वी साव, जय बिस्टा, शुभम रंजने, आकाश पारकर, सरफराज खान, शम्स मुलानी, विनायक भोईर, शशांक अतार्दे, शार्दुल ठाकुर, तुषार देशपांडे, धवल कुलकर्णी और एकनाथ केरकर।

तमिलनाडु की अगुवाई करेंगे विजय शंकर

चेन्नई। हरफनमौला विजय शंकर को नौ दिसंबर से शुरू हो रहे रणजी सत्र में तमिलनाडु की टीम का कप्तान बनाया गया है। तमिलनाडु क्रिकेट संघ की प्रदेश चयन समिति ने टीम का ऐलान किया जिसमें आर अश्विन को जगह दी गई है लेकिन मुरली विजय बाहर हैं। कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश के खिलाफ पहले दो मैचों के लिए टीम का ऐलान किया गया है। टीम : विजय शंकर (कप्तान), बी अपराजित, मुरली विजय, अभिनव मुकुंद, के दिनेश कार्तिक, एन जगदीशन, आर अश्विन, आर साइ किशोर, टी नटराजन, के विग्नेश, अभिषेक तंवर, एम अश्विन, एम सिद्धार्थ, शाहरूख खान, के मुकुंद।

बुमराह ने दिल्ली कैपिटल्स के ट्रेनर के साथ अभ्यास शुरू किया

नई दिल्ली। चोट से उबर चुके भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के ट्रेनर रजनीकांत शिवज्ञानम के साथ अभ्यास शुरू कर दिया है। बुमराह को सितंबर में कमर में स्ट्रेस फ्रेक्चर हुआ था। वह दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू श्रृंखलाएं नहीं खेल सके। वह वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी श्रृंखला भी नहीं खेल सकेंगे। एक सूत्र ने बताया , वह एमसीए पर अभ्यास कर रहे हैं। यह निजी बंदोबस्त है। बुमराह अगले साल न्यूजीलैंड दौरे पर वापसी करेंगे जिसमें भारत पांच टी20, तीन वनडे और दो टेस्ट खेलेगा। दिल्ली आईपीएल टीम के कर्मचारी होने के बावजूद रजनीकांत खिलाड़ियों के साथ व्यक्तिगत तौर पर भी काम करते हैं। दिल्ली कैपिटल्स के एक सूत्र ने कहा , जब आईपीएल नहीं चल रहा है तब रजनीकांत किसी के भी साथ काम करने के लिए स्वतंत्र हैं।

सौरभ विश्व रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ 29वें स्थान पर

● शीर्ष 30 में छठे भारतीय

भाषा। नई दिल्ली

सैयद मोदी इंटरनेशनल में उप विजेता रहे भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी सौरभ वर्मा ने मंगलवार को विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) की नवीनतम रैंकिंग में करियर का सर्वश्रेष्ठ 29वां स्थान हासिल किया। मध्य प्रदेश के 26 साल के सौरभ ने 2012 में विश्व रैंकिंग में 30वां स्थान हासिल किया था। उन्होंने इस साल हैदराबाद और वियतनाम में दो बीडब्ल्यूएफ सुपर 100 खिताब के अलावा मई में स्लोवेनिया इंटरनेशनल सीरीज जीती थी। तीन बार के राष्ट्रीय चैंपियन ने रविवार को पहली बार लखनऊ में सुपर 300 टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई थी जहां उन्हें चीनी ताइपे के वैंग जू वेई से हार का सामना करना पड़ा। इस प्रदर्शन की बदौलत हालांकि वह सात स्थान के फायदे से 29वें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारत एकमात्र देश है जिसके छह खिलाड़ी शीर्ष 30 में शामिल हैं। चीन के पांच खिलाड़ी शीर्ष 30 में हैं। युवा महिला खिलाड़ी अस्मिता चालिहा भी 18 स्थान के फायदे से महिला एकल में शीर्ष 100 में पहुंच गई हैं। गुवाहाटी की 20 साल की इस खिलाड़ी ने पिछले हफ्ते सैयद मोदी इंटरनेशनल के रूप में पहली बार सुपर 300 टूर्नामेंट में खेलते हुए प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। शीर्ष महिला एकल खिलाड़ियों पीवी सिंधू (छह) और साइना नेहवाल (10) की रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं आया है। किदांबी श्रीकांत और बी साई प्रणीत भी पुरुष एकल रैंकिंग में क्रमश: 12वें और 11वें स्थान पर बने हुए हैं।

न्यूजीलैंड ने दूसरा टेस्ट ड्रा कराकर श्रृंखला जीती

● इंग्लैंड के खिलाफ वर्षाबाधित दूसरा टेस्ट

भाषा। हैमिल्टन

टेलर का शतक

केन विलियमसन और रोस टेलर के शतकों की मदद से न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के खिलाफ वर्षाबाधित दूसरा टेस्ट ड्रा कराके श्रृंखला 1- 0 से जीत ली।

न्यूजीलैंड को आखिरी दिन हार से बचने के लिए ठोस पारियों की जरूरत थी। इसके अलावा इंग्लैंड के खराब क्षेत्ररक्षण ने उसकी राह आसान कर दी। विलियमसन को पारी में तीन जीवनदान मिले। लंच के तुरंत बाद तेज बारिश शुरू हो गई थी जब न्यूजीलैंड का स्कोर दूसरी पारी में दो विकेट पर 241 रन था। टेलर 105 और विलियमसन 104 रन पर खेल रहे थे। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड का पिछली 10 टेस्ट श्रृंखलाओं में रिकार्ड आठ जीत, एक ड्रा और दक्षिण अफ्रीका से मिली एक हार का हो गया। विलियमसन ने लंच के बाद तीसरे ओवर में जो रूट को चौका लगाकर अपना 21वां टेस्ट शतक पूरा किया। वहीं टेलर ने रूट के अगले ओवर में अपना 19वां शतक पूरा किया। उन्होंने इस ओवर में लगातार दो गेंदों पर एक चौका और एक छक्का लगाया। न्यूजीलैंड ने दो विकेट पर 96 रन से आगे खेलना शुरू किया था। इंग्लैंड के इरादे शुरूआती विकेट जल्दी लेने के थे लेकिन ओली पोप और जो डेनली ने विलियमसन के आसान कैच छोड़कर उसके इरादों पर पानी फेर दिया। विलियमसन ने उस समय 39 रन ही बनाए थे जब पोप ने बेन स्टोक्स की गेंद पर उनका कैच छोड़ा। उसके बाद डेनली ने 62 के योग पर उनका आसान कैच टपकाया।

लता मंगेशकर के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है: परिवार

मुम्बई। जानीमानी पार्श्व गायिका लता मंगेशकर के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। मंगेशकर को तीन सप्ताह पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यह जानकारी उनकी भांजी ने मंगलवार को दी। 90 वर्षीय मंगेशकर को गत 11 नवम्बर को सांस लेने में परेशानी होने की शिकायत के बाद ब्रीच कैंडी अस्पताल की गहन देखभाल इकाई (आईसीयू) में भर्ती कराया गया था। उन्हें वेंटीलेटर पर रखा गया था। रचना शाह ने कहा, उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। प्रार्थना और शुभेच्छाओं ने काम किया है। हम सभी को धन्यवाद देना चाहते हैं। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि मंगेशकर अभी भी आईसीयू में हैं या वेंटीलेटर पर हैं। लता मंगेशकर ने सात दशक के अपने करियर में विभिन्न भाषाओं में 30 हजार से अधिक गाने गाए हैं। उन्हें भारतीय सिनेमा के महानतम पार्श्व गायकों में से एक माना जाता है। उन्हें 2001 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया था।

कंगना की 'मणिकर्णिका' अब जापान में रिलीज होगी

मुंबई। ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित अभिनेत्री कंगना रनौत की फिल्म 'मणिकर्णिका = द क्वीन ऑफ झांसी' तीन जनवरी, 2020 को जापान में रिलीज हो रही है। कंगना और राधा कृष्णा जगरलामुदी द्वारा निर्देशित यह फिल्म महारानी लक्ष्मीबाई की जिंदगी पर आधारित है। जापान में इस फिल्म को जी स्टूडियोज इंटरनेशनल रिलीज करेगी। जापान में फिल्म की रिलीज पर जी स्टूडियोज इंटरनेशनल की प्रधान विभा चोपड़ा ने कहा,'रानी लक्ष्मीबाई की यह कहानी सही मायनों में उनकी वीरता, शक्ति और बलिदान को दर्शाती है। विश्व स्तर पर दर्शकों के साथ उनकी इस गाथा को याद करते हुए 'मणिकर्णिका' जापान में रिलीज होने के लिए बिल्कुल तैयार है। फिल्म में अतुल कुलकर्णी, सुरेश ओबेरॉय, डैनी डेन्जोंगप्पा और अंकिता लोखंडे भी है।

ऐप लॉन्च में नहीं पहुंचे अमिताभ

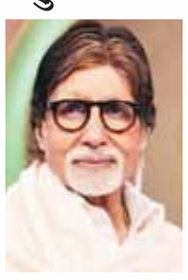

हाल ही में सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने एक ऐप के लॉन्च समारोह में अनुपस्थित रहे और इसी से उनके स्वास्थ्य को लेकर अटकलों का बाजार गर्म हो गया। यद्यपि वो शारीरिक रूप से इस समारोह में नहीं पहुंच सके लेकिन अपने एक वीडियो संदेश में अमिताभ ने देश में शिक्षा के बारे में बताया और इस ऐप के निर्माताओं को बधाई दी। उन्होंने रणबीर कपूर के साथ मनाली में फिल्म ब्रम्हास्त्र की शूटिंग के कुछ दृश्य भी दर्शकों से साझा किये।

टॉम हूपर की म्यूज़िकल 'कैट' भारत में होगी रिलीज

ऑस्कर विजेता हॉलिवुड निर्देशक टॉम हूपर की सितारों से सजी म्यूजिकल हिट 'कैट्स' को शीघ्र ही भारत में रिलीज़ किया जाएगा। इस फिल्म में टेलर स्विफ्ट, जेनिफर हडसन, जेम्स कॉर्डन, इदरिस एल्बा, इयान मैककेलन, रेबेल विल्सन, जूडी डेंच तथा जैसन डेर्यूलो जैसे सितारे भी सहभागिता कर रहे हैं। फिल्म नई पीढ़ी के लिए तैयार किये जाने वाली म्यूज़िकल की भी पुनर्कल्पना कर रही है। वेस्टएंड तथा ब्रॉडवे के इतिहास में चलने वाले शोज़ में ये सबसे लंबे शोज़ में से एक था। वर्ष 1981 में कैट्स का न्यू लंदन थियेटर में विश्व प्रीमियर आयोजित किया गया था।

'एक दिन संगीत को भारतीय जड़ों की ओर लौटना ही होगा'

जाने-माने बॉलीवुड गायक **कुमार सानू** ने फिल्मों में कई लोकप्रिय गाने दिये हैं। आज भी उनके प्रशंसकों की कमी नहीं है। हाल ही में उन्होंने अपना एक नया गाना 'ईशा साफ' 'गाना ऑरिजिनल्स' प्लेटफॉर्म पर प्रस्तुत किया है। अब तक की यात्रा तथा कॅरियर में उनके अनुभवों के बारे में उनसे बात की पायनियर संवाददाता **शालिनी सक्सेना** ने -

■ आपने गाना रिलीज़ करने के लिए गाना ऑरिजिनल्स को ही क्यों चुना?

– मैंने गाना प्लेटफॉर्म को अपने गाने की रिलीज़ के लिए इसलिये चुना क्योंकि यही एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जिसके श्रोता श्रेणी 2 तथा श्रेणी 3 के नगरों में भी पर्याप्त संख्या में हैं। इसी ऐप पर अधिकांष श्रोता अपने प्रिय गानों को सुनना पसंद करते हैं। उनकी लाइब्रेरी भी विषाल है और यही कारण है कि मेरे द्वारा उनके प्लेटफॉर्म को चुना जाना एक सही निर्णय है। इससे मेरा संगीत अधिकतम लोगों तक पहुंचने में सफल रहेगा।

■ गाना किस बारे में है?

– ये गाना ऑरिजिनल लव सीज़न 3 के लिए बना है और ये एक रोमांटिक मेलडीयुक्त गाना है। इसमें आधुनिक समय के अनुसार विषेष प्रभाव भी दिये गए हैं। शाबिर ने इसके बोल लिखे हैं। दंपतियों के बीच रोमांस की लौ जगाने के लिए इसका प्रयोग किया जा सकता है। इस गाने में प्रस्तुत कहानी सुंदर और श्रेष्ठ है।

■ आप दषकों से प्लेबैक करते आ रहे हैं। इस इंडी स्पेस में आपके लिए क्या आकर्षण हो सकता है?

– जी हां, इसका लाभ है। मैंने अपने कॅरियर में अब तक लगभग 20000 गाने गाए हैं और मेरा मानना है कि इंडी स्पेस गायक और श्रोताओं दोनों के लिए लाभकारी है। हमारे प्रषंसकों तथा अनुयायियों के लिए भी अच्छी है।

■ क्या आप मानते हैं कि आप पार्श्वगायन से ऊपर आ चुके हैं और अब आप अपना स्वयं का संगीत बनाना चाहते हैं?

– नहीं, मैं अपना संगीत नहीं बनाना चाहता। मैं कभी भी संगीत निर्देषक नहीं रहा लेकिन मैं अपने लिए संगीत बनाता हूं। पार्श्वगायन ने मुझे बहुत कुछ दिया है और मैने कई चीजें सीखी हैं और मेरे लिए ये पर्याप्त हैं। मैंने एक फिल्म भी की है। लेकिन ये सब मौज-मस्ती के लिए ही था न कि पेषेवर ढंग से कुछ किया गया था। मेरा जॉनर गाना है और मैं अपने प्रषंसकों तथा श्रोताओं के लिए जितने हो सकेगा गाने गाऊंगा।

■ आपने कुछ समय से कंसर्ट भी की हैं। उनमें सबसे अच्छी चीज क्या है?

– मैं दुनिया भर में कंसर्ट्स करता आ रहा हूं कंसर्ट्स में सबसे अच्छी बात दर्षकों की त्वरित प्रतिक्रिया होती है। इसी से पता चलता है कि लोगों को गाना कितना अच्छा लगा और कंसर्ट कितनी सफल रही। हमारे लिए तालियों की गड़गड़ाट विटामिन का काम करती हे। जब मैं गाता हूं और अंत में लोगों की तालियां मिलती हैं तो ये अद्भुत अनुभव होता है। मुझे कंसर्ट्स करना पसंद है।

■ क्या ऐसा भी कुछ हुआ है जो आपके विरोध में गया हो?

– एक कलाकार के रूप में कई चुनौतियां होती है। लेकिन इनके बारे में अब बात करने का कोई औचित्य नहीं है। 'जो है नाम वाला वही तो बदनाम है' वाली कहावत यहां चरितार्थ होती है। यदि लोगों ने मुझसे विद्रोह किया है तो मैंने उसे सकारात्मक रूप में लिया और ये मेरे लिए उपयोगी साबित हुआ। मेरा मानना है कि मुझे अपने प्रषंसकों के लिए काम करते रहना होगा और लोगों को मेरे अच्छे काम से मेरा आकलन करने का अवसर देना चाहिये।

■ आज का संगीत किस दिषा में अग्रसर है?

– उस समय सुरीले गाने बनाए जाते थे आज भी ये सही है। मैंने मीत ब्रदर्स को सुना है। उनके कई गाने सुरीले होते हैं। उस समय फिल्म में 10 गाने होते थे तो सात या आठ में सुर सही होते थे। आजकल फिल्म में एक गाना ही सुरीला होता है। हम पष्चिम का अनुकरण कर रहे हैं। लेकिन भारतीय होने के कारण हमें संगीत में अपनी जड़ों की ओर आना ही पड़ेगा। लोगों को संगीत को जहां ले जाना हो ले जाएं। लेकिन एक दिन उन्हें हमारे संगीत की ओर लौटना ही होगा।

■ लोग तो आपके गाने सुनते हैं। आप स्वयं क्या सुनते हैं?

– मेरे प्रषंसकों को ये सुनने का मन होगा कि मैं क्या सुनता हूं लेकिन आप मेरा विष्वास कीजिये कि मैं अधिक गाने नहीं सुनता। मैं केवल अपनी बेटी के गाए गाने ही सुनता हूं। अभी वो केवल 17 साल की है लेकिन वो बहुत ही सुंदर गाती है।

■ आपकी भावी योजना क्या करने की है?

– मेरे पास कई परियोजनाएं हैं। मेरे पास अगले साल के लिए कई गाने तथा कुछ बड़ी फिल्मों के गाने भी हैं। मैं यूट्यूब पर सामान्यतया हर दूसरे दिन गाना रिलीज़ करता हूं और आपको बताते हुए प्रसन्नता का अनुभव कर रहा हूं कि इंडस्ट्री में 31-32 साल तक काम करने के बाद भी आज भी मैं आगे बढ़ रहा हूं। मेरे कई गाने रिलीज़ हो चुके हैं और जनवरी 2020 में श्रोताओं के लिए एक अच्छा गाना आने वाला है।

महिलाएं घुड़सवारी करते हुए सेक्सी लगती हैं:चारु

मुंबई। अभिनेत्री चारु कश्यप को घुड़सवारी करना बेहद पसंद है और वह इसे एक 'माचो स्पोर्ट' के तौर पर नहीं देखती हैं। चारु का कहना है कि घुड़सवारी करते हुए महिलाएं सेक्सी और आकर्षक दिखती हैं। चारु घुड़सवारी का प्रशिक्षण ली हुई हैं और जब कभी उन्हें वक्त मिलता है, तभी वह इसका आनंद लेती हैं। इसकी शुरुआत शौकिया तौर पर हुई थी, जो बाद में उनका जुनून बन गया। चारु ने कहा, 'मेरे पिता डिफेंस में थे। मुझे बचपन से घुड़सवारी करना पसंद है। जब कभी मुझे समय मिलता है, मैं इसे करना पसंद करती हूं। लोग घुड़सवारी को एक माचो स्पोर्ट कहते हैं, लेकिन घुड़सवारी करते हुए महिलाएं सेक्सी और आकर्षक दिखती हैं। उन्होंने आगे कहा, 'निकट भविष्य में मैं पेशेवर रूप से घुड़सवारी करना पसंद करूंगी। मुझे यह काफी सुकून देने वाला लगता है, मेरे लिए यह एक तरह से तनाव से राहत देने का काम करती है।

टीवी पर जुवेनाइल-क्राइम मामले प्रस्तुत करेंगी रानी

मुंबई। किशोरों द्वारा अंजाम दिए जा रहे अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए अभिनेत्री रानी मुखर्जी जल्द ही एक समाचार चैनल पर एंकर की भूमिका निभाती नजर आएंगी। यह उनकी आगामी फिल्म 'मर्दानी-2' के प्रचार अभियान का एक हिस्सा है। रानी ने कहा, 'फिल्म 'मर्दानी-2' का उद्देश्य भारत में किशोरों द्वारा महिलाओं के साथ होने वाले जघन्य अपराधों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। इसके पीछे मेरा मकसद किशोरों में तेजी से बढ़ रहीं हिंसक अपराधों की प्रवृत्ति के गंभीर सामाजिक खतरे को सामने लाने के लिए अपनी ओर से थोड़ा प्रयास करना है। मैं देश भर में घटित हो रहे किशोर अपराधों के चौंकाने वाले मामलों पर लोगों से बात करने के लिए देश के सबसे बड़े चैनल में से एक में एंकर के तौर पर ये शुरुआत कर रही हूं।'

गोपी पुथ्रान द्वारा निर्देशित 'मर्दानी-2' भारत में किशोरों द्वारा हिंसक अपराधों में हो रही वृद्धि पर केंद्रित फिल्म है। यह फिल्म 13 दिसंबर को रिलीज होगी।

अब ऑनस्क्रीन मिताली राज बनेंगी तापसी

मुंबई। निर्देशक राहुल ढोलकिया भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज की कहानी को बड़े पर्दे पर लाने की तैयारी कर रहे हैं, 'शाबाश मिठू' नामक इस बायोपिक में अभिनेत्री तापसी पन्नू शीर्षक भूमिका में अभिनय करेंगी।

तापसी ने इस बारे में कहा, 'जहां तक महिलाओं के क्रिकेट की बात है तो भारत की सबसे सफल कप्तान के किरदार को निभाना वाकई में सम्माननीय है। यद्यपि अभी से मैंने इस किरदार को निभाने को लेकर दबाव महसूस करना शुरू कर दिया है, फिलहाल मुझे नहीं लगता कि मैं इसे किसी और के साथ बांटना चाहती हूं।' इस बायोपिक के बारे में मिताली ने कहा, 'मैंने हमेशा क्रिकेट में ही नहीं, बल्कि सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए समान अवसर के लिए अपनी राय जाहिर की है। न केवल मेरी कहानी को पर्दे पर जीवंत करने के लिए, बल्कि जो महिलाएं सपने देखने का हिम्मत रखती हैं, उन तक पहुंचने के लिए मुझे एक बड़ा प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने के मद्देनजर मैं अजीत अंधारे और वायकॉम 18 स्टूडियोज का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं।'

म्यूजिक वीडियो में कथक करती नजर आएंगी श्रिया सरन

मुंबई। अभिनेत्री श्रिया सरन एक म्यूजिक वीडियो में कथक करती नजर आएंगी, जिसके लिए उन्होंने कथक कोरियोग्राफर संदीप महावीर के साथ सहभागिता की है। संदीप अपने पहले म्यूजिक अल्बम को लॉन्च करने के लिए तैयार हैं और श्रिया अल्बम के गीतों में से एक में दिखाई देंगी।

संदीप ने कहा, 'मैंने एक बड़े अल्बम के लिए इस गीत का निर्देशन किया है। यह दिग्गज शख्सियत पंडित बिरजू महाराज की कविता है। यह अल्बम पंडित बिरजू महाराज को भी समर्पित है। संगीत को राजीव महावीर ने तैयार किया है और इस गीत का निर्माण रचना सारंग ने किया है। तो मैंने इस वीडियो में श्रिया सरन को लेने के बारे में और उनसे कथक कराने के बारे में सोचा। इस गाने को सुदीप चटर्जी ने फिल्माया है। मैं इस शानदार वीडियो के रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं, क्योंकि यह मेरे दिल के बहुत करीब है।' गाने को श्रेया घोषाल ने गाया है। इसके अगले महीने रिलीज होने की उम्मीद है।

मुझे सहानुभूति रखने वाले किरदार पसंद हैं: अजरेना

सियोल। अभिनेत्री एड्रिया अजरेना का कहना है कि आगामी नेटफ्लिक्स फिल्म '6 अंडरग्राउंड' में उनका किरदार दमदार है, क्योंकि उसके पास हृदय है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उन्हें सहानुभूति रखने वाले किरदार पसंद हैं। अजरेना ने यहां पत्रकारों से कहा, 'मैंने एक डॉक्टर का किरदार निभाया है, जो लोगों की मदद करने के लिए और उनका जीवन बचाने के लिए तत्पर रहती है।' इसके अलावा जब उनसे पूछा गया कि किरदार में उन्हें सबसे अधिक आर्कषित करने वाली बात क्या लगी, तो उन्होंने कहा, 'मुझे ऐसे किरदार निभाने पसंद हैं, जो सहानुभूति रखते हैं। मेरे लिए यह आसान होता है क्योंकि मैं हर किसी के साथ जुड़ जाती हूं। मेरे ख्याल से यह मेरे लिए काफी आसान था।'

'रागिनी एमएमएस' की टीम में शामिल होकर अंतरा रोमांचित

मुंबई। अभिनेत्री अंतरा बनर्जी 'रागिनी एमएमएस रिटर्न्स सीजन 2' की टीम में शामिल होने से बेहद रोमांचित हैं। उनका कहना है कि इस वेब शो के साथ वह दर्शकों को अपनी विविधता दिखाने के लिए काफी उत्सुक हैं।

'कसौटी जिंदगी की' और 'बढ़ो बहू' जैसे कार्यक्रमों में काम कर चुकीं अंतरा ने इस बारे में कहा, 'बालाजी के साथ मेरा एक खास रिश्ता है, तो जब वे 'रागिनी एमएमएस रिटर्नस सीजन 2' का प्रस्ताव लेकर मेरे पास आए और पूछा कि क्या मैं इस तरह के एक बेहतरीन और सशक्त किरदार को निभाना चाहूंगी, तो मैंने इस बारे में दोबारा नहीं सोचा। दर्शकों को मेरा यह किरदार कितना पसंद आएगा, इसे देखने के लिए मैं बहुत उत्सुक हूं। यह पर्दे पर मेरे निभाए गए पहले के किरदारों से बिल्कुल अलग है।' जी5 और ऑल्ट बालाजी का यह वेब शो 'रागिनी एमएमएस' फैंचाइजी की तीसरी किश्त है और इसकी वापसी एक हॉरर स्टोरी के रूप में ही होने जा रही है। शो में आरती खेत्रपाल, ऋषिका नाग, आध्या गुप्ता, विक्रम सिंह राठौड़, दिव्या अग्रवाल और वरुण सूद जैसे कलाकार हैं। अंतरा ने कहा, 'कहानी में कई तरह के रोचक मोड़ हैं जो दर्शकों को पर्दे से जोड़े रखेगी।'

जी5 और ऑल्ट बालाजी का यह वेब शो 'रागिनी एमएमएस' फैंचाइजी की तीसरी किश्त है और इसकी वापसी एक हॉरर स्टोरी के रूप में ही होने जा रही है।